



Career Guide

(Guide to Choose Right Career)



STEPS TO CHOOSE THE RIGHT CAREER PATH

जिला प्रशासन, धमतरी छत्तीसगढ़

01. राष्ट्रीय साधन–सह प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा (NMMSE)

शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग भारत सरकार द्वारा प्रतिभाशाली एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने हेतु NCERT द्वारा SCERT के माध्यम से सन् 2008 से राष्ट्रीय साधन–सह प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को नवमी से बारहवीं तक की पढ़ाई हेतु प्रतिमाह 1000.00 रू. छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस परीक्षा के लिए विज्ञापन सामान्यतः जुलाई माह में जारी किया जाता है तथा परीक्षा अक्टूबर/नवंबर माह में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :– 1. इस परीक्षा में **कक्षा आठवीं** में शासकीय विद्यालयों/नगर निगम/नगर पालिका के विद्यालयों/अशासकीय अनुदान प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थी ही भाग ले सकते हैं। केन्द्र शासन द्वारा संचालित विद्यालय/ अशासकीय गैर अनुदान प्राप्त विद्यालयों एवं आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थी इस परीक्षा हेतु पात्र नही होते है।

2. विद्यार्थी के पिता/पालक की वार्षिक आय 03 लाख रूपयें से अधिक नही होनी चाहिए। उसे इस आशय का तहसीलदार द्वारा जारी किया गया आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होता है।

3. कक्षा सातवीं की परीक्षा विद्यार्थी न्यूनतम 55 प्रतिशत (अ.ज.जा/अ.जा. के लिए 50 प्रतिशत) अंक से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

आवेदन प्रक्रिया :– कक्षा आठवी में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को अपना आवेदन पत्र विद्यालय के प्राचार्य के पास जमा करना होता है। छात्र, आवेदन पत्र अपने विद्यालय से या SCERT छ.ग. की वेबसाईट www.scert.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र भी अपने विद्यालय के माध्यम से ही प्राप्त होता है। आवेदन पत्र निःशुल्क होता है।

परीक्षा योजना :– यह परीक्षा राज्य स्तर पर आयोजित की जाती है।

इस परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैः–

प्रश्न पत्र क्र.	**विवरण**	कुल प्रश्न	कुल अंक	कुल समय
1	बौद्धिक योग्यता परीक्षण (MAT)	90	90	120 मिनट
2	(शैक्षिक योग्यता परीक्षण (SAT) ➢ गणित ➢ विज्ञान (भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान) ➢ सामाजिक विज्ञान (इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, अर्थशास्त्र)	 20 35 35	 20 35 35	120 मिनट
	कुल	**180**	**180**	

टीप :–

1. प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के चार संभावित उत्तर दिये रहते है। सही उत्तर पर काला/नीला डाट पेन से OMR Sheet पर प्रविष्टि करनी होती है।
2. ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होता है।
3. छात्र को इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए NCERT द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

परीक्षा परिणाम :– परीक्षा के परीक्षा परिणाम संबंधित राज्य के SCERT द्वारा जारी किया जाता है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक राज्य का एक निश्चित संख्या निर्धारित है। अर्ह घोषित किये गये विद्यार्थियों में अजजा/अजा/अपिव/दिव्यांग वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शासन के नियमानुसार आरक्षण होता है।

छात्रवृत्ति की राशि :– राष्ट्रीय साधन–सह प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में अंतिम रूप से अर्ह घोषित किये गये विद्यार्थियों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार/NCERT द्वारा निम्नानुसार प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है :–

1. नवमीं से बारहवीं कक्षा तक – 1000/– प्रतिमाह (वार्षिक 12,000.00 रू.)
2. विद्यार्थी को शासन द्वारा प्रदत किसी एक ही छात्रवृत्ति का लाभ मिलता है।

विस्तृत जानकारी :– SCERT रायपुर की वेबसाईट www.scert.cg.gov.in तथा NCERT की वेबसाईट www.ncert.nic.in से जानकारी प्राप्त कर सकते है।

The woods are lovely, dark and deep
But I have promises to keep.
And miles to go before I sleep,
And miles to go before I sleep.

- Robert Frost

गहन सघन मनमोहक वन तरू मुझको आज बुलाते है,
किन्तु किये जो वादे मैंने, याद मुझे वो आते है।
अभी कहा आराम वदा, यह मूक निमंत्रण छलना है,
अरे अभी तो मीलों मुझको, मीलों मुझको चलना है।।

– हरिवंशराय बच्चन

02. राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (NTSE)

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के खोज एवं उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने हेतु NCERT द्वारा सन् 1963 से राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को पीएचडी की पढ़ाई तक (व्यवसायिक कोर्स में पढ़ाई करने पर पोस्ट ग्रेज्यूट तक) मासिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस परीक्षा के लिए विज्ञापन सामान्यतः जुलाई माह में जारी किया जाता है तथा राज्य स्तर पर परीक्षा अक्टूबर/नवंबर माह तथा इसमें सफल होने पर राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा मई माह में आयोजित की जाती है।

आवश्यक अर्हता :– राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में राज्य शासन/केन्द्र शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा दसवीं में अध्ययनरत् छात्र ही शामिल हो सकते है।

आवेदन प्रक्रिया :– कक्षा दसवीं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को अपना आवेदन पत्र विद्यालय के प्राचार्य के पास जमा करना होता है। छात्र, आवेदन पत्र अपने विद्यालय से या SCERT छ.ग. की वेबसाईट www.scert.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते है। विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र भी अपने विद्यालय के माध्यम से ही प्राप्त होता है। आवेदन पत्र निःशुल्क होता है।

परीक्षा योजना :– राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा दो स्तरों में आयोजित की जाती है। प्रथम राज्य स्तर एवं द्वितीय राष्ट्रीय स्तर।

प्रथम स्तर (राज्य स्तरीय) :– यह परीक्षा संबंधित राज्य के SCERT द्वारा सामान्यतः अक्टूबर/नवंबर माह में आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते है।

प्रश्न पत्र क्र.	विवरण	कुल प्रश्न	कुल अंक	कुल समय
1	बौद्धिक योग्यता परीक्षण (MAT)	100	100	120 मिनट
2	(शैक्षिक योग्यता परीक्षण (SAT) ➢ गणित ➢ विज्ञान (भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान) ➢ सामाजिक विज्ञान (इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, अर्थशास्त्र)	 20 40 40	 20 40 40	 120 मिनट
	कुल	**200**	**200**	

टीप :–

1. प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते हे। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के चार संभावित उत्तर दिये रहते है। सही उत्तर पर काला/नीला डाट पेन से OMR Sheet पर प्रविष्टि करनी होती है।
2. ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होता है।
3. प्रथम प्रश्न पत्र के भाषा बोध परीक्षण में विद्यार्थी को हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में किसी एक भाषा का चयन करना होता है।

परीक्षा परिणाम :– प्रथम स्तर के परीक्षा के परीक्षा परिणाम संबंधित राज्य के SCERT द्वारा जारी किया जाता है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को परीक्षा के दोनों भाग अर्थात् MAT एवं SAT में अलग–अलग 50–50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। प्रत्येक राज्य का एक निश्चित संख्या निर्धारित है, छ.ग. राज्य के लिए वरीयता सूची के आधार पर तैयार की जानी वाली यह निश्चित संख्या लगभग 100 है। प्रथम चरण में अर्ह घोषित किये गये विद्यार्थियों में 15 प्रतिशत अजा वर्ग के लिए, 7.50 प्रतिशत, अजजा वर्ग के लिए तथा 04 प्रतिशत दिव्यांग श्रेणी, अपिव के लिये 27 प्रतिशत तथा EWS विद्यार्थियों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षित रहता है।

द्वितीय स्तर (राष्ट्रीय स्तरीय) :– प्रथम स्तर में अर्ह घोषित किये गये विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा NCERT द्वारा सामान्यतः मई माह में आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते है।

प्रश्न पत्र क्र.	विवरण	कुल प्रश्न	कुल अंक	कुल समय
1	**2**	**3**	**4**	**5**
1	बौद्धिक योग्यता परीक्षण (MAT)	100	100	120 मिनट
2	(शैक्षिक योग्यता परीक्षण (SAT)			
	➢ गणित	20	20	
	➢ विज्ञान (भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान)	40	40	120
	➢ सामाजिक विज्ञान (इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, अर्थशास्त्र)	40	40	मिनट
	कुल	**200**	**200**	

टीप :–

1. प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते हे। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के चार संभावित उत्तर दिये रहते है। सही उत्तर पर काला/नीला डाट पेन से OMR Sheet पर प्रविष्टि करनी होती है।
2. ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होता है।

परीक्षा परिणाम :– द्वितीय स्तर के परीक्षा के परीक्षा परिणाम NCERT द्वारा जारी किया जाता है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक राज्य का अलग–अलग निश्चित संख्या निर्धारित नहीं है। वरीयता सूची राष्ट्रीय स्तर पर संवर्गवार तैयार की जाती है। इस परीक्षा के प्राप्तांक के आधार विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में छात्रवृत्ति के लिए पात्र घोषित किया जाता है। इस चरण में भी अर्ह घोषित किये गये विद्यार्थियों में 15 प्रतिशत अजा वर्ग के लिए, 7.50 प्रतिशत, अजजा वर्ग के लिए तथा 04 प्रतिशत दिव्यांग श्रेणी, अपिव के लिये 27 प्रतिशत तथा EWS विद्यार्थियों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षित रहता है।

छात्रवृत्ति की राशि :– राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में अंतिम रूप से अर्ह घोषित किये गये विद्यार्थियों को शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग भारत सरकार /NCERT द्वारा निम्नानुसार प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है :–

1. ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षा में – 1250/– प्रतिमाह
2. ग्रेच्युट एवं पोस्ट ग्रेच्युट में – 2000/– प्रतिमाह
3. पीएचडी में – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए विद्यार्थी जिला रोजगार अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी से संपर्क कर सकते है। SCERT रायपुर की वेबसाईट www.scert.cg.gov.in तथा NCERT की वेबसाईट www.ncert.nic.in से जानकारी प्राप्त कर सकते है।

उठो, जागो और तब तक नहीं रूको जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाए।
Arise, Awake and Stop not till the goal is reached
- स्वामी विवेकानंद

03. किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (KVPY)

विद्यार्थियों को मूलभूत एवं प्राकृतिक विज्ञान के अध्ययन के लिए प्रेरित करके अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना भारत सरकार के विज्ञान एवं टेक्नालॉजी विभाग द्वारा 1999 में प्रारंभ किया गया है। यह एक छात्रवृत्ति योजना है।

इस हेतु योग्यतम विद्यार्थियों को एक परीक्षा के माध्यम से चयनित किया जाकर पी.एच.डी. से पूर्व तक अर्थात स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तक प्रोत्साहन स्वरुप छात्रवृत्ति एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाया जाता है। यह योजना मूलतः भारतीय विज्ञान संस्थान (Indian Institute of Science) Bangalore द्वारा संचालित किया जाता है। आवेदन केवल ऑन लाईन किया जाता है।

KVPY हेतु विज्ञापन एवं अन्य महत्वपूर्ण तिथि :–

इस योजना हेतु प्रतिवर्ष विज्ञापन टेक्नॉलोजी (Technology) दिवस 11 मई को तथा जुलाई माह के द्वितीय रविवार को राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित होते हैं । आवेदक किसी भी वर्ष की तिथि की वास्तविक जानकारी KVPY के वेबसाइट www.kvpy.org.in पर प्राप्त कर सकते हैं।

KVPY हेतु पात्रता :–

KVPY के अंतर्गत चयनित होकर छात्रवृत्ति की पात्रता पाने के लिए विद्यार्थी को तीन विभिन्न प्रकार से अवसर प्राप्त होते हैं जो क्रमशः स्ट्रीम SA, स्ट्रीम SB, स्ट्रीम SX कहलाते हैं।

स्ट्रीम SA :– इस स्ट्रीम के तहत किसी विद्यालय में कक्षा ग्यारहवीं में विज्ञान समूह (गणित, भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान इत्यादि) में दर्ज विद्यार्थी इस योजना के एप्टीट्यूड, परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक होता है कि उसने दसवी बोर्ड की परीक्षा गणित एवं विज्ञान विषय में न्यूनतम 75% अंक (अजा/अजजा हेतु 65% अंक) उत्तीर्ण किया हो। स्ट्रीम SA के तहत् इस योजना में उत्तीर्ण विद्यार्थी को छात्रवृत्ति एवं अनुदान की राशि 12वीं उत्तीर्ण करने के पश्चात् मूलभूत विज्ञान के विषयों में Bsc/B.S./B.Stat/B.Maths/Integrated Msc/M.S. पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना अनिवार्य होता है, साथ ही बारहवीं की परीक्षा न्यूनतम 60% अंकों से उत्तीर्ण करनी होती है।

स्ट्रीम SX :– यदि किसी विद्यार्थी ने ग्यारहवीं में SA स्ट्रीम के तहत् सफलता न पायी हो तो उसे एक और मौका बारहवीं में अध्ययन करते हुए स्ट्रीम SX के तहत् इस परीक्षा को देने हेतु पुनः प्राप्त होता है। इस हेतु यह आवश्यक होगा कि आवेदक दसवीं में न्यूनतम 75% अंक (अजा/अजजा हेतु 65% अंक) गणित एवं विज्ञान विषय में पाया हो तथा बारहवीं के आगामी बोर्ड परीक्षा में से 60% अंक (अजा/अजजा हेतु 50%) पाना अनिवार्य होगा। SX स्ट्रीम के तहत् चयनित आवेदक यदि बारहवीं पश्चात् मूलभूत विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन करते हैं तो उन्हें स्नातक प्रथम वर्ष से छात्रवृत्ति प्राप्त होगी।

स्ट्रीम SB :– स्ट्रीम SA एवं स्ट्रीम SX का उपयोग करने में विफल रहने वाले विद्यार्थियों को एक अन्य मौका स्ट्रीम SB के तहत् पुनः प्राप्त होता है। यदि विद्यार्थी Bsc/B.S./Integrated Msc इत्यादि मूलभूत विज्ञान विषयों के पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष का विद्यार्थी है और उसने बारहवीं परीक्षा विज्ञान विषय के साथ न्यूनतम 60% अंक (अजा/अजजा हेतु 50%) अर्जित किया है तथा स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षा जिसमें वह अध्ययनरत है, की आगामी

परीक्षा में 60% अंक (अजा/अजजा हेतु 50%) प्राप्त होता है तो वह एप्टीट्यूड़ परीक्षा में चयनित होकर छात्रवृत्ति हेतु पात्र हो सकता हैं।

KVPY में चयन विधि :– उपर्युक्त वर्णित स्ट्रीम SA, SX, SB हेतु पात्र आवेदकों की एक एप्टीट्यूड परीक्षा प्रतिवर्ष नवम्बर के प्रथम रविवार को देश के विभिन्न सेंटरों में ली जाती है। इस परीक्षा का आयोजन भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर (Indian Institute of saince Bangalore) द्वारा किया जाता है।

इस परीक्षा हेतु स्ट्रीम के न्यूनतम निर्धारित योग्यता अनुसार पाठ्यक्रम का स्तर होता है। आवेदक को इस परीक्षा के माध्यम से विज्ञान के विभिन्न विषयों/नवीनतम खोज इत्यादि विषयों से संबधित प्रश्न पुछे जाते है।

परीक्षा के सेंटर :– KVPY परीक्षा के सेंटर ऑनलाइन Computer Test हेतु रायपुर सहित देश भर में 54 केन्द्र है।

परीक्षा पद्धति :– परीक्षा सिर्फ कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) प्रकार से होता है। यह परीक्षा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होता है। परीक्षा की कुल अवधि 3 घंटा होती है। परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रकार का सिर्फ 1 प्रश्न पत्र होता है जिसके दो भाग होते है। प्रथम भाग के प्रश्न 1 अंक के एवं द्वितीय भाग के प्रश्न 2 अंक के होते है। परीक्षा में कुल पूर्णांक 100 अंक होता है तथा प्रत्येक गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है।

KVPY में छात्रवृत्ति एवं अनुदान राशि :–

1.	SA, SX, SB स्ट्रीम के तहत् चयनित विद्यार्थियों को स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष से तृतीय वर्ष तक के लिए	छात्रवृत्ति राशि रुपये 5000 प्रतिमाह	वर्षिक अनुदान राशि रुपये 20000 वार्षिक अनुदान
2.	SA, SX, SB स्ट्रीम के तहत् चयनित विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अर्थात चतुर्थ एवं पंचम वर्ष के लिए	रुपये 7000 प्रतिमाह	रुपये 28000 वार्षिक अनुदान

KVPY छात्रवृत्ति हेतु विशेष जानकारी :–

(1) जो विद्यार्थी इस योजना अंतर्गत छात्रवृत्ति एवं अनुदान हेतु चयनित होते हैं उनके लिए आवश्यक है कि वे सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की अवधि में उच्च शैक्षणिक स्तर सतत् कायम रखें।
प्रत्येक वर्ष उन्हें परीक्षा 60% न्यूनतम अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य हैं।

(2) आवेदक किसी भी समय मूलभूत विज्ञान विषय के पाठ्यक्रम को त्याग कर प्रोफेशनल कोर्स में प्रवेश नहीं ले सकता अन्यथा यह छात्रवृत्ति समाप्ति कर दी जाती है।

(3) KVPY परीक्षा (Aptitude Test) का माध्यम अंग्रेजी के साथ–साथ हिन्दी भी होता है।

(4) KVPY में चयनित विद्यार्थी IISER में काऊंसलिंग के माध्यम से प्रवेश हेतु पात्र होते है।

संपर्क :– किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना की अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है एवं इससे संबंधित वेबसाईट www.kvpy.org.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

विशेष टीपः– भारत सरकार के विज्ञान एवं टेक्नालॉजी विभाग द्वारा किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना वर्तमान में बंद करके अपने अन्य कार्यक्रम INSPIRE (Innovation In Science Pursuit For Inspired Research) के तहत संचालित SHE (Scholarship For Higher Education) के साथ विलय कर दिया है।

04. उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति Scholarship for Higher Education (SHE)

उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति Scholarship for Higher Education (SHE) योजना भारत सरकार के विज्ञान एव टेक्नॉलोजी मंत्रालय की उल्लेखनीय योजना INSPIRE (Innovation in Science Pursuit for Inspired Research) का एक भाग है। इस योजना का मूल उददेश्य देश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मौलिक विज्ञान में अध्ययन एवं शोध हेतु आकर्षित करना है। विद्यार्थी को इस प्रयोजन हेतु स्नातक प्रथम वर्ष से स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत् प्रतिवर्ष देशभर में 12000 विद्यार्थियों को रूपया 80000 प्रतिवर्ष की दर से छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

छात्रवृत्ति की राशि एवं समयावधि :–

इस योजना अंतर्गत स्नातक प्रथम वर्ष से स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष तक कुल 5 वर्षो हेतु पात्र विद्यार्थी को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। यह छात्रवृत्ति रु 5000 मासिक की दर से कुल रूपये 60000 प्रतिवर्ष रहती है जो विद्यार्थी को उसके द्वारा भारतीय स्टेट बैंक (SBI) में खोले गये खाते के माध्यम से प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त रु 20000 की राशि ग्रीष्मकालीन रिसर्च प्रोजेक्ट आवश्यक शुल्क के फीस के रुप में विद्यार्थियों को दी जाती है। यह ग्रीष्मकालीन रिसर्च प्रोजेक्ट देश के सुस्थापित रिसर्च प्रयोगशालाओं में प्रतिवर्ष ग्रीष्मकालीन समयावधि में आयोजित किये जाते हैं।

पात्रता :–

इस छात्रवृत्ति हेतु निम्न योग्यताधारी पात्र होते हैं :–

- कक्षा बारहवीं में अपने राज्य के बोर्ड अथवा केन्द्रीय बोर्ड की परीक्षा में प्रावीण्यतानुसार प्रथम 1% में स्थान पाये विद्यार्थी आवेदन कर सकते है।
- आयु 17 वर्ष से 22 वर्ष के मध्य हो।
- राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा जैसे JEE (ADVANCED), NEET में प्रथम 10000 में स्थान बनाने वाले विद्यार्थी जो मौलिक विज्ञान विषयों के साथ अध्ययन का चुनाव करते है, इस छात्रवृति हेतु पात्र है।
- IISER(Indian institute of science education & research) तथा NISER (National institute of science education & research) में अध्ययनरत विद्यार्थी जो पूर्व में NTSE अथवा KVPY छात्रवृत्ति हेतु पात्रता पा चुके है इस योजनान्तर्गत भी पात्र हैं।

विषय जिनमें यह छात्रवृत्ति दी जाती है :–

निम्न 18 मौलिक विज्ञान विषयो में B.Sc./BS पाठ्यक्रम में अध्ययन हेतु यह छात्रवृत्ति देय है।

(1) Physics, (2) Chemistry, (3) Mathematics, (4) Biology,
(5) Statistics, (6) Geology, (7) Astrophysics, (8) Astronomy,

(9) Electronics, (10) Botany, (11) Zoology, (12) Bio-chemistry,
(13) Anthropology, (14) Microbiology, (15) Geophysics, (16) Geochemistry,
(17) Atmospheric Sciences (18) Oceanic Sciences.

जो विद्यार्थी प्रोफेशनल कोर्स यथा इंजीनियरिंग, मेडिकल, कृषि, होम साईंस, बीएड. आदि में पढाई करते हैं उन्हें यह छात्रवृत्ति नहीं दी जाती है।

कब और कैसे आवेदन करें

जो छात्र उपर्युक्त वर्णित विषयों के स्नातक प्रथम वर्ष में उसी वर्ष प्रवेश लेते है जिस वर्ष उन्होंने 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण किया है, उन्हें वेबसाइट http://www.online-inspire.gov.in पर प्रतिवर्ष अक्टूबर/नवम्बर माह में ऑनलाइन आवेदन करना होता है। यह छात्रवृत्ति प्रारंभ में एक वर्ष के लिए स्वीकृत होती है। बीएससी द्वितीय/तृतीय वर्ष छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी अपने संस्थान के प्राचार्य से उक्त आशय का प्रमाण पत्र एवं परफारमेंन्स रिपोर्ट एवं मार्कशीट की प्रति प्रतिवर्ष संलग्न करना होता है।

संपर्क :– छात्रवृत्ति के संबध में अधिक जानकारी के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर सकते है एवं वेबसाइट http://www.online-inspire.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

05. छत्तीसगढ़ में आईटीआई एवं उनमें प्रवेश प्रक्रिया

छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं को घरेलू उद्योगों के लिए विभिन्न व्यवसायों में शिक्षित/प्रशिक्षित करने हेतु औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना की गयी है। राज्य में स्थित आईटीआई में षिल्पकार प्रषिक्षण योजनांतर्गत राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद् (NCVT) तथा राज्य व्यवसायिक प्रषिक्षण परिषद् (SCVT) द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमों में प्रषिक्षण दिया जाता है।

आईटीआई में प्रवेष के लिए आवेदन सामान्यतः जून/जुलाई माह में विभाग द्वारा ऑनलाईन आमंत्रित किया जाता है। दसवीं कक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर शासन के आरक्षण नियमों के अनुरूप प्रवेश दिया जाता है। राज्य में इंजीनियरिंग व्यवसाय एवं नॉन–इंजीनियरिंग व्यवसाय दोनों प्रकार के पाठ्यक्रम संचालित है जिनकी अवधि सामान्यतः एक वर्ष एवं दो वर्ष है। यह पाठ्यक्रम सेमेस्टर प्रणाली से संचालित की जाती है जिसमें प्रत्येक 6 माह में परीक्षा ली जाती है।

शैक्षणिक अर्हता एवं प्रवेश प्रक्रियाः–

दसवीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। दसवीं के प्राप्तांकों के आधार पर ही प्रवेश होता है, अलग से कोई प्रवेश परीक्षा नहीं होती है।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

आयु सीमा – 14 वर्ष से अधिक

शिल्पकार प्रशिक्षण योजनांतर्गत राज्य की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में संचालित व्यवसाय :

इंजीनियरिंग व्यवसाय		नॉन–इंजीनियरिंग व्यवसाय
द्विवर्षीय पाठ्यक्रम	एकवर्षीय पाठ्यक्रम	एक वर्षीय पाठ्यक्रम
1. फिटर	1. वेल्डर(फाइब्रीकेशन एंड फिटींग)	1. स्यूइंग टेक्नोलॉजी
2. टर्नर	2. वेल्डर(पाईप)	2. ड्रेस मेकिंग
3. मशीनिष्ट	3. वेल्डर (वेल्डिंग एंड इंस्पेक्शन)	3. सेक्रेटेरियल प्रेक्टिस (अंग्रेजी)
4. मशीनिष्ट ग्राइंडर	4. वेल्डर (जीएमएडब्ल्यू एण्ड जीटीएडब्ल्यू)	4. स्टेनोग्राफर सेक्रेटेरियल असिस्टेंट हिन्दी
5. सर्वेयर	5. कारपेंटर	5. स्टेनोग्राफर सेक्रेटेरियल असिस्टेंट अंग्रेजी
6. मैकेनिक रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कंडीशनिंग	6. शीटमेटल	6. कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कोपा)
7. ड्राफट्समैन सिविल	7. डीजल मैकेनिक	7. टेक्निशियन स्मार्ट एग्रीकल्चर
8. मोटर मैकेनिक	8. ट्रेक्टर मैकेनिक	8. हॉस्पीटल हाउस कीपिंग
9. मैकेनिक कम्प्यूटर हार्डवेयर	9. प्लंबर	9. फैशन टेक्नोलॉजी
10. विद्युतकार	10. मेसन	10. डाटाबेस सिस्टम असिस्टेंट
11. वायरमेन	11. मैकेनिक आटो इलेक्ट्रीकल्स एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स	11. मल्टी मीडिया एनिमेशन एण्ड स्पेशल इफेक्ट
12. इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक	12. वेल्डर	12. कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड नेटवर्क मेंटेनेन्स
13. ड्राफट्समैन मैकेनिक	13. फॉउड्री मैंन	13. टेक्निशियन हेल्थकेयर
14. पेंटर जनरल	14. इंटीरियर डिजाईन एंड डेकोरेशन	14. कॉस्मेंटोलॉजी
15. आर्किटैक्चलर ड्राफट्समैन	15. सोलर टेक्निशियन	
16. इंफारमेंशन टेक्नोलॉजी		
17. इंफारमेंशन कम्यूनिकेशन		

टेक्नोलॉजी 18. इस्टोमेंट मैकेनिक 19. मैकेनिक मेकाटॉनिक		15. एम्ब्राग्रडरी **छःमाही पाठ्यक्रम** 1. ड्रायवर–कम–मैकेनिक 2. स्मार्ट फोन टेक्निशियन कम एप टेस्टर

राज्य में संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (01 जनवरी 2024) की स्थिति :

<u>शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थायें</u>		<u>निजी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र</u>	
जिले	33	जिले	21
संस्थायें	197	संस्थायें	113
अनुसूचित जनजाति विशेष		संचालित व्यवसाय	21
संस्थायें	09	इंजीनियरिंग व्यवसाय	11
महिलाओं के लिये विशेष	09	नॉन–इंजीनियरिंग व्यवसाय	10
संचालित व्यवसाय	51	**कुल प्रशिक्षण क्षमता (सीट्स)**	**21040**
इंजीनियरिंग व्यवसाय	34		
नॉन–इंजीनियरिंग व्यवसाय	17		
कुल प्रशिक्षण क्षमता (सीट्स)	**37792**		

टीपः– शासकीय औद्योगिक प्रषिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रषिक्षण परिषद् (NCVT) **के साथ–साथ राज्य व्यावसायिक प्रषिक्षण परिषद्** (SCVT) **से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम संचालित है। जबकि निजी औद्योगिक प्रषिक्षण संस्थानों में सिर्फ राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रषिक्षण परिषद्** (NCVT) **से संबद्ध पाठ्यक्रम ही संचालित है।**

विस्तृत जानकारी :–

आवेदक इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु संबंधित औद्योगिक प्रषिक्षण संस्थान के प्राचार्य एवं विभागीय वेबसाईट www.cgemployment.gov.in के Training Wing सेक्शन से प्राप्त कर सकते है।

06. छत्तीसगढ़ में पॉलीटेक्निक कॉलेज एवं उनमें प्रवेश प्रक्रिया

छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित शासकीय एवं निजी पॉलीटेक्निक संस्थानों में संचालित डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा प्री–पॉलीटेक्निक टेस्ट (PPT) का आयोजन प्रतिवर्ष मई/जून माह में किया जाता है। इसके लिये आवेदन सामान्यतः मार्च/अप्रैल माह में आमंत्रित किया जाता है। यद्यपि पी0पी0टी0 परीक्षा के आधार पर राज्य में स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में प्रवेश दिये जाते हैं, तथापि अनुसूचित जिलों बस्तर, कोरिया, कांकेर, बीजापुर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, रामानुजगंज, जशपुर आदि जिलों में स्थित पॉलीटेक्निक संस्थानों में पी0पी0टी0 के माध्यम से सीट नहीं भरने पर संबंधित जिलों के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों को दसवीं के प्राप्ताकों के मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :– 1. इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिये आवेदक को दसवीं या समकक्ष परीक्षा (गणित एवं विज्ञान विषय के साथ) कम से कम 35 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांग आवेदकों के केवल उत्तीर्ण होना अनिवार्य होता है।

2 मॉडर्न ऑफिस मेनेजमेंट तथा होटल मेनेजमेंट एवं कैटरिंग टैक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 12 वी कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

3 डिप्लोमा इंजीनियरिंग में लेटरल एण्ट्री स्कीम के तहत द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश हेतु 10 वी कक्षा तथा संबंधित व्यवसाय में आईटीआई से 2 वर्षीय पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

टीप :– शासकीय एवं निजी पॉलीटेक्निक संस्थाओं में प्रवेश हेतु चयन के लिये छत्तीसगढ़ का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य है।

आवेदन प्रक्रिया :– छ0ग0 व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की वेबसाईट www.cgvyapam.choice.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं। आवेदक का वैध ईमेल एड्रेस होना अनिवार्य होता है।

परीक्षा योजना :–

पी0पी0टी0 परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार का एक ही पेपर होता है। इसमें 150 प्रश्न होते है तथा यह 150 अंक का होता है। परीक्षा की अवधि 2.15 घंटा होती है। प्रश्न पत्र में दसवीं स्तर के गणित एवं विज्ञान से संबंधित प्रश्न होते है।

चयन प्रक्रिया – पी.पी.टी. परीक्षा में आवेदकों के प्राप्तांक के आधार पर संवर्गवार काउंसलिंग द्वारा प्रवेश दिया जाता है। सामान अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों की प्रावीण्यता निम्न क्रम में निर्धारित की जाती है :–

प्रथम – पी.पी.टी. परीक्षा में गणित के अंक

द्वितीय – आवेदक की आयु (अधिक उम्र वाले आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है)

तृतीय – उपरोक्त दोनों समान होने पर दसवीं के प्राप्तांक।

पाठ्यक्रम :–

भाग–1 विज्ञान – इसके अंतर्गत पदार्थ के सामान्य गुणधर्म एवं ध्वनि, द्रव्य संरचना एवं व्यवहार, प्रकाश, विद्युत एवं चुम्बकत्व, तत्वों का वर्गीकरण, रासायनिक बंध, रासायनिक अभिक्रियायें एवं महत्वपूर्ण रासायनिक यौगिक, प्राकृतिक संसाधन तथा हमारा पर्यावरण से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–2 गणित – इसके अंतर्गत बीजगणित, त्रिकोणमिति, ज्यामिति, निर्देशांक ज्यामिति, क्षेत्रमिति, सांख्यिकी तथा कम्प्यूटर से संबंधित प्रश्न होते हैं।

छत्तीसगढ़ में पॉलीटेक्निक कॉलेज एवं उपलब्ध पाठ्यक्रमः– छत्तीसगढ़ में 04 कन्या शासकीय पॉलीटेक्निक, 28 सहशिक्षा पॉलीटेक्निक, 01 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई एवं 14 निजी पॉलीटेक्निक संस्था स्थापित है, जिनकी 01 जनवरी 2024 की स्थिति में कुल प्रवेश क्षमता 8001 है। सभी पॉलीटेक्निक संस्थाओं में त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में सेमेस्टर पद्धति से अध्यापन एवं परीक्षा की व्यवस्था लागू है।

पॉलीटेक्निक संस्थानो में निम्नानुसार 19 त्रिवर्षीय एवं 01 द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित है–

1. सिविल इंजीनियरिंग	2. केमिकल इंजीनियरिंग	3. मैकनिकल इंजीनियरिंग	4. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
5. माइनिंग इंजीनियरिंग	6. इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकाम्यूनीकेशन इंजीनियरिंग	7. इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग	8. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
9. मेटलर्जीकल इंजीनियरिंग	10. इंस्ट्रूमेंन्टेशन इंजीनियरिंग	11. माइनिंग एंड मॉडल सर्वेइंग इंजीनियरिंग	12. इंडस्ट्रीयल सेफ्टी एंड फॉयर सेफ्टी इंजीनियरिंग
13. इंफारमेंशन टेक्नोलॉजी	14. मॉडर्न ऑफिस मेंनेंजमेंट	15. इंटीरियर डेकोरेशन	16. आर्किटेक्चर
17. कास्ट्यूम डिजाईन एंड ड्रेस मैंकिंग	18. ऑर्टीफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग	19. होटल मेनेंजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी	20. डिप्लोमा एन फार्मेसी (द्विवर्षीय)

ट्यूशन फी व्हेवर स्कीम (टी.एफ.डब्लू.)

यह योजना सत्र 2007–08 से लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत ब्रांचवार प्रवेश क्षमता की 5 प्रतिशत अतिरिक्त सीटें ट्यूशन फी व्हेवर सीटें होती हैं। 60 सीटों की प्रवेश क्षमता पर 03 सीटें फी व्हेवर के अंतर्गत होंगी। मेरिट के आधार पर इन सीटों पर प्रवेशित छात्र–छात्राओं को प्रवेशित संस्था की निर्धारित शिक्षण शुल्क देय नहीं होगा। छात्र–छात्राओं के पालक/अभिभावक की समस्त स्त्रोतों से सम्मिलित वार्षिक आय 08 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। मेरिट का आधार प्रवेश परीक्षा का रैंक होता है।

छात्राओं (Girls) के लिए शिक्षण शुल्क माफ

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शासकीय पॉलीटेक्निक संस्थाओं में संचालित स्नातक एवं डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेशित छात्राओं की शिक्षण शुल्क माफ किया गया है।

संपर्क :–उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, तकनीकी शिक्षा विभाग रायपुर के वेबसाईट www.cgdteraipur.ac.in या छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के वेबसाईट www.cgvyapam.org.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

07. (A) छत्तीसगढ़ में इंजीनियरिंग कॉलेज एवं उनमें प्रवेश प्रक्रिया

छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित शासकीय एवं निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में संचालित डिग्री इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा प्री–इंजीनियरिंग टेस्ट (PET) का आयोजन प्रतिवर्ष मई/जून माह में किया जाता है। इसके लिये आवेदन सामान्यतः मार्च/अप्रैल माह में आमंत्रित किया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :–

1. इंजीनियरिंग कॉलेजों पाठ्यक्रमों के लिये आवेदक को बारहवीं या समकक्ष परीक्षा (गणित विषय के साथ) कम से कम 45 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांग आवेदकों को 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य होता है।

2 बी.टेक इंजीनियरिंग में लेटरल एण्ट्री स्कीम के तहत द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश हेतु 12 वी कक्षा तथा संबंधित व्यवसाय में पॉलिटेकनिक कॉलेज से 3 वर्षीय या 2 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम कम से कम 45 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांग आवेदकों को 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य होता है।

आवेदन प्रक्रिया :–

छ0ग0 व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की वेबसाईट www.cgvyapam.choice.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं। आवेदक का वैध ईमेल एड्रेस होना अनिवार्य होता है।

परीक्षा योजना :–

पी0ई0टी0 परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार का एक ही पेपर होता है। इसमें 150 प्रश्न होते है तथा यह 150 अंक का होता है। परीक्षा की अवधि 3.00 घंटा होता है। प्रश्न पत्र में बारहवीं स्तर के गणित, भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान से संबंधित प्रश्न होते है। इसमें से तीनों विषयों के 50–50 प्रश्न पुछे जाते है। गलत उत्तर देने पर ऋणात्मक मूल्यांकन नही किया जाता है।

चयन प्रक्रिया – पी.ई.टी. परीक्षा में आवेदकों के प्राप्तांक के आधार पर संवर्गवार काउंसलिंग द्वारा प्रवेश दिया जाता है।

छत्तीसगढ़ में इंजीनिरिंग कॉलेज एवं उपलब्ध पाठ्यक्रमः– छत्तीसगढ़ राज्य बीटेक पाठ्यक्रम हेतु 03 शासकीय, 01 सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकलस् **इंजीनिरिंग** एंड टेक्नोलॉजी, 01 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई, 01 विश्वविद्यालय **इंजीनिरिंग कॉलेज अंबिकापुर, 02 स्वशासी–स्ववित्तीय एवं** 22 निजी **इंजीनिरिंग** संस्था स्थापित है, जिनकी 01 जनवरी 2024 की स्थिति में कुल प्रवेश क्षमता 10290 है।

छत्तीसगढ़ राज्य के इंजीनिरिंग संस्थानो में निम्नानुसार 29 पाठ्यक्रम संचालित है–

1. सिविल इंजीनियरिंग	2. केमिकल इंजीनियरिंग	3. मैकनिकल इंजीनियरिंग	4. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
5. माइनिंग इंजीनियरिंग	6. इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकाम्यूनीकेशन इंजीनियरिंग	7. इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग	8. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
9. मैकनिकल इंजीनियरिंग	10. बायोटेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग	11. एग्रीकलचर इंजीनियरिंग	12. प्लास्टिक इंजीनियरिंग
13. इंफारमेंशन टेक्नोलॉजी	14. मेकाट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग	15. एरानोटिकल इंजीनियरिंग	16. ऑर्टीफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग
17. ऑर्टीफिशियल इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस	18. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (ऑर्टीफिशियल इंटेलिजेंस)	19. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (ऑर्टीफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग)	20. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (डाटा साइंस)
21. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (बीग डाटा एनालिटीक्स)	22. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (साइबर सिक्योरिटी)	23. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (इंटरनेट ऑफ थिक्स)	24. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (गेमिंग टेक्नोलॉजी)
25. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आईओटी एंड साइबर सिक्योरिटी विथ ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी)	26. कम्प्यूटर साइंस एंड बिजनेस सिस्टम	27. इलेक्ट्रिानिक्स एंड कम्प्यूटर साइंस	28. इलेक्ट्रिकल एंड कम्प्यूटर साइंस
29. हैण्डलूम एंड टेक्सटाईल टेक्नोलॉजी			

ट्यूशन फी व्हेवर स्कीम (टी.एफ.डब्लू.)

यह योजना सत्र 2007–08 से लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत ब्रांचवार प्रवेश क्षमता की 5 प्रतिशत अतिरिक्त सीटें ट्यूशन फी व्हेवर सीटें होती हैं। 60 सीटों की प्रवेश क्षमता पर 03 सीटें फी व्हेवर के अंतर्गत होंगी। मेरिट के आधार पर इन सीटों पर प्रवेशित छात्र–छात्राओं को प्रवेशित संस्था की निर्धारित शिक्षण शुल्क देय नहीं होगा। छात्र–छात्राओं के पालक/अभिभावक की समस्त स्त्रोतों से सम्मिलित वार्षिक आय 08 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। मेरिट का आधार प्रवेश परीक्षा का रेंक होता है।

छात्राओं (Girls) के लिए शिक्षण शुल्क माफ

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शासकीय इंजीनियरिंग संस्थाओं में संचालित स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेशित छात्राओं की शिक्षण शुल्क माफ किया गया है।

संपर्क :–उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, तकनीकी शिक्षा विभाग रायपुर के वेबसाईट www.cgdteraipur.ac.in या छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के वेबसाईट www.cgvyapam.org.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

07. (B) सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनिरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीपेट) रायपुर

प्लॉस्टिक एवं पेट्रोकेमिकल्स के क्षेत्र में अनुसंधान एवं उच्च गुणवत्ता की शिक्षण तथा प्रषिक्षण के लिए सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकलस् इंजीनिरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीपेट), रायपुर की स्थापना सितम्बर 2015 में की गई। रायपुर सहित देश भर में कुल 44 सीपेट संस्थान है तथा सीपेट का राष्ट्रीय मुख्यालय चेन्नई में है। सीपेट केन्द्र, स्टेट ऑफ आर्टस् सुविधाओं से सुसज्जित है जिनमें डिजाईन, टूलिंग और मोल्ड मैनुफेकचरिंग, प्लॉस्टिक प्रसंस्करण, पॉलिमर प्रौद्योगिकी आदि की विश्वस्तरीय सुविधाएं है।

सीपेट रायपुर द्वारा बी.ई., डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा एवं स्किल डेवहल्पमेंट के पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। संस्थान द्वारा संचालित चार वर्षीय बी.ई. इन प्लॉस्टिक इंजीनियरिंग में प्रवेश छत्तीगसढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित प्री इंजीनियरिंग टेस्ट (PET) के माध्यम से होता है। PET परीक्षा का आवेदन मार्च/अप्रैल में एवं परीक्षा मई में होता है, इस परीक्षा में शामिल होने के लिए गणित संकाय से 12वीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। 12वीं कक्षा में अध्ययनरत् विद्यार्थी भी PET दिला सकता है। सीपेट रायपुर में संचालित बी.ई. इन प्लॉस्टिक इंजीनियरिंग, छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई से सम्बद्ध है। इसके प्रथम वर्ष में 60 सीटें है।

सीपेट रायपुर में वर्ष 2024 संचालित पाठ्यक्रम, प्रवेश के लिये योग्यता, पाठ्यक्रम की अवधि, प्रवेश का तरीका एवं उपलब्ध सीटें निम्नानुसार हैः–

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	शैक्षणिक योग्यता	सीट (Intake)	प्रवेश का तरीका
1	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (DPT)	3 वर्ष	10 वीं उत्तीर्ण	60	10 वीं के प्राप्तांक के मेरिट के आधार पर
2	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (DPMT)	3 वर्ष	10 वीं उत्तीर्ण	60	
3	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एण्ड टेस्टिंग (PGD-PPT)	2 वर्ष	B. Sc. उत्तीर्ण (विज्ञान संकाय सें 3 वर्ष की उपाधि)	30	B. Sc. के प्राप्तांक के मेरिट के आधार पर
4	बी. टेक – प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग (B.Tech-PE)	4 वर्ष	12 वीं उत्तीर्ण गणित, रसायन एवं भौतिक शास्त्र एवं CG-PET / DTE के नियमानुसार।	60	CG-PET के प्राप्तांक के मेरिट के आधार पर

संपर्क :–

सीपेट एवं इसके द्वारा आयोजित प्रवेष परीक्षाओं के संबंध में अधिक जानकारी www.cipet.gov.in एवं सीपेट रायपुर के संबंध में अधिक जानकारी www.cipet.gov.in/centres/olc-cipet-raipur से प्राप्त कर सकते है।

08. आई.आई.टी. एवं एन.आई.टी. हेतु प्रवेश परीक्षा

कैरियर की दृष्टि से इंजीनियरिंग की पढ़ाई आज के विद्यार्थियों की पहली पसंद है। रोजगार के असीम संभावना से युक्त इंजीनियरिंग कोर्सेस निःसंदेह युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है। वर्तमान में भारत में इंजीनियरिंग के स्नातक स्तर पर प्रवेश हेतु दस लाख से भी अधिक सीटें उपलब्ध है जिसमें देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रतिष्ठान जैसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों सहित विभिन्न राज्यों के शासकीय एवं निजी इंजीनियरिंग कॉलेज शामिल है। देश के इंजीनियरिंग प्रतिष्ठानों में प्रवेश के लिए वर्ष 2013 से भारत सरकार ने एकल परीक्षा प्रणाली को लागू किया है जिसके अन्तर्गत पूर्व के वर्षो में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित किये जाने वाले संयुक्त प्रवेश परीक्षा **(IIT JEE)** एवं अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा **(AIEEE)** को समेकित कर एकल परीक्षा जिसका नाम **संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मेन एवं एडवांस)** आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों एवं अन्य केन्द्रीय संस्थानों में प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण की जाती है।

इंजीनियरिंग में प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, (NITs) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIITs), अन्य केन्द्रीय संस्थानों (centrally funded institutions) तथा कई राज्यों के शासकीय इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए वर्ष 2013 से एक नयी प्रवेश परीक्षा प्रणाली प्रारंभ की गई है। यह परीक्षा दो खण्डों में होती है :–

1. **Joint entrance exam (main)** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, (NITs) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIITs), अन्य केन्द्रीय संस्थानों (centrally funded institutions) तथा कई राज्यों के शासकीय इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा।
2. टीप :– भारत सरकार द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार वर्श 2018–19 से यह परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेन्सी द्वारा प्रतिवर्ष 02 बार जनवरी/फरवरी एवं अप्रैल/मई माह में आयोजित की जायेगी। अब यह परीक्षा सिर्फ ऑनलाईन ही आयोजित होगी। इन दोनों परीक्षाओं में विद्यार्थी द्वारा प्राप्त अधिकतम अंक को ही Joint entrance exam (advance) या अन्य प्रवेश के लिए गणना में लिया जायेगा।

2. **Joint entrance exam (advance)** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs) में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा।

Joint entrance exam (main)

इस परीक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (NITs), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानो (IIITs), अन्य केन्द्रीय संस्थानों (centrally funded institutions) तथा कई राज्यों के शासकीय इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश मिलता है। साथ ही यह परीक्षा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs) के लिए आयोजित **Joint entrance exam (advanced)** परीक्षा के लिए प्रथम अर्हताकारी परीक्षा होता है। इस परीक्षा संबंधी कतिपय महत्वपूर्ण जानकारी निम्नानुसार है :–

1. अर्हता, आयु सीमा एवं अवसरों की संख्या :

इस परीक्षा हेतु आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से गणित,भौतिकी अनिवार्य विषयों के अतिरिक्त रसायन, बायोटेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर साइंस अथवा जीवविज्ञान में से किसी एक विषय के साथ हायर सेकण्डरी (12वी या समकक्ष) परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। वे आवेदक ही इस परीक्षा के लिए पात्र होंगें जिन्होने अर्हताकारी परीक्षा उसी वर्ष अथवा अधिकतम दो वर्षो पूर्व उत्तीर्ण की है। उदाहरणार्थ 2025 में प्रवेश परीक्षा में प्रविष्ट होने के लिए वही आवेदक पात्र होंगे जिन्होने 2025,2024 अथवा 2023 में हायर सेकण्डरी उत्तीर्ण की हो। 2022 अथवा पूर्व वर्षो के उत्तीर्ण आवेदक इस परीक्षा हेतु पात्र नहीं होंगे। इस परीक्षा हेतु अवसरों की अधिकतम संख्या 06 (प्रतिवर्ष 02 अवसर के अनुसार) है। परीक्षा हेतु आवेदक की आयु उक्त वर्ष के प्रथम अक्टूबर को 25 वर्ष की अधिकतम सीमा से कम होनी चाहिए।

- विद्यार्थी का आधार कार्ड होना अनिवार्य है। ऑन लाईन आवेदन करते समय उसमें अपना आधार नम्बर का उल्लेख करना होता है।
- विद्यार्थी को 12वीं कक्षा में कम से कम 45 प्रतिशत अंक (अनु.जाति एवं अनु.जनजाति के लिए 40 प्रतिशत अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है।

3. परीक्षा की योजना :

यह परीक्षा दो प्रश्न पत्रों पर आधारित एक बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रकृति की होती है। यह परीक्षा CBT मोड पर ऑनलाईन आयोजित की जाती है। प्रश्न पत्र गणित, भौतिकी एवं रसायन विषयों के प्रश्नों पर आधारित होती है जो 3 घंटों की होती है। इस प्रश्न पत्र में 03 विषयों के 30–30 प्रश्न होते है। इन 30 प्रश्नों में 20 प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते है जबकि 10 प्रश्न Numerical Value Type के हेाते है जिनमें से किन्हीं 05 प्रश्नों का उत्तर देना होता है। बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्नों में गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक दिये जाते है, जबकि Numerical Value Type के प्रश्नों में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है। यह परीक्षा 300 अंकों की होती है। प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षा के आधार पर इंजीनियरिंग कॉलेजों के बी.ई एवं बी.टेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश मिलता है।

JEE Main का द्वितीय प्रश्न पत्र उन छात्रों के लिए होता है जो पर आर्किटेक्चर पाठ्यक्रम B.Arch या प्लानिंग पाठ्यक्रम B.Planning प्रवेश प्राप्त करना चाहता है। इस प्रश्न पत्र में आर्किटेक्चर और प्लानिंग से संबंधित प्रश्न होते है। यह प्रश्न पत्र 02 भागों में विभाजित होता है।

1. **JEE Main** पेपर 02 (A) (B.Arch के लिए) इसमें 03 भाग होते है– गणित 30 प्रश्न (इन 30 प्रश्नों में 20 प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते है जबकि 10 प्रश्न Numerical Value Type के हेाते है जिनमें से किन्हीं 05 प्रश्नों का उत्तर देना होता है। बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्नों में गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक दिये जाते है, जबकि Numerical Value Type के प्रश्नों में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है।) एप्टीट्यूड टेस्ट (50 बहुविकल्पीय प्रश्न 200 अंक) तथा ड्राइंग टेस्ट (02 प्रश्न 100 अंक) के प्रश्न सम्मिलित होते है। इस परीक्षा की अवधि 03 घंटे होती है तथा यह 400 अंक का होता है।
2. **JEE Main** पेपर 02 (B) (B.Planning के लिए) इसमें 03 भाग होते है– गणित 30 प्रश्न (इन 30 प्रश्नों में 20 प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते है जबकि 10 प्रश्न Numerical Value Type के हेाते है जिनमें से किन्हीं 05 प्रश्नों का उत्तर देना होता है। बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्नों में गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक दिये जाते है, जबकि Numerical Value Type के प्रश्नों में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है।) एप्टीट्यूड टेस्ट (50 बहुविकल्पीय प्रश्न 200 अंक) तथा प्लानिंग आधारित टेस्ट (02 प्रश्न 100 अंक) के प्रश्न सम्मिलित होते है। इस परीक्षा की अवधि 03 घंटा होती है तथा यह 400 अंक का होता है।

   एक आवेदक अपनी इच्छानुसार दोनो प्रश्न पत्रों में अथवा किसी एक प्रश्न पत्र में प्रविष्ट होकर निर्धारित कोर्स हेतु अर्हता अर्जित कर सकता है।

   वर्ष 2024 में भारत में स्थित कुल 31 एनआईटी में लगभग 23 हजार सीटे उपलब्ध है। 26 IIIT में लगभग 07 हजार सीटे उपलब्ध है। इसके अलावा GFTI में लगभग 05 हजार सीटे उपलब्ध है। इन सभी संस्थानों में प्रवेश **JEE Main** के प्राप्तांक के आधार पर होता है। छत्तीसगढ में NIT रायपुर में प्रथम वर्ष के लिये लगभग 1100 सीटे है, जिनमे से 50 प्रतिशत सीटे छत्तीसगढ़ के निवासियों के लिये आरक्षित है। नया रायपुर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी IIIT में 230 सीटे उपलब्ध है, यहां भी छत्तीसगढ़ के निवासियों के लिये नियमानुसार सीटे आरक्षित है।

Joint entrance exam (advance)

प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs) एवं इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स, धनबाद में प्रवेश हेतु वर्ष 2013 से नई पद्धति की संयुक्त प्रवेश परीक्षा लागू की गई है। यह परीक्षा Joint entrance Exam (Main) परीक्षा का द्वितीय स्तर होगा। इस परीक्षा के माध्यम से दिल्ली, खडगपुर, पवईबाम्बे, मद्रास, कानपुर, गोवाहाटी, रूडकी, रोपड, भुवनेश्वर, इंदौर, पटना, गांधीनगर, मंड़ी, जोधपुर, हैदराबाद वाणारसी, जम्मू, भिलाई(रायपुर), पणजी, धारवाड़, तिरूपति एवं पालघाट स्थित 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs) एवं धनबाद स्थित इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स की लगभग 17,760 सीटें प्रवेश प्रक्रिया में शामिल है। इस परीक्षा संबंधी जानकारियां निम्नानुसार है :–

1. पात्रता एवं अवसरों की संख्या :

इस परीक्षा हेतु Joint entrance exam (main) के संवर्गानुसार प्रथम 250000 आवेदक पात्र होते हैं। जिनमें अनारक्षित वर्ग से (40.50 प्रतिशत), अन्य पिछडा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर) से (27 प्रतिशत), अजा वर्ग से (7.5 प्रतिशत) तथा अजजा वर्ग के 15 प्रतिशत, EWS (10 प्रतिशत) आवेदक शामिल है। दिव्यांगजनों को 05 प्रतिशत क्षैतिज

आरक्षण दिया जाता है। इस शर्त के साथ इस परीक्षा में प्रविष्टि हेतु यह भी आवश्यक होगा कि आवेदक संबंधित अर्हताकारी परीक्षा में अपने बोर्ड में प्रथम 20 परसेन्टाइल में भी स्थान रखें या 12 वीं परीक्षा 75 प्रतिशत अंकों से (ST/SC के लिए 65 प्रतिशत) अंकों से उत्तीर्ण हो। वो पहले से किसी आईआईटी में प्रवेश नहीं लिया हो तथा इसकी आयु 25 वर्ष से कम हो। (ST/SC एवं दिव्यांग लोगों के लिए आयु में 05 वर्ष की छूट) आवेदक को अधिकतम दो अवसर इस परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु प्राप्त होते। वर्ष 2025 की परीक्षा में वे ही आवेदक पात्र होंगें जिन्होने 12वी की परीक्षा 2024 अथवा 2025 में उत्तीर्ण की हो इसके पूर्व के आवेदक इस परीक्षा में प्रवेश हेतु अपात्र होंगें।

1. **परीक्षा की योजना :**

इस परीक्षा में 180–180 अंक के दो प्रश्न पत्र होते है जो कि गणित, भौतिकी एवं रसायन विषयों के प्रश्नों पर आधारित होती है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 03 घंटों के होते है। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 51–51 प्रश्न (प्रत्येक विषय के 17–17 प्रश्न) होते है। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 03 खंड होते है जो बहुविकल्पीय प्रश्न, Multiple Select Questions तथा Non Negative Integer प्रकार के होते है। बहुविकल्पीय प्रश्नों में गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक का प्रावधान होता है।

3. मेरिट एवं रैकिंग का निर्धारण :

इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अनारक्षित वर्ग के आवेदक को प्रत्येक विषय में न्यूनतम 10 प्रतिशत अंकों के साथ समस्त विषयों में न्युनतम 35 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। अन्य पिछडा वर्ग के आवेदक हेतु पात्रता प्रति विषय 9 प्रतिशत एवं कुल 31.5 प्रतिशत अंक है जबकि अजा एवं अजजा वर्ग एवं दिव्यांगजनों हेतु प्रति विषय 5 प्रतिशत एवं कुल 17.5 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। माइनिंग कोर्स हेतु लड़किया पात्र नहीं होती है।

इंजीनियरिंग के अन्य प्रवेश परीक्षाओं की जानकारी –

भारत सरकार द्वारा इंजीनियरिंग की एकल प्रवेश परीक्षा की ओर प्रयास के बावजूद इंजीनियरिंग की कई अन्य परीक्षाएं भी अस्तित्व में हैं, जिसमें कई राज्य सरकारों द्वारा अपने राज्य के इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए प्रवेश परीक्षायें, कई प्रतिष्ठित निजी संस्थानों जैसे बिड़ला इंस्टीट्युट ऑफ टेक्नालॉजी पिलानी की प्रवेश परीक्षा (BITSAT), वेलोर इंस्टीट्युट ऑफ टेक्नालॉजी वेलोर तमिलनाडू की प्रवेश परीक्षा (VITEE), कलिंगा इंस्टीट्युट ऑफ टेक्नालॉजी भुवनेश्वर की प्रवेश परीक्षा (KIITEE) इत्यादि उल्लेखनीय है। इनमें से अधिकतर प्रवेश परीक्षाएं प्रतिवर्ष माह अप्रैल/मई में आयोजित की जाती है जिसके विज्ञापन राष्ट्रीय समाचार माध्यमों में माह जनवरी से मार्च तक प्रकाशित होते है।

संपर्क – इंजीनियरिंग परीक्षाओं के संबंध में अधिक जानकारी http://jeevadv.iitd.ac.in से www.cgdteraipur.com से प्राप्त कर सकते हैं।

जब तक आप किनारे को छोड़ कर नहीं जायेंगे तब तक आप समुद्र पार नहीं कर सकते।

You can never cross the ocean until you have courage to lose sight of the shore.

- Christopher Columbuls

09. भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान तिरूवनंतपुरम में बी.टेक. हेतु प्रवेश परीक्षा

भारत सरकार अंतरिक्ष विभाग द्वारा स्थापित भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (IIST) तिरूवनंतपुरम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा घोषित एक डीम्ड विश्वविद्यालय है, जो अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उसके अनुप्रयोगों के विस्तृत क्षेत्रों में स्नातक/स्नातकोत्तर, डॉक्टरल एवं पोस्ट डॉक्टरल कार्यक्रम प्रदान करता है। यह संस्थान छात्रों को विविध राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी एवं नवीनतम सुविधाओं की प्राप्ति के लिये अवसर उपलब्ध कराता है। IIST ने छात्रों एवं संकाय सदस्यों के आदान–प्रदान करने के लिये संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के USRA (यूनिवर्सिटीस स्पेस रिसर्च एशोसियेशन) और कैलिफोर्निया इंस्ट्रीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी के साथ समझौता किया है, जिसके तहत चयनित छात्र अपना परियोजना कार्य/प्रशिक्षुता अमेरिका में कर सकता है।

IIST में बीटेक कार्यक्रम – IIST प्रौद्योगिकी के तीन शाखाओं में बीटेक की उपाधि प्रदान करता है। ये शाखायें तथा इनमें वर्ष 2023–24 के लिये उपलब्ध सीटों की संख्या निम्नानुसार है :–

क्र.	शाखा	सीट	अवधि
1.	अंतरिक्ष इंजीनियरी (Aerospace)	75	4 वर्ष
2.	वैमानिकी (Avionics)	75	4 वर्ष
3.	Dual Degree (B.Tech in Engineering Phycies + M.S./M.Tech)	24	5 वर्ष

बीटेक में प्रवेश हेतु आवश्यक अर्हता :–

1. **नागरिकता –** केवल भारतीय नागरिक ही IIST में प्रवेश पाने के लिये आवेदन दे सकता है।

2. **आयु –** प्रवेश वाले वर्ष के 1 अक्टूबर को सामान्य/अपिव आवेदकों की आयु 25 वर्ष से अधिक न हो। अजा/अजजा/दिव्यांग आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है।

3. **शैक्षणिक अर्हता –** सामान्य एवं अपिव के आवेदकों को बारहवीं या समकक्ष परीक्षा भौतिक, रसायन विज्ञान एवं गणित विषय सहित कम से कम 75 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अजा/अजजा/ दिव्यांग आवेदकों को कम से कम 65 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

4. **संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मुख्य) एवं संयुक्त प्रवेश परीक्षा (प्रगत) संबंधी अर्हता –** IIST में बीटेक कार्यक्रम में प्रवेश के लिये IIT संस्थानों द्वारा आयोजित JEE (Main) तथा JEE (Advance) परीक्षा देना अनिवार्य होता है। JEE (Advance) परीक्षा में आवेदकों को निम्नानुसार न्यूनतम श्रेणीगत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है :–

क. सामान्य आवेदक – तीनों विषयों में प्रत्येक (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में कम से कम 03 प्रतिशत अंक और कुल में से कम से कम 14 प्रतिशत अंक

ख. अन्य पिछड़ा वर्ग एवं EWS – तीनो विषयों में प्रत्येक (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में कम से कम 2.7 प्रतिशत अंक और कुल में से कम से कम 12.6 प्रतिशत अंक

ग. अजा/अजजा/दिव्यांग– तीनों विषयों में प्रत्येक (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में कम से कम 1.5 प्रतिशत अंक और कुल में से कम से कम 07 प्रतिशत अंक

टीपः– आवेदक द्वारा JEE (Advance) परीक्षा में प्राप्त अंकों का प्रयोग केवल IIST में प्रवेश हेतु उसके पात्रता तय करने के लिये ही किया जाता है। इसके आधार पर प्रवेश हेतु वरीयता सूची तैयार नहीं की जाती है।

IIST आवेदन प्रक्रिया एवं प्रवेश रैंक सूची – IIST में प्रवेश पाने के इच्छुक आवेदकों का ऑनलाईन आवेदन पोर्टल admission.iist.ac.in पर करना होता है। केवल ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते है। **NTA** द्वारा JEE (Main) परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार कर प्रकाशित अखिल भारतीय रैंक सूची में (श्रेणी रैंक सहित) आवेदक के स्थान के आधार पर IIST प्रवेश रैंक सूची तैयार की जाती है।

IIST में वित्तीय सहायता – जो छात्र बीटेक कार्यक्रमों में प्रवेश पाते हैं, उन्हें IIST द्वारा भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग से प्राप्त निधि में से प्रत्येक सत्रक में एक बार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे शिक्षा के विभिन्न खर्चों की पूर्ति कर सके। इसके अतिरिक्त उन्हें प्रत्येक सत्रक रूपये 3 हजार का पुस्तक भत्ता भी प्रदान किया जाता है। IIST में पढ़ाई के दौरान यदि कोई छात्र किसी भी सत्रक में 10 पॉइंट स्केल में से न्यूनतम 7.5 कोटि अंक माध्य प्राप्त करने में असफल रहता है तो अगले सत्रक में उसे वित्तीय सहायता का पूरा धन प्रदान नहीं किया जाता है।

IIST में कैरियर के अवसर – IIST से बीटेक करने वाले छात्रों को रिक्त पदों की उपलब्धता के आधार पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) या भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग में वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस सी' के रूप में रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। यदि किसी छात्र को नौकरी उपलब्ध कराया जाता है तो उसे वह सेवा कम से कम 3 वर्ष तक करना अनिवार्य होता है। यदि कोई छात्र नौकरी के प्रस्ताव को अस्वीकार करता है तो उसे IIST/अंतरिक्ष विभाग को रू. 10 लाख का भुगतान अनिवार्य रूप से करना होता है, जिसके समय में उपबंध प्रवेश के समय कराया जाता है।

संपर्क – इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये अध्यक्ष, बीटेक प्रवेश, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, वलियमला, तिरूवनंतपुरम से संपर्क कर सकते हैं या इसके वेबसाईट admission.iist.ac.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सफल लोग दूसरों की मदद के लिये हमेशा अवसर तलाशते रहता है और वहीं असफल लोग कहते हैं ''इससे भला मेरा क्या फायदा?''

Successful people are always looking for opportunities to help others. Unsuccessful people are always asking, 'Whats in it for me?'

- Brian

10. नेशनल एप्टिट्यूट टेस्ट इन आर्किटेक्चर–नाटा (NATA)

भारत सरकार के कौंसिल ऑफ आर्किटेक्चर द्वारा देशभर के सभी कॉलेजों एवं संस्थानों में वास्तुविद् की पांच वर्षीय स्नातक डिग्री (बेचलर ऑफ आर्किटेक्चर) (B. Arch) में प्रवेश के लिए NATA का आयोजन देश भर में सामान्यतः अप्रैल माह में विभिन्न निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में किया जाता है। बेचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B.Arch) में प्रवेश सिर्फ इसी परीक्षा में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को ही मिलता है।

यह परीक्षा हर साल 03 बार (सामान्यतः अप्रैल/जून/जुलाई) माह में आयोजित किया जाता है। उनके लिये ऑनलाईन आवेदन सामान्यतः जनवरी/अप्रैल/जून माह में करना होता है। छत्तीसगढ़ में NATA का परीक्षा केन्द्र रायपुर में है।

आवश्यक अर्हता :–

जिन्होने 12वीं की परीक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण किया हो तथा 12वीं कक्षा में एक विषय के रूप में गणित विषय की पढ़ाई की हो। **अथवा** गणित विषय के साथ किसी भी ट्रेड/व्यवसाय में तीन वर्षीय डिप्लोमा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण हो।

आवेदन प्रक्रिया एवं परीक्षा शुल्क :–

इस परीक्षा के लिए आवेदक को NATA की वेबसाईट www.nata.in में ऑनलाईन आवेदन करना होता है।

परीक्षा योजना :– NATA के परीक्षा में एक ही प्रश्न पत्र होता है। जिसके निम्नानुसार दो भाग होते है :–

विवरण	कुल प्रश्न	कुल अंक	कुल समय	परीक्षा का मोड
भाग–1 ड्राईंग टेस्ट ए–4 साईज पेपर में	03	125	72 मिनट	ऑफलाईन
भाग–2 (वस्तुनिष्ठ प्रकार) अ. गणित	20	20	108 मिनट	ऑनलाईन
ब. सामान्य अभिरूचि	40	40		
स. आर्किटेक्चरल अवेयरनेश	15	15		
कुल	**78**	**200**	**180 मिनट**	

टीप :–

1. सभी प्रश्न एवं निर्देश सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होते है।
2. भाग एक के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है।
3. इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए आवेदक को कुल 70 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। भाग–01 में कम से कम 20 अंक, भाग–02 में कम से कम 30 अंक अलग–अलग प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

पाठ्यक्रम :–

गणित का पाठ्यक्रम 12वीं स्तर का होता हैं। सामान्य अभिरूचि में आवेदक की वस्तुकला में अभिरूचि, विभिन्न प्रसिद्ध इमारतों के संबंध में जानकारी, तर्कशक्ति आदि से प्रश्न होते है। ड्राईंग में विभिन्न आकृतियों के 2डी एवं 3डी में ड्राईंग बनाना होता है।

बेचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B.Arch) में प्रवेश :–

बेचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B. Arch) में प्रवेश के लिए प्रत्येक संस्थान द्वारा अपने स्तर पर पृथक–पृथक विज्ञापन जारी किया जाता है तथा प्रवेश NATA के अंक एवं 12वीं कक्षा के अंको को सामान्यतः 50–50 प्रतिशत अधिभार प्रदान करके भारत सरकार या संबंधित राज्य सरकार के आरक्षण नियमों के तहत् किया जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य के सभी इंजीनियरिंग संस्थानों में बेचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B.Arch) में प्रवेश भी इसी परीक्षा के माध्यम से होता है।

संपर्क :– इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी NATA के वेबसाईट www.nata.in या संचालक, तकनीकी शिक्षा, रायपुर छ.ग. से प्राप्त कर सकते है।

दिन में एक बार स्वयं से बात अवश्य करें, अन्यथा आप विश्व के सर्वोत्तम इंसान से मिलने का अवसर खो देंगे।

11. चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षायें

चिकित्सक के रुप में कैरियर का चयन निःसंदेह अनेक युवाओं का प्रथम सपना है। समाज में विशेषकर भारतीय समाज में चिकित्सक की हैसियत अत्यंत प्रतिष्ठित एवं सम्मानपूर्ण है। चिकित्सा का क्षेत्र अत्यंत विस्तृत है एवं इसकी अनेकों मान्य विधाएं/परंपराएं है जिसके अंतर्गत चिकित्सा शास्त्र का अध्यापन एवं प्रैक्टिस निर्भर करता है, जैसे आधुनिक एल्योपैथी (allopath), भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद, होम्योपैथी, युनानी पद्धति इत्यादि। इनमें एल्योपैथी पद्धति की चिकित्सा प्रणाली में युवाओं का रुझान अधिक है फलतः इस कोर्स के लिए प्रवेश की प्रकिया अधिक कठिन होती है। एल्योपैथी में स्नातक पाठ्यक्रम जिसे एम.बी.बी.एस पाठ्यक्रम कहा जाता है, के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती है जिनका विवरण निम्न है :–

एम.बी.बी.एस/बी.डी.एस पाठ्यक्रमों प्रवेश के लिए नेशनल एजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEET)

नेशनल एजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEET)

भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेजों एवं डेन्टल कॉलेजों में एम.बी.बी.एस/बी.डी.एस पाठ्यक्रमों प्रवेश के लिए NTA द्वारा प्रतिवर्ष ऑल इण्डिया प्री–मेडिकल/प्री–डेन्टल टेस्ट **(NEET)** आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष नवम्बर/दिसम्बर में जारी होता है तथा परीक्षा अप्रैल/मई में आयोजित किया जाता है।

इस परीक्षा में एम.सी.आई. (Medical Council of India) एवं डेन्टल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त लगभग सभी संस्थान भाग लेते हैं जिसमें लगभग 700 संस्थानों के 1 लाख से अधिक सीटें मेडिकल प्रवेश परीक्षा हेतु तथा डेन्टल कोर्स हेतु लगभग 300 संस्थानों की लगभग 27 हजार सीटें उपलब्ध होती हैं। एक आवेदक इनमें से अखिल भारतीय स्तर पर 15 प्रतिशत एवं अपने राज्य के 85 प्रतिशत सीट पर प्रवेश हेतु पात्र होता है, जिनमें नियमानुसार आरक्षण लागू होता है।

प्रतिष्ठित AllMS तथा आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज पुणे में प्रवेश इसी परीक्षा के अंकों के आधार पर ही तैयार किये जाते हैं। कोई आवेदक यदि एएफएमसी में प्रवेश हेतु इच्छुक हो तो उसे आवेदन पत्र में इसकी वरीयता अवश्य इंगित करनी चाहिए। एएफएमसी में प्रवेश हेतु पृथक काउन्सिलिंग आयोजित की जाती है।

एम.बी.बी.एस./बी.डी.एस पाठ्यक्रमों प्रवेश के लिए पात्रता :–

1. भारत के किसी राज्य में एम.बी.बी.एस/बी.डी.एस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्रता हेतु आवश्यक होगा कि आवेदक न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता परीक्षा जो कि 12वी अथवा समकक्ष परीक्षा निर्धारित है। उक्त परीक्षा में आवेदक ने अनिवार्य विषयों के रुप में अंग्रेजी, भौतिकी, रसायन एवं जीवविज्ञान/बायोटेक्नॉलोजी का अध्ययन किया हो तथा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। (उस वर्ष अर्हताकारी परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले आवेदक भी निर्धारित अवधि तक अर्हता संबंधी शर्तों को पूर्ण करने की शर्तों के अध्ययीन प्रावधिक रुप से परीक्षा हेतु पात्र होंगें)। आरक्षित वर्गो हेतु अंकों में 10 प्रतिशत की छूट तथा सामान्य दिव्यांग वर्ग हेतु 5 प्रतिशत की छूट मान्य है।

2. वह प्रवेश के समय 17 वर्ष आयु पूरी कर चुका/चुकी हो अथवा प्रथम वर्ष एमबीबीएस/बीडीएस कोर्स में उसके प्रवेश के वर्ष के 31 दिसम्बर को या उससे पहले आयु पूरी कर लेगा/लेगी। ऊपरी आयु सीमा प्रवेश के लिये नहीं होता है।
3. विद्यार्थी का आधार कार्ड होना अनिवार्य है। ऑन लाईन आवेदन करते समय उसमें अपना आधार नंबर का उल्लेख करना होता है।

आवेदन प्रक्रिया –

इस परीक्षा के लिये आवेदकों को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। ऑनलाईन आवेदन बोर्ड के वेबसाईट www.neet.ntaonline.in में करना होता है।

परीक्षा प्रणाली एवं भाषा –

प्रवेश परीक्षा में सिर्फ एक पेपर होता है जो ऑफलाईन मोड में होता है। इस प्रश्न पत्र में भौतिकी, रसायन–विज्ञान और जीव–विज्ञान (वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान) से 180 वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न अंतर्निहित होते है, जिनका उत्तर केवल बॉल–प्वाइंट पेन का प्रयोग करते हुए विशेष रूप से तैयार की गई मशीन–ग्रेडेबल शीट पर देना होता है। 180 प्रश्नों में 90 प्रश्न जीव विज्ञान के (वनस्पति विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान के 45–45 प्रश्न) तथा 45–45 प्रश्न भौतिक और रसायन के होते हैं। प्रत्येक विषय के प्रश्नों के 02–02 भाग होते है। भाग–01 में 35 प्रश्न होते है जिसमें सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होता है, भाग–02 में 15 प्रश्न होते है जिनमें से किन्ही 10 प्रश्नों का उत्तर देना होता है। पेपर की अवधि 03 घंटे की होती है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होता है, जिसमें गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिये जाते हैं। परीक्षा 720 अंक का होता है।

उम्मीदवार प्रश्न–पत्र के लिए अंग्रेजी में अथवा हिंदी भाषा अथवा कतिपय स्थानीय भाषा में से एक का चयन कर सकते हैं। स्थानीय प्रादेशिक भाषा वाले राज्यों के अतिरिक्त यदि कोई आवेदक अखिल भारतीय स्तर की सीटो (15 प्रतिशत केन्द्रीय कोटा के सीटों) के तथा एएफएमसी पुणे की सीटों में प्रवेश हेतु इच्छुक हो तो ऐसे उम्मीदवारों को परीक्षा केवल अंग्रेजी अथवा हिंदी माध्यम में ही देना अनिवार्य होता है। प्रवेश परीक्षा में प्रश्नों के अनुवाद संबंधी किसी विवाद अथवा किसी मुद्रण अस्पष्टता की स्थिति में, अंग्रेजी संस्करण के प्रश्न पत्र के प्रकाशन को ही अंतिम माना जाता है।

न्यूनतम अर्हक अंक – NEET परीक्षा उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के आवेदकों को न्यूनतम 50 परसेन्टाइल अंक, सामान्य वर्ग (दिव्यांग) को 45 परसेन्टाइल अंक तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों के लिये न्यूनतम 40 परसेन्टाइल अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। वर्ष 2024 में अनारक्षित एवं EWS के लिये 162 अंक, अजा/अजजा/अपिव के लिये 127 अंक तथा सामान्य वर्गो के लिए दिव्यांगजनों के लिये 144 अंक न्यूनतम अर्हक अंक था।

मेरिट सूची का निर्धारण एवं प्रवेश की प्रक्रिया

NTA द्वारा परीक्षा का आयोजन करता है तथा उत्तर–पत्रों का मूल्यांकन करके वरीयता सूची जारी करता हैं। यह मेरिट सूची NEET में प्राप्त प्राप्तांकों के आधार पर अखिल भारतीय स्तर तथा प्रत्येक राज्य हेतु भी पृथक

से सूची तैयार की जाती है। उम्मीदवार को एमबीबीएस/बीडीएस कोर्सो में प्रवेश केवल उक्त सूचियों से ही दिया जाता है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए अलग से परिणाम सूची नहीं होता है। इस सूची में प्राप्त मेरिट अंकों के आधार पर आवेदक अखिल भारतीय सीटों के 15 प्रतिशत सीटों हेतु किसी भी राज्य के एम.बी.बी.एस/बी.डी.एस पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र होते हैं, साथ ही वे अपने राज्य के 85 प्रतिशत मेडिकल सीटों के लिए भी पात्र होते है।

अखिल भारतीय सीटों के लिए केन्द्र सरकार के आरक्षण नियम तथा किसी राज्य की मेडिकल सीट के लिए संबंधित राज्य का आरक्षण नियम लागू होता है। यदि दो अथवा अधिक उम्मीदवार NEET में समान अंक प्राप्त करते हैं, तो ऐसे उम्मीदवारों की पारस्परिक मेरिट निम्न अधिमान क्रम के अनुसार अवधारित की जाएगीः (क) NEET में जीव–विज्ञान (वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान) में उच्च अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार। (ख) NEET में रसायन–विज्ञान में उच्च अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार। (ग) NEET में सभी विषयों में कम संख्या में गलत उत्तर देने वाले उम्मीदवार। (घ) अधिक आयु वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी।

अन्य संस्थानों की मेडिकल प्रवेश परीक्षाएं –

भारत सरकार एवं एमसीआई के एकल प्रवेश परीक्षा के निर्देश उपरांत भी कई संस्थानों द्वारा एमबीबीएस/बीडीएस पाठ्यक्रमों के लिए स्वयं की प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। इनमें अधिकांश निजी क्षेत्र के संस्थान विशेषकर अल्पसंख्यक संस्थान शामिल है। जिसमें वेलोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज की प्रवेश परीक्षा, मनिपाल स्थित कस्तुरबा मेडिकल कॉलेज की प्रवेश परीक्षा महत्वपूर्ण हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य में वर्ष 2024 की स्थिति में चिकित्सा पाठ्यक्रम की उपलब्धता संबंधी जानकारी –

क्रमांक	कॉलेज का नाम	कोर्स का नाम	सीटों की संख्या	प्रवेश परीक्षा का नाम
1	शासकीय जवाहर लाल मेडिकल कॉलेज रायपुर	एमबीबीएस	230	NEET
2	छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बिलासपुर	एमबीबीएस	150	NEET
3	स्व.बलिराम कश्यप मेमोरियल शासकीय मेडिकल कॉलेज जगदलपुर	एमबीबीएस	125	NEET
4	स्व. लखीराम अग्रवाल मेमोरियल शासकीय मेडिकल कॉलेज रायगढ़	एमबीबीएस	100	NEET
5	शासकीय मेडिकल कालेज अम्बिकापुर	एमबीबीएस	125	NEET
6	भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव	एमबीबीएस	125	NEET
7	शासकीय मेडिकल कालेज कांकेर	एमबीबीएस	125	NEET
8	शासकीय मेडिकल कालेज कोरबा	एमबीबीएस	125	NEET
9	शासकीय मेडिकल कालेज महासमुंद	एमबीबीएस	125	NEET
10	चंदुलाल चंद्राकर मेमोरियल मेडिकल कालेज दुर्ग	एमबीबीएस	200	NEET
11	AIIMS रायपुर	एमबीबीएस	125	NEET
12	रिम्स मेडिकल कालेज रायपुर (निजी)	एमबीबीएस	150	NEET

13	शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज, भिलाई (निजी)	एमबीबीएस	150	NEET
14	श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, रायपुर (निजी)	एमबीबीएस	150	NEET
15	अभिषेक मिश्रा मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, भिलाई (निजी)	एमबीबीएस	100	NEET
16	श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नया रायपुर (निजी)	एमबीबीएस	150	NEET
डेंटल कॉलेज				
01	शासकीय डेंटल कॉलेज रायपुर	बीडीएस	100	NEET
02	मैत्री कॉलेज ऑफ डेंटेस्ट्री अंजोरा दुर्ग निजी)	बीडीएस	100	NEET
03	रूंगटा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस कोहका भिलाई (निजी)	बीडीएस	100	NEET
04	न्यू होरिजन डेंटल कॉलेज एण्ड रिसर्च सकरी बिलासपुर (निजी)	बीडीएस	100	NEET
05	त्रिवेणी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस बोदरी बिलासपुर (निजी)	बीडीएस	100	NEET
06	छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस सुन्दरा राजनांदगांव (निजी)	बीडीएस	100	NEET

इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ में आयुर्वेदिक कॉलेज एवं होमोपैथिक कॉलेज में भी प्रवेश NEET परीक्षा के परिणाम के आधार पर होता है।

सफलता के मार्ग में कठिनाईयां स्वाभाविक है। जब आप शहद की खोज में जाते है तो आपको मधुमक्खियों द्वारा कांटे जाने की संभावना को स्वीकार कर लेना चाहिए।

– जोसेफ जोबर्ट

12. नर्सिंग क्षेत्र में कैरियर के अवसर

पीड़ित एवं रूग्ण मानव के सेवाधर्म को मूल उद्देश्य के रुप में आत्मसात करने वाला, यह केरियर उच्च आदर्श एवं संतोष की अनुभूति के साथ रोजगार के असीम आयाम भी उपलब्ध करता हैं। विगत कई वर्षो से नर्सिंग के विभिन्न पाठ्यक्रम शासकीय एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के वृहद अवसर प्रदान कर रहे हैं।

भारतीय नर्सिंग काउन्सिल नईदिल्ली देश भर में नर्सिंग व्यवसाय की नियंत्रक संस्था है जो विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं नर्सिंग कॉलेजो के संचालन संबधी दिशा–निर्देश जारी करता है। किसी राज्य में नर्सिंग पाठ्यक्रम एवं पंजीयन संबंधी कार्य राज्य नर्सिंग काउन्सिल द्वारा किया जाता है। नर्सिंग काउन्सिल ऑफ इंडिया के द्वारा मान्यता प्राप्त नर्सिंग पाठ्यक्रमों संबंधी जानकारी निम्नानुसार है :–

नर्सिंग के विभिन्न पाठ्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि	न्यूनतम अर्हता
1	Auxiliary Nurse & Midwife (ANM) ए.एन.एम पाठ्यक्रम	2 वर्ष	शारीरिक रुप से स्वस्थ आवेदक जिनकी आयु प्रवेश वर्ष के 31 दिसम्बर को को 17 से अधिक हो तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण हो।
2	General Nursing & Midwifery (GNM) जी.एन.एम. पाठ्यक्रम	3 वर्ष	शारीरिक रुप से स्वस्थ आवेदक जिनकी आयु प्रवेश वर्ष के 31 दिसम्बर को को 17 वर्ष से अधिक हो तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो। (अजजा/अजा के लिये 35 प्रतिशत अंक) चयन के समय 12 वी कक्षा जीवविज्ञान समूह से उत्तीर्ण छात्रों को प्राथमिकता दिया जाता है।
3	बी.एससी नर्सिंग (बेसिक)	4 वर्ष	शारीरिक रुप से स्वस्थ आवेदक जिनकी आयु प्रवेश वर्ष के 31 दिसम्बर को 17 वर्ष से अधिक हो तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा भौतिक, रयायन एवं जीवविज्ञान के साथ न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो। (अजजा/अजा के लिये 40 प्रतिशत अंक) इस कोर्स में प्रवेश छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित प्री बी.एससी नर्सिंग परीक्षा के आधार पर होता है।
4	बी.एससी नर्सिंग (पोस्ट बेसिक)	2 वर्ष	शारीरिक रुप से स्वस्थ आवेदक जिनकी आयु प्रवेश वर्ष के 31 दिसम्बर को को 17 वर्ष से अधिक हो तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा उतीर्ण और जी.एन.एम नर्सिंग प्रशिक्षण प्राप्त कर राज्य नर्सिंग काउन्सिल में पंजीकृत हो। इस कोर्स में प्रवेश छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित प्री बी.एससी नर्सिंग परीक्षा के आधार पर होता है।
5	एम.एससी नर्सिंग	2 वर्ष	शारीरिक रुप से स्वस्थ आवेदक जिन्होने बी.एससी नर्सिंग/पोस्ट बी.एससी. नर्सिंग/बी.एससी नर्सिंग ऑनर्स उपाधि न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो (अजजा/अजा के लिये 40 प्रतिशत अंक) इस कोर्स में प्रवेश छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित प्री बी.एससी नर्सिंग परीक्षा के आधार पर होता है।
6	पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन क्लीनिकल स्पेशियलिटी	1 वर्ष	पंजीकृत जी.एन.एम. या बी.एस.सी नर्सिंग। चयन में बी.एस.सी. नर्सिंग वालो को प्राथमिकता दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया :–

उपर्युक्त उल्लेखित पाठ्यक्रमों हेतु निर्धारित अर्हताधारी आवेदकों के चयन हेतु प्रत्येक राज्य में पृथक चयन प्रक्रिया निर्धारित है। छत्तीसगढ़ में ए.एन.एम एवं जी.एन.एम पाठ्यक्रमों हेतु चयन हायर सेकेण्डरी के अंकों के आधार पर नर्सिंग संस्थानों द्वारा मेरिट के आधार पर की जाती है।

छत्तीसगढ़ में बी.एससी नर्सिंग पाठ्यक्रम, बी.एससी नर्सिंग (पोस्ट बेसिक), एम.एससी नर्सिंग में प्रवेश छ.ग. व्यापम द्वारा प्री नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्री नर्सिंग प्रवेश परीक्षा प्रति वर्ष माह मई/जून में आयोजित किया जाता है जिसमें बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते है। कुल समयावधि 2 घंटे 15 मिनट की इस प्रवेश परीक्षा में कुल 100 प्रश्न होते है।

प्री बी.एस.सी नर्सिंग परीक्षा में नर्सिंग अभिक्षमता, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान तथा अंग्रेजी के 20–20 अंक के प्रश्न पूछे जाते है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के आवेदकों को 50 परसेन्टाईल अंक, अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 40 परसेन्टाईल अंक प्राप्त करना होता है। सामान्य वर्ग के दिव्यांग आवेदकों को 45 परसेन्टाईल अंक प्राप्त करना होता है।

संपर्क :– अधिक जानकारी के लिये इंडियन नर्सिंग कॉउंसिल के वेबसाईट www.indiannursingcouncil.org एवं www.cgdme.co.in से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

करत–करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रस्सी आवत जात के, सील पर परत निशान ।।
– सुदर्शन

13. फार्मेसी के क्षेत्र में कैरियर के अवसर

दवाओं एव औषधियों से संबंधित कार्य करने, मरीजों को दवा से जुड़ी जानकारी देने, दवाओं का निर्माण, परीक्षण एवं उत्पादन में सहभागिता करने के साथ ही स्वयं के मेडिकल स्टोर खोलने के लिये फार्मासिस्ट की डिग्री अतिआवश्यक है। यह केरियर उच्च आदर्श एवं संतोष की अनुभूति के साथ रोजगार के असीम आयाम भी उपलब्ध करता हैं। विगत कई वर्षो से फार्मेसी के विभिन्न पाठ्यक्रम शासकीय एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के वृहद अवसर प्रदान कर रहे हैं।

भारतीय फार्मेसी काउन्सिल नईदिल्ली देश भर में फार्मेसी व्यवसाय की नियंत्रक संस्था है जो विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं फार्मेसी कॉलेजो के संचालन संबधी दिशा–निर्देश जारी करता है। किसी राज्य में फार्मेसी पाठ्यक्रम एवं पंजीयन संबंधी कार्य राज्य फार्मेसी काउन्सिल द्वारा किया जाता है। फार्मेसी काउन्सिल ऑफ इंडिया के द्वारा मान्यता प्राप्त फार्मेसी पाठ्यक्रमों संबंधी जानकारी निम्नानुसार है :–

फार्मेसी **के विभिन्न पाठ्यक्रम**

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि	न्यूनतम अर्हता
1	डी फार्मेसी (डिप्लोमा ऑफ फार्मेसी)	2 वर्ष	शारीरिक रुप से स्वस्थ आवेदक जिनकी आयु प्रवेश वर्ष के 31 दिसम्बर को 17 वर्ष से अधिक हो तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा भौतिक, रयायन एवं जीवविज्ञान/गणित/जैव प्रौद्योगिकी विषय के साथ न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो। (अजजा/अजा/अपिव/दिव्यांगजनों के लिये 40 प्रतिशत अंक) तीनों मुख्य विषय में संबंधित बोर्ड नियमानुसार सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रश्न पत्रों मे अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इस कोर्स में प्रवेश छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित PPHT परीक्षा के आधार पर होता है।
2	बी फार्मेसी (बैचलर ऑफ फार्मेसी)	4 वर्ष	शारीरिक रुप से स्वस्थ आवेदक जिनकी आयु प्रवेश वर्ष के 31 दिसम्बर को 17 वर्ष से अधिक हो तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा भौतिक, रयायन एवं जीवविज्ञान/गणित/जैव प्रौद्योगिकी विषय के साथ न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो। (अजजा/अजा/अपिव/दिव्यांगजनों के लिये 40 प्रतिशत अंक) तीनों मुख्य विषय में संबंधित बोर्ड नियमानुसार सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रश्न पत्रों मे अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है। बी फार्मेसी में प्रवेश के लिये कक्षा 12 वीं में एक विषय अंग्रेजी होना भी अनिवार्य है। इस कोर्स में प्रवेश छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित PPHT परीक्षा के आधार पर होता है। **टीपः– डी फार्मेसी उत्तीर्ण युवाओं का लेटरल एण्ट्री से, बी फार्मेसी के द्वितीय वर्ष में भी प्रवेश होता है।**
3	एम फार्मेसी (मास्टर ऑफ फार्मेसी)	2 वर्ष	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से फार्मेसी में 4 वर्षीय स्नातक उपाधि या समकक्ष उपाधि न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो। (अजजा/अजा/अपिव/दिव्यांगजनों के लिये 50 प्रतिशत अंक) तीनों मुख्य विषय में संबंधित बोर्ड नियमानुसार सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रश्न पत्रों मे अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इस कोर्स में NTA द्वारा आयोजित ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूट टेस्ट के माध्यम से होता है।

प्रवेश प्रक्रिया :–

डी फार्मेसी एव ंबी फार्मेसी में प्रवेश छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित PPHT परीक्षा के माध्यम से होता है। PPHT प्रवेश परीक्षा प्रति वर्ष माह मई/जून में आयोजित किया जाता है जिसमें बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते है। कुल समयावधि 3 घंटे की इस प्रवेश परीक्षा में कुल 150 प्रश्न होते है।

प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र में 3 भाग होते है। भाग–1 रसायन (50 प्रश्न) तथा भाग–2 भौतिक (50 प्रश्न) सभी के लिये अनिवार्य होते है। भाग–3 में जीवविज्ञान/गणित/जैव प्रौद्योगिकी में से किसी एक विषय के 50 प्रश्नों को हल करना होता है। इस प्रवेश परीक्षा में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है।

- एम फार्मेसी में प्रवेश NTA द्वारा आयोजित ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूट टेस्ट के माध्यम से होता है।
- 1 जनवरी 2024 की स्थिति में छत्तीसगढ़ में बी फार्मेसी पाठ्यक्रमों हेतु 2 विश्वविद्यालयीन फार्मेसी संस्था एवं 42 निजी संस्थाओं में कुल 3737 सीट उपलब्ध है।
- 1 जनवरी 2024 की स्थिति में छत्तीसगढ़ में एम फार्मेसी पाठ्यक्रमों हेतु 1 विश्वविद्यालयीन फार्मेसी संस्था एवं 14 निजी संस्थाओं में कुल 449 सीट उपलब्ध है।
- 1 जनवरी 2024 की स्थिति में छत्तीसगढ़ में डी फार्मेसी पाठ्यक्रमों हेतु 1 शासकीय फार्मेसी संस्था एवं 84 निजी संस्थाओं में कुल 5186 सीट उपलब्ध है।

संपर्क :– अधिक जानकारी के लिये इंडियन फार्मेसी कॉउंसिल के वेबसाईट https://www.pci.nic.in एवं www.cgdte.raipur.gov.in से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

14. कृषि के क्षेत्र में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षायें

सदियों से कृषि भारत के जीवन का मूलाधार रही है। भारत की विशाल जनसंख्या की भोजन संबंधी मूलभूत आवश्यकता उपलब्ध कराने में कृषि क्षेत्र में हुए विकास और अनुसंधान के विशेष भूमिका है। स्वाधीनता उपरान्त देश में हरित क्रांति, श्वेत क्रांति एवं पीली क्रांतियो के कारण भारतीय जनमानस को खाद्यान्न, दुग्ध एवं दलहन के कभी कमी नही हो पायी है। यह सब सम्भव हो पाया देश भर में फैले हुए कृषि अनुसन्धान शालाओं विश्वविद्यालयों में कार्यरत कृषि वैज्ञानिकों के सतत् प्रयास के द्वारा।

वर्तमान परिस्थितियों में कृषि के क्षेत्र में अध्ययन एवं अनुसन्धान देश के आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक सुदृढ़ता के लिए अपरिहार्य है। फलस्वरुप केन्द्र एवं राज्य सरकारें कृषि क्षेत्र में निरंतर नवीन अध्ययन शालाऐं खोल रही है जहां आधुनिक कृषि विज्ञान का ज्ञान प्राप्त कर देश का युवा आसानी से रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकता है। हायर सेकण्डरी उपरांत विद्यार्थियों के लिए कृषि के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि विज्ञान, उद्यानिकी, मत्स्य विज्ञान, सामाजिक वानिकी, रेशम उत्पादन विज्ञान, बायो टेक्नोलॉजी, डेयरी टेक्नोलॉजी, कृषि इंजीनियरिंग इत्यादि क्षेत्रों में अध्ययन के अवसर उपलब्ध है। कृषि के इन क्षेत्रों में अध्ययन हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की जानकारी निम्नानुसार है –

भारत में कृषि के क्षेत्र में अध्ययन संबंधी सर्वोच्च नियामक एवं नियंत्रक संस्था भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली (ICAR) है। जिसके मार्गदर्शन में देश भर के 70 कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा कृषि सम्बधित पाठ्यक्रम संचालित है। इन कृषि विश्वविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु दो प्रकार की प्रवेश परीक्षाएं प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। जो निम्न हैः–

1. **NTA द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के लिये आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा(** ICAR-AIEEA)
2. राज्य स्तर पर प्रत्येक राज्य की पृथक प्रवेश परीक्षा जैसे छत्तीसगढ़ राज्य हेतु प्री. एग्रीकल्चर प्रवेश परीक्षा (PAT)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (AIEEA)

NTA द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के लिये देश भर के लगभग 70 कृषि विश्वविद्यालयों में कृषि क्षेत्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों की एक अखिल भारतीय स्तर की प्रवेश परीक्षा आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के माध्यम से स्नातक स्तर पर विश्वविद्यालयों में उपलब्ध लगभग 15 हजार सीटों के 15 प्रतिशत स्थानों की पूर्ति की जाती है साथ ही राष्ट्रीय डेयरी अनुसन्धान संस्थान करनाल के 100 प्रतिशत स्थानों की पूर्ति भी इसी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। यह प्रवेश परीक्षा सामान्यतः प्रति वर्ष अप्रैल/मई माह में आयोजित होता है।

परीक्षा हेतु योग्यता :–

(क) आयुसीमा :– किसी वर्ष प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदक की आयु उस वर्ष के 31 अगस्त को 17 वर्ष से अधिक होनी चाहिए

(ख) शैक्षणिक योग्यता :– आवेदक 10+2 पद्धति की 12वीं परीक्षा भौतिकी, रसायन अनिवार्य विषय के साथ गणित/जीवविज्ञान अथवा कृषि विज्ञान में से न्यूनतम एक विषय के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। हायर सेकेण्डरी में सामान्य एवं अ.पि.वर्ग के आवेदकों हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक तथा अ.जा तथा अ.ज.जा. एवं दिव्यांग वर्ग के आवेदकों के लिए 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

आवेदनः– आवेदक को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वेबसाइट www.icar.org.in पर ऑनलाईन आवेदन करना होता है।

परीक्षा की योजना :–यह प्रवेश परीक्षा एकल प्रश्न पत्र पर आधारित है। जो निम्नानुसार है –

परीक्षा की प्रकृति वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय है। परीक्षा में 150 प्रश्न पूछे जाते है, जिनके उत्तर हेतु 2.30 घंटे की अवधि निर्धारित हैं। यह परीक्षा ऑनलाईन (CBT) होता है। गलत उत्तर पर नकारात्मक अंकों का प्रावधान है।

कृषि पाठ्यक्रमों की प्रकृति के आधार पर प्रवेश परीक्षा दो वर्गों में विभक्त है – स्ट्रीम (अ) एवं स्ट्रीम (ब)।

स्ट्रीम (अ) के प्रश्न पत्र में भौतिकी रसायन, जीवविज्ञान अथवा कृषि विज्ञान से सम्बधित प्रश्न सम्मिलित किये जाते है। प्रत्येक भाग में 4–4 अंक के 50–50 प्रश्न होते है। यह प्रश्न पत्र 600 अंक का होता है। इस वर्ग के अन्तर्गत परीक्षा देने वाले आवेदक कृषि विज्ञान, उद्यानिकी विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, वानिकीविज्ञान, गृहविज्ञान, रेशम उत्पादन विज्ञान तथा बायोटेक्नोलॉजी के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र होते है।

स्ट्रीम (ब) जो गणित संकाय के विद्यार्थियों से संबंधित है, के अन्तर्गत भौतिकी, रसायन एवं गणित से सम्बधित प्रश्न पूछे जाते है। प्रत्येक भाग में 4–4 अंक के 50–50 प्रश्न होते है। यह प्रश्न पत्र 600 अंक का होता है। इस वर्ग के आवेदक कृषि इंजीनियरिंग, डेयरी टेक्नोलॉजी फूड टेक्नोलॉजी अथवा कृषि मार्केटिंग के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र होते है।

राष्ट्रीय प्रतिभा छात्रवृत्ति :– इस प्रवेश परीक्षा की एक विशिष्टता है कृषि के क्षेत्र में अध्ययन करने वाले छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद द्वारा कृषि के क्षेत्र में अध्ययन करने वाले उन समस्त विद्यार्थियों का छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जिन्होने इस प्रवेश परीक्षा के माध्यम से अपने राज्य के अतिरिक्त किसी अन्य राज्य के कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए प्रवेश लिया है। यह छात्रवृत्ति सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए रु. 3000 प्रतिमाह की दर से दी जाती है। इस हेतु आवश्यक है कि पाठ्यक्रम अवधि में विद्यार्थी का अध्ययन स्तर उच्च बना रहे।

छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा

प्री एग्रीकल्चर टेस्ट (PAT) :–

छ.ग राज्य के कृषि महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु छ.ग. व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा प्रतिवर्ष माह मई/जून में एक प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। जिसके द्वारा राज्य के कृषि महाविद्यालयों में संचालित कृषि विज्ञान, उद्यानिकी विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, वानिकी विज्ञान, पशुपालन में डिप्लोमा इत्यादि पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। छ.ग. राज्य के समस्त कृषि महाविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत है। PAT के विज्ञान समूह के परीक्षा में भौतिक, रसायन के 30–30 प्रश्न तथा गणित/जीवविज्ञान के 40 प्रश्न होते है। इसके कृषि समूह के परीक्षा में पशुपालन एवं कुक्कुट पालन तथा फसल उत्पादन एवं उद्यानशास्त्र के 30–30 प्रश्न तथा कृषि के लिये उपयोगी विज्ञान एवं गणित के 40 प्रश्न होते है। यह परीक्षा 2 घंटा का होता है तथा इसमें नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है।

PAT के माध्यम से बी.एस.सी. (कृषि) आनर्स/ बी.एस.सी. (वानिकी) आनर्स/ बी.एस.सी. (उद्यानिकी) आनर्स के लिये पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु वि.वि दुर्ग के संचालित मात्स्यिकी विज्ञान में डिप्लोमा (D.F.Sc) तथा पशुपालन में डिप्लोमा (डिप्लोमा इन एनीमल हस्बैन्ड्री) में प्रवेश भी पीएटी परीक्षा के माध्यम से होता है। दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु वि.वि दुर्ग के तहत ही संचालित दुग्ध विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय रायपुर के बी.टेक डेयरी पाठ्यक्रम एवं दुग्ध प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश पीईटी (PET) के माध्यम से होता है।

परीक्षा हेतु योग्यताः–

(क) **आयुसीमा :–** इस प्रवेश परीक्षा में प्रविष्ठ होने वाले आवेदक की आयु उस वर्ष 31 अगस्त को 17 वर्ष से अधिक होनी चाहिए।

(ख) **शैक्षणिक योग्यताः–** कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदक हायर सेकण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। हायर सेकण्डरी में आवेदक द्वारा भौतिक, रसायन के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की प्रकृति अनुसार गणित अथवा जीवविज्ञान अथवा एग्रीकल्चर विषय की योग्यता होनी चाहिए। बीएससी एग्रीकल्चर, हॉर्टीकल्चर (उद्यानिकी) के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु जहां गणित, जीवविज्ञान अथवा कृषि संकाय में से किसी भी संकाय का हायर सेकेण्डरी उत्तीर्ण छात्र पात्र होगा, जबकि कृषि इंजीनियरिंग, डेयरी टेक्नॉलॉजी के बी.ई बी.टेक पाठ्यक्रमों हेतु केवल गणित संकाय के विद्यार्थी ही पात्र होंगें। पशुचिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रम हेतु जीवविज्ञान विषय के साथ हायर सेकेण्डरी उत्तीर्ण छात्र ही पात्र होंगें।

परीक्षा योजना :– छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा कृषि क्षेत्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु तीन पृथक परीक्षाऐं आयोजित करता है।

1. बीएससी एग्रीकल्चर, हॉर्टीकल्चर (उद्यानिकी), बी.एस.सी. (वानिकी) आनर्स आदि के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्री एग्रीकल्चर परीक्षा (PAT)।
2. कृषि इंजीनियरिंग, डेयरी टेक्नॉलोजी के बी.ई बी.टेक पाठ्यक्रमों हेतु प्री इंजीनियरिंग परीक्षा (PET)।

उक्त समस्त परीक्षायें प्रतिवर्ष माह मई/जून में आयोजित किये जाते है जिनके लिए आवेदकों को प्रवेश फार्म माह मार्च–अप्रैल से उपलब्ध करवाया जाता हैं।

विशेष टीपः– इंदिरा गांधी कृषि वि.वि. रायपुर तथा दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु वि.वि दुर्ग संचालित विभिन्न कॉलेजों में कृषक परिवार के छात्रों के लिये 5 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण होता है। आवेदन करते समय इसका विशेष ध्यान रखें।

कृषि के क्षेत्र में रोजगार के अवसर :–

रोजगार की असीम संभावनाओं से युक्त कृषि क्षेत्र के स्नातक व्यक्तियों को रोजगार के वृहद आयाम उपलब्ध है वर्तमान में इस क्षेत्र का योग्यताधारी आसानी से निम्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर रहा हैः–

1 केन्द्र एवं राज्य सरकार के कृषि विभाग के अन्तर्गत विभिन्न राजपत्रित एवं गैर राजपत्रित पद ।

2 विभिन्न सरकारी एवं निजी बैंको तथा बीमा कम्पनियों में प्रबंधक एवं सुपरवाइजर के पद।

3 सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनो द्वारा संचालित क्षेत्र विकास कार्यक्रमों तथा वाटर सेड मिशन में विभिन्न पद।

4 बीज उत्पादक, कीटनाशक उत्पादक, तथा खाद उत्पादन कम्पनियों में विभिन्न पद।

5 कृषि इंजीनियरिंग उत्पाद जैसे ट्रेक्टर हारवेस्टर थ्रेसर बनाने वाली कम्पनियों में विभिन्न पद।

6 खाद्य प्रसंकरण संबंधी उद्योगों में विभिन्न पद।

संपर्क –

अधिक जानकारी के लिये इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के बेवसाईट www.igau.edu.in तथा दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु वि.वि दुर्ग के वेबसाइट www.cgkv.ac.in संपर्क किया जा सकता है।

उत्साह ही बलवान होता है। उत्साह से बढ़कर दूसरा कोई बल नहीं है। उत्साही पुरूष के लिये संसार में कोई वस्तु दुर्लभ नहीं है।

–महर्षि वाल्मीकि

15. कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (CLAT) हेतु परीक्षा

कानून का विषय भारतीय जनमानस में सदैव आकर्षण का विषय रहा है। कानून के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करने के उद्देश्य से बार काउंसिल ऑफ इण्डिया ने ऐसी शिक्षण संस्थानों की स्थापना प्रतिपादित की, जो सामान्य विश्वविद्यालय के विपरीत मूलतः कानून की पढ़ाई को समर्पित हो और पूर्णकालिक विश्वविद्यालय/डीम्ड विश्वविद्यालय के समान पूर्णरुपेण स्वायत्त हो, जहां प्रवेश की प्रक्रिया मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाओं जैसी अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं के स्वरुप का हो। इस लक्ष्य को लेकर देश भर में नेशनल लॉ कॉलेज यूनिवर्सिटियों की स्थापना प्रारंभ हुई। इस कड़ी का प्रथम लॉ कॉलेज युनिवर्सिटी की स्थापना 1987 में बैंगलुरु में हुई। तत्पश्चात विभिन्न राज्यों में लॉ कॉलेज युनिवर्सिटियां स्थापित होते रहे। वर्तमान में देश में 26 लॉ कॉलेज युनिवर्सिटी कार्यरत हैं, इन संस्थानों में प्रवेश हेतु एकल प्रवेश परीक्षा प्रणाली का प्रारंभ 2008 से किया गया, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (CLAT) के रुप में जाना जाता है। दिल्ली स्थित लॉ कॉलेज युनिवर्सिटी को छोड़कर देश की 26 अन्य नेशनल लॉ युनिवर्सिटियां इसी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों का प्रवेश प्रदान कर रही है।

परीक्षा का स्वरुप

देश के नेशनल लॉ युनिवर्सिटियों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली यह प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रकृति की परीक्षा है। यह परीक्षा ऑफलाईन मोड में आयोजित किया जाता है। परीक्षा में ऋणात्मक अंक का प्रावधान है, जो प्रति गलत उत्तर 0.25 हैं। इस परीक्षा में शामिल विषय निम्न है :–

क्र.	परीक्षा के विषय	प्रश्नों की संख्या (लगभग)	अधिकतम अंक	सामान्य पाठ्यक्रम
1	अंग्रेजी भाषा एवं समझ	24	24	व्याकरण, गद्यांश की समझ, शब्दों का अर्थ एवं प्रयोग समानार्थी विरुद्धार्थी वाक्य का सुधार इत्यादि
2	सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक घटनाएं	30	30	गत एक वर्ष (सामान्यतः गत मार्च से वर्तमान वर्ष तक) की समसामयिक घटनायें एवं सामान्य ज्ञान
3	सामान्य गणित एवं आंकिक योग्यता	12	12	कक्षा दसवीं स्तर तक का सामान्य गणित
4	कानून संबंधी एप्टीट्यूड/ज्ञान	30	30	कानूनी समझ की जांच होगी जिसमें दिये गये परिघटनाओं के आधार पर कानूनी सत्यता की परख की जायेगी। इस खंड हेतु यद्यपि पूर्व कानूनी ज्ञान वांछित नहीं है। दिये गये गद्यांष में ही उत्तर हेतु समुचित तथ्य विद्यमान होंगें जिसका सही परिपेक्ष्य में विश्लेषण की जांच होगी।
5	तर्क शक्ति	24	24	शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक प्रकृति के प्रश्न
कुल प्रश्न 200 कुल अंक 200 कुल समय 2 घंटा				

प्रवेश परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाती है, जिसके आधार पर आवेदकों को उनके प्राथमिकता के आधार पर संस्थान आबंटित किये जाते हैं। प्रवेश परीक्षा के अंकों में टाई होने पर कानूनी

ज्ञान/एप्टीट्युड के अधिक अंक को प्रथम वरीयता तत्पश्चात् अधिक उम्र को प्रथम प्राथमिकता देते हुए मेरिट सूची तैयार की जाती है।

प्रवेश परीक्षा हेतु पात्रताः–

1. इस प्रवेश परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले आवेदक हायर सेकेण्डरी (10+2) अथवा समकक्ष परीक्षा न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। आरक्षित वर्ग **(अजा/अजजा/पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजनों के लिए)** हेतु 5 प्रतिशत अंकों की छूट है। 12वीं प्रविष्ट विद्यार्थी भी प्रावधिक रुप से प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।
2. आवेदक की आयु प्रवेश परीक्षा के वर्ष के 01 जुलाई को 20 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अजा/अजजा/पिछड़ा वर्ग एवं निःशक्त जनों के लिए आयु सीमा में 2 वर्षों की छूट है।

भाग लेने वाले संस्थानों के नाम एवं सीटों की संख्या :–

1. NLSUI, Bangalore	2. NALSAR, Hyderabad	3. NLIU, Bhopal	4. WBNUJS, Kolkata
5. NLU, Jodhpur	6. HNLU, Raipur	7. GNLU, Gandhi Nagar	8. RMLNLU, Lucknow
9. RGNUL, Patiala	10. CNLU, Patana	11. NUALS, Kochi	12. NLUO, Orissa
13. NUSRL, Ranchi	14. NLUJA, Assam	15.DSNLU, Visakhapatnam	16.TNNLS, Tiruchirapalli
17. MNLU, Mumbai	18. MNLU, Nagpur	19. MNLU, Aurangabad	20. HPNLU Shimla
21.DNLU Jabalpur	22. NLU Sonipata	23. NLU Tripura	24- NLU Meghalaya
25. NLU Silvassa	26- NLU Agra		

उपरोक्त 26 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के प्रथम वर्ष में लगभग 3650 सीटें हैं।

परीक्षा हेतु आवेदन कैसे करे :–

परीक्षा हेतु ऑनलाईन आवेदन consortiumofnlus.ac.in में करना होता है।

परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण तिथियाँ :– (प्रतिवर्ष)

क्र.	विवरण	तिथियॉ
1.	ऑनलाईन आवेदन	प्रतिवर्ष जुलाई से अक्टूबर
2	परीक्षा की तिथि	प्रतिवर्ष दिसम्बर माह
3	परिणाम की घोषणा	प्रतिवर्ष दिसम्बर माह

क्लैट परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण सलाहः–

छत्तीसगढ़ के निवासियों को इस परीक्षा में अवश्य ही भाग लेने की सलाह दी जाती है क्योंकि

1. भारत वर्ष में स्थापित 26 नेशनल लॉ कॉलेजों में से एक हिदायतुल्ला नेशनल लॉ कॉलेज युनिवर्सिटी रायपुर में स्थित है, जिसकी कुल 180 सीटों में से 85 सीटे छत्तीसगढ़ राज्य के आवेदकों के लिए आरक्षित है, जो यहीं के मूल निवासियों के माध्यम से भरी जावेगी।
2. नेशनल लॉ कॉलेजों से स्नातक विद्यार्थियों के रोजगार की असीम संभावनायें उपलब्ध हो रही है। केवल इंजीनियरिंग एवं मेडिकल को ही रोजगार संबधी उपयुक्त समझने वाले विद्यार्थी जान लेवें कि लॉ कॉलेजों

से स्नातकों को वर्तमान में कारपोरेट सेक्टर से नियोजन के अत्यंत आकर्षक ऑफर प्राप्त कैम्पस प्लेसमेंट के रुप में ही प्राप्त हो रहे है।

3. अन्य परिस्थिति में कानून की डिग्री प्राप्त करने में 6 वर्ष का समय लगता है जबकि यही डिग्री नेशनल लॉ कॉलेजों से मात्र 5 वर्ष के अध्ययन से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही नेशनल लॉ कॉलेजों की डिग्री अत्यंत प्रतिष्ठित मानी जाती है।

संपर्क –

इस परीक्षा के संबंध में और अधिक जानकारी CLAT की वेबसाईट www.clat.ac.in से प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आपको सूर्य की तरह चमकना है,
तो पहले सूर्य की तरह जलना सीखें ।
– ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

16. होटल प्रबंधन में कैरियर के अवसर

जिन युवाओं को सेवा के क्षेत्र में ग्लैमर युक्त परन्तु चुनौती पूर्ण कैरियर की आकंक्षा है उनके लिए होटल प्रबंधन के क्षेत्र में कैरियर एक उत्तम विकल्प हैं।

होटल प्रबंधन के क्षेत्र में बहुप्रतिष्ठित पाठय्क्रम [B.Sc. Hospitality & Hotel administration] का संचालन भारत वर्ष में एक नियामक संस्था के अधीन संचालित होता है, जिसे नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एण्ड केटरिंग टेक्नालॉजी [Nation Council for Hotel Management and Cantering Technology] संक्षेप में [NCHMCT] के रूप में जाना जाता हैं।

NCHMCT भारत सरकार के पर्यटन विभाग के अधीन स्थापित एक पूर्ण स्वायत निकाय हैं, जो हॉटल मैनेजमेंट के अन्तर्गत संचालित समस्त प्रकार के पाठ्यक्रमों को अधिनियमित एवम् नियंत्रित करता है। वर्तमान में NCHMCT B.Sc हॉस्पिटालिटी एवम् होटल प्रबंधन के अतिरिक्त 9 अन्य प्रकार के पाठ्यक्रमों हेतु सिलेबस तथा पाठ्यक्रम का स्तर तय करता है। NCHMCT के अन्तर्गत वर्तमान में 21 केन्द्रीय संस्थान, 33 राज्य सरकारो के संस्थान तथा 25 निजी क्षेत्र, 1 पीएसयू तथा 2 पीपीपी मॉडल के संस्थान संचालित है।

NCHMCT B.Sc हॉस्पिटालिटी एवम् होटल प्रबंधन :–

पाठ्यक्रम [B.Sc. In Hospitality & Hotel administration]

यह पाठय्क्रम NCHMCT और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के माध्यम से संचालित त्रिवर्षीय (छः सेमेस्टर) पूर्णकालिक स्नातक पाठ्यक्रम हैं। जिसके माध्यम से छात्र सेवा के में दक्षता हेतु आवश्यक समस्त अन्तर्निहित सूक्ष्म तत्वों का वृहद ज्ञान प्राप्त करता हैं। जिसमें भोजन निर्माण भोजन एवम् पेय के परोसने का ज्ञान, हाउस किपिंग (रखरखाव) काउन्टर प्रबंधन इत्यादि का अध्ययन शामिल है। साथ ही इस पाठ्यक्रम में लेखा (होटल संबंधी) वित्तीय प्रबंधन, पर्यटन एवम् मार्केटिंग प्रबंधन के गुर भी सिखायें जाते है। इस कोर्स के उपरांत स्नातक व्यक्ति सेवा के क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण दायित्वों के निर्वहन हेतु सक्षम हो जाता है फलतः उन्हें निम्न क्षेत्रों में कैरियर के अनेक अवसर प्राप्त होते हैं :–

1. होटल एवम् संबंधित क्षेत्र में प्रबंधन प्रशिक्षु [Management Trainer] के रूप में नियोजन।
2. हवाई सेवा में फ्लाइट किचन के प्रभारी के रूप में नियोजन।
3. भारतीय नौसेना सहित मर्चेन्ट नेवी के सेवा क्षेत्र में रोजगार के अवसर।
4. शासकीय एवं निजी गेस्ट हाउस में कस्टमर केयर सर्विस में अधिकारी के रूप में नियोजन।
5. राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय फूड चेन संस्थान जैसे मैकडोन्मड K.F.C, डोमिनो इत्यादि में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में नियोजन।
6. विभिन्न हॉटल मैनेजमेंट संस्थानों में अध्यापन कार्य हेतु नियोजन।
7. पर्यटन बोर्ड/निगम इत्यादि में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में नियोजन।

स्पष्ट है यह कोर्स रोजगार की असीम संभावनाओं से युक्त हैं। एक अध्ययन के अनुसार B.Sc. Hospitality Course उत्तीर्ण 80% युवाओं को तुरंत ही नियोजन के अवसर प्राप्त हो जाते हैं।

कोर्स हेतु पात्रता :– इस पाठय्क्रम हेतु आवेदक को कक्षा बारहवीं (किसी भी विषय के साथ) उत्तीर्ण होना चाहिए। साथ ही बारहवीं कक्षा में अंग्रेजी एक विशय के रूप में अवश्य शामिल होना चाहिए। बारहवीं में प्रविष्ट विद्यार्थी भी इस कोर्स हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते है परन्तु उन्हें उस वर्ष के 30 सितम्बर तक अपनी 12वीं उत्तीर्ण अंकसूची प्रस्तुत करनी होगी।

आयुसीमा :– कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं है।

प्रवेश की प्रकिया :– B.Sc. Hospitality & Hotel administration में प्रवेश हेतु एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा प्रतिवर्ष नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा ऑनलाईन आयोजित की जाती है जिसे **NCHM** JEE कहा जाता है। इस प्रवेश परीक्षा में बहुविकल्पीय उत्तर वाले वस्तु निष्ठ प्रश्न पूछे जाते है। परीक्षा में शामिल विषयों का विवरण निम्नानुसार हैः–

क्रमांक	विषय	प्रश्नों की संख्या	समयावधि
1.	संख्यात्मक योग्यता एवं वैज्ञानिक समझ	30	कुल 3 घंटे
2.	तर्कशक्ति एवं तार्किक समझ	30	
3.	सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक घटनायें	30	
4.	अंग्रेजी भाषा	60	
5.	सेवा क्षेत्र की समझ संबंधी प्रश्न	50	
कुल प्रश्न		**200**	

इस परीक्षा में अंग्रेजी भाषा को छोड़कर अन्य समस्त प्रश्न द्विभाषी अर्थात हिन्दी एवं अंग्रेजी में होते हैं। परीक्षा में सही उत्तर हेतु 1 अंक दिया जाता है जबकि सेवा क्षेत्र की समझ वाले 5 वें प्रश्न पत्र में एक से अधिक सही उत्तर हो सकते हैं। वहाँ सर्वाधिक सही उत्तर पर 1 अंक तत्पश्चात् 0.75, 0.50, 0.25 के क्रम से अंक दिये जाते है।

मेरिट सूची :– इस प्रवेश परीक्षा के प्राप्तांको के आधार पर अखिल भारतीय मेरिट सूची बनाई जाती है। समान अंक प्राप्त करने की दशा में अंग्रेजी में अधिक अंक पाने वाले, तत्पश्चात् सेवा क्षेत्र में अधिक अंक पाने वाले को मेरिट में उच्च क्रम दिया जाता हैं।

परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण तिथियाँ :– आवेदक संस्थान के वेबसाइट www.nchmct.org अथवा www.nchm.nic.in अथवा www.nchm.gov.in में प्रदर्शित विज्ञापन से वास्तविक तिथि ज्ञात कर सकते है। सामान्यतः दिसम्बर माह में पंजीयन प्रारंभ होता है तथा परीक्षा अप्रैल/मई माह में होता है। ऑनलाईन आवेदन वेबसाइट www.nchm.gov.in में करना होता है।

परीक्षा केन्द्र :– रायपुर सहित देश भर के 33 शहर परीक्षा केन्द्र है जिसकी सूची ब्रोषर में उपलब्ध रहती है।

मेरिट के आधार पर सीधा प्रवेश :– हॉटल मैनेजमेंट के इन संस्थाओं के प्रत्येक संस्थान में तीन सीट बोर्ड के टॉपर हेतु सीधे प्रवेश के लिए सुरक्षित होती है। जिनमें एक सीट कला समूह, एक सीट वाणिज्य समूह एवं एक सीट विज्ञान समूह के टॉपर हेतु बिना प्रवेश परीक्षा के सुरक्षित होती है। इसके लिए आवश्यक होगा कि आवेदक अपने बोर्ड में अपने समूह की प्रावीण्यता सूची (कला समूह, वाणिज्य समूह, विज्ञान समूह में अलग– अलग) में प्रथम 200 स्थान पर आये (ऐसा उन बोर्ड के लिए है जहाँ 2 लाख तक विद्यार्थी परीक्षा में बैठे है।) यदि बोर्ड में 2 लाख से 5

लाख तक विद्यार्थी प्रविष्ट हुए है तो आवेदक अपने बोर्ड के 500 रैंक तक आने पर भी सीधे प्रवेश के लिए पात्र होता है।

संपर्क :– होटल प्रबंधन में कैरियर के अवसर के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है एवं इससे संबंधित वेबसाइट www.nchmct.org अथवा www.nhcm.nic.in अथवा www.nhcm.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

हम वो है जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का ध्यान रखिए कि आप क्या सोचते है। शब्द गौण हैं, विचार रहते है वो ही दूर तक यात्रा करते है।

We are what our thoughts have made us; so take care about what you think. Words are secondary. Thoughts live; they travel far.

- स्वामी विवेकानंद

16.(A) स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, नवा रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक है, जहां आतिथ्य उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और कुशल मानव संसाधनों की आवश्यकता बढ़ रही है। राज्य शासन के माध्यम से होटल प्रबंधन संस्थान द्वारा छात्र–छात्राओं के कौशल को बढ़ाने और विकसित करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है जो कुशल मानव संसाधन और हास्पीटिलिटी उद्योग को बढ़ाने में मदद करेगा।

संस्थान–

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाईड न्यूट्रीशन, नवा रायपुर छ.ग. वर्ष 2020 में राष्ट्रीय होटल प्रबंधन तकनीक परिषद (NCHMCT), नोयडा से संबंद्ध स्थापित संस्थान है। नवा रायपुर अंतर्गत उपरवारा सेक्टर–40 में स्थित स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट केटरिंग टेक्नोलॉजी एण्ड एप्लाईड न्यूट्रीशन राज्य शासन के अधीन एक मात्र संस्थान है।

संबंद्धता–

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाईड न्यूट्रीशन, नवा रायपुर छ.ग, राष्ट्रीय होटल प्रबंधन तकनीक परिषद (NCHMCT), नोयडा से संबंद्ध है। 2023 से तीन वर्षीय बीएससी एचएचए की डिग्री जवाहर लाल नेहरू यूनिर्वसिटी, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की जाती है। अन्य सभी पाठ्यक्रमों के लिए NCHMCT द्वारा डिप्लोमा प्रमाण पत्र प्रदान किये जाते है।

NCHMCT के संबंध में जानकारी :–

नेशनल कांउसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (सोसायटी) की स्थापना वर्ष 1982 में भारत सरकार द्वारा की गई थी। भारत में देश में आतिथ्य प्रबंधन शिक्षा से संबंधित विकास के लिये भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय की एक स्वायत निकाय के रूप में स्थापित है ।

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट रायपुर की स्थापना

- भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय से दिनांक 29.12.2006 के द्वारा होटल प्रबंध संस्थान, रायपुर की स्थापना किये जाने हेतु अनुमति प्रदान की गई ।
- होटल प्रबंध संस्थान रायपुर का पंजीयन छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 के अधीन दिनांक 06.06.2006 को हुआ है।

संस्थान में संचालित विभिन्न कोर्सेस की जानकारी

राष्ट्रीय होटल प्रबंधन एवं केटरिंग तकनालॉजी परिषद, नोएडा से इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट को शैक्षणिक सत्र 2020–21 से निम्नानुसार पाठ्यक्रम संचालित किए जाने हेतु संबंद्धता/मान्यता

क.	पाठ्यक्रम/डिग्री/डिप्लोमा का नाम	अवधि	स्वीकृत सीट
1	होटल मैनेजमेंट डिग्री (**B.Sc. in Hospitality and Hotel Administration)** तीन वर्षीय बीएससी एचएचए की डिग्री जवाहर लाल नेहरू यूनिर्वसिटी, नई दिल्ली द्वारा प्रदान।	3 वर्ष (चौथा वर्ष वैकल्पिक)	80
2	डिप्लोमा इन फूड प्रोडक्शन	1 वर्ष 6 माह	60
3	डिप्लोमा इन हाऊसकीपिंग आपरेशन्स	1 वर्ष 6 माह	40
4	डिप्लोमा इन फूड एंड बेवरेज सर्विसेस	1 वर्ष 6 माह	40

स.क्रं.	कोर्स विवरण	शैक्षणिक अर्हता
	03 B.Sc. HHA (चौथा साल वैकल्पिक ऑनर्स डिग्री, जवाहर लाल नेहरू यूनिर्वसिटी, नई दिल्ली द्वारा प्रदाय)	○ किसी भी विषय में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण, जिसमें अंग्रेजी एक विषय अनिवार्य । ○ आयु सीमा बंधन नहीं। ○ एनसीएचएम के संयुक्त प्रवेष परीक्षा के माध्यम से। ○ सीट नहीं भरे जाने की स्थिति में सीधे प्रवेश।
	डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा कोर्स ➢ डिप्लोमा इन फूड प्रोडक्शन ➢ डिप्लोमा इन फूड एण्ड बेवरेज सर्विस ➢ डिप्लोमा इन हाउसकीपिंग सर्विसेस	○ किसी भी विषय में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण, जिसमें अंग्रेजी एक विषय अनिवार्य। ○ आयु सीमा बंधन नहीं । ○ प्रवीणता के आधार पर सीधे प्रवेश।

संस्थान में संचालित अन्य कार्यक्रमों की जानकारी

भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित निम्नलिखित ''हुनर से रोजगार तक'' अंतर्गत निःशुल्क पाठ्यक्रमों का संस्थान के द्वारा संचालन किया जाता है :–

- खाद्य एवं पेय सेवा
- खाद्य उत्पादन/मल्टी कूजिन
- ड्रायविंग स्कील्स एवं शिष्टाचार प्रशिक्षण
- हाउसकीपिंग/रूम अटेंडेंट
- फ्रंट आफिस

कार्यालयीन संपर्क पता एवं समय

सोमवार से शुक्रवार सुबह 09.00 बजे से शाम 05.00 बजे तक

संस्थान का पता

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट केटरिंग टेक्नोलॉजी एण्ड एप्लाईड न्यूट्रीषन, सेक्टर–40, उपरवारा, नवा रायपुर (छ.ग.), पिन–493661।

ई–मेल ihmraipur@gmail.com

दूरभाष नंबर– 0771–2990302 / 0771–2972411

यदि किसी दिन आपके सामने कोई समस्या न आए तो आप सुनिश्चित हो सकते है कि आप गलत मार्ग पर चल रहे हैं।

In a day, when you don't come across any problems – you can be sure that you are travelling in a wrong path.

- स्वामी विवेकानंद

17. राष्ट्रीय फैशन टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट में प्रवेश परीक्षा (National Institute of Fashion Technology)

कलात्मक अभिरुचि, मौलिक डिजाइन, तथा वस्त्र एवं वस्तुओं के डिजाइन इत्यादि में नवीनतम सोच रखने वाले युवाओं को कैरियर प्रदान करने वाली शिक्षण संस्थानों की एक श्रृंखला राष्ट्रीय फैशन टेक्नॉलोजी संस्थान **(National Institute of Fashion Technology)** के **निफ्ट (NIFT)** रुप में भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित है। सन् 1986 से स्थापित यह संस्थान वस्त्र एवं वस्तुओं के डिजाइन, मैनेजमेंट एवं नूतन तकनीकी आविष्कारों के आधुनिकतम पहलुओं को शिक्षण व्यवस्था में सम्मिलित कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फैशन तकनीक को स्थापित करने का वृहद कार्य कर रहीं हैं।

भारतीय संसद के वर्ष 2006 के अधिनियम द्वारा इन शिक्षण संस्थानों को स्वायत्ता प्रदान करते हुए इन्हें पाठ्यक्रम निर्धारण के साथ डिग्री प्रदान करने हेतु अधिकृत किया गया है।

वर्तमान में भारत में NIFT के अंतर्गत 18 शिक्षण संस्थान स्थापित हैं जो क्रमशः नईदिल्ली, कोलकाता, मुम्बई, चेन्नई, हैदराबाद, बैंगलुरु, गांधीनगर, भोपाल, पटना, भुवनेश्वर, जोधपुर, रायबरेली, शिलांग, कुन्नुर, कांगड़ा, कानपुर, पंचमुला एवं श्रीनगर में स्थापित हैं। इन संस्थानों में बैचलर ऑफ डिजाईन के लगभग 3200 सीटें तथा बैचलर ऑफ फैंशन टेक्नोलॉजी के लगभग 600 सीटे उपलब्ध है।

प्रवेश हेतु शैक्षणिक अर्हता :– बैचलर ऑफ डिजाइन पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदक 12वीं उत्तीर्ण हो जो कला/विज्ञान/वाणिज्य सहित में से किसी भी स्ट्रीम में हो सकता है, केवल बारहवीं फाइन आर्टस के आवेदक पात्र नहीं है। बैचलर ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु वही आवेदक पात्र हैं, जिन्होंने 12वीं कक्षा भौतिक,रसायन एवं गणित के साथ उत्तीर्ण किया हो। 3 वर्षीय उत्तीर्ण विद्यार्थी भी दोनों पाठ्यक्रमों के लिये पात्र होते है।

आयुसीमा :– आवेदन किये जाने वाले वर्ष के प्रथम अगस्त को अधिकतम 25 वर्ष आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को अधिकतम आयुसीमा में नियमानुसार छूट की पात्रता होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– आवेदक को निफ्ट की वेबसाईट www.nift.ac.in में ऑनलाईन आवेदन करना होता है। आवेदन के लिये पंजीयन सामान्यतः दिसम्बर/जनवरी में तथा परीक्षा फरवरी/मार्च में होता है। आवेदक अपने योग्यता के अनुसार किसी एक पाठ्यक्रम या दोनों पाठ्यक्रमों के लिये आवेदन कर सकता है।

परीक्षा की योजना :– संस्थान के स्नातक पाठ्यक्रम क्रमशः बैचलर ऑफ डिजाइन एवं बैचलर ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी में प्रवेश हेतु एक प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। परीक्षा में पाठ्यक्रम के अनुसार मुख्यतः 3 भाग होते है–

(1) Creative ability Test (CAT)

(2) General ability Test (GAT)

(3) Situation Test

CAT :– 1. इस परीक्षा में आवेदक के क्रियात्मक एवं कलात्मक अवबोध की परीक्षा ली जाती है जिसमें आवेदक को विभिन्न प्रकार के पोस्टर, बैनर, कम्पनियों के प्रतीक चिन्ह (LOGO) को पुनः डिजाइन करने का कार्य दिया जा सकता है साथ ही विभिन्न परिस्थितियों के अनुरुप चित्र/ड्राइंग बनाने का कार्य सम्मिलित होता है।

GAT :– यह परीक्षा ऑनलाईन आयोजित की जाती है जिसमें विभिन्न विषयों के प्रश्न होते है।

(iii) Situation Test (पारिस्थितिक परीक्षा) :– Situation Test परीक्षा में विभिन्न उपलब्ध सामग्रियों के अधिकतम् बेहतरीन उपयोग द्वारा 3D मॉडल का निर्माण करने का कार्य दिया जाता है। परीक्षा द्वारा आवेदक के परिस्थिति अनुरुप कलात्मक वस्तुओं के निर्माण की on spot प्रायोगिक जांच की जाती है। यह परीक्षा 2.30 घंटा का होता है। बैचलर ऑफ डिजाईन, (B.Des) तथा बैचलर ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी (B.FTech) में प्रवेश हेतु निम्न प्रकार से प्रवेश परीक्षा ली जाती है :–

कार्यक्रम	**बैचलर ऑफ डिजाईन, (B.Des)**	**बैचलर ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी (B.FTech)**		**बैचलर ऑफ डिजाईन, (B.Des) एवं बैचलर ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी (B.FTech)**
परीक्षा का नाम	गैट खंड क (CBT)	गैट खंड क (CBT)	गैट खंड ख (CBT)	खंड क– 2 घंटा
परीक्षा की भाषा	अंग्रेजी/हिन्दी	अंग्रेजी/हिन्दी	अंग्रेजी/हिन्दी	
परीक्षा की अवधि (मिनट में)	120	120	60	
अनुभाग	प्रश्नों की संख्या	प्रश्नों की संख्या	प्रश्नों की संख्या	खंड ख – 1 घंटा
संचार क्षमता और अंग्रेजी	40	40	लागू नही	कैट– 3 घंटा
मात्रात्मक योग्यता	20	20	15	
विश्लेषणात्मक और तार्किक क्षमता	15	15	15	
सामान्य ज्ञान	25	25	लागू नहीं	
कैस स्टडी	लागू नहीं	लागू नहीं	20	
कुल	100	100	50	

टीपः– 1. सिर्फ बैचलर ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी (B.FTech)- गैट खंड क एवं गैट खंड ख

2 सिर्फ बैचलर ऑफ डिजाईन, (B.Des) - गैट खंड क, कैट एवं सैट

3 बैचलर ऑफ डिजाईन, (B.Des) एवं बैचलर ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी (B.FTech) दोनों गैट खंड क, गैट खंड ख कैट एवं सैट

परीक्षा अंक प्रतिशत (वेटेज)

बैचलर ऑफ डिजाईन, (B.Des) तथा बैचलर ऑफ डिजाईन, (B.Des) एवं बैचलर ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी (B.FTech) दोनों		बैचलर ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी (B.FTech)	
गैट खंड क	30 प्रतिशत	गैट खंड क	30 प्रतिशत
कैट	50 प्रतिशत	गैट खंड ख	70 प्रतिशत
सैट	20 प्रतिशत	–	–
कुल	100 प्रतिशत	–	100 प्रतिशत

संपर्क :– निफ्ट के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है एवं इससे संबंधित वेबसाइट www.nift.ac.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

जो तुम सोचते हो वो हो जाओगे, यदि तुम खुद को कमजोर सोचते हो तुम कमजोर हो जाओगे, अगर खुद को ताकतवर सोचते हो, तुम ताकतवर हो जाओगे।

Whatever you think that you will be, If you think yourself weak, you will be; if you think yourself strong, you will be.

- स्वामी विवेकानंद

18. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजूकेशन एण्ड रिसर्च में प्रवेश परीक्षा (INDIAN INSTITUTE OF SCIENCE EDUCATION & RESEARCH) (IISER)

मूलभूत विज्ञान के क्षेत्र में उच्चतम गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करने की मूल अभिधारणा एवं उद्देश्य के साथ भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2006 में 5 उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण संस्थानों की स्थापना की गई। बैंगलोर स्थित विश्व प्रसिद्व इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (IISc Banglore) की तर्ज में स्थापित यह सात संस्थान पूर्णरूपेण मूलभूत विज्ञान के क्षेत्र में षिक्षण एवं अनुसंधान को समर्पित है। यह सात संस्थान कोलकाता, पूना, मोहाली (चंडीगढ़), भोपाल, तिरूपति, बेरहमपुर एवं तिरूअनंतपुरम में स्थापित किये गये।

प्रवेश प्रक्रिया :– इन संस्थानो में संचालित इंटीग्रेटेड BS–MS (बैचलर ऑफ साइंस एवं मास्टर ऑफ साइंस का 5 वर्षीय) पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश की प्रक्रिया निम्नानुसार 3 तरीकों से पूर्ण की जाती हैः–

1. **किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (KVPY) के माध्यम से :–**

इसमें उन आवेदकों को इन संस्थानों में प्रवेश दिया जाता है जिन्होंने भारत सरकार के साइंस एवं टेक्नालॉजी विभाग के माध्यम से एवं IISc Banglore द्वारा आयोजित किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना के किसी भी अंग में सफलता पायी हो जैसे (a) कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत विज्ञान के विषयों के विद्यार्थियों हेतु आयोजित SA परीक्षा अथवा (b) कक्षा बारहवीं में अध्ययनरत विज्ञान विषयों के विद्यार्थियों हेतु आयोजित SX परीक्षा अथवा (c) प्रथम वर्ष B.Sc. में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए आयोजित SB परीक्षाओं में से किसी एक से सफल विद्यार्थी इन संस्थानों में प्रवेश हेतु पात्र है। वर्तमान में किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (KVPY) बंद हो जाने के कारण भारत सरकार के साइंस एवं टेक्नालॉजी विभाग के INPIRE योजनान्तर्गत (Scholarship for Higher Education) प्रावीण्यता के आधार पर चुने गये छात्र पात्ररत है।

2. **जे.ई.ई. (एडवान्स) परीक्षा के माध्यम से :–**

इस चैनल के द्वारा उन विद्याार्थियों को इन संस्थानों में प्रवेश दिया जाता है जो जे.ई.ई. (एडवान्स) परीक्षा में सफल होकर इन संस्थानों में बेसिक साईंस में अध्ययन के इच्छुक है।

IISER Aptitude Test:– यह एक विशेष परीक्षा है जो IISER स्वयं आयोजित करता है। इस प्रवेश परीक्षा मे शामिल होने के लिये 12 वी कक्षा गणित या जीवविज्ञान समूह से कम से कम 75 प्रतिशत अंक (आरक्षित वर्ग के लिए 65 प्रतिशत) से उत्तीर्ण होना अनिवार्य होता है। यह परीक्षा ऑनलाईन आयोजित होता है। प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी माध्यम से होते है। परीक्षा की अवधि 3 घंटा तथा कुल अंक 240 होता है। इस परीक्षा में 5 भाग होते है, जिनमें प्रथम खण्ड (सामान्य वैज्ञानिक समझ) सभी के लिए अनिवार्य होता है। खण्ड 02 से 05 तक भौतिकी, रसायन, गणित एवं जीवविज्ञान के प्रश्नों अलग–अलग खण्ड होते है। आवेदक को इन 04 खण्डों में से किन्ही 03 खण्ड के उत्तर देने होते है। प्रत्येक खण्ड में 04–04 अंक के 15–15 प्रश्न होते है। प्रश्नों कि एक से सही उत्तर हो सकते है जिसमें सत्यता के पैमाने के आधार पर अधिभार देते हुए मार्किंग की जाती है। गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक दिया जाता है। परीक्षा के मॉडल प्रश्न पत्र IISER के वेबसाइट www.iiser.ac.in पर उपलब्ध है।

महत्वपूर्ण तिथियाँ :– आवेदकों की सलाह दी जाती है कि प्रतिवर्ष इन संस्थानों में प्रवेश हेतु तिथियों की जानकारी IISER की वेबसाइट www.IISER.admission.in से प्राप्त कर लेवें।

क्रं.	विवरण	(KVPY) के चैनल द्वारा	I.T.I. JEE (Advance) चैनल से	IISER Aptitude Test
1.	ऑनलाईन आवेदन तिथि	जून प्रथम सप्ताह	जून द्वितीय सप्ताह	जून द्वितीय सप्ताह
2.	काउन्सिलिंग / एप्टीट्यूड टेस्ट	जुलाई माह	जुलाई माह	जुलाई

IISER में अध्ययनरत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति :

इन संस्थानों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र हेतु छात्रवृत्ति का प्रावधान है जो उन्हें INSPIRE योजना के (Scholar ship for Higher Education) अन्तर्गत प्राप्त हो सकता है या KVPY योजना के अन्तर्गत प्राप्त हो सकता है। यह छात्रवृत्ति 5000 प्रतिमाह की शिष्यवृत्ति एवं 20000 रू. के समर कोर्स फीस सहित कुल 80000 रूपये प्रतिवर्ष की दर से दी जाती है। जो सम्पूर्ण 5 वर्ष के BS–MS कोर्स हेतु दी जाती है।

IISER में सीटों की संख्या :–

IISER की कुल 7 संस्थानों के अन्तर्गत वर्तमान में लगभग 1900 सीटें BS–MS कोर्स हेतु उपलब्ध है।

National Institute of Science Education & Research में प्रवेश :–

उपर्युक्त वर्णित IISER के अलावा मूलभूत विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन हेतु अन्य अत्यंत प्रतिष्ठित संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साईंस एजूकेशन एवं रिसर्च है। यह संस्थान भुवनेष्वर में स्थित है। इसके अतिरिक्त मुम्बई विश्वविद्यालय में स्थित भारतीय परमाणु उर्जा आयोग की सहायता से स्थापित सेन्टर ऑफ इक्सीलेंस फॉर बेसिक साइंस भी इसी NISER के साथ इसी श्रेणी में रखे जा सकते है। जहां IISER के 7 संस्थान भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन आते हैं वही NISER के उपर्युक्त दोनों संस्थान परमाणु उर्जा विभाग के अन्तर्गत संचालित है।

NISER में प्रवेश की प्रक्रिया :– NISER में प्रवेश हेतु एक प्रवेश परीक्षा NEST (National Entrance Screening Test) के माध्यम से की जाती है। इस परीक्षा में 5 भाग होते है जिनमें प्रथम खंड समस्त आवेदकों के लिए अनिवार्य होता है जिसमें सामान्य वैज्ञानिक समझ (Genral Science Awarences & Abitude) की जांच करने संबंधी प्रश्न होते है। खंड 2 से 5 तक भौतिकी, रसायन, गणित एवं जीव विज्ञान के प्रश्नों के अलग–अलग खंड होते हैं। आवेदक को इन चार खंडो में से किसी तीन खंड के उत्तर देने होते है। प्रश्नों कि एक से सही उत्तर हो सकते है जिसमें सत्यता के पैमाने के आधार पर अधिभार देते हुए मार्किंग की जाती है। गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक दिया जाता है। यह परीक्षा 200 अंकों की होती है तथा इसकी अवधि 03 घंटा 30 मिनट होती है। इस परीक्षा के विगत वर्षों के प्रश्न पत्र एवं मॉडल प्रश्न पत्र संस्थान के वेबसाइट www.nestexam.in पर देखे जा सकते हैं।

NEST हेतु पात्रता :– इस प्रवेश परीक्षा हेतु बारहवीं विज्ञान में 60% अंको के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अजा/अजजा वर्ग हेतु यह प्रतिशत 55% निर्धारित है। आवेदक 12 वी पास करने के वर्ष या उसके 02 साल बाद तक ही इस परीक्षा में शामिल हो सकते है।

इस प्रवेश परीक्षा में आयुसीमा अधिकतम 20 वर्ष है जबकि अजा/अजजा हेतु 5 वर्ष की छूट उपलब्ध है।

NISER में सीटो की संख्या :– NISER के भुवनेश्वर सेंटर में 200 सीटे उपलब्ध है। जबकि मुम्बई विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस विभाग में 57 सीट इंट्रीग्रेटेड डैब कोर्स हेतु उपलब्ध है।

कब आवेदन करें :– इस प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन फरवरी–मार्च सामान्यतः निर्धारित होती है जबकि इसकी प्रवेश परीक्षा मई की अंतिम सप्ताह में आयोजित होती है।

प्रवेश परीक्षा के सेंटर :– रायपुर सहित देश के 45 सेंटर निर्धारित है।

संपर्क :– इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है एवं इससे संबंधित वेबसाइट www.nestexam.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

मस्तिष्क की शक्तियाँ सूर्य की किरणों के समान होती है, जब वो केन्द्रित होती है तो चमक उठती है।

The powers of the mind are like the rays of the sun when they are concentrated they illumine.

- स्वामी विवेकानंद

19. केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए CUET (Common University Entrance Test)

केन्द्रीय विश्वविद्यालयों एवं अन्य विश्वविद्यालयों के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए CUET (Common University Entrance Test) का आयोजन, वर्ष 2022 से प्रतिवर्ष NTA द्वारा वर्ष में एक बार किया जा रहा है। इस प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया के साथ–साथ लगभग 50 केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लगभग 70 राज्य विश्वविद्यालय, लगभग 25 डीम्स् टू युनिवर्सिटी, 100 से अधिक निजी विश्वविद्यालय के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जा रहा है।

अर्हताः–

1. स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कम से कम 12 वी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो। 12 वीं अध्ययनरत विद्यार्थी भी परीक्षा दिला सकता है।
2. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से कम से कम स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो। स्नातक के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी भी परीक्षा दिला सकता है।

टीपः– वर्ष 2025 से विषय का बंधन खत्म कर दिया गया है अर्थात छात्र उस विषय में भी परीक्षा दिला सकते है, जो उनका 12 वीं या स्नातक का विषय नहीं रहा हो।

आयु सीमाः– स्नातक एवं स्नातकोत्तर की परीक्षा में शामिल होने के लिए कोई अधिकतम आयु सीमा नहीं है।

ऑनलाईन आवेदनः– CUET (Common University Entrance Test) के लिये ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन सामान्यतः मार्च/अप्रैल माह में प्रारंभ होता है। युवाओं को अपना रजिस्ट्रेशन वेबसाइट https://exams.nta.ac.in/CUET में कराना होता है। परीक्षा सामान्यतः मई/जून माह में आयोजित किया जाता है।

CUET (Common University Entrance Test) स्नातक में प्रवेश परीक्षा की जानकारी–

यह परीक्षा ऑनलाईन (CBT) आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा में कुल 37 प्रकार के प्रश्न प्रत्र होते है जिन्हे निम्नानुसार 3 भागों में बाटा गया है–

1- Language Section इस भाग में 13 भाषाओं यथा हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, तेलगू आदि में से कोई एक भाषा चुनना होता है। इसके प्रश्न संबंधित भाषा के व्याकरण, शब्दावली, साहित्य, भाषा का अनुपयोग आदि पर आधारित होते है।

2- Domain Specific Subjects इस भाग में उपलब्ध 23 विषयों यथा भौतिक, रसायन, गणित, जीवविज्ञान, भूगोल, इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र वाणिज्य में से आवेदक कोई भी अधिकतम 5 विषय का चयन कर सकता है। वर्ष 2025 से आवेदक उस विषय का चयन कर सकता है, जो विषय उसने 12 वी कक्षा में नहीं पढा है। इस प्रश्न पत्र में एनसीआरईटी के 12

वी के पाठ्यक्रम के अनुसार संबंधित विषय के मूलभूत सिद्धांत, परिभाषा, अवधारणा आदि से प्रश्न पूछे जाते है।

3- General Aptitude Test इस प्रश्न पत्र में सामान्य ज्ञान एवं तर्कशक्ति से संबंधित प्रश्न पूछे जाते है। जो भाषा या विषय भाग एक एवं भाग दो में शामिल नहीं है, उनमें प्रवेश इस टेस्ट के माध्यम से होता है।

- प्रत्येक प्रश्न पत्र में 50–50 प्रश्न होते है तथा इनकी अवधि 1 घंटा होती है।
- प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होता है। गलत उत्तर देने पर 1 अंक नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है।
- एक ही विषय के अलग–अलग दिनों एवं पालियों में आयोजित होने वाले प्रश्न पत्रों में विद्यार्थियों के प्राप्तांक सामान्यीकरण पद्धति (Normalization) द्वारा जारी किया जाता है।
- CUET स्कोर की वैधता एक शैक्षणिक सत्र के लिये होती है।

CUET (Common University Entrance Test) स्नातकोत्तर में प्रवेश परीक्षा की जानकारी–

यह परीक्षा भी ऑनलाईन (CBT) आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा की सामान्य जानकारी निम्नानुसार है–

- यह परीक्षा 157 विषयों मे आयोजित किया जाता है। छात्र किन्ही भी 4 विषयों के परीक्षा के लिये आवेदन कर सकता है।
- General Aptitude Test की भी परीक्षा होती है।
- प्रत्येक प्रश्न पत्र में 75–75 प्रश्न होते है तथा इनकी अवधि 90 मिनट होती है।
- प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होता है। गलत उत्तर देने पर 1 अंक नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है।
- एक ही विषय के अलग–अलग दिनों एवं पालियों में आयोजित होने वाले प्रश्न पत्रों में विद्यार्थियों के प्राप्तांक सामान्यीकरण पद्धति (Normalization) द्वारा जारी किया जाता है।
- CUET स्कोर की वैधता एक शैक्षणिक सत्र के लिये होती है।

विशेष टीपः– 1.छत्तीसगढ़ में स्थित गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश इसी परीक्षा के माध्यम से होता है।

2. दिल्ली विश्वविद्यालय (DU) में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को CUET स्कोर प्राप्त होने के बाद DU की कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम के तहत आवेदन करना होता है एवं कॉलेजो तथा पाठ्यक्रम का चयन होता है।

अधिक जानकारीः– इस परीक्षा के संबंध में और अधिक जानकारी वेबसाइट https://exams.nta.ac.in/CUET प्राप्त कर सकते है।

20. सी.ए. (C.A.) हेतु प्रवेश परीक्षा

कैरियर के रुप में चाटर्ड एकाउन्टैन्सी देश के सबसे प्रतिष्ठित कैरियर विकल्पों में से एक है। इंजीनियरिंग एवं मेडिकल के समान ही इसमें कैरियर बनाना भी युवाओं का सपना रहता है क्योंकि चाटर्ड एकाउंटेन्ट कैरियर में प्रतिष्ठा के साथ–साथ आकर्षक आय भी प्राप्त होती है। यह एक ऐसा कैरियर है जिसमें व्यक्ति वेतन भोगी के रुप में नौकरी कर सकता है अथवा स्वयं स्वतंत्र रुप से कार्य कर सकता है। देश में वर्तमान में प्रैक्टिसिंग सीए की संख्या लगभग 2.5 लाख है, जबकि एक अध्ययन के अनुसार आर्थिक रुप से निरंतर प्रगतिशील भारत में वर्तमान में लगभग 5 लाख सीए प्रोफेशनल की आवश्यकता है, अतः आने वाले कई वर्षो में सीए प्रोफेशन में व्यापक रोजगार के अवसर उपलब्ध है।

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान **(Institute of Chartered Accountants of India (ICAI))** की स्थापना भारतीय संविधान सभा द्वारा चाटर्ड एकाउन्टैन्ट एक्ट के माध्यम से 1 जुलाई 1949 को की गई, भारतीय संसद से अधिनियमित यह संस्था देश में वित्तीय ऑडिट एवं एकाउन्टेन्सी के मानकों के निर्धारण, नियमन एवं नियंत्रण संबंधी सर्वोच्च संस्था है। संस्था अपने आदर्श परिकथन "**या ऐषु सुप्तेषु जागृति**" को सदैव साकार करने का लक्ष्य के साथ कार्यरत है। यह संस्था ही देश में सीए के कोर्स के लिए नियंत्रक संस्था है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। पांच क्षेत्रीय कार्यालय भी क्रमशः उत्तर क्षेत्र (नई दिल्ली), दक्षिण क्षेत्र (चेन्नई) पूर्व क्षेत्र (कोलकाता) पश्चिम क्षेत्र (मुम्बई) एवं मध्य क्षेत्र (कानपुर) में कार्यरत है।

1 जुलाई 2017 से लागू किये गये नये नियमों के तहत चाटर्ड एकाउन्टैन्ट बनने की प्रक्रिया तीन चरणों में पूर्ण होती है :–

1.. **एन्ट्री लेवल प्रवेश परीक्षा :** इस प्रवेश परीक्षा का नाम सी. ए. फांउडेशन **(CA FOUNDATION) है।**

2. **प्रथम लेवल सैद्धांतिक अध्ययन :** इस इंटरमिडियेट स्तर को सी. ए. इंटरमिडियेट **(CA INTERMEDIATE)** कोर्स कहा जाता है।

3. **द्वितीय लेवल सैद्धांतिक एवं प्रैक्टिल अध्ययन :** इस स्तर को सीए की पढ़ाई का फायनल कोर्स कहा जाता है।

चाटर्ड एकाउन्टैन्ट बनने हेतु वर्तमान में नियमों के अधीन उक्त तीनों चरणों को पूर्ण करने के लिए किसी आवेदक को निम्न प्रक्रियाओं/स्तर से गुजरना होता है –

1. सीए बनने की प्रथम सीढ़ी सी. ए. फांउडेशन **(CA FOUNDATION)** परीक्षा उत्तीर्ण करना है। आवेदक को मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं उत्तीर्ण करने के उपरांत ही इस परीक्षा हेतु पंजीयन के लिए पात्र होता है, परन्तु सी. ए. फांउडेशन **(CA FOUNDATION)** परीक्षा में प्रविष्ट होने से पूर्व आवेदक को कम से कम बारहवीं प्रविष्ट या उत्तीर्ण होना अनिवार्य होता है। आवेदक पंजीयन (Institute of Chartered Accountants of India (ICAI)) के मुख्यालय अथवा क्षेत्रीय मुख्यालय के माध्यम से कर सकता है। सी. ए. फांउडेशन **(CA FOUNDATION)** की परीक्षा प्रतिवर्ष दो बार क्रमशः मई एवं नवम्बर में आयोजित होती है। जो आवेदक किसी वर्ष मई माह की परीक्षा में

सम्मिलित होना चाहते है, उन्हें 1 दिसम्बर में तथा नवम्बर की परीक्षा के इच्छुक आवेदक 1 जुलाई में संस्थान से पंजीयन करवा लेना चाहिए।

सी. ए. फांउडेशन (CA FOUNDATION) परीक्षा की संरचना– इसमें कुल 4 प्रश्न पत्र होते है।

प्रश्न पत्र 1 (वर्णनात्मक प्रकार) – एकाउंटिंग (100 अंक)

प्रश्न पत्र 2 (वर्णनात्मक प्रकार) – बिजनेस लॉ (60 अंक) एवं बिजनेस रिर्पोटिंग (40 अंक)

प्रश्न पत्र 3 (वस्तुनिष्ठ प्रकार) – बिजनेस मैथमेटिक्स एवं लॉजिक्ल रीजनिंग (60 अंक) तथा सांख्यिकीय (40 अंक)

प्रश्न पत्र 4 (वस्तुनिष्ठ प्रकार) – बिजनेस इकोनॉमिक्स (60 अंक) एवं बिजनेस एण्ड कमर्शियल ज्ञान (40 अंक)

टीप :– प्रश्न पत्र 3 और 4 में नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है। इस परीक्षा को पास करने के लिए प्रत्येक **प्रश्न** पत्र में अलग–अलग कम से कम 40 प्रतिशत अंक तथा सभी **प्रश्न** पत्रों को मिला कर 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। प्रत्येक प्रश्न पत्र की अवधि 3 घंटा की होती है।

टीप :– 55 प्रतिशत अंकों के साथ बीकॉम या एमकॉम उत्तीर्ण आवेदक या दूसरे विषय में 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री वाले आवेदकों को सी. ए. फांउडेशन **(CA FOUNDATION) परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं होती है। वे सीधे ही सीए के द्वितीय चरण** सी. ए. इंटरमिडियेट **(CA INTERMEDIATE) में प्रवेश पा सकते हैं। डारेक्ट एण्ट्री के माध्मय से प्रवेश लेने वाले छात्रों को पहले 9 महिने का अध्ययन अवधि पूरा करना होता है और फिर वे ऑर्टिकलशिप के लिये पात्र होते है।**

2. सीए के द्वितीय चरण सी. ए. इंटरमिडियेट **(CA INTERMEDIATE)** में पंजीकृत होने से पूर्व आवेदक को बारहवीं तथा सी. ए. फांउडेशन **(CA FOUNDATION)** दोनों परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

सी. ए. इंटरमिडियेट **(CA INTERMEDIATE)** की परीक्षा दो खण्डों में होती है आवेदक इसके दोनों खण्डों या किसी एक खण्ड में प्रविष्ट हो सकता है। इस परीक्षा में प्रविष्ट होने के लिए कम से कम नौ माह पूर्व पंजीयन करवाना आवश्यक होता है। यह परीक्षा प्रतिवर्ष दो बार माह मई एवं माह नवम्बर में आयोजित होती है। इन परीक्षाओं के लिए क्रमशः 1 सितम्बर और 1 मार्च से पूर्व पंजीयन कराना अनिवार्य होता है। इसमें पंजीयन उपरांत आवेदकों से न्यूनतम आठ महीने की सैद्धान्तिक अध्ययन की अनिवार्यता होती है।

सी. ए. इंटरमिडियेट (CA INTERMEDIATE) परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है :–

भाग 1–पेपर 1 – एकांउटिंग (100 अंक)

पेपर 2 – कॉरपोरेट लॉ (60 अंक) एवं अदर लॉ (40 अंक)

पेपर 3 – कास्ट एण्ड मैनेजमेंट एकांउटिंग (100 अंक)

पेपर 4 – इनकम टेक्स लॉ (60 अंक) एवं इनडायरेक्ट टेक्स लॉ (40 अंक)

भाग 2–पेपर 5 – एडवांस एकांउटिंग (100 अंक)

पेपर 6 – ऑडिटिंग एण्ड इंशोरेंस (100 अंक)

पेपर 7– एंटरप्राईज इंफारमेंशन सिस्टम (50 अंक) एवं स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट (50 अंक)

पेपर 8– वित्तीय प्रबंधन (50 अंक) एवं इकोनामिक्स फार फायनेंस (50 अंक)

यह परीक्षा पेन पेपर आधारित होती है, जिसमें बहुविकल्पीय एवं वर्णनात्मक दोनों प्रकार के प्रश्न होते है। इस परीक्षा को पास करने के लिए प्रत्येक **प्रश्न** पत्र में अलग–अलग कम से कम 40 प्रतिशत अंक तथा सभी **प्रश्न** पत्रों को मिला कर 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। प्रत्येक प्रश्न पत्र की अवधि 3 घंटा की होती है।

कोई भी विद्यार्थी इस परीक्षा के दोनों या किसी एक भाग को उत्तीर्ण करने के बाद आर्टिकल एसीस्टेंट (Articled Assistant) के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए पंजीयन करवा सकता है। लेकिन इससे पहले उसे 100 घंटा का इंफारमेंशन टेक्नोलॉजी और सॉफ्ट स्किल का एकीकृत पाठ्यक्रम (ICITSS) करना होता है। इन तीन वर्षो की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग को आवेदक (ICAI) द्वारा अधिकृत फर्म /प्रैक्टिसिंग सीए के अधीन में पूरी करता है। इस अवधि में वह सैद्धांतिक के साथ–साथ व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करता हैं।

3. प्रैक्टिकल आर्टिकल ट्रेनिंग को पूर्ण करने के पश्चात् अथवा अंतिम 6 माह की अवधि के पूर्व आवेदक सीए फायनल की परीक्षा में प्रविष्ट होने हेतु पात्र होता है, परन्तु इससे पूर्व आवेदक को सी. ए. इंटरमिडियेट **(CA INTERMEDIATE)** के दोनों खण्डों में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सीए फायनल की परीक्षा दो खण्डों में होती है जिसमें प्रत्येक खण्ड में 4 प्रश्न पत्र होते है। आवेदक दोनों खंड को साथ–साथ या अलग–अलग दे सकता है। ये प्रश्न पत्र पेपर पेन मोड में आयोजित किये जाते है तथा लिखित एवं कैस स्टडी पर आधारित होते है। प्रत्येक पेपर 100 अंक का होता है। इस परीक्षा को पास करने के लिए प्रत्येक **प्रश्न** पत्र में अलग–अलग कम से कम 40 प्रतिशत अंक तथा सभी **प्रश्न** पत्रों को मिला कर 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। प्रत्येक प्रश्न पत्र की अवधि 3 घंटा की होती है। यदि कोई परीक्षार्थी एक बार में सभी विषयों में उत्तीर्ण नहीं हो पाता है तो वे उन विषयों में पुनः परीक्षा दिला सकते है, जिनमें वह अनुत्तीर्ण हुये थे। वैकल्पिक पेपर ओपन बुक होता है याने परीक्षा के दौरान संदर्भ सामाग्री का उपयोग कर सकते है।

4. आवेदक सीए फायनल के समस्त प्रश्नपत्रों को उत्तीर्ण कर एवं (General Management & Communication Skill (GMCS) का 15 दिवसीय कोर्स पूर्ण कर (ICAI) में पूर्ण रुपेण चाटर्ड एकाउन्टैन्ट के रुप में दर्ज होता है।

इस परीक्षा संबंधी भरे फार्म प्राप्त करने एवं अध्ययन सामग्री प्राप्त करने हेतु छत्तीसगढ़ के आवेदक निम्न पते में सम्पर्क कर सकते हैं।

Central India Regional Council
The Institute of Chartered Accountants of India
ICAI BHAWAN, Post Box No. 314,
16/77B, Civil Lines, KANPUR 208 001
Phone: 05123989398, Fax: 05123011173
Email:cro@icai.org
Indore Branch of CIRC of the ICAI, 'ICAI Bhawan',
Plot No. 19 B, Scheme No. 78, Part II (Near M.P. Pollution Board) INDORE 452 010
Ph: 0731 4298198, 3254900, Fax: 0731 4298198
Email:indore@icai.org

काक चेष्टा, बको ध्यानम्, श्वान् निद्रा तथैव चः।
अल्पाहारी, सदाचारी विद्यार्थिति पंच लक्षणमः।।

21. कम्पनी सेक्रेटरी के रूप में कैरियर

किसी भी विषय के साथ बारहवीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के उज्जवल केरियर निर्माण में एक महत्वपूर्ण कोर्स कम्पनी सेक्रेटेरी का हैं। यह कोर्स अत्यंत प्रतिष्ठित कोर्स है जिसको पूर्ण करने से विद्यार्थी के रोजगार प्राप्ति की सुनिश्चत गारंटी होती है।

कम्पनी सेक्रेटरी के कोर्स को अधिनियमित एवं नियंत्रित करने का कार्य इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनीज सेक्रेटरी ऑफ इंडिया (ICSI) के द्वारा किया जाता है। यह संस्था भारतीय संसद द्वारा अधिनियमित है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है तथा क्षेत्रीय कार्यालय क्रमशः दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई एवं दिल्ली में है। वर्तमान में भारत वर्ष में लगभग 75000 कम्पनी सेक्रेटरी प्रैक्टिसरत है जबकि 5 लाख से अधिक विद्यार्थी इस कोर्स में पंजीकृत है।

कम्पनी सेक्रेटरी के कार्य/दायित्व :–

1. एक कम्पनी सेक्रेटरी किसी कम्पनी का इन हाऊस लीगल एक्सपर्ट है। यह किसी कम्पनी के मामलों का कम्पलायन्स अधिकारी भी होता है।
2. कम्पनी सेक्रेटरी किसी कम्पनी के लिए कम्पनी कानून, कॉरपोरेट कानून, सिक्यूरिटी कानून के साथ कॉरपोरेट गर्वनेंस का विधिवत विशेषज्ञ होता है।
3. कम्पनी सेक्रेटरी किसी कम्पनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टरों के लिए प्रमुख सलाहकार (Chief Advisor) होता है जो बैठकों में बोर्ड ऑफ डायरेक्टरों की कम्पनी सबंधी कानूनी एवं नीतिगत सलाह देता है।
4. भारत सरकार के समस्त वित्तीय संस्थान एवं अन्य रेग्यूलेटरी संस्थानों में कम्पनी के मामलों की प्रस्तुति हेतु कम्पनी सेकेट्री एकमात्र अधिकृत प्रतिनिधि होता हैं।
5. किसी कम्पनी के पब्लिक इश्यू जारी करना, स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग का कार्य, अन्य कम्पनियों के अधिग्रहण संबंधी कार्य, कम्पनी का अन्य कमपनी से विलय इत्यादि समस्त कार्यो का संपादन कम्पनी सेक्रेटरी के माध्यम से संपादित होता है।

इस प्रकार एक कम्पनी सेक्रेटरी कम्पनी मामलों में बहु आयामी कार्यो का विशेषज्ञ होता है जो टैक्सेशन, फायनान्स, एकाऊन्टिंग सहित कम्पनी मामलों के देशी एवं विदेशी कानूनों का जानकर होता हैं। स्पष्ट है विद्यार्थियों के लिए यह कैरियर अत्यंत आकर्षक है।

कम्पनी सेक्रेटरी के रूप में रोजगार के अवसर :–

1. कम्पीन सेक्रेटरी उन समस्त कम्पनी में पदस्थ किया जाना कम्पनी कानून 1956 की धारा 383 के तहत अनिवार्य है जिस कम्पनी का शेयर केपिटल 5 करोड़ रूपये से अधिक हैं।
2. कोई भी कम्पनी जो शेयर मार्केट में आना चाहती है उन्हें अपने कम्पनी में अनिवार्य रूप से कम्पनी सेक्रेटरी को पूर्णकालिक रूप से रखना होता हैं।
3. कोई कम्पनी जो 10 लाख से 5 करोड़ के मध्य व्यवसाय करती है उनके सारे रिटर्न जो विभिन्न रेग्यूलेटरी संस्थानों को प्रस्तुत करना होता है वह केवल कम्पनी सेक्रेटरी के माध्यम से ही हो सकता हैं।

कम्पनी सेक्रेटरी बनने की प्रक्रिया :– कम्पनी सेक्रेटरी बनने हेतु 2 स्तरों के कोर्स पूर्ण करना होता है।

1. एक्जीक्यूटिव कोर्स

2. प्रोफेशनल कोर्स

इन कोर्स के लिखित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त कतिपय अनिवार्य प्रायोगिक कोर्स एवं ट्रेनिंग को भी पूर्ण करना अनिवार्य है। जिनके विवरण निम्न है–

1. **<u>एक्जीक्यूटिव कोर्स (Executive Course):–</u>** इस कोर्स में प्रवेश के लिये 12 वी उत्तीर्ण छात्रों को CS Executive Entrance Test (CSEET) देना होता है। इस टेस्ट का आयोजन ICSI के द्वारा किया जाता है। स्नातक एवं परास्नातक विद्यार्थियों को इस परीक्षा एवं कोर्स की आवश्यकता नहीं होती है वो सीधे प्रोफेशनल कोर्स में प्रवेश ले सकते है।

CS Executive Entrance Test (CSEET) परीक्षा प्रतिवर्ष 4 बार जनवरी, मई, जुलाई एवं नवम्बर माह में आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में शामिल होने के लिये ICSI के वेबसाइट www.icsi.edu में ऑनलाईन आवेदन करना होता है। इस परीक्षा में 4 भाग होते है तथा परीक्षा की कुल अवधि 2 घंटा होता है। परीक्षा के भाग एवं उनके अंक निम्नानुसार है–

1. बिजनेस कम्यूनिकेशन (50अंक)
2. लीगल एप्टीट्यूट एंड लॉजिकल रीजनिंग (50 अंक)
3. इकोनॉमिक एंड बिजनेस इनवायरमेंट (50 अंक)
4. करेन्ट अफेयर्स (20 अंक)

इसके साथ ही प्रेंजेन्टटेशन एंड कम्यूनिकेशन स्कील का वीडियों आधारित 30 अंक का परीक्षा होता है। इस परीक्षा को पास करने के लिए प्रत्येक प्रश्न पत्र में अलग–अलग कम से कम 40 प्रतिशत अंक तथा सभी प्रश्न पत्रों को मिला कर 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

CS Executive Program के पाठ्यक्रम 2 Module में विभाजित है। प्रत्येक Module में 4–4 विषय होते है।

<u>Executive कोर्स का पाठ्यक्रम :–</u>

इस कोर्स हेतु दो मॉड्यूल में 8 विषयों के पाठ्यक्रम निर्धारित है जिनमें प्रथम मॉड्यूल में 4 एवं द्वितीय मॉड्यूल में 4 पेपर निर्धारित हैं। इनमें निम्न पेपर सम्मिलित हैं :–

मॉड्यूल प्रथम :–

1. भारतीय संविधान, न्यायिक और सामान्य कानूनी सिद्धांत
2. कम्पनी लॉ
3. व्यवसाय स्थापित करने एवं बंद करने की प्रकिया
4. टैक्स लॉ

मॉड्यूल द्वितीय :–

1. कारपोरेट एंड मैनेजमेंट एकाउंटिंग
2. सिक्योरिटीस् लॉ केपिटल मार्केट
3. इकोनामिक, बिजनेस एंड कमर्शियल लॉ
4. फाइनेशियल एंड स्ट्रैजिक मैनेजमेंट

इन पेपरों में 40%न्यूनतम एवं सामान्य कानून इन पेपरों में 50% न्यूनतम कुल अंक प्राप्त करना उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य है।

प्रोफेशनल कोर्स :– एक्जीम्यूटिव कोर्स उत्तीर्ण आवेदक इस पाठ्यक्रम के प्रोफेशनल कोर्स हेतु पात्र होते है जिसमें कुल आठ विषयों में परीक्षा ली जाती है जो 02 मॉड्यूलों में विभक्त है। यह परीक्षा भी प्रतिवर्ष माह जून एवं दिसम्बर में आयोजित होती है।

कम्पनी सेक्रेटरी हेतु निर्धारित अनिवार्य ट्रेनिंग :–

कम्पनी सेक्रेटरी के पाठय्क्रम में समय – समय में कतिपय ट्रेनिंग निर्धारित है जो इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु अनिवार्य रूप से पूरा किया जाना आवश्यक है। जो निम्न प्रस्तुत हैः–

1. एक्जीक्यूटिव कोर्स हेतु 35 व्याख्यानों वाली कुल 70 घंटे की ओरल कोचिंग।
2. प्रोफेशनल कोर्स हेतु 40 व्याख्यानों वाली कुल 80 घंटे की ओरल कोचिंग।
3. 7 दिवसों की स्टूडैंट इन्डेक्शन प्रोगाम (Student Induction Programme) STP जो किसी आवेदक को एक्जीम्यूटिव कोर्स में पंजीयन के 6 माह के भीतर लेना होता है।
4. 70 घंटे का अनिवार्य कम्प्यूटर ट्रेनिंग 8 दिवसों की एक्जीम्यूटिव डेव्हलपमेंट प्रोगाम (Executive Development Programme) EDP जो आवेदक को एक्जीम्यूटिव कोर्स पूर्ण करने एवं 15 माह के व्यावसायिक प्रशिक्षण जो करना होता है।
5. 25 घंटे का प्रोफेशनल डेव्हलपमेंट प्रोगाम (Professional Development Programme) PDP जो आवेदक को 15 माह के ट्रेनिंग के दरमियान पूर्ण करना होता हैं।
6. **15 माह की व्यवहारिक ट्रैनिंग :–**

एक्जीम्यूटिव कोर्स उपरांत एवं प्रोफसनल कोर्स के दरमियान आवेदक को पंजीकृत कम्पनी सेक्रेटरी अथवा संस्थान के पास 15 माह की व्यवहारिक ट्रेनिंग लिया जाना आवश्यक है।

10. 15 दिनों की ट्रेनिंग :– प्रोफेसनल कोर्स उपरांत विद्यार्थी को 15 दिनों की ट्रेनिंग विशेषज्ञ ऐजेन्सी जैसे रेजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज, स्टॉक एम्सेंज, सेबी, फानांषियल बैकंगि इंस्टीट्यूट में संलग्न रहकर करना होता है।

उपुर्यक्त ट्रेनिंग में कतिपय ट्रेनिंग में विद्यार्थी को पूर्व अनुभव या योग्यता के आधार पर छूट का भी प्रावधान है जो उसे कोर्स के दौरान प्राप्त हो सकती है।

उपर्युक्त उल्लेखित दोनों चरणों फाउन्डेशन एक्जीक्यूटिव एवं प्रोफेशनल तथा साथ ही निर्धारित विभिन्न ट्रेनिंग के उपरांत एक विद्यार्थी इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरी ऑफ इंडिया का एषोसिऐट मेम्बर बन सकता है। यह कोर्स की परीक्षा प्रत्येक चरण में हिन्दी में भी उपलब्ध है।

संपर्क :– इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी वेबसाईट www.icsi.in से प्राप्त कर सकते है।

तुम्हें अन्दर से बाहर की तरफ विकसित होना है, कोई तुम्हे पढ़ा नहीं सकता, कोई तुम्हे आध्यात्मिक नहीं बना सकता, तुम्हारी आत्मा के अलावा कोई और गुरू नहीं है।

You have to grow form the inside out. None can teach you, none can make you spiritual. There is no other teacher but your own soul.

- स्वामी विवेकानंद

22. छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (राज्य सेवा भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य में द्वितीय श्रेणी एवं तृतीय श्रेणी (कार्यपालिक) के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिये राज्य सेवा परीक्षा नाम से एक संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित किया जाता है। राज्य सेवा परीक्षा द्वारा मुख्यतः डिप्टी कलेक्टर, डी.एस.पी., जिला आबकारी अधिकारी, वाणिज्य कर अधिकारी, रोजगार अधिकारी, जिला पंजीयक, श्रम अधिकारी, नायब तहसीलदार, खाद्य अधिकारी, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, आबकारी उपनिरीक्षक, परिवहन उपनिरीक्षक, जिला सेनानी नगर सेना आदि पदों के लिये संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाती है।

- **वर्ष 2016 से आयोग द्वारा इस परीक्षा का विज्ञापन, प्रतिवर्ष संविधान दिवस (26 नवम्बर) को जारी करने तथा प्रारंभिक परीक्षा आगामी फरवरी एवं मुख्य परीक्षा मई माह में आयोजित करने का निर्णय लिया है।**

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

टीप :– 1. ऐसे अभ्यर्थी जो ऐसी किसी परीक्षा में बैठे हो या बैठेंगे, जिसमें उत्तीर्ण होने से वे आयोग की इस परीक्षा के लिये शैक्षणिक रूप से पात्र हो जायेंगे, लेकिन उनका परीक्षा परिणाम घोषित नहीं हुआ है, वे भी प्रारंभिक परीक्षा के लिये आवेदन कर सकते हैं, लेकिन मुख्य परीक्षा के समय उन्हें यह शैक्षणिक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

2. शारीरिक मापदंड :– डी.एस.पी., जिला आबकारी अधिकारी, परिवहन उपनिरीक्षक, आबकारी उपनिरीक्षक एवं सहायक जेलर पदों के लिये आवेदकों को आयोग द्वारा निर्धारित शारीरिक मापदंडों को पूरा करना अनिवार्य होता है।

3. नियुक्ति हेतु अनर्हता :– छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015 /1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देश अनुसार छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)। **डी.एस.पी. पद** हेतु अधिकतम आयुसीमा 28 वर्ष निर्धारित है। छत्तीसगढ़ के निवासियों के लिए 5 वर्ष की छूट को मिलाकर यह आयुसीमा 35 वर्ष होती है।

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये डी.एस.पी. पद को छोडकर अन्य पदो के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–** छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते है।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 3 चरणों में आयोजित की जाती है –

1. प्रारंभिक परीक्षा – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)
2. मुख्य परीक्षा – लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रकार)
3. साक्षात्कार।

➢ **प्रारंभिक परीक्षा** – प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	समय
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	भाग–1 सामान्य अध्ययन	50	100	2 घंटा
		भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान	50	100	
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	योग्यता परीक्षा	100	200	2 घंटा
		योग	**200**	**400**	

टीप :– ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर हेतु सही उत्तर के लिए निर्धारित अंक का 1/3 काटे जावेंगे।

न्यूनतम अर्हक अंक :– प्रत्येक प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक तथा आरक्षित वर्ग के आवेदकों को न्यूनतम 23 प्रतिषत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। द्वितीय प्रष्न पत्र–योग्यता परीक्षा अर्हकारी प्रकृति की होगी। इस प्रष्न पत्र में अभिप्राप्त अंकों को मुख्य परीक्षा हेतु आवेदकों के चयन के लिए प्रावीण्य सूची तैयार करते समय नहीं जोड़ा जायेगा। प्रथम प्रष्न पत्र–सामान्य अध्ययन की प्रावीण्य सूची के आधार पर मुख्य परीक्षा के लिए आवेदकों का चयन किया जायेगा।

- **मुख्य परीक्षा :–** मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्र परम्परागत प्रकार के वर्णनात्मक लघु/मध्यम/दीर्घ उत्तरीय होंगे। लिखित परीक्षा की परीक्षा योजना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	समय
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	भाषा (सामान्य हिन्दी/ अंग्रेजी/छत्तीसगढ़ी)	200	3 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	निबंध (1. अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के मुद्दे 2. छत्तीसगढ़ राज्य के मुद्दे)	200	3 घंटा
3.	तृतीय प्रश्न पत्र	इतिहास, संविधान एवं लोक प्रशासन	200	3 घंटा
4.	चतुर्थ प्रश्न पत्र	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण	200	3 घंटा
5.	पंचम प्रश्न पत्र	अर्थव्यवस्था एवं भूगोल	200	3 घंटा
6.	षष्ठम प्रश्न पत्र	दर्शन एवं समाजशास्त्र	200	3 घंटा
7.	सप्तम प्रश्न पत्र	कल्याणकारी कार्यक्रम, खेलकूद, अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाएँ	200	3 घंटा
योग			**1400**	

- **साक्षात्कार –** मुख्य परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 100 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर अभ्यर्थी द्वारा अग्रमान्यता पत्रक में दिये अधिमान के क्रम अनुसार पद आबंटित किये जाते हैं। अग्रमान्यता पत्रक में जिन पदों के लिये अभ्यर्थी द्वारा अधिमान नहीं दिया जाता है, उन पदों के लिये उसके नाम पर विचार नहीं किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रारंभिक परीक्षा :– प्रथम प्रश्न पत्र – भाग–1 (सामान्य अध्ययन) – इसमें भारत का इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, संविधान एवं राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, दर्षन, कला एवं संस्कृति के साथ–साथ सामान्य विज्ञान, समसामयिक घटनायें, खेलकूद एवं पर्यावरण से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–2 (छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान) – इसमें छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, जनगणना, पर्यटन केन्द्र, कला एवं संस्कृति, अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक संसाधन, प्रशासनिक ढ़ांचा, जनजातियॉं तथा समसामयिक घटनाओं के प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र (योग्यता परीक्षा) – इसमें संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल, तर्क एवं विश्लेषण क्षमता, सामान्य मानसिक योग्यता, संख्यात्मक अभिरूचि, हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

मुख्य परीक्षा :– इसके पाठ्यक्रम आवेदक छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते है।

इंतजार करने वालों को चीजें मिलती तो हैं मगर ऐसी ही चीजें मिलती है जिन्हें कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं।

– अब्राहम लिंकन

23- छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य के शासकीय विश्वविद्यालयों से संबंधित महाविद्यालयों में विभिन्न विषयों के सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति के लिये छत्तीसगढ़ सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांगजन के आवेदकों को 5 प्रतिशत अंकों की छूट रहती है। ग्रेडिंग पद्धति में ग्रेड–बी के साथ (7 बिन्दुओं सहित) संबंधित विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि अथवा किसी मान्यता प्राप्त विदेशी विश्वविद्यालय से समकक्ष उपाधि।

2.यू.जी.सी. अथवा सी.एस.आई.आर. द्वारा संचालित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एन.ई.टी.) अथवा राज्य सरकार द्वारा आयोजित (स्लेट/सेट) परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

टीप :– 1. संबंधित विषय में पी.एच.डी. (जिन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पी.एच.डी. डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम मानदण्ड एवं प्रक्रिया), विनियम 2009 के अनुसार पी.एच.डी. डिग्री प्राप्त किया है) डिग्री वाले अभ्यर्थियों को सहायक प्राध्यापक/समतुल्य पद में भर्ती हेतु NET या SET परीक्षा उत्तीर्ण होने से छूट होती है।

2. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। ऑनलाईन आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनर्हता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015 /1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – ऑनलाईन परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

- **लिखित परीक्षा (**बहूविकल्पीय एवं ऑनलाईन) :– लिखित परीक्षा में सिर्फ एक प्रश्न पत्र होता है, जिसमें तीन घंटा में 150 प्रश्नों का ऑनलाईन उत्तर देना होता है। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का हेाता हैं। इस प्रश्न पत्र मे दो भाग होते है। पहला भाग छत्तीसगढ का सामान्य ज्ञान का होता है, इस भाग मे 50 प्रश्न होते है। दूसरा भाग आवेदक द्वारा चुने गए ऐच्छिक विषय का होता है, इस भाग में 100 प्रश्न होते है।

टीप :– यह प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार का होता है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। प्रष्न पत्र में ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान होगा।

<u>न्यूनतम अर्हक अंक :–</u> ऑनलाईन परीक्षा के अंतर्गत अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

<u>चयन प्रक्रिया :–</u> आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 300) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 30) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **<u>पाठ्यक्रम :–</u>**

- **छत्तीसगढ का सामान्य ज्ञान –** इसमें छत्तीसगढ़ राज्य के भूगोल, प्राकृतिक संसाधन, प्रशासनिक ढ़ांचा, इतिहास एवं संस्कृति, खेलकूद एवं विभिन्न पुरस्कार आदि से संबंधित प्रश्न होते है।
- **वैकल्पिक विषय –** इसके प्रश्न संबंधित विषय के स्नातकोत्तर स्तर के होते है।

जीवन में दो ही प्रकार के लोग असफल होते है :– पहले वे, जो सोचते तो हैं, पर करते नहीं, दूसरे वे, जो करते तो हैं पर सोचते नहीं।

24- छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (ग्रंथपाल भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत ग्रंथपाल पद पर भर्ती हेतु परीक्षा आयोजित किया जाता है। ग्रंथपाल का पद राजपत्रित द्वितीय श्रेणी का है तथा इसका वेतन मैट्रिक्स रू. 57,700 (अकादमिक स्तर – 10) होता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों से पुस्ताकालय विज्ञान/सूचना विज्ञान/डाक्यूमेंटेशन विज्ञान में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। ग्रेडिंग पद्धति में 55 प्रतिशत अंकों के समतुल्य ग्रेड होना चाहिये। अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांग वर्ग के आवेदकों को 5 प्रतिशत अंकों की छूट रहती है।
2. यू.जी.सी. अथवा सी.एस.आई.आर. द्वारा संचालित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एन.ई.टी.) या राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षा (एस.एल.ई.टी.) अथवा राज्य सरकार द्वारा आयोजित राज्य पात्रता (एस.ई.टी.) परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

टीप :– 1. संबंधित विषय में पी.एच.डी. (जिन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पी.एच.डी. डिग्री प्रदान करने के न्यूनतम मानदण्ड एवं प्रक्रिया), विनियम 2009 के अनुसार पी.एच.डी. डिग्री प्राप्त किया है) डिग्री वाले अभ्यर्थियों को स्नातकोत्तर या स्नातक अध्यापन हेतु NET या SET परीक्षा उत्तीर्ण होने से छूट होती है।

2. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनर्हता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015 /1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–**

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – ऑनलाईन परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)
द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (ऑनलाईन परीक्षा) – ऑनलाईन परीक्षा में निम्नानुसार दो भाग होते है –

1. प्रथम भाग – प्रथम भाग में सामान्य अध्ययन के 50 प्रष्न (कुल 100 अंक) होते है।
2. द्वितीय भाग – द्वितीय भाग में लाइब्रेरी एवं इन्फार्मेशन साईंस से संबंधित 100 प्रष्न (कुल 200 अंक) होते है।

टीप :– अंकों की गणना – उपर्युक्त दोनों भाग बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर दिये जाते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 2 अंक प्रदान किया जाता है। गलत प्रष्नों के लिए ऋणात्मक मुल्यांकन का प्रावधान होता है।

न्यूनतम अर्हक अंक :– प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) :– प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–** आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, ऑनलाईन परीक्षा (कुल अंक 300) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 30) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

भाग – 1 सामान्य अध्ययन – भाग–क सामान्य अध्ययन – इसमें भारत के इतिहास, भूगोल, संविधान, अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समकालीन घटनायें, सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर से संबंधित ज्ञान के प्रश्न होते हैं।

भाग–ख छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, साहित्य एवं कला, जनजातियॉ, अर्थव्यवस्था एवं प्रशासनिक ढ़ॉचा, मानव संसाधन, समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–ग बुद्धिमता परीक्षण – इसमें गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों के विश्लेषण संबंधी प्रश्न होते हैं।

भाग – 2 लाइब्रेरी एवं इंफार्मेशन साईंस – इसके प्रश्न स्नातकोत्तर स्तर के होते हैं।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

DON'T TAKE REST AFTER YOUR FIRST VICTORY BECAUSE IF YOU FAIL IN SECOND, MORE LIPS ARE WAITING TO SAY, THAT YOUR FIRST VICTORY WAS JUST LUCK.

- DR. A.P.J.ABDUL KALAM

25. छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

(सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा गृह विभाग के अंतर्गत सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी पद पर भर्ती हेतु परीक्षा आयोजित किया जाता है। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी का पद राजपत्रित द्वितीय श्रेणी का है तथा इसका वेतन मैट्रिक्स रू. 38,100 (स्तर–9) होता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विधि में स्नातक होना चाहिये।

टीप :– 1. उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. **नियुक्ति हेतु अनर्हता :–** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–** छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो भाग होते है –

1. भाग 1 – यह भाग सामान्य अध्ययन का होता है। इस भाग में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इन 150 प्रश्नों में लगभग 50 प्रश्न सामान्य अध्ययन के लगभग 75 प्रश्न छत्तीसगढ़ से संबंधित तथा लगभग 25 प्रश्न बुद्धिमता परीक्षण का होता है। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. भाग 2 – यह भाग विधि से संबंधित होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इन 150 प्रश्नों में लगभग 75 प्रश्न भारत के संविधान एवं वृहद् अधिनियम से संबंधित होते हैं तथा लगभग 75 प्रश्न लघु अधिनियम के होते हैं। 300 अंक वाले इस प्रश्न पत्र की अवधि 2.30 घंटे होती है।

टीप :– अंकों की गणना – उपर्युक्त दोनों भाग बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर दिये जाते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 2 अंक प्रदान किया जाता है। गलत प्रष्नों के लिए ऋणात्मक मुल्यांकन का प्रावधान होता है।

न्यूनतम अर्हक अंक – लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है।

न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों भागों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

- **चयन प्रक्रिया :–** आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 300) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 30) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।
- **पाठ्यक्रम :–**

प्रश्न पत्र प्रथम (सामान्य अध्ययन) भाग–1 (सामान्य अध्ययन) – इसमें भारत के इतिहास, भूगोल, संविधान, अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समकालीन घटनायें, सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर से संबंधित ज्ञान के प्रश्न होते है।

छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, साहित्य एवं कला, जनजातियॉ, अर्थव्यवस्था एवं प्रशासनिक ढ़ॉचा, मानव संसाधन, समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

बुद्धिमता परीक्षण – इसमें गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों के विश्लेषण संबंधी प्रश्न होते है।

भाग–2 (विधि) – 1. भारत का संविधान एवं वृहद् अधिनियम – इसमें भारत के संविधान के साथ ही भारतीय दण्ड संहिता 1860, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के प्रश्न होते हैं।

2. लघु अधिनियम – इसमें छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम, अजा एवं अजजा (अत्याचार निषेध) अधिनियम, मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, सूचना का अधिकार अधिनियम, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, छत्तीसगढ़ विशेष जनसुरक्षा अधिनियम, आयुध अधिनियम आदि सहित कुल 14 अधिनियमों से संबंधित प्रश्न होते हैं।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मनुष्य तीन प्रकार के होते है। निम्न श्रेणी के लोग असफलता की आशंका से कोई कार्य प्रारंभ ही नहीं करते है, मध्यम श्रेणी के लोग जोश मे आकर कार्य तो प्रारंभ कर देते है लेकिन छोटी सी भी मुश्किल आने पर अपना कार्य छोड़ देते है। उच्च श्रेणी के लोग सोच समझ कर अपना लक्ष्य निर्धारित करते है तथा एक बार लक्ष्य निर्धारित कर लेने के बाद कितने भी मुश्किल आने पर अपने कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होते है।

– राजा भर्तहरि

26.छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातकोत्तर या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अन्हर्ता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं, इसमें सामान्य अध्ययन के लगभग 50 प्रश्न, छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान का लगभग 75 प्रश्न तथा बुद्धिमता परीक्षण के लगभग 25 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र शैक्षिक प्रशासन एवं शिक्षा का अधिकार से संबंधित होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

टीप :– ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तर हेतु ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान रहेगा।

न्यूनतम अर्हक अंक :– प्रत्येक प्रश्न पत्र में अनाक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर साक्षात्कार हेतु वरीयता सूची तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

- **चयन प्रक्रिया :–** आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।
- **पाठ्यक्रम :–**

प्रथम प्रश्न पत्र (सामान्य अध्ययन) – इसके अंतर्गत निम्न से संबंधित प्रश्न होते हैं –

भाग–1 सामान्य अध्ययन – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भूगोल, संविधान, लोक प्रशासन एवं विधि, भारत के अर्थव्यवस्था, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन, समसामयिक घटनायें एवं खेलकूद तथा सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर संबंधी प्रश्न पूछे जाते है।

भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित भौगोलिक स्थिति, मानव संसाधन, प्रकृति संसाधन, ऊर्जा संसाधन, उद्योग, शिक्षा, यातायात एवं संचार, पर्यावरण संरक्षण, प्रशासनिक ढांचा, खेलकूद, इतिहास एवं संस्कृति, राज्य की जनजातियॉ, त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

भाग–3 बुद्धिमता परीक्षण – इसके अंतर्गत गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों का विश्लेषण से संबंधित प्रश्न पूछे जाते है।

द्वितीय प्रश्न पत्र (शैक्षिक प्रशासन एवं शिक्षा का अधिकार) – इस प्रश्न पत्र में निम्न 6 इकाईयों से प्रश्न होते है –

1. शिक्षा का आधार, 2. शैक्षिक प्रशासन एवं नेतृत्व, 3, विद्यालय संगठन एवं सुधार
4. शिक्षा का गुणात्मक पक्ष एवं नवाचार, 5. शिक्षा का अधिकार, 6. शिक्षा का अधिकार

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कर्म प्रधान विश्व रचि राखा,
जो जस करहि सो तस फल चाखा।।

– तुलसीदास

27.छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सहायक संचालक जनसंपर्क परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के जनसंपर्क विभाग के अंतर्गत सहायक संचालक जनसंपर्क के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है। पूर्व वर्षों में सहायक संचालक जनसंपर्क का पद छत्तीसगढ़ राज्य सेवा संयुक्त परीक्षा के माध्यम से भरा जाता था, वर्ष 2014 में इसके लिये पहली बार पृथक से परीक्षा आयोजित की गई थी।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–**

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक या समकक्ष परीक्षा तथा पत्रकारिता में उपाधि परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

- **वांछनीय अर्हताएँ :–** किसी समाचार पत्र–संस्थान में हिन्दी/अंग्रेजी पत्रकारिता में तीन वर्ष का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त अभ्यर्थी को परीक्षा/साक्षात्कार में 10 अतिरिक्त अंक दिये जाने की प्राथमिकता दी जायेगी।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015 /1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार, ऑनलाईन परीक्षा–300 अंक)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार (30 अंक)

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा ऑनलाईन होती है। उक्त परीक्षा हेतु समय अवधि 03 घंटे निर्धारित है। इसमें निम्नानुसार तीन भाग होते है –

भाग 1 – यह भाग सामान्य अध्ययन का होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 50 प्रश्न (100 अंक) होते है।

भाग 2 – यह भाग छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान का होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 50 प्रश्न (100 अंक) होते है।

भाग 3 – यह भाग योग्यता परीक्षण से संबंधित होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 50 प्रश्न (100 अंक) होते है।

टीप :– वस्तुनिष्ठ प्रकार के एक प्रष्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे। प्रत्येक गलत उत्तर हेतु ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान होगा।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रथम स्तर (ऑनलाईन लिखित परीक्षा) – इसके अंतर्गत निम्न भागों से संबंधित प्रश्न होते है –

भाग 1 (सामान्य अध्ययन) – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल, भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, भारत की अर्थव्यवस्था, सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, भारतीय दर्षन, कला साहित्य एवं खेल, पर्यावरण आदि से संबंधित प्रष्न होते है।

भाग 2 (छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान) – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ का योगदान, भूगोल, जलवायु, भौतिक दषाएँ, जनगणना, पुरातात्विक एवं पर्यटन केन्द्र, साहित्य, संगी, नृत्य, कला एवं संस्कृति, जनऊला, मुहावरे, हाना एवं लोकोत्तियॉ, जनजातियॉ, विषेष परंपराएँ, तीज, त्यौहार, अर्थव्यवस्था, वन एवं कृषि, प्रषासनिक ढांचा, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज, उद्योग, ऊर्जा, जल एवं खनिज संसाधन, समसामयिक घटनाएँ आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

भाग 3 (योग्यता परीक्षण) – इस प्रश्न पत्र में निम्न 7 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल,
2. तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमता,
3. निर्णय निर्माण और समस्या निवारण
4. सामान्य मानसिक योग्यता,
5. सामान्य गणित (कक्षा दसवीं स्तर),
6. हिन्दी भाषा ज्ञान (कक्षा दसवीं स्तर),
7. छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान

हिन्दी भाषा ज्ञान एवं छत्तीसगढ़ भाषा से संबंधित प्रश्न उसी भाषा में होते है, इनका अनुवाद उपलब्ध नहीं होता है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, जनसंपर्क विभाग रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नकारात्मक सोच : विफलता का कारण

यदि आप भी यह सोचते है कि वर्तमान में बहुत अधिक प्रतिस्पर्धा है तथा अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय कारणों से आपको रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे है तो यह आपका नकारात्मक सोच है। सकारात्मक सोचिए, रोजगार के अवसरों की कोई कमी नहीं है।

28- छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (माईनिंग इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के खनिज संसाधन विभाग के अंतर्गत माईनिंग इंस्पेक्टर एवं सहायक भौमिकीविद के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भू–विज्ञान विषय लेकर विज्ञान में स्नातक उपाधि अथवा माईनिंग इंजीनियरिंग में उपाधि उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **शारीरिक अर्हता :–**

पुरूष अभ्यर्थी की ऊंचाई 165 सेमी. या उससे अधिक तथा महिला अभ्यर्थी की ऊंचाई 152 सेमी. से अधिक होना अनिवार्य है। सीने का न्यूनतम माप सामान्य स्थिति में 81 सेमी. तथा फुलाने पर 85 सेमी. होना चाहिये।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार, ऑनलाईन परीक्षा)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा ऑनलाईन होती है, जिसमें निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं, इसमें सामान्य अध्ययन के लगभग 50 प्रश्न, छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान का लगभग 75 प्रश्न तथा बुद्धिमता परीक्षण के लगभग 25 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र भू–विज्ञान से संबंधित होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है। यह प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होता है।

टीप :– ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 5 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर देने पर 2/3

अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रत्येक प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) :– प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रथम स्तर – इसके अंतर्गत निम्न भागों से संबंधित प्रश्न होते है –

भाग–1 (सामान्य ज्ञान) – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन, छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में छ.ग. का योगदान, भारत का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल (छत्तीसगढ़ के विषेष संदर्भ में), भारत का संविधान एवं राजव्यवस्था, छत्तीसगढ़ का प्रषासनिक ढ़ांचा, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज, भारत की अर्थव्यवस्था, वाणिज्य, उद्योग, वन, कृषि एवं हाथकरघा उद्योग (छत्तीसगढ़ के विषेष संदर्भ में), छत्तीसगढ़ की जनजातियॉ, बोली, तीज, त्यौहार, नृत्य, पुरातात्विक एवं पर्यटन केन्द्र, समसामायिक घटनाऍ एवं खेल (भारत एवं छत्तीसगढ़ के संदर्भ में) पर्यावरण आदि के संबंध में प्रष्न होगें।

भाग 2 (भू–विज्ञान) – इसमें निम्न 10 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. सामान्य भू–विज्ञान, 2. भू–आकृति विज्ञान, 3, संरचनात्मक भू–विज्ञान
4. स्तरित शैल विज्ञान, 5. खनिज विज्ञान, 6. शैलीकीय विज्ञान,
7. आर्थिक भू–विज्ञान, 8. पूर्वेक्षण एवं अन्वेषण, 9. थ्योडोलाइट सर्वेक्षण,
10, सुदूर संवेदन

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, खनिज संसाधन विभाग, रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

भाग्य

उसने सारा दिन काम किया और सारी रात काम किया
उसने खेलना छोड़ा और मौज–मस्ती छोड़ी
उसने ज्ञान के ग्रंथ पढ़े और नई बातें सीखीं
वह आगे बढ़ता गया
पाने के लिये सफलता जरा–सी
दिल में विश्वास और हिम्मत लिये
वह आगे बढ़ा और जब वह सफल हुआ
लोगों न उसे भाग्यशाली कहा

29- छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

(माईनिंग ऑफिसर एवं सहायक भौमिकीविद् भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के खनिज संसाधन विभाग के अंतर्गत माईनिंग ऑफिसर (खनि अधिकारी) एवं सहायक भौमिकीविद् के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–**

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भू–विज्ञान में स्नातकोत्तर की उपाधि अथवा प्रायोगिक भू–विज्ञान में अनुप्रयुक्त भू–विज्ञान (एप्लाइड जिऑलॉजी) में एम.टेक. उपाधि उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **आयु सीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015 /1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार, ऑनलाईन परीक्षा–300 अंक)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार (30 अंक)

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा ऑनलाईन होती है। समय अवधि 03 घंटे का होता है। इसमें निम्नानुसार दो भाग होते हैं –

भाग 1 – यह भाग सामान्य ज्ञान का होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 50 प्रश्न (100 अंक) होते है।

भाग 2 – यह भाग भू–विज्ञान का होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 100 प्रश्न (200 अंक) होते है। सहायक भौमिकीविद् पद हेतु यह केवल अग्रेंजी भाषा में होता है।

टीप :– ये दोनों भाग वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर हेतु ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान होगा।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रत्येक प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रथम स्तर – इसके अंतर्गत निम्न भागों से संबंधित प्रश्न होते है –

भाग–1 (सामान्य ज्ञान) – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन, छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में छ.ग. का योगदान, भारत का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल (छत्तीसगढ़ के विषेष संदर्भ में), भारत का संविधान एवं राजव्यवस्था, छत्तीसगढ़ का प्रषासनिक ढ़ांचा, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज, भारत की अर्थव्यवस्था, वाणिज्य, उद्योग, वन, कृषि एवं हाथकरघा उद्योग (छत्तीसगढ़ के विषेष संदर्भ में), छत्तीसगढ़ की जनजातियॉ, बोली, तीज, त्यौहार, नृत्य, पुरातात्विक एवं पर्यटन केन्द्र, समसामायिक घटनाऍ एवं खेल (भारत एवं छत्तीसगढ़ के संदर्भ में) पर्यावरण आदि के संबंध में प्रष्न होगें।

भाग–2 (भू–विज्ञान) – इस प्रश्न पत्र में निम्न 14 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. STRUCTURAL GEOLOGY	2. GEOMORPHOLOGY & REMOTE SENSING
3. CRYSTALLOGRAPHY	4. MINERALOGY
5. GEOCHEMISTRY	6. STRATIGRAPHY/TECTONICS
7. IGNEOUS PETROLOGY	8. METAMORTHIC PETROLOGY
9. SEDIMENTOLOGY	10. ORE GEOLOGY
11. GEOCHEMICAL EXPLORATION	12. GEOPHYSICAL EXPLORATION
13. MINING GEOLOGY	14. ENVIRONMENT GEOLOGY

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, खनिज संसाधन विभाग, रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बार–बार असफल होने पर भी उत्साह ना खोना ही सफलता है।
Success consists of going from failure to failure without loss of enthuiasm.
- Winston Churchill

30.छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग के अंतर्गत सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–** आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से इंजीनियरिंग या तकनीकी (किसी भी शाखा में) उपाधि अथवा समकक्ष उपाधि (जो राज्य शासन द्वारा अनुमोदित हो) परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015 /1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – ऑनलाईन परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार – 300 अंक)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार (30 अंक)

प्रथम स्तर (ऑनलाईन परीक्षा) – इसमें एक प्रश्न पत्र होते है। यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन एवं योग्यता परीक्षण का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं, इसमें सामान्य अध्ययन के 75 प्रश्न एवं योग्यता परीक्षण के 75 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 3.00 घंटा होती है।

टीप :– यह प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार का होता है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेगें। गलत उत्तर हेतु ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान होगा।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रत्येक प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–** आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

ऑनलाईन प्रश्न पत्र – इसके अंतर्गत दो भाग होते है –

भाग 1 (अ) सामान्य अध्ययन – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल, भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, भारत की अर्थव्यवस्था, सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, भारतीय दर्षन, कला साहित्य एवं संस्कृति, समसमायिक घटनाएँ एवं खेल, पर्यावरण आदि से संबंधित प्रष्न होते है।

(ब) छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ का योगदान, भूगोल, जलवायु, भौतिक दषाएँ, जनगणना, पुरातात्विक एवं पर्यटन केन्द्र, साहित्य, संगी, नृत्य, कला एवं संस्कृति, जनऊला, मुहावरे, हाना एवं लोकोत्तियॉ, जनजातियॉ, विषेष पंरपराएँ, तीज, त्यौहार, अर्थव्यवस्था, वन एवं कृषि, प्रषासनिक ढांचा, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज, उद्योग, ऊर्जा, जल एवं खनिज संसाधन, समसामयिक घटनाएँ आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

भाग 2 योग्यता परीक्षण – इसमें निम्न 7 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल
2. तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमता
3. निर्णय – निर्माण और समस्या निवारण
4. सामान्य मानसिक योग्यता
5. सामान्य गणित (कक्षा दसवीं स्तर)
6. हिन्दी भाषा ज्ञान (कक्षा दसवीं स्तर)
7. छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान

हिन्दी भाषा ज्ञान एवं छत्तीसगढ़ भाषा से संबंधित प्रश्न उसी भाषा में होते है, इनका अनुवाद उपलब्ध नहीं होता है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, जनसंपर्क विभाग रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

गलत विश्वास : विफलता का कारण

एक प्रयोग के दौरान एक मरीन बायोलाजिस्ट ने एक बड़े टैंक में शार्क मछली को रखा और उसके साथ कुछ छोटी मछलियां उसी टैंक में डाल दी। शार्क ने अपनी प्रकृति के अनुसार सारी छोटी मछलियों को खा लिया। इसके बाद उस बायोलाजिस्ट ने टैंक में एक बहुत ही मजबूत फाइवर ग्लास लगा दिया और टैंक के दो हिस्से कर दिये। एक हिस्से में शार्क थी और दूसरे हिस्से में उसने फिर से छोटी मछलियों को डाला। जैसे ही शार्क की नजर उन पर पड़ी वो उन्हें खाने के लिए लपकी, पर इस बार बीच में फाइवर ग्लास होने की वजह से शार्क उससे जा टकराई। एक बार टकराने के बाद भी शार्क ने हार नहीं मानी। वह कुछ मिनटों के अंतराल के बाद बार–बार उस दिशा में बढ़ती जहां मछलियां थी और टकराकर फिर वापस पलट आती थी। शार्क जहां मेहनत कर रही थी वहीं दूसरी छोटी मछलियां आसानी से और आजाद तैर रही थी। कुछ घण्टों के बाद शार्क ने हार मान लिया। ये प्रयोग पूरे हफ्ते में कई बार किया गया। धीरे–धीरे शार्क के हमले कम होते गए और अब वह ज्यादा जोर भी नहीं लगाती थी। बार बार कोशिश करते रहने पर भी मछलियों तक नहीं पहुंच पाने से शार्क ने थककर हार मान ली और प्रयास करना छोड़ दिया। कुछ दिनों के बाद उस बायोलाजिस्ट ने बीच में रखा फाइवर ग्लास हटा दिया इसके बाद भी शार्क ने कभी मछलियों पर हमला नहीं किया। शार्क को पिछले कुछ हफ्तों में विश्वास हो गया था कि उन मछलियों तक नहीं पहुंच सकती है।

हम में से भी कई लोग हार और निराशा का अनुभव करने के बाद कोशिश करना छोड़ देते है। हम सोंचते हैं कि क्योंकि हम पहले कई बार हार चुके है और सफल नहीं हुए, इसलिए आगे भी सफल नहीं हो सकते है। इस प्रकार के गलत विश्वास को त्यागकर सतत परिश्रम करने से सफलता मिलना सनिष्चित हैं।

31- छत्तीसगढ़ सिविल जज (एण्ट्री लेवल) भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य के जिला एवं खण्ड स्तरीय न्यायालयों में सिविल जज (प्रवेश स्तर) की नियुक्ति के लिये, छ.ग. सिविल जज भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–**

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विधि स्नातक (एल.एल.बी.) की उपाधि।

टीप :– 1. उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हता मान्य नहीं होती है।

2. **नियुक्ति हेतु अनर्हता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015 /1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

आवेदक को ऑनलाईन आवेदन वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 3 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रारंभिक परीक्षा	–	वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार (ऑनलाईन–100 अंक)
मुख्य परीक्षा (लिखित)	–	वर्णनात्मक प्रकार (100 अंक)
तृतीय स्तर	–	साक्षात्कार

प्रारंभिक परीक्षा – प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) की होती है जिसमें आवेदक को 2 घण्टा की समयावधि में 100 प्रश्नों का उत्तर देना होता है, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होता है। प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्न निम्न 15 अधिनियमों/संहिताओं से पुछे जाते है –

1. भारतीय दण्ड संहिता	2. सिविल प्रक्रिया संहिता
3. अपराधिक प्रक्रिया संहिता	4. भारतीय साक्ष्य अधिनियम
5. भारत का संविधान	6. संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम
7. संविदा अधिनियम	8. परिसीमन अधिनियम
9. आवास नियंत्रण अधिनियम	10. कोर्ट फीस अधिनियम
11. विशिष्ठ राहत अधिनियम	12. पंजीयन अधिनियम
13. छत्तीगढ़ भू राजस्व संहिता	14. द नेगोशिएबल इन्स्टूमेन्ट एक्ट 1881
15. छत्तीगढ़ आबकारी अधिनियम 1915	

प्रारंभिक परीक्षा स्क्रीन टेस्ट के रूप में ली जाती है तथा इसके प्राप्तांको के आधार पर संवर्गवार रिक्तियों की संख्या के 10 गुना आवेदकों को मुख्य परीक्षा के लिए पात्र घोषित किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा के प्राप्तांक अतिम चयन में नहीं जोड़े जाते है।

2. मुख्य परीक्षा (लिखित) – प्रारंभिक परीक्षा में सफल घोषित किये गये अभ्यर्थियों की मुख्य परीक्षा (लिखित) आयोजित की जाती है। 100 अंको की वर्णनात्मक प्रकार की यह परीक्षा 3 घण्टा समयावधि की होती है। इस परीक्षा की संरचना एवं अंक विभाजन निम्नानुसार है :–

1. सिविल केस के विवादित प्रश्नों का समाधान करते हुए निर्णय लिखना (40 अंक)
2. अपराधिक केस में आरोप तय करते हुए निर्णय लिखना (40 अंक)
3. (अ) हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद (10 अंक)
   (ब) अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद (10 अंक)

3. साक्षात्कार – मुख्य परीक्षा (लिखित) के प्राप्तांको के आधार पर संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक संवर्ग के रिक्तियों की संख्या के 3 गुना आवेदकों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार 15 अंकों का होता है। अनारक्षित वर्ग के आवदेक को न्यूनतम 33 प्रतिषत एवं अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. के आवेदकों को न्यूनतम 25 प्रतिषत अंक प्राप्त करना आवष्यक है। साक्षात्कार में आवेदक को शामिल होना अनिवार्य होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन मुख्य परीक्षा (लिखित) (कुल अंक 100) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 15) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है। चयनित आवेदकों को 2 वर्ष के लिए परिविक्षा पर नियुक्त किया जाता है। परिविक्षा अवधि में उनका कार्य संतोषजनक नहीं होने की स्थिति में उन्हें बर्खास्त किये जाने का प्रावधान है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सफल होने के लिये, सफलता की इच्छा, असफलता के भय से अधिक होनी चाहिये। If order to succeed, your desire for success should be greater then your fear of failure. - Bill Cosby

32-छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(छत्तीसगढ़ वन सेवा संयुक्त भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा वन विभाग के अंतर्गत सहायक वन संरक्षक एवं वन क्षेत्रपाल पदों पर संयुक्त भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि, वनस्पति शास्त्र, कम्प्यूटर अनुप्रयोग/विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, वानिकी, भू–विज्ञान, बागवानी, गणित, सांख्यिकीय, भौतिकीय, पशु विज्ञान, प्राणी शास्त्र में से कम से कम एक विषय के साथ स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिये।

2. जीव विज्ञान, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र में से कम से कम एक विषय के साथ हायर सेकेण्डरी परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिये।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **शारीरिक मापदण्ड (न्यूनतम) :–**

क्रमांक	विवरण	पुरूष	महिला
1	ऊंचाई (अनु. जनजाति को छोड़कर)	163 से.मी.	150 से.मी.
2	ऊंचाई (अनु. जनजाति)	152 से.मी.	145 से.मी.
3	सीना	79 से.मी.	74 से.मी.
4	न्यूनतम सीना विस्तार	5 से.मी.	5 से.मी.
5	चार घण्टे पैदल चलना	26 कि.मी.	16 कि.मी.

3. नियुक्ति हेतु अनर्हता – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयु सीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015 /1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–** छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते है –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इसमें सामान्य अध्ययन, भाषा (हिन्दी, अंग्रजी एवं छत्तीसगढ़ी), बुद्धिमत्ता परीक्षण, विष्लेषणात्मक एवं तार्किक योग्यता से संबंधित प्रष्न होते है। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र विज्ञान, प्रोद्योगिकी, पर्यावरण, कृषि विज्ञान एवं वानिकी से संबंधित होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते है। इसमें रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण संबंधित 12वी स्तर के प्रष्न होते है। 300 अंक वाले इस प्रश्न पत्र की अवधि 2.30 घंटे होती है।

टीप :– अंकों की गणना – उपर्युक्त दोनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर दिये जाते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 2 अंक प्रदान किया जाता है। गलत उत्तर हेतु ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान होगा।

न्यूनतम अर्हक अंक – लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह कम से कम 23 प्रतिशत अंक होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 600) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 75) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रश्न पत्र प्रथम – भाग 1 (सामान्य अध्ययन) – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ का योगदान, भूगोल, जलवायु, भौतिक दषाएँ, जनगणना, पुरातात्विक एवं पर्यटन केन्द्र, साहित्य, संगी, नृत्य, कला एवं संस्कृति, जनऊला, मुहावरे, हाना एवं लोकोत्तियॉ, जनजातियॉ, विषेष परंपराएँ, तीज, त्यौहार, अर्थव्यवस्था, वन एवं कृषि, प्रषासनिक ढांचा, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज, उद्योग, ऊर्जा, जल एवं खनिज संसाधन, समसामयिक घटनाएँ आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

भाग 2 भाषा – इसमें सामान्य हिन्दी, अंग्रेजी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा के शब्दों एवं व्याकरण संबंधी प्रष्न होते है।

भाग 3 बुद्धिमता परीक्षण, विष्लेषणात्मक एवं तार्किक योग्यता – इसमें संचार कौषल सहित पारस्परिक कौषल, तार्किक तर्क और विष्लेषणात्मक क्षमता, निर्णय–निर्माण और समस्या निवारण, सामान्य मानसिक योग्यता, सामान्य गणितीय कौषल (स्तर कक्षा दसवी), आंकड़ों की व्याख्या (स्तर कक्षा दसवी) संबंधी प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र– विज्ञान प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कृषि एवं वानिकी –

1. रसायन विज्ञान 2. भौतिक विज्ञान 3. जीव विज्ञान 4. प्रौद्योगिकी 5. पर्यावरण
6. कृषि विज्ञान 7. वानिकी

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सफलता का एक ही सूत्र है, और वह यह है कि जब अन्य हिम्मत हार चुके हो तब भी आप अपने काम में डटे रहतें हैं।

– विलियम फैदर

33.छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(छत्तीसगढ़ राज्य अभियांत्रिकी सेवा भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग आदि के लिये सहायक अभियंता पदों पर नियुक्ति हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल/मेकेनिकल/यांत्रिकी/विद्युत अभियांत्रिकी में स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिये।

टीपः– उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. नियुक्ति हेतु अनर्हता – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार ONLINE)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इसमें सामान्य अध्ययन, छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान एवं बुद्धिमता परीक्षण से संबंधित प्रश्न होते है। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है। यह प्रश्न पत्र सभी शाखा के आवेदको के लिए अनिवार्य होता है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र (सिविल/यांत्रिकी/विद्युत अभियांत्रिकी) – यह प्रश्न पत्र सिविल/यांत्रिकी/विद्युत अभियांत्रिकी शाखा का होता है, जिसमें से किसी एक विषय में परीक्षा देनी होगी। इसमें दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक वाले इस प्रश्न पत्र की अवधि 2.30 घंटे होती है।

टीप :– लिखित परीक्षा ONLINE ही होता है, द्वितीय प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होता है।

अंकों की गणना – उपर्युक्त दोनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर दिये जाते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 2 अंक प्रदान किया जाता है। वर्ष 2020 में आयोजित परीक्षा में गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंक का प्रावधान नहीं रखा गया था।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रत्येक प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 30 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 600) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 75) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रश्न पत्र प्रथम – भाग–1 (सामान्य अध्ययन) – इसमें भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन एवं भारत का भूगोल, भारत का संविधान, लोक प्रषासन एवं विधि, भारत की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, जल, खनिज एवं वन संसाधन, समसामयिक घटनाएँ एवं खेलकूद, सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर संबंधी सामान्य ज्ञान के प्रश्न होते है।

भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ का योगदान, भूगोल, जल, खनिज संसाधन, जलवायु एवं भौतिक दषायें, साहित्य, संगीत, नृत्य, कला एवं संस्कृति, जनजातियॉ, बोली, तीज एवं त्यौहार, अर्थव्यवस्था, वन एवं कृषि, प्रशासनिक ढ़ॉचा, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज, मानव संसाधन एवं ऊर्जा संसाधन, षिक्षा, स्वास्थ्य एवं समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सिविल/मेकेनिकल/इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी शाखा के स्नातक स्तर के होते है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सफल होने के लिए आपको असफलता का स्वाद अवश्य चखना चाहिए ताकि आपको यह पता चल सके कि अगली बार कौन सी गलती नहीं करनी है।

– एंथनी जे. डींएंजोलो

34. छत्तीसगढ़ पुलिस सब–इंस्पेक्टर संयुक्त भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्याम से छत्तीसगढ़ पुलिस में सुबेदार, उपनिरीक्षक संवर्ग एवं प्लाटून कमांडर भर्ती के लिये संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाती है। पूर्व में यह परीक्षा छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय और छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा आायोजित किया जाता था, वर्ष 2024 में यह परीक्षा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है।

आवश्यक अर्हता :–

1. सूबेदार, उपनिरीक्षक, उपनिरीक्षक (विशेष शाखा) तथा प्लाटून कमांडर पद हेतु आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

2. उपनिरीक्षक (कम्प्यूटर), उपनिरीक्षक (साइबर क्राइम) पद हेतु किसी मान्यता विश्वविद्यालय/संस्था से बीसीए, या बीएससी कम्प्यूटर साइंस में स्नातक उपाधि या समकक्ष परीक्षा।

3. उपनिरीक्षक (अंगुल चिन्ह/विवादास्पद दस्तावेज) पद हेतु किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से गणित, भौतिक तथा रसायन के साथ स्नातक या उसके समतुल्य उपाधि।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 33 वर्ष तक (सामान्यतः अधिकतम आयु 28 वर्ष होता है, वर्ष 2024 के परीक्षा के लिये 5 वर्ष का विशेष छूट दिया गया है।)

टीप :– छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

टीप :– दिव्यांग आवेदक इन पदों के लिए पात्र नहीं होते है।

शारीरिक मापदंडः– (सभी पदों के लिए)

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 153 सेमी. **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 168 सेमी. (अजजा के लिये वर्ष 2024 हेतु 163 से.मी.) **सीना** 81 सेमी., (अजजा के लिये वर्ष 2024 हेतु 76 से.मी.) फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :– आवेदक को निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चश्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया :–

आवेदकों को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाइट www.psc.cg.gov.in में ऑनलाईन आवेदन करना होता है।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 5 चरणों में आयोजित की जाती है –

1. प्रथम चरण– शारीरिक नापजोख परीक्षा – प्रथम चरण में संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप आवेदकों के प्रमाण पत्रों की जांच एवं शारीरिक माप का परीक्षण किया जाता है।

2. द्वितीय चरण– प्रारंभिक लिखित परीक्षा – शारीरिक नापजोख परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदकों का प्रारंभिक लिखित परीक्षा आयोजित किया जाता है। यह लिखित परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है, जिसमें दो घंटे की समय अवधि में आवेदक को 100 प्रश्न हल करने होते हैं। इस परीक्षा का पूर्णांक 300 अंक होता है तथा इसके परिणाम के आधार पर मैरिट लिस्ट तैयार करके संवर्गवार रिक्त पदों की संख्या के 15 गुना आवेदकों को मुख्य लिखित परीक्षा के लिये पात्र घोषित किया जाता है। इस परीक्षा में सामान्य अध्ययन के 35 प्रश्न, छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के 25 प्रश्न, कम्प्यूटर की सामान्य जानकारी तथा सामान्य अंग्रेजी के 5–5 प्रश्न, सामान्य मानसिक योग्यता, सामान्य गणित तथा सामान्य हिन्दी के 10–10 प्रश्न होते है। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होता है। गलत उत्तर पर नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है। प्रारंभिक लिखित परीक्षा सिर्फ स्क्रैनिंग टेस्ट है, इसके प्राप्तांक अंतिम चयन में नहीं जोड़े जाते है।

3. तृतीय चरण– मुख्य लिखित परीक्षा – यह परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। प्रारंभिक लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर संवर्गवार विज्ञापित रिक्तियों के 20 गुना अभ्यर्थियों को मुख्य लिखित परीक्षा के लिये पात्र घोषित किया जाता है। इसकी संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	अधिकतम अंक	कुल समय	रिमार्क
1.	हिन्दी एवं अंग्रेजी में दक्षता	200 (हिन्दी 125 अंक एवं अंग्रेजी 75)	2 घंटा	सभी पदों हेतु
2.	सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन	200	3 घंटा	सभी पदों हेतु
3	ऐप्टीट्यूड टेस्ट	200	2 घंटा	सभी पदों हेतु
4.	विज्ञान (गणित, भौतिक एवं रसायन)	200	2 घंटा	केवल उपनिरीक्षक (अंगुल चिन्ह/विवादास्पद दस्तावेज) पद हेतु
5	कम्प्यूटर विज्ञान	200	2 घंटा	केवल उपनिरीक्षक (कम्प्यूटर), उपनिरीक्षक (साइबर क्राइम) पद हेतु

टीपः– 1. गलत उत्तर पर नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है।

2. मुख्य लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर कुल विज्ञापित रिक्तियों के 5 गुना आवेदकों की 3 प्रकार की शैक्षणिक योग्यता अनुसार (किसी भी विषय में स्नातक/विज्ञान विषय में स्नातक/कम्प्यूटर में स्नातक) अलग–अलग अर्हता सूची तैयार की जाती है।

चतुर्थ चरण–शारीरिक दक्षता परीक्षा – तृतीय चरण के मुख्य लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों के मेरिट अनुसार संवर्गवार रिक्त पदों की संख्या के 5 गुना अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिये बुलाया जाता है।

यह परीक्षा 300 अंक का होता है। इसमें 60–60 अंक के निम्न 5 गतिविधि में टेस्ट लिया जाता है – 1. लम्बी कूद, 2. ऊंची कूद, 3. गोला फेक, 4. 100 मीटर दौड़, 5, 1500 मीटर दौड़। शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये आवेदक को कुल अंकों का 30 प्रतिशत अर्थात 90 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है, जो अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा में 90 अंक प्राप्त करने में असफल होते हैं, वे चयन प्रक्रिया से बाहर हो जाते हैं।

उपनिरीक्षक (कम्प्यूटर), उपनिरीक्षक (साइबर क्राइम) पद के लिये उपरोक्त शारीरिक दक्षता परीक्षा केवल क्वालिफाईग स्वरूप का होता है एवं इनकों इसके लिये कोई अंक नहीं दिया जाता है।

साक्षात्कार :– साक्षात्कार 100 अंक का होता है।

बोनस अंक – राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलकुद में प्रवीण्यता हासिल करने वाले आवेदकों को 10 अंक बोनस प्रदान किया जाता है।

चयन का तरीका :– मुख्य लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा, साक्षात्कार तथा बोनस अंकों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची तैयार कर संवर्गवार चयन किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रारंभिक लिखित परीक्षा – इसमें छत्तीसगढ़ के सामान्य जानकारी एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न होते हैं।

मुख्य लिखित परीक्षा – 1. हिन्दी एवं अंग्रेजी में दक्षता – इस प्रश्न पत्र में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न होते हैं।

2. सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन – यह प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार का होता है, जिसमें सामान्य अध्ययन के अंतर्गत विभिन्न विषयों जैसे इतिहास, भूगोल, हिन्दी साहित्य, विज्ञान, खेल एवं समसाममियक घटनाक्रम पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं।

3. विज्ञान – इस प्रश्न पत्र में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न होते हैं। इसके अंतर्गत पूछे जाने वाले प्रश्न गणित, भौतिक एवं रसायन से संबंधित स्नातक स्तर के होते हैं।

4. **कम्प्यूटर –** इस प्रश्न पत्र में कम्प्यूटर के वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न होते हैं।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या छ0ग0 पुलिस के वेबसाईट www.cg.police.gov.in या www.psc.cg.gov.in भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अगर आप सोचते हैं कि आप कर सकते हैं तो आप कर सकते हैं। अगर आप सोचते हैं कि आप नहीं कर सकते हैं तो आप नहीं कर सकते हैं। और किसी भी तरह से . . .आप सही हैं।

If you think you can –you can ! If you think you can not –you cannot!
And either way …..you are right.

- Shiv Khera

35- संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा (I.A.S.) परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय प्रशासनिक सेवा (I.A.S), भारतीय पुलिस सेवा (I.P.S), भारतीय विदेश सेवा (I.F.S), भारतीय राजस्व सेवा (I.R.S), भारतीय डाक सेवा, भारतीय रेल्वे लेखा सेवा, भारतीय लेखा परीक्षक सेवा, भारतीय रेल्वे यातायात सेवा, भारतीय सूचना सेवा, केन्द्रशासित प्रदेशों की सिविल सेवा ग्रुप–ब, पुलिस सेवा ग्रुप–ब आदि के लिये संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः अप्रैल/मई माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा सामान्यतः मई/जून माह में रायपुर, बिलासपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। मुख्य परीक्षा सामान्यतः सितबंर/अक्टूबर में आयोजित किया जाता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष डिग्री। जो उम्मीदवार स्नातक की परीक्षा में बैठ रहे है और जिनका अंतिम परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है वे भी प्रारंभिक परीक्षा में सम्मिलित हो सकते है।

❖ **आयुसीमा :–**

जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा है, उस वर्ष 01 अगस्त को आवेदक की आयु 21 वर्ष पूर्ण हो जानी चाहिये किन्तु 32 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है।

- **अवसरों की संख्या** :– जो उम्मीदवार अन्य सभी योग्यताएँ पूर्ण करते है उन्हें उक्त परीक्षा में 6 बार शामिल होने की पात्रता होती है। यह बंधन अजा/अजजा वर्ग के आवेदकों पर लागू नहीं होता है तथा अन्य पिछडा वर्ग के आवेदकों के लिये अवसरों की अधिकतम संख्या 9 है।

❖ **आवेदन की प्रक्रिया** :–

आवेदको को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 चरणों में आयोजित की जाती है –

1. प्रारंभिक परीक्षा – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)
2. मुख्य परीक्षा – लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रकार) तथा साक्षात्कार

प्रारंभिक परीक्षा – प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	समय
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन	200	2 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	योग्यता परीक्षा	200	2 घंटा
योग			**400**	

टीप :– 1. ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रश्नों के गलत उत्तर देने पर एक तिहाई अंक काटा जाता है। द्वितीय प्रष्न पत्र अर्हक पेपर होता है, जिसके लिए न्यूनतम अर्हक अंक 33% निर्धारित किया गया है। प्रारंभिक परीक्षा की मेरिट सूची हेतु द्वितीय प्रष्न पत्र के अंक नहीं जोड़े जाते है।

2. वे आवेदक जो प्रांरभिक परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लेते है, वे उस वर्ष की मुख्य परीक्षा में प्रवेष के पात्र होते है।

मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार – मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्र परम्परागत प्रकार के वर्णनात्मक लघु/मध्यम/दीर्घ उत्तरीय होते है। लिखित परीक्षा में दो प्रकार के प्रश्न पत्र होते हैं – 1. अर्हक प्रश्न पत्र, 2. वे प्रश्न पत्र जिनके आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाती है।

1. अर्हक प्रश्न पत्र – इसमें वर्णनात्मक प्रकार के 300–300 अंक के दो प्रश्न पत्र होते हैं। पहला प्रश्न पत्र संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं में से आवेदक द्वारा चुनी गई कोई एक भारतीय भाषा का तथा दूसरा प्रश्न पत्र

अंग्रेजी भाषा का। अर्हक प्रश्न पत्रों के अंक अंतिम वरीयता सूची तैयार करते समय नहीं जोड़े जाते हैं, इनमें सिर्फ आवेदकों को आयोग द्वारा निर्धारित अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

2. वरीयता क्रम के लिये जिन प्रश्न पत्रों को आधार बनाया जाता है, उसकी परीक्षा योजना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	समय
1.	प्रथम	निबंध	250	3 घंटा
2.	द्वितीय	सामान्य अध्ययन 1 (भारत का इतिहास एवं संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज)	250	3 घंटा
3.	तृतीय	सामान्य अध्ययन 2 (भारत का शासन व्यवस्था, संविधान, शासन प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध)	250	3 घंटा
4.	चतुर्थ	सामान्य अध्ययन 3 (प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैवविविधता, पर्यावरण सुरक्षा, आपदा प्रबंधन)	250	3 घंटा
5.	पंचम	सामान्य अध्ययन 4 (नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरूचि)	250	3 घंटा
6.	षष्ठम	वैकल्पिक विषय प्रथम प्रश्न पत्र	250	3 घंटा
7.	सप्तम	वैकल्पिक विषय द्वितीय प्रश्न पत्र	250	3 घंटा
योग			**1750**	

टीप :– मुख्य परीक्षा के लिये भी प्रारंभिक परीक्षा की तरह न्यूनतम अर्हक अंक आवेदकों को प्राप्त करना अनिवार्य है।

वैकल्पिक विषय – आयोग द्वारा वैकल्पिक विषयों को दो समूहों में बांटा गया है। प्रथम समूह में कुल 25 विषय यथा रसायन, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, गणित आदि हैं। द्वितीय समूह में साहित्य से संबंधित 23 विषय यथा हिन्दी साहित्य, उर्दू साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य आदि हैं। वही आवेदक द्वितीय समूह के किसी साहित्यिक विषय को वैकल्पिक विषय के रूप में चुन सकते हैं, जिन्होंने उसे स्नातक में एक मुख्य विषय के रूप में अध्ययन किया हो।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

मुख्य परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध सामान्यतः 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 275 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है। आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 1750) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 275) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रारंभिक परीक्षा – प्रथम प्रश्न पत्र – (सामान्य अध्ययन) – इसमें भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, संविधान एवं राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, दर्षन, कला एवं संस्कृति के साथ–साथ सामान्य विज्ञान, राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनायें, खेलकूद एवं पर्यावरण से संबंधित प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र (योग्यता परीक्षा) – इसमें बोधगम्यता, संचार कौशल सहित वैयक्तिक कौशल, तर्क कौशल एवं विष्लेषण क्षमता, सामान्य मानसिक योग्यता, संख्यात्मक अभिरूचि, अंग्रेजी भाषा का प्रारंभिक ज्ञान (दसवीं कक्षा स्तर का) आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

लिखित परीक्षा – इसके पाठ्यक्रम आवेदक संघ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.upsc.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। वैकल्पिक विषयों का पाठ्यक्रम ऑनर्स स्तर का होता है, अर्थात् स्नातक से थोड़ा अधिक तथा स्नातकोत्तर से थोड़ा कम। इंजीनियरी, मेडिकल तथा लॉ के प्रश्न पत्रों का स्तर स्नातक स्तर का होता है।

साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण :–

साक्षात्कार में आयोग अभ्यर्थियों से यह उम्मीद करता है कि वे केवल विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझबूझ के साथ रूचि न लेते हो अपितु उन घटनाओं में भी रूचि लेते हो जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर या बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचार धाराओं और उन नई खोजो में भी रूचि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आप यह सोचते है कि ज्ञान पाना महंगा है तो अज्ञानी बनकर देखिए।
– डेरेक बॉक

36.भारतीय वन सेवा (IFS) परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय वन सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष, वर्ष 2013 से सिविल सेवा परीक्षा के साथ सामान्यतः अप्रैल/मई माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा सिविल सेवा परीक्षा के प्रारंभिक परीक्षा के अनुसार ही तथा लिखित परीक्षा सामान्यतः नवम्बर/दिसंबर माह में रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–**

आवेदक के पास पशुपालन तथा पशु चिकित्सा विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूविज्ञान, गणित, भौतिकी, सांख्यिकीय और प्राणि विज्ञान में से किसी एक विषय के साथ स्नातक डिग्री अथवा कृषि विज्ञान, वानिकी या इंजीनियरी की स्नातक उपाधि होनी चाहिये। जो उम्मीदवार उक्त स्नातक की परीक्षा में बैठ रहे है और जिनका अंतिम परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है वे भी परीक्षा में सम्मिलित हो सकते है।

शारीरिक मापदण्ड :– ऊँचाई – पुरूषों के लिये 163 सेंटीमीटर महिलाओं के लिये 150 सेटीमीटर तथा सीना पुरूषों के लिये 84 सेंटीमीटर।

❖ **आयुसीमा :–** जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा उस वर्ष 01 अगस्त को आवेदक की आयु 21 वर्ष पूर्ण हो जानी चाहिये किन्तु 32 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है।

- **अवसरों की संख्या** :– जो उम्मीदवार अन्य सभी योग्यताएँ पूर्ण करते है उन्हें उक्त परीक्षा में 6 बार शामिल होने की पात्रता होती है। यह बंधन अजा/अजजा वर्ग के आवेदकों पर लागू नहीं होता है तथा अन्य पिछडा वर्ग के आवेदकों के लिये अवसरों की अधिकतम संख्या 9 है।

❖ **आवेदन की प्रक्रिया** :– आवेदको को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार http://www.upsconline.nic.in वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

❖ **परीक्षा योजना :–** वर्ष 2013 से भारतीय वन सेवा परीक्षा की परीक्षा योजना में परिवर्तन किया गया है तथा सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के साथ ही इसके लिये भी प्रारंभिक परीक्षा आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है। परीक्षा निम्नानुसार 2 चरणों में आयोजित की जावेगी –

1. प्रारंभिक परीक्षा :– वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार
2. मुख्य परीक्षा :– लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रकार) एवं साक्षात्कार

प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) :– प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	समय
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन	200	2 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	योग्यता परीक्षा	200	2 घंटा
योग			**400**	

टीप :– 1. ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रश्नों के गलत उत्तर देने पर एक तिहाई अंक काटा जाता है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र में UPSC द्वारा न्यूनतम अर्हक अंक 33% प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इसके अंक वरीयता सूची में नही जोड़े जाते है।
3. प्रश्न पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार किए जाते है।

मुख्य परीक्षा (लिखित परीक्षा) वर्णनात्मक प्रकार :– इस परीक्षा में 6 प्रश्नपत्र होते है। प्रत्येक अभ्यर्थी को दो वैकल्पिक विषयों का चयन करना होता है तथा प्रत्येक वैकल्पिक विषय के 2–2 प्रश्नपत्र होते है।

प्रश्न पत्र–1	सामान्य अंग्रेजी	300 अंक
प्रश्न पत्र–2	सामान्य ज्ञान	300 अंक
प्रश्न पत्र–3	वैकल्पिक विषयों की सूची में से चुने गये कुल दो विषय (प्रत्येक विषय के दो–दो प्रश्न पत्र)	200 अंक
प्रश्न पत्र–4		200 अंक

प्रश्न पत्र–5		200 अंक
प्रश्न पत्र–6		200 अंक

वैकल्पिक विषयों की सूची :–

कृषि विज्ञान	कृषि इंजीनियरी	पशुपालन और पशु चिकित्सा विज्ञान
वनस्पति विज्ञान	रसायन विज्ञान	रसायन इंजीनियरी
सिविल इंजीनियरी	वानिकी	भू–विज्ञान
गणित	यांत्रिकी इंजीनियरी	भौतिकी
सांख्यिकीय	प्राणी विज्ञान	

टीप :–

1. सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर आवेदक को सिर्फ अंग्रेजी भाषा में ही लिखना होता है। प्रश्न पत्र भी अंग्रेजी भाषा में होते है।
2. प्रत्येक प्रश्न पत्र की समयावधि 3 घण्टा होती है।
3. उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषयों को एक साथ वैकल्पिक विषय के रूप में चुनने की अनुमति नहीं है – (क) कृषि विज्ञान और कृषि इंजीनियरी (ख) कृषि विज्ञान और पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान (ग) कृषि विज्ञान और वानिकी (घ) रसायन विज्ञान और रसायन इंजीनियरी (ड.) गणित और सांख्यिकी (च) इंजीनियरी के विषयों में एक से अधिक विषय नहीं।
4. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी पेपरों के लिए न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।
5. वैकल्पिक विषयों के प्रश्न पत्रों में प्रश्नों की कुल संख्या 8 होती है। सभी प्रश्नों के अंक बराबर होते है। प्रत्येक प्रश्न पत्र के दो भाग होते है अर्थात् भाग (क) और भाग (ख)। प्रत्येक भाग में चार प्रश्न होते है। 8 प्रश्नों में से 5 प्रश्नों के उत्तर देने होते है। प्रत्येक भाग में एक प्रश्न अनिवार्य होता है। आवेदक को प्रत्येक भाग में से कम से कम 2 प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक होता है। अर्थात् एक अनिवार्य प्रश्न तथा एक अन्य प्रश्न।

साक्षात्कार – ऐसे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उन्हें वरीयता क्रम के अनुसार आयोग द्वारा निर्धारित अनुपात में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार अधिकतम 300 अंक का होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–** आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 1400) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 300) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रारंभिक परीक्षा – प्रथम प्रश्न पत्र (सामान्य अध्ययन) – इसमें भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, संविधान एवं राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, दर्शन, कला एवं संस्कृति के साथ–साथ सामान्य विज्ञान, समसामयिक घटनायें, खेलकूद एवं पर्यावरण से संबंधित प्रश्न होते है।

द्वितीय प्रश्न पत्र (योग्यता परीक्षा) – इसमें संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल, तर्क एवं विश्लेषण क्षमता, सामान्य मानसिक योग्यता, संख्यात्मक अभिरूचि, अंग्रेजी भाषा का प्रारंभिक ज्ञान (दसवीं कक्षा स्तर का) आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

मुख्य परीक्षा :– सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का स्तर ऐसा होता है जिसके भारतीय विश्वविद्यालय के विज्ञान या इंजीनियरी स्नातक से अपेक्षा की जाती है। वैकल्पिक विषयों के प्रश्न पत्र लगभग आनर्स डिग्री स्तर के होते है, अर्थात् बैचलर डिग्री से कुछ अधिक और मास्टर डिग्री से कुछ कम। इंजीनियरी विषयों के मामले में यह स्तर बैचलर डिग्री का होता है।

सामान्य अंग्रेजी के पेपर में आवेदक को अंग्रेजी में एक निंबंध लिखना होता है तथा अन्य प्रश्न ऐसे पुछे जाते है जिससे उसकी अंग्रेजी भाषा की ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके।

सामान्य ज्ञान के पेपर में सामयिक घटनाओं के ज्ञान, भारत का संविधान, इंतिहास, भूगोल तथा वैज्ञानिक प्रगति से संबंधित प्रश्न होते है।

साक्षात्कार – साक्षात्कार में आयोग अभ्यर्थी से यह उम्मीद करता है कि वे केवल विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझबूझ के साथ रूचि न लेते हो अपितु उन घटनाओं में भी रूचि लेते हो जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर या बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचार धाराओं और उन नई खोजो में भी रूचि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक/दिव्यांग(दृष्टि एवं श्रवण) आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

सकारात्मक सोच : सफलता का आधार

बाइबिल में बताई गई डेविड और गोलियथ की कहानी हम में से अधिकतर लोग जानते है। गोलियथ एक राक्षस था, उसने हर आदमी के दिल में अपनी दहशत बैठा रखी थी। एक दिन 17 साल का एक भेड़ चराने वाला लड़का अपनी भाईयों से मिलने के लिए आया। अपने भाईयों को गोलियथ से भयभीत देखकर उसने उनसे पूछा कि तुम लोग इस राक्षस से लड़ते क्यों नही हो ? उसके भाईयों ने जवाब दिया " क्या तुमने नहीं देखा कि वह कितना बड़ा है कि उसे मारा नहीं जा सकता है ?" इस पर डेविड ने मुस्कुराकर कहा "बात यह नहीं है कि बड़ा होने की वजह से उसे मारा नहीं जा सकता, बल्कि हकीकत यह है कि वह इतना बड़ा है कि उस पर लगाया गया निशाना चूक ही नहीं सकता" । फिर डेविड ने उस राक्षस को गुलेल से मार डाला। राक्षस वही था लेकिन उसके बारे में डेविड का नजरिया अलग था।

यदि आप डेविड जैसे आशावादी सोच वाले व्यक्ति है तो आपका यह नजरिया कामयाबी की सीढ़ी बन सकता है।

37 भारतीय इंजीनियरी सेवा परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष संयुक्त भारतीय इंजीनियरी सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के माध्यम से इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा, भारतीय रेल भण्डार सेवा, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा, भारतीय रक्षा इंजीनियरी सेवा, भारतीय आयुध कारखाना सेवा, भारतीय आपूर्ति सेवा आदि में सिविल, यांत्रिकी, वैद्युत एवं इलेक्ट्रानिकी तथा दूरसचार इंजीनियरों का चयन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः सितम्बर/अक्टूबर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। लिखित परीक्षा सामान्यतः जनवरी/फरवरी माह में रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक अर्हता :–** आवेदक के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इंजीनियरी की डिग्री होना चाहिए अथवा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत) की इंस्टीट्यूशन परीक्षाओं के सेक्शन ए और बी उत्तीर्ण या इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियर्स (भारत) की स्नातक सदस्यता परीक्षा उत्तीर्ण की हो या इलेक्ट्रानिकी और दूरसंचार इंजीनियरों की संस्था (भारत) के ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो। जो उम्मीदवार उक्त स्नातक की परीक्षा में बैठ रहे है और जिनका अंतिम परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है वे भी परीक्षा में सम्मिलित हो सकते है।

❖ **आयुसीमा :–** जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा उस वर्ष 01 जनवरी को आवेदक की आयु 21 वर्ष पूर्ण हो जानी चाहिये किन्तु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है।

❖ **आवेदन की प्रक्रिया :–**

आवेदकों को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

❖ **परीक्षा योजना :–**

1) प्रथम चरण :– प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार)
2) द्वितीय चरण :– मुख्य परीक्षा (परंपरागत प्रकार)
3) तृतीय चरण :– व्यक्तित्व परीक्षण

- इस परीक्षा में प्रथम चरण में 2 प्रश्न पत्र, द्वितीय चरण में 2 प्रश्न पत्र होते है।

प्रथम चरण (बहुविल्पीय उत्तर) :–

प्रश्न पत्र	विषय	अवधि	पूर्णांक
प्रथम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन एवं इंजीनियरिंग अभिरूचि	2 घंटा	200 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र	इंजीनियरी शाखा से संबंधित प्रश्न पत्र	3 घंटा	300 अंक
योग :–			**500 अंक**

द्वितीय चरण (मुख्य परीक्षा) :– केवल वे अभ्यर्थी जिन्हें आयोग द्वारा वर्ष में प्रारंभिक (प्रथम चरण) परीक्षा उत्तीर्ण धोषित किया गया है, वे ही उस वर्ष की द्वितीय चरण (मुख्य परीक्षा) में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।

प्रश्न पत्र	विषय	अवधि	पूर्णांक
प्रथम प्रश्न पत्र	इंजीनियरी से संबंधित शाखा प्रश्न पत्र–1	3 घंटा	300 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र	इंजीनियरी से संबंधित शाखा प्रश्न पत्र–2	3 घंटा	300 अंक
योगः–			**600 अंक**

इंजीनियरी के संबंधित शाखाओं की सूची :–

सिविल	इलेक्ट्रिकल	मैकेनिकल
इलेक्ट्रानिकी तथा टेलीकम्यूनिकेशन		

टीप :–

1. प्रथम चरण (प्रारंभिक परीक्षा) के सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते है। इन प्रश्नों के गलत उत्तर देने पर नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है।
2. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी पेपरों के लिए न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।
3. द्वितीय चरण (मुख्य परीक्षा) के प्रश्न पत्रों के उत्तर आवेदक को सिर्फ अंग्रेजी भाषा में ही लिखना होता है। प्रश्न पत्र भी अंग्रेजी भाषा में होते है।

तृतीय चरण (व्यक्तित्व परीक्षण)/साक्षात्कार :–

ऐसे अभ्यर्थी जो प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण की परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उन्हें वरीयता क्रम के अनुसार आयोग द्वारा निर्धारित अनुपात में व्यक्तित्व परीक्षण/साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार अधिकतम 200 अंक का होता है।

- **अंतिम परिणाम :–** प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण की परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर अंतिम परिणाम/अंतिम रैकिंग निर्धारित की जाती है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, प्रारंभिक परीक्षा (कुल अंक 500), मुख्य परीक्षा (कुल अंक 600) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 200) के कुल प्राप्तांको तथा उसके द्वारा विभिन्न पदों के लिए दिये गये वरीयता के आधार पर किया जाता है। जिन सेवाओं और पदों का आवेदक ने उल्लेख नहीं किया है उन सेवाओं और पदो के लिए उसके नाम पर विचार नहीं किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम प्रारंभिक एवं लिखित परीक्षा :–**

सामान्य अध्ययन एवं इंजीनियरी अभिरूचि के प्रश्न पत्र का स्तर ऐसा होता है जिसके भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी/विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है। इंजीनियरी के चयनित शाखा के प्रश्न पत्रों का स्तर बैचलर डिग्री का होता है। अन्य प्रश्न पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा।

सामान्य अंग्रेजी के पेपर में प्रश्न ऐसे पुछे जाते है जिससे उसकी अंग्रेजी भाषा की ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके।

सामान्य ज्ञान के पेपर में सामयिक घटनाओं के ज्ञान, भारत का संविधान, इतिहास, भूगोल तथा वैज्ञानिक प्रगति से संबंधित प्रश्न होते है।

साक्षात्कार – साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता/पहल तथा मेधा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक ऊर्जस्विता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक/दिव्यांग(दृष्टि एवं श्रवण) आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते है।

मुझे सफलता का मंत्र नहीं पता, पर सभी को खुश करने का प्रयास करना ही असफलता का मंत्र है। I don't know the key of success, but the key to failure is trying to please everybody.

- Bill Cosby

38. भारतीय आर्थिक सेवा (IES) एवं भारतीय सांख्यिकी सेवा (ISS) परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय आथिक सेवा एवं भारतीय सांख्यिकी सेवा संयुक्त परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष, सामान्यतः फरवरी/मार्च माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। लिखित परीक्षा सामान्यतः मई/जून माह में देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। लिखित परीक्षा के लिए छत्तीसगढ़ में कोई परीक्षा केन्द्र नहीं है। छत्तीसगढ़ के आवेदकों के लिए निकटतम परीक्षा केन्द्र भोपाल/कटक है।

❖ **आवश्यक अर्हता :–**

क्र.	पद का नाम	शैक्षणिक अर्हता	आयुसीमा
1	भारतीय आर्थिक सेवा	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र/प्रायोगिक अर्थशास्त्र/व्यावसायिक अर्थशास्त्र/अर्थशास्त्र सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिग्री होना चाहिए।	21 से 30 वर्ष पूर्ण न हो (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 अगस्त को)
2	भारतीय सांख्यिकी सेवा	किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से सांख्यिकी/गणितीय सांख्यिकी/प्रायोगिक सांख्यिकी में से एक विषय के साथ स्नातक उपाधि **या** सांख्यिकी/गणितीय सांख्यिकी/प्रायोगिक सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिग्री होना चाहिए।	21 से 30 वर्ष पूर्ण न हो (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 अगस्त को)

टीप :– जो उम्मीदवार उक्त स्नातक/स्नातकोत्तर के उपरोक्त परीक्षा में बैठ रहे है और जिनका अंतिम परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है वे भी परीक्षा में सम्मलित हो सकते है। भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांगअभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है।

❖ **आवेदन की प्रक्रिया :–** उम्मीदवारों को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

❖ **परीक्षा योजना :–** उपरोक्त परीक्षा दो चरणों में आयोजित की जाती है।

प्रथम चरण – लिखित परीक्षा (वर्णानात्मक प्रकार, 1000 अंक)

द्वितीय चरण :– मौखिक परीक्षा/साक्षात्कार (200 अंक)

लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रकार) :– इस परीक्षा में 6 प्रश्नपत्र होते है। भारतीय आर्थिक सेवा एवं भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है – (A) **भारतीय आर्थिक सेवा (कुल अंक 1000)**

प्रश्न पत्र–1	सामान्य अंग्रेजी	100 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–2	सामान्य अध्ययन	100 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–3	सामान्य अर्थशास्त्र–1	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–4	सामान्य अर्थशास्त्र–2	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–5	सामान्य अर्थशास्त्र–3	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–6	भारतीय अर्थशास्त्र	200 अंक	3 घंटा

(B) **भारतीय सांख्यिकी सेवा (कुल अंक 1000)**

प्रश्न पत्र–1	सामान्य अंग्रेजी	100 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–2	सामान्य अध्ययन	100 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–3	सांख्यिकी–1 (वस्तुनिष्ठ)	200 अंक	2 घंटा
प्रश्न पत्र–4	सांख्यिकी –2 (वस्तुनिष्ठ)	200 अंक	2 घंटा
प्रश्न पत्र–5	सांख्यिकी –3 (वर्णात्मक)	200 अंक	3 घंटा

प्रश्न पत्र–6	सांख्यिकी–4 (वर्णात्मक)	200 अंक	3 घंटा

टीप :–

1. सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर आवेदक को सिर्फ अंग्रेजी भाषा में ही लिखना होता है। प्रश्न पत्र भी अंग्रेजी भाषा में होते है।
2. आवेदकों को परीक्षा में केवल वर्णात्मक प्रकार के पेपरों में साइन्सटिफिक (Non Programmable Type) कैलकुलेटर ले जाने की अनुमति होती है।

साक्षात्कार/मौखिक परीक्षा :–

ऐसे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उन्हें वरीयता क्रम के अनुसार आयोग द्वारा निर्धारित अनुपात में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार अधिकतम 200 अंक का होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 1000) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 200) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

अ) लिखित परीक्षा :– सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होते है। वैकल्पिक विषयों के प्रश्न पत्र लगभग आनर्स डिग्री स्तर के होते है, अर्थात् बैचलर डिग्री से कुछ अधिक और मास्टर डिग्री से कुछ कम।

सामान्य अंग्रेजी के पेपर में आवेदक को अंग्रेजी में एक निंबंध लिखना होता है तथा अन्य प्रश्न ऐसे पुछे जाते है जिससे उसकी अंग्रेजी भाषा की ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके।

सामान्य अध्ययन के पेपर में सामयिक घटनाओं के ज्ञान, भारत का संविधान, इंतिहास, भूगोल तथा वैज्ञानिक प्रगति से संबंधित प्रश्न होते है।

सामान्य अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी के पाठ्यक्रम आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

- **साक्षात्कार/मौखित परीक्षा :–**

साक्षात्कार में आयोग अभ्यर्थियों से यह उम्मीद करता है कि वे केवल विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझबूझ के साथ रूचि न लेते हो अपितु उन घटनाओं में भी रूचि लेते हो जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर या बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचार धाराओं और उन नई खोजो में भी रूचि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है। इसमें विशेष रूप से यह भी देखा जाता है कि उम्मीदवार अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी के अवधारणाओं को व्यवाहारिक रूप में अनुप्रयुक्त करने में कितने सक्षम है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

कोई भी लक्ष्य,
इंसान के जूनून से बड़ा नहीं।
जीता वहीं जो डरा नहीं।।

39. सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय सैनिक अकादमी देहरादून, भारतीय नौसेना अकादमी झझीमाला, वायुसेना अकादमी हैदराबाद, अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नई (पुरूष एवं महिला) में अधिकारियों की भर्ती हेतु सामान्यतः प्रतिवर्ष दो बार सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः मई एवं अक्टूबर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः सितम्बर तथा फरवरी माह में बिलासपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। कोर्सों में प्रशिक्षण जनवरी एवं जुलाई से प्रारंभ होता है। SSB द्वारा आयोजित साक्षात्कार के पश्चात् सफल अभ्यार्थियों को संबंधित एकेडमी में प्रवेश दिया जाता है।

❖ **आवश्यक अर्हता :–** विभिन्न अकादमी के लिये निर्धारित अर्हता निम्नानुसार है –

क्र.	अकादमी का नाम	शैक्षणिक योग्यता	आयु	लिंग	वैवाहिक स्थिति
1.	भारतीय सैनिक अकादमी देहरादून	स्नातक या समकक्ष	18–23 वर्ष	पुरूष	अविवाहित
2.	भारतीय नौसेना अकादमी झझीमाला	इंजीनियरी में डिग्री	18–23 वर्ष	पुरूष	अविवाहित
3.	भारतीय वायुसेना अकादमी हैदराबाद	स्नातक (12वीं कक्षा भौतिक एवं गणित विषय सहित) या इंजीनियरी में डिग्री	20–24 वर्ष	पुरूष	विवाहित/ अविवाहित
4.	अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नई (एसएससी कोर्स)	स्नातक या समकक्ष	18–24 वर्ष	पुरूष	अविवाहित
5.	अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नई (एसएससी गैर तकनीकी कोर्स)	स्नातक या समकक्ष	18–24 वर्ष	महिला	विवाहित/ अविवाहित

❖ **शारीरिक मापदंड :– (सभी पदों के लिये)**

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 152 सेमी. **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 157.5 सेमी. (नौसेना के लिये 157 सेमी. तथा वायुसेना के लिये 162.5 सेमी.) **सीना** 77 सेमी. फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :– आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चष्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए, सुनने की क्षमता अच्छी हो आदि।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–** उम्मीदवारों को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र में आवेदक को विभिन्न कोर्सों के लिये वरीयता दर्शाना अनिवार्य होता है। जो आवेदक भारतीय वायुसेना में प्रवेश चाहते हैं, उन्हें भारतीय वायुसेना अकादमी को अनिवार्य रूप से प्रथम वरीयता दर्शाना होता है। जो पुरूष आवेदक केवल अल्पकालिक सेवा कमीशन (सेना) के लिये आवेदन कर रहे हैं, उन्हें अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी को एकमात्र वरीयता दर्शाना होता है।

टीप :– महिला आवेदक सिर्फ अल्पकालिक सेवा कमीशन (SSC) के लिये ही पात्र होते हैं, अतः उन्हें सिर्फ अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी की ही वरीयता देनी चाहिये।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – संघ लोक सेवा आयोग द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

द्वितीय स्तर – सेवा चयन बोर्ड (SSB) द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण एवं साक्षात्कार

<u>प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) :–</u> भारतीय सैनिक अकादमी, भारतीय नौसेना अकादमी, भारतीय वायुसेना अकादमी में प्रवेश के लिए की परीक्षा संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	अंग्रेजी	100	2 घंटा
2.	सामान्य ज्ञान	100	2 घंटा
3.	प्रारंभिक गणित	100	2 घंटा

<u>प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) :–</u> अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में प्रवेश के लिए परीक्षा संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	अंग्रेजी	100	2 घंटा
2.	सामान्य ज्ञान	100	2 घंटा

टीप :– 1. प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 33% ऋणात्मक अंक दिया जाता है।

- **<u>न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :–</u>** आयोग, प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है तथा जो आवेदक आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक को प्राप्त करने में सफल हो जाते है, उन्हें लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर सेवा चयन बोर्ड में बुद्धि एवं व्यक्तित्व परीक्षण के लिये भेजा जाता है।
- **<u>सेवा चयन बोर्ड :–</u>** बोर्ड द्वारा आवेदकों का मनोवैज्ञानिक अभिरूचि परीक्षण और बुद्धि परीक्षण पर आधारित द्विस्तरीय चयन प्रक्रिया के आधार पर परीक्षण किया जाता है।

पहले स्तर का परीक्षण चयन केन्द्रों पर पहले दिन ही किया जाता है तथा जो आवेदक इसमें पात्र पाये जाते हैं, उन्हें द्वितीय स्तर/शेष परीक्षणों में प्रवेश दिया जाता है। शेष परीक्षणों में साक्षात्कार के अतिरिक्त आवेदकों की मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाती है, उनके ग्रुप परीक्षण भी किये जाते हैं तथा निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये भी कहा जाता है। सेवा चयन बोर्ड का व्यक्तित्व परीक्षण/साक्षात्कार अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी के लिये 200 अंक का तथा अन्य अकादमियों के लिये 300 अंक का होता है। साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण में आवेदक को बोर्ड द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

❖ **<u>चयन का तरीका</u>** :–

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के कुल प्राप्तांक के आधार पर आवेदकों को योग्यताक्रम में रखा जाता है तथा अंतिम चयन शारीरिक दक्षता, मेडिकल फिटनेस टेस्ट आदि में उपयुक्त पाये जाने पर आवेदकों द्वारा दिये गये वरीयता के आधार पर किया जाता है।

❖ **<u>पाठ्यक्रम :–</u>**

प्रश्न पत्र–1 अंग्रेजी – इसका प्रश्न पत्र इस प्रकार से होता है कि अभ्यर्थी के अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके। प्रश्न पत्र स्नातक स्तर का होता है।

प्रश्न पत्र–2 सामान्य ज्ञान – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

प्रश्न पत्र–3 प्रारंभिक गणित – इसमें सामान्य गणित के अंकगणित, बीजगणित, त्रिकोणमितिय, ज्यामिति, क्षेत्रमिति, विस्तार कलन, सांख्यिकी आदि से संबंधित बारहवीं कक्षा के स्तर के प्रश्न होते हैं।

- **<u>नियुक्ति की अवधि –</u>** अल्पकालिक सेवा कमीशन (पुरूष एवं महिला) 14 वर्ष की अवधि के लिये प्रदान किया जाता है, अर्थात् प्रारंभ में 10 वर्ष जो 4 वर्ष की अवधि के लिये बढ़ाया जा सकता है।

<u>प्रशिक्षण के संबंध में प्रतिबंध –</u> आवेदक का भारतीय सैनिक अकादमी/भारतीय नौसेना अकादमी/भारतीय वायुसेना अकादमी में प्रशिक्षण में अंतिम रूप से चयन होने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाती है।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार भारतीय सेना के तीनों अंगों में अजा/अजजा/अपिव आवेदकों के लिये किसी भी प्रकार का कोई आरक्षण नहीं होता है।

2. महिला अभ्यर्थी सिर्फ अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नई (SSC गैर तकनीकी) के लिये ही पात्र होते हैं।

3. आवेदन के साथ आवेदक को विभिन्न अकादमियों की वरीयता उल्लेखित करना होता है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

यदि हार की कोई संभावना न हो तो जीत का कोई अर्थ नहीं है।
If there exists no possiblility of failure, then victory is meaningless.
- Robert H. Schuller

40 राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे के थलसेना, नौसेना और वायुसेना स्कंधों तथा भारतीय नौसेना अकादमी कोर्स में प्रवेश के लिय प्रतिवर्ष दो बार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः मई/जून एवं नवम्बर/दिसम्बर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः अगस्त/सितम्बर तथा अप्रैल/मई माह में बिलासपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। कोर्सों में प्रशिक्षण जनवरी एवं जुलाई से प्रारंभ होता है।

❖ **आवश्यक अर्हता :–** विभिन्न अकादमी के लिये निर्धारित अर्हता निम्नानुसार है –

क्र.	अकादमी का नाम	शैक्षणिक योग्यता	आयु	लिंग	वैवाहिक स्थिति
1.	भारतीय रक्षा अकादमी का थल सेना स्कंध	12वीं कक्षा या समकक्ष उत्तीर्ण	17–20 वर्ष	पुरूष	अविवाहित
2.	भारतीय रक्षा अकादमी के वायु सेना और नौसेना स्कंध तथा नौसेना अकादमी	12वीं कक्षा भौतिक, रसायन विज्ञान एवं गणित विषय सहित या समकक्ष उत्तीर्ण	17–20 वर्ष	पुरूष	अविवाहित

टीप :– जो अभ्यर्थी कक्षा 12वीं में अध्ययनरत है, वे भी आवेदन कर सकते है।

❖ **शारीरिक मापदंड (सभी पदों के लिये) :–**

1. ऊंचाई – 157 सेमी. (वायुसेना के लिये 162 सेमी.)

2. सीना – 77 सेमी. (फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए)

3. भार – ऊंचाई के अनुरूप

4. वायुसेना में पायलट के रूप में विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु टांग/जांघ की लंबाई तथा बैठे हुये लंबाई के स्वीकार्य माप को पूरा करना अनिवार्य है।

टीप :– आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चष्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए, सुनने की क्षमता अच्छी हो आदि।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

उम्मीदवारों को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र में उम्मीदवार को विभिन्न सेवाओं के लिये वरीयता दर्शाना अनिवार्य होता है।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – संघ लोक सेवा आयोग द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

द्वितीय स्तर – सेवा चयन बोर्ड (SSB) द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण एवं साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) :– लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	गणित	120	300	2.30 घंटा
2.	सामान्य योग्यता परीक्षण भाग क. अंग्रेजी भाग ख. सामान्य ज्ञान	 50 100	 200 400	2.30 घंटा
योग		**270**	**900**	

टीप :– प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 33% ऋणात्मक अंक दिया जाता है।

- **<u>न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :–</u>** परीक्षा के एक अथवा सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारिण आयोग के विवेक पर रहेगा।
- **<u>सेवा चयन बोर्ड/साक्षात्कार –</u>** बोर्ड द्वारा आवेदकों का मनोवैज्ञानिक अभिरूचि परीक्षण और बुद्धि परीक्षण पर आधारित द्विस्तरीय चयन प्रक्रिया के आधार पर परीक्षण किया जाता है। कुल 900 अंकों का होता है।

पहले स्तर का परीक्षण चयन केन्द्रों पर पहले दिन ही किया जाता है तथा जो आवेदक इसमें पात्र पाये जाते हैं, उन्हें द्वितीय स्तर/शेष परीक्षणों में प्रवेश दिया जाता है। शेष परीक्षणों में साक्षात्कार एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षण के अतिरिक्त आवेदकों की मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाती है, उनके ग्रुप परीक्षण भी किये जाते हैं तथा निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये भी कहा जाता है। ये परीक्षण चरणबद्ध होते है। इन परीक्षणों का विवरण वेबसाईट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौसेना स्कंधों और भारतीय नौसेना अकादमी के उम्मीदवारों अधिकारी क्षमता परीक्षण तथा वायुसेवा के उम्मीदवारों का पायलट एप्टीट्यूड परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। सेवा चयन बोर्ड का व्यक्तित्व परीक्षण/साक्षात्कार 900 अंक का होता है। इनमें उम्मीदवारों के व्यक्तित्व का आंकलन तीन विभिन्न आंकलनकर्ताओं नामतः साक्षात्कार अधिकारी, ग्रुप टेस्टिंग अधिकारी तथा मनोवैज्ञानिक द्वारा किया जाता है। साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण में आवेदक को बोर्ड द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

❖ **<u>चयन का तरीका</u>** :– लिखित परीक्षा और साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के कुल प्राप्तांक के आधार पर आवेदकों को योग्यताक्रम में रखा जाता है तथा अंतिम चयन शारीरिक दक्षता, मेडिकल फिटनेस टेस्ट आदि में उपयुक्त पाये जाने पर आवेदकों द्वारा दिये गये वरीयता के आधार पर किया जाता है।

❖ **<u>पाठ्यक्रम :–</u>**

प्रश्न पत्र–1 गणित – इसमें सामान्य गणित के बीजगणित, आव्यूह तथा सारणिक, त्रिकोणमिति, ज्यामिति, अवकल गणित, समाकलन गणित तथा अवकलन समीकरण, सदिश बीजगणित तथा सांख्यिकी एवं प्रायिकता आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

प्रश्न पत्र–2 भाग क. अंग्रेजी – इसका प्रश्न पत्र इस प्रकार से होता है कि अभ्यर्थी के अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

भाग ख. सामान्य ज्ञान – इस भाग में भौतिकी, रसायन शास्त्र, सामान्य विज्ञान, भारतीय इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं। चूंकि सैन्य अधिकारी का काम उसके भौगोगिक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण सटीक होने दरकार रखता है, इसलिये इस भाग में लगभग दो तिहाई प्रश्न विज्ञान और भूगोल से संबंधित होते हैं।

❖ **<u>प्रशिक्षण –</u>** तीनों सेनाओं अर्थात् थलसेना, नौसेना और वायुसेना के लिये चुने गये उम्मीदवारों को 3 वर्ष का शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारंभिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पुणे में दिया जाता है। पहले ढ़ाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिये समान होता है। सफल होने पर कैडेटों को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा बी.एस–सी./बी.ए. डिग्री प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण अवधि में उम्मीदवारों को विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियाँ/वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

नौसेना अकादमी के लिये चयनित उम्मीदवारों को भारतीय नौसेना अकादमी, झझीमाला में 4 वर्ष के अवधि के लिये शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जाता है तथा पासिंग आउट पर बी.टेक. डिग्री प्रदान की जाती है।

❖ **<u>प्रशिक्षण के बाद कैरियर –</u>** राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थलसेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी देहरादून में, नौसेना कैडेट भारतीय नौसेना अकादमी झझीमाला में तथा वायुसेना कैडेट भारतीय नौसेना अकादमी हैदराबाद में एक से डेढ़ वर्ष तक प्रशिक्षण लेते हैं। सफल प्रशिक्षण उपरांत इन्हें सेना में लैफ्टिनेंट या उप लैफ्टिनेंट या समकक्ष पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार भारतीय सेना के तीनों अंगों में अजा/अजजा/अपिव आवेदकों के लिये किसी भी प्रकार का कोई आरक्षण नहीं होता है।

2. आवेदन के साथ आवेदक को विभिन्न सेवाओं की वरीयता उल्लेखित करना होता है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

जितना कठिन संघर्ष होगा जीत उतनी ही शानदार होगी।
The harder the conflict, the more glorious the triumph.
- Thomas Paine

41. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सहायक कमाण्डेंट संयुक्त भर्ती परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल तथा सशस्त्र सीमा बल) में सहायक कमाण्डेंट पदों के लिये संयुक्त चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः मई/जून माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः जुलाई/अगस्त माह में रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–** आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नातक अंतिम वर्ष के अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं।

❖ **आयुसीमा :–** विज्ञापन वर्ष के 01 अगस्त की स्थिति में न्यूनतम 20 वर्ष तथा 25 वर्ष की आयु पूर्ण न की हो।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। **दिव्यांगआवेदक इन पदों के लिए पात्र नहीं होते है।**

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–** उम्मीदवारों को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार http://www.upsconline.nic.in वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र में आवेदक को विभिन्न बलों के लिये वरीयता दर्शाना अनिवार्य होता है।

टीप – महिला आवेदक सिर्फ CRPF, CISF तथा SSB के लिये ही पात्र होते हैं, अतः उन्हें इन पदों के लिये ही वरीयता देनी चाहिये।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 3 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ एवं वर्णनात्मक प्रकार)
द्वितीय स्तर – शारीरिक मानदंड/शारीरिक दक्षता परीक्षण एवं चिकित्सा मानदंड परीक्षण
तृतीय स्तर – साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण

प्रथम स्तर :– लिखित परीक्षा हेतु 2 प्रश्न पत्र होते है, जिसकी संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र एवं उसका प्रकार	प्रश्न पत्र का नाम	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	प्रथम प्रश्न पत्र (वस्तुनिष्ठ प्रकार)	सामान्य योग्यता एवं बुद्धिमता	250	2 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र (वर्णनात्मक प्रकार)	सामान्य अध्ययन, निबंध एव अपठित गद्यांश	200	3 घंटा
योग			**450**	

टीप :– प्रश्न पत्र–1 में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

- **न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :–** आयोग, प्रश्न पत्र–1 के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है तथा जो आवेदक आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक को प्राप्त करने में सफल हो जाते है उन्हीं का द्वितीय प्रश्न पत्र का मूल्यांकन किया जाता है। जो आवेदक लिखित परीक्षा में कुल प्राप्तांकों के आधार पर अर्ह घोषित किये जाते हैं, उनका शारीरिक क्षमता परीक्षण/चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। शारीरिक क्षमता परीक्षण एवं चिकित्सा परीक्षण में पात्र पाये गये आवेदकों का ही प्रश्न पत्र–1 और प्रश्न पत्र–2 के संयुक्त प्रदर्शन (कुल 450 अंकों के प्राप्तांक) के आधार पर उन्हें साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के लिए बुलाया जाता है। शारिरिक क्षमता परीक्षण के लिए कोई अंक नहीं होता है। यह केवल अर्हक/निष्कासन प्रकृति का होता है।

द्वितीय स्तर – शारीरिक मापदंड :–

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 157 सेमी. **भार** 46 कि.ग्रा.	**ऊंचाई** 165 सेमी. **सीना** 81 सेमी. फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** 50 कि.ग्रा.

शारीरिक दक्षता परीक्षा :–

क्र.	विवरण	महिला	पुरूष
1	100 मी. दौड़	18 सेकेण्ड में	16 सेकेण्ड में (घ) तीन अवसरों में
2	800 मी. दौड़	4 मिनट 45 सेकण्ड में	3 मिनट 45 सेकण्ड में
3	लम्बी कूद	3 मी. (3 अवसरों में)	3.5 मी. (3 अवसरों में)
4	गोला फेक (शॉट पुट)	–	4.50 मी. गोला फेक (7.26 किग्रा.) (3 अवसरों में)

टीप :– आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चष्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

तृतीय स्तर – साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण – साक्षात्कार 150 अंक का होता है। लिखित परीक्षा एवं चिकित्सा परीक्षण में उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाता है। इसके अंतर्गत कुल 150 अंक होते है। साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण में एनसीसी ''बी'' अथवा ''सी'' प्रमाण पत्रधारी आवेदकों को समुचित वेटेज दिया जाता है। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची बनाई जाती है।

- **अंतिम चयन/योग्यता** :– लिखित परीक्षा और साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के कुल प्राप्तांक के आधार पर आयोग आवेदकों द्वारा आवेदन पत्र में दर्शाये गये विभिन्न केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए वरीयता के अनुसार अखिल भारतीय योग्यता सूची तैयार करके आवेदकों का सहायक कमाण्डेंट पद पर चयन करता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रश्न पत्र–1 (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भारत एवं एवं विश्व के भूगोल, भारत का राज्य व्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर की समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) सामान्य विज्ञान – इसमें सामान्य विज्ञान से संबंधित प्रश्नों के साथ ही विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले नये खोजों तथा नये क्षेत्रों यथा सूचना प्रौद्योगिकी, बायोटेक्नालॉजी, पर्यावरण विज्ञान आदि के प्रश्न होते हैं।

प्रश्न पत्र–2 इस प्रश्न पत्र के दो भाग होते हैं। प्रथम भाग में आवेदक को अंग्रेजी या हिन्दी भाषा में एक निबंध लिखना होता है। निबंध सामान्यतः भारत के स्वतंत्रता संग्राम/भूगोल/अर्थव्यवस्था/राजव्यवस्था/ज्वलंत समस्याओं से संबंधित होता है। यह खण्ड 80 अंक का होता है। भाग–2, 120 अंक का होता है, जिसमें आवेदक को अंग्रेजी भाषा में अपठित गद्यांश, सारांश लेखन, प्रति–तर्क विकास, सामान्य व्याकरण आदि के साथ ही अंग्रेजी के ऐसे प्रश्नों का उत्तर देना होता है, जो मुख्यतः गलती की पहचान, व्याकरण, वाक्य गठन, समानार्थक, विलोमार्थक, मुहावरा आदि पर आधारित होता हैं।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी बलों में अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में महिलाओं के लिए पद आरक्षित होते है।

3. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय होते है, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

4. आवेदन के साथ आवेदक को बलों की वरीयता उल्लेखित करनी होती है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते है।

आप कभी इतने बुजुर्ग नहीं हो सकते कि एक नया लक्ष्य निर्धारित न कर सके या एक नया सपना नहीं देख सकें।

You are never too old to set another goal or to dream a new dream.

- C. S. Lewis

42. एस.बी.आई. में संयुक्त लिपिकीय संवर्ग परीक्षा

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा लिपिकीय संवर्ग (क्लर्क/जूनियर एसोसिएट) में नियुक्ति हेतु संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा एवं स्थानीय भाषा में प्रवीणता परीक्षा आयोजित किया जाता है। लिखित परीक्षा बिलासपुर, रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो, जो आवेदक स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा दिला चुके हो वे भी आवेदन कर सकते हैं।
2. आवेदक को अंग्रेजी में धाराप्रवाह रूप से लिखने व बोलने में सक्षम होना चाहिये एवं कम्प्यूटर आपरेटिंग सिस्टम का ज्ञान होना चाहिए।
3. आवेदक ने जिस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के लिये आवेदन किया है, उसे उस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के स्थानीय भाषा का ज्ञान होना चाहिये। चयन प्रक्रिया के बाद स्थानीय भाषा प्रवीणता परीक्षा आयोजित की जाती है जिसमें क्वालिफाई करना अनिवार्य होता है।
3. आयु सीमा – 20 वर्ष से 28 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

एस.बी.आई. के वेबसाईट www.sbi.co.in या www.statebankofindia.com में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक का अपना वैध ई–मेल पता होना अनिवार्य है, क्योंकि बुलावा पत्र/साक्षात्कार हेतु सुचना ई–मेल से ही भेजा जाता है। **आवेदक केवल एक बैंक तथा एक राज्य के रिक्त पदों के लिये आवेदन कर सकता है तथा उसे उस राज्य विशेष के परीक्षा केन्द्र पर ही लिखित परीक्षा देना अनिवार्य होता है।** उदाहरण के लिये, यदि किसी आवेदक ने छत्तीसगढ़ में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के रिक्ति के लिये आवेदन किया है, तो उसे केवल छत्तीसगढ़ के ही परीक्षा केन्द्र में लिखित परीक्षा दिलाना अनिवार्य होगा। यदि किसी आवेदक ने एक से अधिक बैंक/राज्य के लिये आवेदन किया है, तो उसके आवेदन निरस्त कर दिये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

एस.बी.आई. द्वारा परीक्षा दो चरणों में क्रमशः प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन), लिखित परीक्षा (मुख्य परीक्षा) (ऑनलाईन) आयोजित किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन) –

प्रारंभिक परीक्षा ऑनलाईन आयोजित किया जाता है। यह एक स्क्रीनिंग परीक्षा है तथा इसके अंक अंतिम वरीयता सूची बनाने में नहीं जोड़े जाते हैं।

परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	35	35	20 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	30	30	20 मिनट
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	35	35	20 मिनट
	योग	**100**	**100**	60 मिनट

मुख्य परीक्षा (ऑनलाईन) – प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण आवेदकों के लिये एस.बी.आई. द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति एवं कम्प्यूटर ज्ञान	50	60	45 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	40	40	35 मिनट
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	50	50	45 मिनट
4.	सामान्य सचेतता (विशेष बैंकिंग के क्षेत्र में)	50	50	35 मिनट
	योग	**190**	**200**	**160 मिनट**

टीप :–

लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – प्रत्येक अभ्यर्थी को प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। न्यूनतम अर्हक अंक बैंक द्वारा निर्धारित किया जाता है। अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांग/भूतपूर्व सैनिक वर्ग के लिये न्यूनतम अर्हक अंक सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक से 5 प्रतिशत कम होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, **सिर्फ** उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची **राज्यवार** तैयार की जाती है।

स्थानीय भाषा प्रवीणता परीक्षा– मुख्य लिखित परीक्षा के आधार पर चयनित आवेदकों के लिये एस.बी.आई. के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा स्थानीय भाषा प्रवीणता परीक्षा आयोजित की जाती है जिसमें क्वालिफाई करना अनिवार्य होता है।

टीप :–

लिखित परीक्षा के संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी आवेदकों को उनके बुलावा पत्र के साथ 'अक्वेंट योरसेल्फ' पुस्तिका में दी जाती है।

चयन विधि –

लिखित परीक्षा के कुल प्राप्त अंकों के आधार पर राज्यवार तथा संवर्ग वार अलग–अलग वरीयता सूची तैयार करके चयन किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य सचेतता – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभियोग्यता – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ड) कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

टीपः– लिखित परीक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी आवेदक अपने बुलावा पत्र के साथ संलग्न 'अक्वेंट योरसेल्फ' पुस्तिका से प्राप्त कर सकते हैं।

टीप :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी बैंकों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक/दिव्यांग आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. लिखित परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही साक्षात्कार के लिये पात्र होते हैं। प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये आवेदक को नियमानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना होना है।

3. आवेदन के साथ आवेदक को राज्य के नाम का उल्लेख करना अनिवार्य होता है।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अजा/अजजा/अल्पसंख्यक/दिव्यांग/ भूतपूर्व सैनिक आदि के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

संपर्क :– आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी एस.बी.आई. के वेबसाईट www.sbi.co.in या ई–मेल एड्रेस crpd@sbi.co.in से प्राप्त कर सकते हैं।

अपनी कुल्हाड़ी की धार तेज करो

रमेश नाम का एक लकड़हारा एक कंपनी में 7 साल से काम कर रहा था, पर उसे कभी तरक्की नहीं मिली। उसी कंपनी में सुरेश नाम के एक और लकड़हारे को नौकरी पर रखा गया और उसे साल भर में ही तरक्की मिल गई। रमेश ने सुरेश को 1 साल के अंदर ही तरक्की दिये जाने का विरोध किया और उस बारे में बात करने के लिये अपने बॉस के पास गया। उसके बॉस ने जवाब दिया, ''तुम अब भी उतने ही पेड़ काटते हो जितने की 7 साल पहले काटते थे। हमारी कंपनी में नतीजे देखा जाता है। अगर तुम अधिक पेड़ काटने लगे तो हमें तुम्हारा वेतन बढ़ाकर खुशी होगी। रमेश वापस लौट आया। उसके बाद वह अधिक मेहनत से और ज्यादा देर तक पेड़ काटने लगा। इसके बावजूद भी वह ज्यादा पेड़ नहीं काट सका। उसने अपनी यह परेशानी बॉस को बतायी। बॉस ने उसे सुरेश से बात करने का सुझाव दिया। उसने कहा– शायद सुरेश को कुछ मालुम है जो मैं और तुम नहीं जानते। रमेश ने सुरेश से पुछा कि वह ज्यादा पेड़ कैसे काट लेता है। सुरेश ने जवाब दिया – मैं हर पेड़ काटने के बाद 5 मिनट के लिये काम रोक देता हूं और अपनी कुल्हाड़ी की धार तेज करता हूँ। उसने पूछा कि तुमने अपने कुल्हाड़ी की धार आखिरी बार कब तेज की थी ?

रमेश निरूत्तर हो गया।

कैरियर में आगे बढ़ने के लिये पिछली शिक्षा और गौरव का ज्यादा महत्व नहीं होता है। हमें अपनी ज्ञानरूपी कुल्हाड़ी की धार लगातार तेज करते रहना चाहिये।

43. एस.बी.आई. में पी.ओ. भर्ती परीक्षा

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रोबेशनरी ऑफिसर (पी.ओ.) नियुक्ति हेतु लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जाता है। एस0बी0आई0 समय–समय पर विज्ञापन जारी करता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो। जो आवेदक स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा दिला चुके हो वे भी आवेदन कर सकते हैं।
2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :– एस.बी.आई. के वेबसाईट www.sbi.co.in या www.statebankofindia.com में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक का अपना वैध ई–मेल पता होना अनिवार्य है, क्योंकि बुलावा पत्र/साक्षात्कार हेतु सुचना ई–मेल से ही भेजा जाता है।

परीक्षा में शामिल होने के लिये अवसरों की संख्या – सामान्य वर्ग के आवेदक अधिकतम 4 बार, अपिव तथा सामान्य (दिव्यांग) आवेदक अधिकतम 7 बार लिखित परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। अजा/अजजा के आवेदक के लिये लिखित परीक्षा में शामिल होने के अवसरों का कोई बंधन नहीं है।

परीक्षा योजना :–एस.बी.आई. द्वारा परीक्षा तीन चरणों में क्रमशः प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन), लिखित परीक्षा(मुख्य परीक्षा) (ऑनलाईन) एवं साक्षात्कार एवं समूह चर्चा आयोजित किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन)–प्रारंभिक परीक्षा ऑनलाईन आयोजित किया जाता है। यह एक स्क्रीनिंग परीक्षा है तथा इसके अंक अंतिम वरीयता सूची बनाने में नहीं जोड़े जाते हैं।

परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	समय
1.	तर्कशक्ति	35	35	20 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	30	30	20 मिनट
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	35	35	20 मिनट
	योग	**100**	**100**	**1 घंटा**

चरण – 2 (ऑनलाईन) – एस.बी.आई. द्वारा प्रथम चरण में 250 अंक की लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ तथा वर्णनात्मक) आयोजित की जाती है।

भाग –1 लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, जिसकी संरचना निम्नानुसार है

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय

1.	तर्कशक्ति (उच्च स्तर) एवं कम्प्यूटर ज्ञान	40	50	50 मि.
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	35	40	40 मि.
3.	सामान्य सचेतता, विपणन कार्य में दक्षता/कम्प्यूटर ज्ञान,बैंकिंग जागरूकता	50	60	45 मि.
4.	संख्यात्मक आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या	30	50	45 मि.
	योग	**155**	**200**	180 मि.

टीप :– प्रारंभिक एवं लिखित परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – प्रत्येक अभ्यर्थी को प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। न्यूनतम अर्हक अंक बैंक द्वारा संवर्गवार अलग–अलग निर्धारित किया जाता है।

भाग –2 वर्णनात्मक परीक्षा – अंग्रेजी भाषा (निबंध, पत्र लेखन, संक्षेपण, व्याख्या आदि) का 50 अंक का वर्णनात्मक परीक्षा लिया जाता है। इसकी अवधि 30 मिनट होती है। उम्मीदवारों को इस परीक्षा में जवाब पेपर/पेन प्रकार से देना होता है। वर्णनात्मक परीक्षा में भी उत्तीर्ण होने के लिये अभ्यर्थी को बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

टीप :– वर्णनात्मक परीक्षा के उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन उन्हीं आवेदकों का किया जाता है, जो लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) के प्रत्येक भाग में अर्ह घोषित किये जाते हैं।

चरण – 2 समूह परिचर्चा (20 अंक) तथा साक्षात्कार (30 अंक) एवं साइकोमेट्रिक टेस्ट –

रिक्त पदों की संख्या के आधार पर योग्यताक्रम में उच्च स्थान करने वालों में से निश्चित संख्या (रिक्त पदों की संख्या का अधिकतम 3 गुना) के आवेदकों को साक्षात्कार एवं समूह परिचर्चा एवं साइकोमेट्रिक टेस्ट के लिये बुलाया जाता है। आवेदकों को साक्षात्कार एवं समूह परिचर्चा में बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

अंतिम चयन सूची – जो आवेदक चरण–1 एवं चरण–2 दोनों परीक्षा में पात्र घोषित किये जाते हैं, उनके प्रथम चरण (कुल पूर्णांक 250 अंक) के प्राप्तांक को 75 प्रतिशत भारांश देते हुये तथा द्वितीय चरण (कुल पूर्णांक 50 अंक) के प्राप्तांक को 25 प्रतिशत भारांश देते हुये इस प्रकार कुल 100 अंक में आवेदकों के प्राप्तांक के आधार पर अंतिम वरीयता सूची तैयार की जाती है।

कैरियर पाथ – प्रोबेशनरी अधिकारी दो वर्षों के लिये (परिवीक्षा) पर रहेंगे जिसके दौरान उन्हें गहन प्रशिक्षण दिया जायेगा तथा अपनी परिवीक्षा/प्रशिक्षण अवधि की समाप्ति पर उन्हें (स्क्रीनिंग) प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। पूर्व निर्धारित मानदंड पूरा करने वाले प्रोबेशनरी अधिकारियों की सेवायें स्थायी की जायेगी तथा अगली उच्चतर श्रेणी अर्थात् मध्यक्रम प्रबंधन श्रेणी स्केल–2 में रखा जायेगा, जबकि परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले परंतु मध्यक्रम प्रबंधन श्रेणी स्केल–2 के लिये निर्धारित मानदंड पूरा न करने वाले अन्य अधिकारियों की सेवायें कनिष्ठ स्केल–1 में स्थायी की जायेगी। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने वाले प्रोबेशनरी अधिकारियों की सेवायें समाप्त की जायेगी।

बैंक विदेश में नियुक्ति के अवसरों सहित बैंक में आगे बढ़ने के अनेक अवसर उपलब्ध कराता है और बैंक की आकर्षक पदोन्नति नीति योग्य एवं प्रतिभावन अधिकारियों को काफी कम समय में शीर्ष प्रबंधन श्रेणी तक पहुंचने का अवसर प्रदान करती है।

पाठ्यक्रम :–

लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के उच्च स्तर के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य सचेतता, विपणन कार्य में दक्षता/कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं तथा विपणन एवं कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपर्युक्त प्रयोग, आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या करने की क्षमता से संबंधित उच्च स्तर के प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – एस.बी.आई. द्वारा अजा/अजजा/अल्पसंख्यक/दिव्यांग/भूतपूर्व सैनिक आदि के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

टीपः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक/दिव्यांग **आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।**

2. लिखित परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही साक्षात्कार के लिये पात्र होते हैं। प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड तथा साक्षात्कार में आवेदक को नियमानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना होना है।

संपर्क :–

आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी एस.बी.आई. के वेबसाईट www.sbi.co.in या ई–मेल एड्रेस crpd@sbi.co.in से प्राप्त कर सकते हैं।

अज्ञानी होना उतनी शर्म की बात नहीं है, जितना की सीखने की इच्छा ना रखना।
Being ignorant is not so much a shame as being unwilling to learn.
- Benjamin Franklin

44. आई.बी.पी.एस. संयुक्त क्लर्क ग्रेड परीक्षा

आई.बी.पी.एस. (इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन) भारतीय बैंकिंग एसोशियेशन (आई.बी.ए) द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्वायत्त संस्था है, जो प्रतिवर्ष निम्न 11 बैंकों के लिये क्लर्क ग्रेड की संयुक्त लिखित परीक्षा एवं संयुक्त साक्षात्कार आयोजित करता है –

बैंकों के नाम – (जिनके लिये आई.बी.पी.एस. संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है)

बैंक ऑफ बड़ौदा	पंजाब एण्ड सिंध बैंक
बैंक ऑफ इण्डिया	इण्डियन बैंक
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	इण्डियन ओवरसीज बैंक
केनरा बैंक	यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया	पंजाब नेशनल बैंक
यूको बैंक	

लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के आवेदन पत्र प्रतिवर्ष सामान्यतः अगस्त/सितम्बर माह में आमंत्रित किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा में नवम्बर/दिसम्बर तथा मुख्य परीक्षा जनवरी/फरवरी में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है, जो आवेदक स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा दिला चुके हो वे भी आवेदन कर सकते हैं।
2. कम्प्यूटर ज्ञान – आवेदक को कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम का ज्ञान होना अनिवार्य है, इसके लिये आवेदक के पास कम्प्यूटर ऑपरेशन/लेंग्वेज से संबंधित सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/डिग्री होना चाहिये या आवेदक ने हाई स्कूल या कालेज में कम्प्यूटर/इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी की पढ़ाई एक विषय के रूप में किया हो।
3. आवेदक जिस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के लिये आवेदन कर रहा है, उसे उस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के शासकीय भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है, यथा, छत्तीसगढ़ राज्य के लिये आवेदन करने वाले आवेदक को हिन्दी भाषा का ज्ञान होना चाहिये।
4. आयु सीमा – 20 वर्ष से 28 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक को आवेदन पत्र में अपने द्वारा चुने गये राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश का नाम उल्लेखित करना अनिवार्य होता है। यदि किसी आवेदक ने एक से अधिक राज्यों के लिये आवेदन किया है, तो उसके आवेदन निरस्त कर दिये जाते हैं।

परीक्षा योजना :– आई.बी.पी.एस. द्वारा परीक्षा दो चरणों में क्रमशः प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन) एवं लिखित परीक्षा (मुख्य परीक्षा) (ऑनलाईन) आयोजित किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन) – प्रारंभिक परीक्षा ऑनलाईन आयोजित किया जाता है। यह एक स्क्रीनिंग परीक्षा है तथा इसके अंक अंतिम वरीयता सूची बनाने में नहीं जोड़े जाते हैं।

परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	35	35	20 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	30	30	20 मिनट
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	35	35	20 मिनट
	योग	**100**	**100**	**60 मिनट**

टीपः– प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक भाग में IBPS द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

मुख्य परीक्षा (ऑनलाईन)

प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों के लिये आई.बी.पी.एस. द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति एवं कम्प्यूटर ज्ञान	50	60	45 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	40	40	35 मिनट
3.	संख्यात्मक अभिरूचित	50	50	45 मिनट
4.	सामान्य ज्ञान (विशेष रूप से बैंकिंग सेक्टर के संबंध में)	50	50	35 मिनट
	योग	**190**	**200**	160 मिनट

टीप :– मुख्य परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – आवेदक द्वारा प्रारंभिक परीक्षा एवं मुख्य परीक्षा के विभिन्न भागों में अर्जित किये गये अंकों को परसेन्टाइल विधि तथा रेखीय रूपांतरण विधि से मानक रूप में तैयार किया जाता है।

प्रत्येक अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से एक चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है, जबकि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से तीन चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, **सिर्फ** उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची **राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश वार** तैयार की जाती है।

अंतिम चयन सूची – जो आवेदक चरण–1 एवं चरण–2 दोनों परीक्षा में पात्र घोषित किये जाते हैं, उनके सिर्फ मुख्य परीक्षा (कुल पूर्णांक 200 अंक) के प्राप्तांक के आधार पर अंतिम वरीयता सूची राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश वार अलग–अलग तैयार की जाती है तथा आवेदकों द्वारा अपने आवेदन पत्र में राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के उल्लेखित बैंकों की वरीयता के आधार पर उन्हें कम्प्यूटराईज्ड विधि से किसी एक बैंक में नियुक्ति आदेश प्रदान किया जाता है। आवेदक जिस राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश में कार्य करने का इच्छुक होता है, उसे उसी राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के परीक्षा केन्द्र से लिखित परीक्षा दिलाना अनिवार्य होता है।

पाठ्यक्रम :–

मुख्य परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ड) कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान, ऑपरेटिंग सिस्टम, लैंग्वेज आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

टीपः– आवेदक पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट के Information Handout से प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – आई.बी.पी.एस. द्वारा अजा/अजजा/अल्पसंख्यक/दिव्यांग/ भूतपूर्व सैनिक आदि के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःषुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

टीपः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक/दिव्यांग आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. लिखित परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही साक्षात्कार के लिये पात्र होते हैं। प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये आवेदक को नियमानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना होना है।

3. आवेदन के साथ आवेदक को राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश का उल्लेख करते हुये बैंकों के नाम के संबंध में वरीयता उल्लेखित करना अनिवार्य होता है।

संपर्क :–

आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in या ई–मेलएड्रेस clerk@ipbs.in से प्राप्त कर सकते हैं।

Confidance and Hard-Work is the best medicine to kill the disease called failure.

It will make you a successful person.

–Dr. APJ Abdul Kalam

45. आई.बी.पी.एस. संयुक्त पी.ओ. परीक्षा

आई.बी.पी.एस. (इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन) भारतीय बैंकिंग एसोशियेशन (आई.बी.ए) द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्वायत्त संस्था है, जो प्रतिवर्ष निम्न 11 बैंकों के लिये पी.ओ./प्रबंधक प्रशिक्षु पदों के लिये संयुक्त लिखित परीक्षा आयोजित करता है –

बैंकों के नाम – (जिनके लिये आई.बी.पी.एस. संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है)

बैंक ऑफ बड़ौदा	पंजाब एण्ड सिंध बैंक
बैंक ऑफ इण्डिया	इण्डियन बैंक
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	इण्डियन ओवरसीज बैंक
केनरा बैंक	यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया	पंजाब नेशनल बैंक
यूको बैंक	

आई.बी.पी.एस. के संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा के स्कोर कार्ड के आधार पर ही निजी क्षेत्र के आई.डी.बी.आई. बैंक द्वारा भी अपने एण्ट्री लेवल ऑफिसर की नियुक्ति की जाती है।

लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जाता है। इसके लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः जुलाई/अगस्त में जारी होता है। प्रारंभिक परीक्षा सामान्यतः सितम्बर/अक्टूबर में, मुख्य परीक्षा नवम्बर/दिसम्बर में तथा साक्षात्कार जनवरी/फरवरी में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है, जो आवेदक स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा दिला चुके हो वे भी आवेदन कर सकते हैं।
2. आयु सीमा – 20 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :– आई.बी.पी.एस. द्वारा परीक्षा तीन चरणों में क्रमशः प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन), लिखित परीक्षा (मुख्य परीक्षा) (ऑनलाईन) एवं साक्षात्कार आयोजित किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन) – प्रारंभिक परीक्षा ऑनलाईन आयोजित किया जाता है। यह एक स्क्रीनिंग परीक्षा है तथा इसके अंक अंतिम वरीयता सूची बनाने में नहीं जोड़े जाते हैं।

प्रारंभिक परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	समय
1.	तर्कशक्ति	35	35	20 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	30	30	20 मिनट
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	35	35	20 मिनट
	योग	**100**	**100**	**100**

टीपः– प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक भाग में IBPS द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। गलत उत्तर पर 20 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

मुख्य परीक्षा (ऑनलाईन)

आई.बी.पी.एस. द्वारा मुख्य परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है। अंग्रेजी भाषा में पत्र लेखन एवं निबंध लेखन की परीक्षा निबंधात्मक प्रवृति की होती है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति एवं कम्प्यूटर ज्ञान	45	60	60 मि.
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	35	40	40 मि.
3.	संख्यात्मक अभिरूचित	35	60	45 मि.
4.	सामान्य ज्ञान (विशेष रूप से बैंकिंग सेक्टर के संबंध में)	40	40	35 मि.
	योग	**155**	**200**	180 मि.
5.	**अंग्रेजी (पत्र लेखन एवं निबंध)**	02	50	30 मि.

टीप :– लिखित परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। जो आवेदक वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षा के प्रत्येक भाग में उत्तीर्ण घोषित किये जाते हैं, उनके ही अंग्रेजी के वर्णानात्मक पेपर का मूल्यांकन किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – आवेदक द्वारा प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा के विभिन्न भागों में अर्जित किये गये अंकों को रेखीय रूपांतरण विधि से मानक रूप में तैयार किया जाता है।

प्रत्येक अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से एक चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है, जबकि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से तीन चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, सिर्फ उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता तैयार की जाती है।

साक्षात्कार – लिखित परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संयुक्त साक्षात्कार आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित किया जाता है। साक्षात्कार 100 अंक का होता है, जिसमें उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के आवेदकों 40 अंक तथा आरक्षित वर्ग के आवेदकों के लिये 35 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

अंतिम चयन सूची – जो आवेदक चरण–1 एवं चरण–2 दोनों परीक्षा में पात्र घोषित किये जाते है उनके लिखित परीक्षा (कुल पूर्णांक 250 अंक) के प्राप्तांक को 80 प्रतिशत भारांश देते हुये तथा द्वितीय चरण (कुल पूर्णांक 100 अंक) के प्राप्तांक को 20 प्रतिशत भारांश देते हुये इस प्रकार कुल 100 अंक में आवेदकों के प्राप्तांक के आधार पर अंतिम वरीयता सूची राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश वार अलग–अलग तैयार की जाती है तथा आवेदकों द्वारा अपने आवेदन पत्र में राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के उल्लेखित बैंकों की वरीयता के आधार पर उन्हें कम्प्यूटराईज्ड विधि से किसी एक बैंक में नियुक्ति आदेश प्रदान किया जाता है। आवेदक जिस राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश में कार्य करने का इच्छुक होता है, उसे उसी राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के परीक्षा केन्द्र से लिखित परीक्षा दिलाना अनिवार्य होता है।

पाठ्यक्रम :–

मुख्य परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ड) कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान, ऑपरेटिंग सिस्टम, लैंग्वेज आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

टीपः– आवेदक पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट के Information Handout से प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – आई.बी.पी.एस. द्वारा अजा/अजजा/अल्पसंख्यक/दिव्यांग/ भूतपूर्व सैनिक आदि के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

टीपः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक/ दिव्यांग **आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।**

संपर्क :–आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in या ई–मेल एड्रेस common@ipbsorg.org से प्राप्त कर सकते हैं।

महानता कभी नहीं गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।
Our greatest glory is not in never falling, but in rising every time we fall.

- Confucius

46. आई.बी.पी.एस. संयुक्त विशिष्ट अधिकारी चयन परीक्षा

आई.बी.पी.एस. (इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन) भारतीय बैंकिंग एसोषियेशन (आई.बी.ए) द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्वायत्त संस्था है, जो प्रतिवर्ष निम्न 11 बैंकों के लिये विशिष्ट अधिकारी (आई.टी. अधिकारी, कृषि क्षेत्र अधिकारी, राजभाषा अधिकारी, विधि अधिकारी, एच.आर. अधिकारी, विपणन अधिकारी, आदि) के लिये संयुक्त लिखित परीक्षा एवं संयुक्त साक्षात्कार आयोजित करता है –

बैंकों के नाम – (जिनके लिये आई.बी.पी.एस. संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है)

बैंक ऑफ बड़ौदा	इण्डियन बैंक
बैंक ऑफ इण्डिया	इण्डियन ओवरसीज बैंक
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	पंजाब एण्ड सिंध बैंक
केनरा बैंक	पंजाब नेशनल बैंक
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया	यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया
यूको बैंक	

लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जा रहा है। इसके लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः नवम्बर/दिसम्बर में जारी किया जाता है। लिखित परीक्षा जनवरी/फरवरी तथा साक्षात्कार सामान्यतः मार्च/अप्रैल में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. विभिन्न पदों के लिये, पदों की प्रवृत्ति के आधार पर अलग–अलग शैक्षणिक योग्यता निर्धारित की गई है। सामान्यतः आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। राजभाषा अधिकारी के लिये हिन्दी या संस्कृत में स्नातकोत्तर, विपणन अधिकारी एवं वित्तीय कार्यकारी अधिकारी के लिये एम.बी.ए. या पी.जी.डी.बी.एम. तथा चार्टर्ड एकाउण्टेंट पद के लिये सी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विधि अधिकारी पद के लिये संबंधित क्षेत्र में न्यूनतम 3 वर्ष तक अनुभव भी अनिवार्य होता है।

2. आयु सीमा – विभिन्न पदों के लिये आयु सीमा भिन्न–भिन्न है। अधिकतर पदों के लिये आयु सीमा 20 वर्ष से 30 वर्ष तक है।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं दिव्यांग अभ्यर्थी को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती हैं।

आवेदन प्रक्रिया :– आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक सिर्फ किसी एक ही पद के लिये आवेदन कर सकता है। यदि किसी आवेदक ने एक से अधिक पदों के लिये आवेदन किया है, तो उसके आवेदन निरस्त कर दिये जाते हैं।

प्रारंभिक परीक्षा योजना :– (सिर्फ ऑनलाईन)

आई.बी.पी.एस. द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना **के लिये** निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	50	50	40 मि.
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	50	25	40 मि.
3.	सामान्य जागरूकता/क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड	50	50	40 मि.
	योग	**150**	125	120 मि.

टीपः– 1. राजभाषा अधिकारी और विधि अधिकारी के लिये सामान्य जागरूकता के प्रश्न पूछे जाते है जबकि अन्य पदो ंके लिये क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड के प्रश्न होते है।

2. प्रारंभिक परीक्षा के अंक अंतिम चयन में नहीं जोड़े जाते है। यह सिर्फ स्क्रैनिंग टेस्ट होता है।

3. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।**

4. प्रत्येक अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

मुख्य लिखित परीक्षा

मुख्य परीक्षा में पद के अनुसार विषय के ज्ञान की परीक्षा ऑनलाईन ली जाती है। राजभाषा अधिकारी को छोड़कर अन्य पदो ंके लिये बहुविकल्पीय प्रकार के 60 प्रश्न होते है। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होता है। इस परीक्षा की अवधि 45 मिनट होता है।

राजभाषा अधिकारी के लिये परीक्षा के 02 भाग होते है। पहले भाग में बहुविकल्पीय प्रकार के 45 प्रश्न होते है तथा दूसरे भाग में निबंधात्मक प्रकार के 2 प्रश्न होते है। प्रत्येक भाग के लिये अलग–अलग 30–30 मिनट का समय होता है। यह परीक्षा भी 60 अंक का होता है।

बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न में गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

साक्षात्कार – लिखित परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संयुक्त साक्षात्कार आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित किया जाता है। साक्षात्कार 100 अंक का होता है, जिसमें उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के आवेदकों 40 अंक तथा आरक्षित वर्ग के आवेदकों के लिये 35 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

अंतिम चयन सूची – जो आवेदक मुख्य लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार दोनों परीक्षा में पात्र घोषित किये जाते हैं, उनके लिखित परीक्षा (कुल पूर्णांक 60 अंक) के प्राप्तांक को 80 प्रतिशत भारांश देते हुये तथा साक्षात्कार (कुल पूर्णांक 100 अंक) के प्राप्तांक को 20 प्रतिशत भारांश देते हुये इस प्रकार कुल 100 अंक में आवेदकों के प्राप्तांक के आधार पर अंतिम वरीयता सूची राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश वार अलग–अलग तैयार की जाती है तथा आवेदकों द्वारा अपने आवेदन पत्र में राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के उल्लेखित बैंकों की वरीयता के आधार पर उन्हें कम्प्यूटराईज्ड विधि से किसी एक बैंक में नियुक्ति आदेश प्रदान किया जाता है। आवेदक जिस राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश में कार्य करने का इच्छुक होता है, उसे उसी राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के परीक्षा केन्द्र से लिखित परीक्षा दिलाना अनिवार्य होता है।

पाठ्यक्रम :–

लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ड) विषय से संबंधित ज्ञान – विषय से संबंधित ज्ञान पद के अनुसार स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर का होता है।

टीप :– आवेदक पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट के Information Handout से प्राप्त कर सकते हैं।

टीपः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक/दिव्यांग आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. लिखित परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही साक्षात्कार के लिये पात्र होते हैं। प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये आवेदक को नियमानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना होना है।

3. आवेदन के साथ आवेदक को पद का नाम उल्लेख करते हुये बैंकों के नाम के संबंध में वरीयता उल्लेखित करना अनिवार्य होता है। आवेदक सिर्फ एक ही पद के लिये आवेदन कर सकता है।

संपर्क :–आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in या ई–मेल एड्रेस spl@ipbs.in से प्राप्त कर सकते हैं।

व्यक्ति अपने विचारों से निर्मित एक प्राणी है, वह जो सोचता है वही बन जाता है।
A man is build the product of his thoughts what he thinks, he becomes .
- Mahatma Gandhi

47. आई.बी.पी.एस., क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको में अधिकारी (स्केल I, II, III) तथा कार्यालय सहायकों (बहुद्देशीय) के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा

आई.बी.पी.एस. (इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन) भारतीय बैंकिंग एसोशियेशन (आई.बी.ए) द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्वायत्त संस्था है, जो प्रतिवर्ष देश के सभी राज्यों के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको के लिए अधिकारी (स्केल I, II, III) तथा कार्यालय सहायकों (बहुद्देशीय) के लिए सयुक्त सामान्य लिखित परीक्षा का आयोजन करता है। अधिकारियों एवं कार्यालय सहायकों की भर्ती के लिए सामान्य परीक्षा की यह प्रणाली भारत सरकार द्वारा अनुमोदित की गई है तथा नाबार्ड द्वारा अधिसूचित की गई है और इसे प्रत्येक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का अधिदेश प्राप्त है। इस संयुक्त परीक्षा के लिए विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः जून/जुलाई माह में जारी किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा अगस्त/सितम्बर में तथा लिखित परीक्षा सामान्यतः अक्टूबर/नवम्बर में रायपुर, बिलासपुर और भिलाई सहित देश के विभिन्न शहरों में ऑनलाईन आयोजित की जाती है। **वर्तमान में इस परीक्षा के माध्यम से देश भर के 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अपने संस्थानों में भर्ती की कार्यवाही करते है जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक भी शामिल है।**

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको में नियुक्ति के लिए IBPS सिर्फ परीक्षा संचालन एजेंसी है। अंतिम भर्ती प्रत्येक भागीदार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक द्वारा अपने स्तर पर स्वतंत्र रूप से पृथक भर्ती अधिसूचना जारी करके की जाती है, जिसमें संबंधित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको द्वारा अपेक्षित विनिर्दिष्ट रिक्तियाँ पात्रता मापदण्ड आदि का उल्लेख होता है। IBPS द्वारा आयोजित सामान्य लिखित परीक्षा (CWE) में उत्तीर्ण घोषित आवेदक ही क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में आवेदन कर सकते है। **जब कभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक साक्षात्कार के लिए विज्ञापन जारी करते है तो इस प्रकार के CWE उत्तीर्ण आवेदकों को आवेदन करना अनिवार्य होता है। साक्षात्कार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको द्वारा अपने स्तर पर आयोजित किया जाता है।** CWE **के स्कोर सहकारी बैंको और अन्य संगठनों द्वारा भी अपने भर्ती के लिए प्रयोग किया जाता है।**

आवश्यक अर्हता :–

क्र	पद का नाम	शैक्षणिक अर्हता	अनुभव	आयु सीमा
1	कार्यालय सहायक (बहुद्देशीय)	1. किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण 2. (क) स्थानीय भाषा में दक्षता (ख) वांछनीय कम्प्यूटर कौशलों का ज्ञान	–	18 से 28 वर्ष
2	अधिकारी (स्केल I)	1. किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण 2. (क) स्थानीय भाषा में दक्षता (ख) वांछनीय कम्प्यूटर कौशलों का ज्ञान	–	18 से 30 वर्ष
3	अधिकारी (स्केल II) सामान्य बैंकिंग	1. किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको से	बैंक/वित्तीय संस्थान मे अधिकारी	21 से 32 वर्ष

		स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	के तौर पर दो वर्ष का कार्यानुभव	
4	अधिकारी (स्केल II) विशेषज्ञ	1. किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण तथा संबंधित विशेषज्ञता के क्षेत्र में स्नातकोत्तर	बैंक/वित्तीय संस्थान मे अधिकारी के तौर पर एक वर्ष का कार्यानुभव	21 से 32 वर्ष
5	अधिकारी (स्केल III)	1. किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	बैंक/वित्तीय संस्थान मे अधिकारी के तौर पर पांच वर्ष का कार्यानुभव	21 से 40 वर्ष

टीप 1. भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

2. कम्प्यूटर ज्ञान (कार्यालय सहायक बहुद्देशीय एवं अधिकारी स्केल–I के लिए) – आवेदक को कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम का ज्ञान होना अनिवार्य है, इसके लिये आवेदक के पास कम्प्यूटर ऑपरेशन/लेंग्वेज से संबंधित सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/डिग्री होना चाहिये या आवेदक ने हाई स्कूल या कालेज में कम्प्यूटर/इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी की पढ़ाई एक विषय के रूप में किया हो।

3. भाषा क्षमता (कार्यालय सहायक बहुद्देशीय एवं अधिकारी स्केल–I के लिए) – आवेदक जिस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के क्षेत्रीय ग्रामीण बैक में साक्षात्कार के लिए आवेदन कर रहा है, उसे उस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के स्थानीय भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है, यथा, छत्तीसगढ़ राज्य के लिये आवेदन करने वाले आवेदक को हिन्दी भाषा का ज्ञान होना चाहिये। स्थानीय भाषा में दक्षता सुनिश्चित करने के लिए आवेदक के पास निम्न में से कोई एक अर्हता होनी चाहिए :– दसवीं स्तर पर स्थानीय भाषा या दसवीं स्तर पर मातृ भाषा या स्नातक स्तर पर किसी भी स्तर पर स्थानीय भाषा

अधिकारी स्केल – II एवं III के लिए कम्प्यूटर ज्ञान एवं भाषा दक्षता की शर्त लागू नहीं होती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक को आवेदन पत्र में अपने द्वारा चुने गये राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश का नाम उल्लेखित करना अनिवार्य होता है। आवेदक एक साथ कार्यालय सहायक (बहुददेशीय) और अधिकारी सवंर्ग के किसी एक स्केल (स्केल I या II या III) के लिए आवेदन कर सकता है। आवेदक को प्रत्येक आवेदित पद के लिए पृथक–पृथक आवेदन करना होता है तथा उसे उसके लिए पृथक पृथक आवेदन शुल्क का भी भुगतान करना होता है।

परीक्षा योजना :– (सिर्फ ऑनलाईन)

आई.बी.पी.एस. द्वारा लिखित परीक्षा के लिए पूरे देश के राज्यों को तीन समूहों क, ख एवं ग में विभाजित किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य अन्य हिन्दी भाषी राज्यों के साथ **"क"** श्रेणी के राज्य में शामिल है। **"क"** श्रेणी के राज्यों क लिए आयोजित होने वाली ऑनलाईन परीक्षा की योजना निम्नानुसार है –

(A) प्रारंभिक परीक्षा (सिर्फ ऑनलाईन, सिर्फ कार्यालय सहायक (बहुद्देशीय) एवं अधिकारी स्केल–I के लिए)

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	40	40	45 मि.
2.	संख्यात्मक / मात्रात्मक अभिरूचि	40	40	
योगः–		80	80	45 मि.

टीपः– प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। यह परीक्षा सिर्फ स्क्रैनिंग के लिये होता है। इसके प्राप्तांक अंतिम चयन में नहीं जुड़ते है।

(B) **मुख्य परीक्षा (वस्तुनिष्ठ एवं सभी पदों के लिए)**

1. कार्यालय सहायक (बहुद्देशीय) एवं अधिकारी स्केल–I के लिए परीक्षा योजना

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	40	50	2 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	40	40	
3.	संख्यात्मक एवं मात्रात्मक अभिरूचि	40	50	
4.	सामान्य जागरूकता	40	40	
5.	कम्प्यूटर ज्ञान	40	20	
	योग	**200**	**200**	

2. अधिकारी स्केल–II (सामान्य बैंकिंग) एवं स्केल III के लिए परीक्षा योजना

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	40	50	2 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	40	40	
3.	मात्रात्मक एवं डाटा इंटर प्रिटेशन	40	50	
4.	वित्तीय जागरूकता	40	40	
5.	कम्प्यूटर ज्ञान	40	20	
	योग	**200**	**200**	

3. अधिकारी स्केल–II (विशेषज्ञ संवर्ग) के लिए परीक्षा योजना

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	40	40	2 घंटा 30 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	40	20	
3.	मात्रात्मक एवं डाटा इंटर प्रिटेशन	40	40	
4.	वित्तीय जागरूकता	40	40	
5.	कम्प्यूटर ज्ञान	40	20	
6	व्यवसायिक जानकारी	40	40	
	योग	**240**	**200**	

टीप :– लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – आवेदक द्वारा लिखित परीक्षा के विभिन्न भागों में अर्जित किये गये अंकों को परसेन्टाइल विधि तथा रेखीय रूपांतरण विधि से मानक रूप में तैयार किया जाता है।

प्रत्येक अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से एक चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है, जबकि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से तीन चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, **सिर्फ** उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाती है।

साक्षात्कार – लिखित परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का साक्षात्कार संबंधित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको द्वारा अपने स्तर पर लिया जाता है। साक्षात्कार हेतु उनके द्वारा पृथक से अधिसूचना जारी की जाती है। साक्षात्कार 100 अंक का होता है।

अंतिम चयन सूची – अंतिम चयन सूची मुख्य लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के प्राप्तांको के आधार पर तैयार की जाती है।

CWE **स्कोर की वैधता :–** IBPS **द्वारा जारी किये गये** CWE **स्कोर उसके जारी होने के तारीख से एक वर्ष तक वैध रहता है। इस अवधि में आवेदक विभिन्न क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको के लिए आवेदन कर सकता है।**

पाठ्यक्रम :–

लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ड) कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान, ऑपरेटिंग सिस्टम, लैंग्वेज आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

टीपः– आवेदक पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट के Information Handout से प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – आई.बी.पी.एस. द्वारा अजा/अजजा/अल्पसंख्यक/दिव्यांग/ भूतपूर्व सैनिक आदि के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

संपर्क :–

आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in या ई–मेलएड्रेस ibpsr@ipbs.in से प्राप्त कर सकते हैं।

यदि लोग आपको तय किये गये लक्ष्य पर हँस नहीं रहे है तो उसका तात्पर्य यही है कि आपका लक्ष्य बहुत छोटा है।

48. भारतीय रिजर्व बैंक में अधिकारी ग्रेड–बी भर्ती परीक्षा

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने 19 क्षेत्रीय कार्यालयों में अधिकारी ग्रेड–बी की नियुक्ति के लिये प्रतिवर्ष लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इसके लिए विज्ञापन सामान्यतः जून/जुलाई में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है तथा प्रथम चरण की परीक्षा अगस्त/सितम्बर में रायपुर, भिलाई, बिलासपुर सहित देश के प्रमुख शहरों में ऑनलाईन आयोजित की जाती है। लिखित परीक्षा के प्रथम चरण में सफल आवेदकों के लिए द्वितीय चरण की परीक्षा सामान्यतः अक्टूबर/नवम्बर में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों से या स्नातकोत्तर या समकक्ष परीक्षा 55 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अजा/अजजा/दिव्यांग आवेदकों के लिये उपरोक्त परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :– भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट www.rbi.org.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं।

अवसरों की संख्या :– सामान्य वर्ग के आवेदक अधिकतम चार बार यह परीक्षा दिला सकते है। अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांग आवेदकों के लिए ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है, यदि उनके लिए पद आरक्षित है।

परीक्षा योजना :–

यह परीक्षा निम्न तीन चरणों मं संपन्न होती है –

1. चरण–1 प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार)

2. चरण–2 मुख्य परीक्षा (लिखित परीक्षा वर्णानत्मक स्वरूप)

3. चरण–3 साक्षात्कार

चरण – 1 प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार) :–

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा चरण एक की परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है। यह एक स्क्रैनिंग टेस्ट है तथा इसके अंक अंतिम मेरिट में नहीं जोड़े जाते है। इस परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	60	60	120 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	30	30	
3.	संख्यात्मक अभिरूचित	30	30	
4.	सामान्य जागरूकता	80	80	
	योग	**200**	**200**	

टीप :– लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा चरण–1 उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में आवेदक को बैंक द्वारा अलग–अलग निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, सिर्फ उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाती है। इस परीक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी सूचना हेंडआउट में दी जाती है जिसे आवेदक अपने प्रवेश पत्र के साथ भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट से डाउनलोड कर सकता है।

चरण–2 मुख्य लिखित परीक्षा (लिखित परीक्षा बहुविकल्पीय एवं वर्णानात्मक स्वरूप) लिखित परीक्षा चरण–1 में उत्तीर्ण घोषित किये गये आवेदकों के लिए चरण–2 की परीक्षा आयोजित की जाती है। इस परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है :–

क्र.	विषय का नाम	अधिकतम अंक	अवधि	परीक्षा का स्वरूप
1.	प्रश्न पत्र – 1 अंग्रेजी	100	90 मि.	वर्णानात्मक
2.	प्रश्न पत्र – 2 आर्थिक और सामाजिक मुद्दे	100	90 मि.	बहुविकल्पीय
3.	प्रश्न पत्र – 3 वित्त और प्रबंधन	100	90 मि.	बहुविकल्पीय
	योग	**300**		

चरण – 2 के प्रत्येक प्रश्न पत्र में आवेदक को बोर्ड द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है । विगत वर्षों के प्रश्न पत्र वेबसाईट www.rbi.org.in **में उपलब्ध है।**

चरण–3 साक्षात्कार :– लिखित परीक्षा के सिर्फ चरण–2 के तीनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर आवेदकों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में आवेदकों को न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। उम्मीदवार अपनी इच्छा के अनुसार साक्षात्कार हिन्दी या अंग्रेजी में दे सकता है।

चयन विधि – लिखित परीक्षा चरण – 2 (300 अंक) एवं साक्षात्कार (75 अंक) के कुल प्राप्त अंकों के आधार पर वरीयता सूची तैयार करके अंतिम चयन सूची तैयार की जाती है।

पाठ्यक्रम :– लिखित परीक्षा चरण–2 प्रश्न पत्र – 1 :– अंग्रेजी – इस प्रश्न पत्र में अंग्रेजी में एक निबंध लिखना होता है तथा Precis writing, Comprehension **तथा** Business/Office Correspondence **से संबंधित प्रश्न होते है।**

प्रश्न पत्र – 2 :– आर्थिक एवं सामजिक मुद्दे, प्रश्न पत्र – 3 वित्त और प्रबंधन :– इन प्रश्न पत्रों का पाठ्यक्रम किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक के पाठ्यक्रम से थोड़े उच्च स्तर का तथा स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम से थोड़े नीचे स्तर का होता है।

टीपः– आवेदक पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट के Information Handout से प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अजा/अजजा/दिव्यांग के आवेदकों के लिये देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। छत्तीसगढ़ भारतीय रिजर्व बैंक के पश्चिम जोन के अंतर्गत आता है तथा यहॉ के आवेदक भोपाल में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

संपर्क :– आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट www.rbi.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

नर हो, न निराश करों मन को
कुछ काम करों, कुछ काम करों
जग में रहकर कुछ नाम करों
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहों,
समझो जिसमें यह व्यर्थ न हो,
कुछ तो उपयुक्त करों तन को
नर हो न निराश करों मन को।।
निज गौरव का नित ज्ञान रहे
हम भी कुछ है यह ध्यान रहे
मरणोत्तर गुंजित गान रहे
सब जाय अभी पर मान रहे
कुछ न तजो निज साधन को
नर हो न निराश करों मन को।।
– मैथिलीशरण गुप्त

49. भारतीय रिजर्व बैंक में सहायक भर्ती परीक्षा

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने 19 क्षेत्रीय कार्यालयों में सहायकों की नियुक्ति के लिये बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, भिलाई सहित देश के प्रमुख शहरों में एक ही दिन लिखित परीक्षा आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के लिए आवेदन पत्र सामान्यतः सितम्बर/अक्टूबर माह में आमंत्रित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अजा/अजजा/दिव्यांग आवेदकों के लिये यह परीक्षा सिर्फ उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. कम्प्यूटर ज्ञान – आवेदक को कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम का ज्ञान होना अनिवार्य है।
3. आवेदक जिस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के लिये आवेदन कर रहा है, उसे उस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के शासकीय भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है, यथा, छत्तीसगढ़ राज्य के लिये आवेदन करने वाले आवेदक को हिन्दी भाषा का ज्ञान होना चाहिये।
4. आयु सीमा – 18 वर्ष से 28 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :– भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट www.rbi.org.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक को आवेदन पत्र में अपने द्वारा चुने गये कार्यालय का नाम उल्लेखित करना अनिवार्य होता है। यदि किसी आवेदक ने एक से अधिक कार्यालय के लिये आवेदन किया है, तो उसके आवेदन निरस्त कर दिये जाते हैं।

परीक्षा योजना :– यह परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाती है।

प्रारंभिक परीक्षा (सिर्फ ऑनलाईन) प्रारंभिक परीक्षा ऑनलाईन आयोजित किया जाता है।

परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है – (बहुविकल्पीय)

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	35	35	20 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	30	30	20 मिनट
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	35	35	20 मिनट
	योग	**100**	**100**	**60 मिनट**

टीप :– प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक मात्र में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। गलत उत्तर पर 25 प्रतिषत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

मुख्य परीक्षाः–

प्रारंभिक परीक्षा में संवर्गवार अर्ह घोषित अभ्यर्थियों (संवर्गवार विज्ञापित रिक्तियों का लगभग 10 गुना अभ्यर्थियों) का भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तकशक्ति	40	40	30 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	40	40	30 मिनट
3.	संख्यात्मक अभिरूचि	40	40	30 मिनट
4.	सामान्य ज्ञान	40	40	25 मिनट
5.	कम्प्यूटर ज्ञान	40	40	20 मिनट
	योग	**200**	**200**	**135 मिनट**

टीप :– मुख्य परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – मुख्य परीक्षा के प्रत्येक भाग में आवेदक को बैंक द्वारा अलग–अलग निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, सिर्फ उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची कार्यालय वार तैयार की जाती है।

स्थानीय भाषा में प्रवीणता परीक्षा – मुख्य परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों (संवर्गवार रिक्तियों का लगभग 2 गुना) का स्थानीय भाषा में प्रवीणता परीक्षा भारतीय रिजर्व बैंक के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा में आवेदक ने जिस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के लिये आवेदन किया है, उसे उस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के स्थानीय भाषा का प्रवीणता परीक्षा लिया जाता है। इसमें बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इस परीक्षा के अंक अंतिम चयन में नहीं जोड़े जाते है।

चयन विधि – प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा के कुल अंकों (अंक 300) के प्राप्तांक के आधार पर, स्थानीय भाषा में प्रवीणता परीक्षा में उत्तीर्ण आवेदकों का कार्यालय वार अलग–अलग वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा आवेदकों द्वारा अपने आवेदन पत्र में कार्यालय के उल्लेखित वरीयता के आधार पर उन्हें कम्प्यूटराईज्ड विधि से किसी एक कार्यालय में नियुक्ति आदेश प्रदान किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

मुख्य परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ड) कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान, ऑपरेटिंग सिस्टम, लैंग्वेज आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

टीपः– आवेदक पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट के Information Handout से प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अजा/अजजा/दिव्यांग के आवेदकों के लिये देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। छत्तीसगढ़ भारतीय रिजर्व बैंक के पश्चिम जोन के अंतर्गत आता है तथा यहॉ के आवेदक भोपाल में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

टीपः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक/ दिव्यांग आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. लिखित परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही साक्षात्कार के लिये पात्र होते हैं। प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये आवेदक को नियमानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना होना है।

संपर्क :– आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट www.rbi.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

आशावादी व्यक्ति प्रत्येक खतरे में अवसर देखता है जबकि निराशावादी व्यक्ति प्रत्येक अवसर में खतरा देखता है।
The Optimist sees opportunity in every danger, the pessimist sees danger in every opportunity.

- Wiston Churchill

50. साधारण बीमा निगम में सहायक प्रबंधक संयुक्त भर्ती परीक्षा

साधारण बीमा निगम द्वारा अपने मुंबई स्थित मुख्यालय एवं देश/विदेश में स्थित कार्यालयों के लिये सहायक प्रबंधक (स्केल–I) पद पर नियुक्ति हेतु ऑनलाईन परीक्षा का आयोजन दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता एवं चेन्नई में एक साथ आयोजित किया जाता है। छत्तीसगढ़ में इस परीक्षा के लिये परीक्षा केन्द्र नहीं होता है, राज्य के आवेदकों के लिये निकटतम परीक्षा केन्द्र भोपाल/भुवनेश्वर है। इस संयुक्त भर्ती परीक्षा में सामान्य सहायक प्रबंधक पद के साथ–साथ विधि विषेषज्ञ, कृषि एवं उद्यानिकी, सिविल इंजीनियर, एमबीबीएस, सी.ए. आदि के लिए विषिष्ट सहायक प्रबंधक का पदों पर नियुक्ति की कार्यवाही की जाती है।

आवश्यक अर्हता :–

सामान्य सहायक प्रबंधक एवं विशिष्ट सहायक प्रबंधक पदों के लिए शैक्षणिक अर्हता निम्नानुसार हैः–

क्र.	शाखा (Stream)	आवश्यक शैक्षणिक अर्हता	रिमार्क
01	सामान्य	किसी भी विषय में स्नातक	सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत एवं अ.जा./अ.ज.जा. के लिए न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।
02	विधि	एल.एल.बी./बी.एल.	
03	कृषि/उद्यानिकी	बी.एस.सी. (कृषि)/ बी.एस.सी. (उद्यानिकी)	
04	इंजीनियर (सिविल/मैकनिकल/इलेक्ट्रिकल)	बी.ई. (सिविल/मैकनिकल/इलेक्ट्रिकल)	
05	आई.टी.	बी.ई./बी.टेक. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.)/एम.सी.ए.	
06	चार्टर्ड एकाउंटेंट	सी.ए./आईसीडब्ल्यूडी	
07	मेडिकल	एम.बी.बी.एस.	

आयु सीमाः– 21 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट के बाद भी आवेदक की आयु 45 वर्ष से अधिक नही होनी चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया :–

साधारण बीमा निगम के वेबसाईट www.gicre.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक सिर्फ एक शाखा (Stream) के लिए ही आवेदन कर सकता है। आवेदक के पास स्वयं का वैध ईमेल आईडी होना अनिवार्य है, क्योंकि निगम सभी पत्राचार इस ईमेल आईडी पर करता है।

परीक्षा योजना :– आवेदकों का चयन के लिए परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाती हैः–

1. **लिखित परीक्षा (ऑनलाईन)**
2. **समूह चर्चा (जी.डी.)**
3. **साक्षात्कार**

1. **लिखित परीक्षा (ऑनलाईन)**

साधारण बीमा निगम द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

अ. सामान्य शाखा के आवेदकों के लिए :– (General Stream Candidate)

क्र.	भाग	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	भाग–एक (वस्तुनिष्ठ)	उच्च तार्किक योग्यता	40	40	30 मिनट
2.	भाग–दो (वस्तुनिष्ठ)	तार्किक योग्यता	20	20	60 मिनट
		सामान्य ज्ञान, समसामयिक ज्ञान	20	20	
		कम्प्यूटर ज्ञान एवं संख्यात्मक योग्यता	15	15	
		अंग्रेजी ज्ञान, व्याकरण, शब्दावली एवं भाषा बोध पर विशेष बल	25	25	
3	भाग–तीन (विवरणात्मक)	अंग्रेजी भाषा में निबंध लेखन, सारांष लेखन एवं अनुच्छेद	03	30	60 मिनट
	योग		**123**	**150**	

ब. विशिष्ट शाखा के आवेदकों के लिए :– (Specialists Stream Candidate) **(एमबीबीएस वालो के लिये आवेदन की संख्या के आधार पर लिखित परीक्षा लिया जाता है। आवेदन कम होने पर उन्हें सीधे अगले चरण के लिये पात्र माना जाता है।)**

क्र.	भाग	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	भाग–एक (वस्तुनिष्ठ)	संबंधित विषय का तकनीकी एवं व्यावसायिक ज्ञान	40	40	30 मिनट
2.	भाग–दो (वस्तुनिष्ठ)	तार्किक योग्यता	20	20	60 मिनट
		सामान्य ज्ञान, समसामयिक ज्ञान	20	20	
		कम्प्यूटर ज्ञान एवं संख्यात्मक योग्यता	15	15	
		अंग्रेजी ज्ञान, व्याकरण, शब्दावली एवं भाषा बोध पर विशेष बल	25	25	
3	भाग–तीन (विवरणात्मक)	अंग्रेजी भाषा में निबंध लेखन, सारांष लेखन एवं अनुच्छेद	03	30	60 मिनट
	योग		**123**	**150**	

टीप :– 1. लिखित परीक्षा में भाग–एक और भाग–दो में गलत उत्तर के लिये 1/4 नकारात्मक अंक दिया जाता है।

2. अंग्रेजी विषय से संबंधित भाग–तीन का प्रश्न भी ऑनलाईन होता है। आवेदकों को निबंध, सारांश, अनुच्छेद ऑनलाईन ही टाईप करना होता है।

3. लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को न्यूनतम 60 प्रतिशत एवं अ.ज.जा/अ.जा. के आवेदकों को 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

साक्षात्कार एवं समूह वार्ता (जी.डी.) –

ऑनलाईन परीक्षा में प्रदर्षन के आधार पर चुने हुये उम्मीदवारों को व्यक्तिगत साक्षात्कार एवं समूह वार्ता के लिये बुलाया जाता है, इसमें बुलाये जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या संवर्गवार भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या की तीन गुनी होती है। समूह वार्ता 20 अंक का एवं साक्षात्कार 30 अंक का होता है। उम्मीदवारों को समूह वार्ता एवं साक्षात्कार में न्यूनतम अर्हक अंक 60 प्रतिशत (अ.ज.जा./अ.जा. के लिए 50 प्रतिशत अंक) प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

चयन विधि –

ऑनलाईन लिखित परीक्षा, समूह चर्चा एवं साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर आवेदकों का चयन किया जाता है। चयनित उम्मीदवारों को भर्ती पूर्व चिकित्सा परीक्षा से गुजरना होता है तथा चिकित्सीय रूप से फिट पाये जाने पर ही उन्हें नियुक्ति पत्र दिया जाता है। नियुक्ति उपरांत सहायक प्रबंधक को इन्शयूरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित

Non-life "Licentitate Examination" को पास करना अनिवार्य होता है। चयनित आवेदकों को साधारण बीमा निगम में कम से कम चार वर्ष कार्य करने का अनुबंध पत्र भी भरना होता है।

परिलब्धियॉ, सेवा शर्ते एवं परिवीक्षा अवधि –

वेतनमान रू. 50295–96795 में मूलवेतन 50295 रू. /– प्रतिमाह तथा नियमानुसार अन्य स्वीकार्य भत्ते।

साधारण बीमा निगम के प्रभावी शर्तें चयनित आवेदकों पर लागू होते हैं तथा चयन उपरांत वे भारत एवं विदेशों में कहीं भी नियुक्त किये जा सकते है।

परिवीक्षा अवधि सामान्यतः 1 वर्ष के लिये होती है तथा जिसे अधिकतम 2 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – साधारण बीमा निगम द्वारा अजजा/अजा/अपिव/दिव्यांग आवेदकों के लिये देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण ऑनलाईन दिया जाता है।

विस्तृत जानकारी :–

आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी साधारण बीमा निगम के वेबसाईट www.gicofindia.in से प्राप्त कर सकते हैं।

51. केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सी.टी.ई.टी.)

निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के धारा 23 (1) के अनुसार कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक में अध्यापक के रूप में नियुक्ति के पात्रता हेतु राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा न्यूनतम योग्यताएँ निर्धारित की गई हैं। इन न्यूनतम योग्यताओं में अकादमिक एवं व्यावसायिक योग्यता के साथ–साथ प्रतिभागियों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टी.ई.टी.) उत्तीर्ण करना अनिवार्य घोषित किया गया है। इसी आधार पर सी.बी.एस.ई. द्वारा केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष दो बार मई/जून तथा नवम्बर/दिसम्बर में रायपुर सहित पूरे देश में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :– प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्यापन हेतु अलग–अलग शिक्षक पात्रता परीक्षा देना होता है, इन परीक्षाओं के लिये न्यूनतम अर्हता निम्नानुसार है –

(1) एक से पॉच तक की कक्षाओं में अध्यापन हेतु –

(क) न्यूनतम 50 % अंको के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा (चाहे उसे कोई भी नाम दिया गया हो) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनमत 45 % अंको के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लामा (चाहे जिस किसी नाम से जाना जाता हो) जो राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता, मानदण्ड और क्रिया विधि) विनियम, 2002 के अनुसार हो, में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनतम 50 % अंको के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में स्नातक (बी.एल.एड.) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनतम 50 % अंको के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) तथा शिक्षा शास्त्र (विशेष शिक्षा) में द्विवर्षीय डिप्लोमा में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

स्नातक तथा प्रारंभिक शिक्षा में द्विवर्षीय डिप्लोमा (चाहे जिस किसी नाम से जाना जाता हो) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

(2) कक्षा छः से आठ तक की कक्षाओं में अध्यापन हेतु –

(क) स्नातक और प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा (चाहे जिस किसी नाम से जाना जाता हो) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनतम 50 % अंको के साथ स्नातक एवं शिक्षा शास्त्र में एकवर्षीय स्नातक (बी.एड.) अथवा द्विवर्षीय स्नातक (बी. एड.) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनतम 45 % अंको के साथ स्नातक एवं शिक्षा शास्त्र में एकवर्षीय बी.एड. उत्तीर्ण अथवा द्विवर्षीय स्नातक (बी.एड.) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण जो इस संबंध में समय–समय पर जारी किए गए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता, मानदंड तथा क्रियाविधि) विनियमों के अनुसार प्राप्त किया गया हो।

अथवा

न्यूनतम 50 % अंको के साथ उच्चतर माध्यमिक (अथवा इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में सनातक (बी.एल.एड.) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

यूनतम 50 % अंको के साथ उच्चतर माध्यमिक (अथवा इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय बी.ए./बी.एस.सी.एड. या बी.ए. एड./बी.एस.सी.एड. के अंतिम वर्ष में प्रवेशित अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनतम 50 % अंको के साथ स्नातक तथा एकवर्षीय सनातक बी.एड. (विशेष शिक्षा) अथवा द्विवर्षीय बी.एड. (विशेष शिक्षा) में प्रवेशित अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

नोटः–

(अ) अध्यापक शिक्षा शास्त्र में डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम : इस अधिसूचना के संदर्भ में केवल राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एनसीटीई) द्वारा मान्यता प्राप्त अध्यापक शिक्षा शास्त्र में डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम मान्य होगा। शिक्षाशास्त्र में डिप्लोमा (विशेष शिक्षा) और बीएड (विशेष शिक्षा) के लिए केवल भारतीय पुनर्वास परिषद् (रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया) द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम मान्य होगा।

(आ) विशेष अनिवार्य प्रशिक्षण प्राप्त करना : वह व्यक्ति जिसके पास डी.एड. (विशेष शिक्षा) या बी.एड. (विशेष शिक्षा) की योग्यता है, उसे नियुक्ति के बाद प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में एनसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त छः माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करना आवश्यक होगा।

(इ) एनसीटीई अधिसूचना दिनांक 29 जुलाई, 20111 में वर्णित किसी भी अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम (एनसीटीई अथवा आरसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त, जैसा भी मामला हो) को करने वाला व्यक्ति सीजीटीईटी में शामिल होने के लिए पात्र होगा।

आवेदन प्रक्रिया :– आवेदक को वेबसाईट https://.ctet.nic.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है।

परीक्षा फीस –

CATEGORY	ONLY PAPER 1 OR 2	BOTH PAPER 1 AND 2
GENERAL /OBC(NCL)	Rs. 1000	Rs.1200
SC/ST/PWbD	Rs. 500	Rs.600

परीक्षा योजना :–

1. शिक्षक पात्रता परीक्षा में प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते हैं तथा इसमें गलत उत्तर देने पर नकारात्मक अंक नहीं दिये जाते हैं।

2. शिक्षक पात्रता परीक्षा में कुल दो प्रश्न पत्र होते हैं। प्रथम पेपर में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण घोषित किये गये अभ्यर्थी कक्षा पहली से कक्षा पांचवी तक के अध्यापन के लिये पात्र होते हैं, जबकि द्वितीय पेपर में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण घोषित किये गये अभ्यर्थी कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक के अध्यापन के लिये पात्र होते हैं।

टीप – निर्धारित योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी दोनों प्रश्न पत्र दिला सकते हैं।

प्रथम पेपर (कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक अध्यापन पात्रता हेतु) सभी भाग अनिवार्य –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	बाल विकास एवं पेडॉगॉजी	30	30	2.30 घंटा
2.	भाषा–1 (हिन्दी)	30	30	
3.	भाषा–2 (अंग्रेजी)	30	30	
4.	गणित	30	30	
5.	पर्यावरण अध्ययन	30	30	
	योग	**150**	**150**	

द्वितीय पेपर (कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक अध्यापन पात्रता हेतु) –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	बाल विकास एवं पेडॉगॉजी (अनिवार्य)	30	30	2.30 घंटा
2.	भाषा–1 (हिन्दी) (अनिवार्य)	30	30	
3.	भाषा–2 (अंग्रेजी) (अनिवार्य)	30	30	
4.	विषय आधारित परीक्षा (इनमें से कोई एक)	–	–	
	4.1 विज्ञान एवं गणित विषय शिक्षक	60	60	
	4.2 सामाजिक अध्ययन विषयक शिक्षक	60	60	
	4.3 अन्य कोई विषय शिक्षक	4.1 या 4.2 में से कोई भी		
	योग	**150**	**150**	

प्रश्नपत्र की पाठ्यक्रम –

प्रथम पेपर कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक अध्यापन हेतु –

1. बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र – इस विषय से संबंधित प्रश्न 6 वर्ष से 11 वर्ष तक के बच्चों की शैक्षिक मनोविज्ञान और उनके सिखने और सिखाने की प्रक्रिया आदि की जानकारी पर आधारित होता है।

2. भाषा–1 हिन्दी – इस प्रश्न के माध्यम से शिक्षकों की भाषायी क्षमता, समझ एवं संप्रेषण कौशल के साथ–साथ दैनिक जीवन में भाषा के उपयोग का परीक्षण किया जाता है।

3. भाषा–2 (अंग्रेजी) – अंग्रेजी भाषा के कक्षा बारहवीं तक के स्तर तक के प्रश्न होते हैं।

4. गणित – गणित के प्रश्न कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है।

5. पर्यावरण अध्ययन – इसके प्रश्न कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है, तथापि इससे जुड़े कक्षा बारहवीं तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

द्वितीय पेपर कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक अध्यापन हेतु –

1. बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र – इस विषय से संबंधित प्रश्न 11 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों तक की शैक्षिक मनोविज्ञान और उनके सिखने और सिखाने की प्रक्रिया आदि की जानकारी पर आधारित होता है।

2. भाषा–1 हिन्दी – इस प्रश्न के माध्यम से शिक्षकों की भाषायी क्षमता, समझ एवं संप्रेषण कौशल के साथ–साथ दैनिक जीवन में शषा के उपयोग का परीक्षण किया जाता है।

3. भाषा–2 (अंग्रेजी) – अंग्रेजी भाषा के कक्षा बारहवीं तक के स्तर तक के प्रश्न होते हैं।

4. अन्य विषय– 4.1 विज्ञान एवं गणित – इसके प्रश्न कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है, तथापि इससे जुड़े स्नातक तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

4.2 सामाजिक अध्ययन – इसके प्रश्न कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है, तथापि इससे जुड़े स्नातक तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

विशेष टीप – 1. यह परीक्षा शिक्षकों के नियुक्ति के लिये केवल अर्हता होता है, इसे शिक्षकीय पद पर नियुक्ति हेतु आदेश नहीं माना जा सकता है।

2. इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को 60 प्रतिशत तथा अजा/अजजा/अपिव /दिव्यांग अभ्यर्थियों को 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

3. एक बार परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी के लिये पात्रता की वैधता आजीवन होता है।

4. एक बार परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी अपने अंक सुधार के लिये आगामी परीक्षा में पुनः शामिल हो सकता है।

5. इस परीक्षा में प्राप्त अंक शिक्षक चयन के प्रक्रिया में अधिभार के रूप में गणना में उपयोग में लाया जा सकता है।

6. केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण आवेदक भारत सरकार के सभी स्कूलों यथा केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय तिब्बतियन विद्यालय के साथ–साथ सभी केन्द्र शासित प्रदेशों के स्कूलों में अध्यापक के रूप में नियुक्ति के लिये पात्र होते हैं। अपने राज्य में राज्य स्तरीय शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन न करने की स्थिति में राज्य सरकारें भी अपने स्कूलों में केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को अध्यापक के रूप में नियुक्ति प्रदान कर सकती हैं।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक सी.बी.एस.ई. के ई–मेल एड्रेस ctet@cbse.gov.in से संपर्क कर सकते हैं या इसकी वेबसाईट www.cbsc.nic.in या www.ctet.nic.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जिस व्यक्ति ने कभी कोई गलती नहीं की है इसका तात्पर्य यही है कि उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की है।

A person who never made a mistake never tried anything new.

- Albert Einsten

52. छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा (सी.जी.टी.ई.टी.)

निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के धारा 23 (1) के अनुसार कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक में अध्यापक के रूप में नियुक्ति के पात्रता हेतु राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा न्यूनतम योग्यताएँ निर्धारित की गई हैं। इन न्यूनतम योग्यताओं में अकादमिक एवं व्यावसायिक योग्यता के साथ–साथ प्रतिभागियों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टी.ई.टी.) उत्तीर्ण करना अनिवार्य घोषित किया गया है। इसी आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य में छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

(1) एक से पॉच तक की कक्षाओं में अध्यापन हेतु –

(क) न्यूनतम 50 % अंको के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा (चाहे उसे कोई भी नाम दिया गया हो) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनमत 45 % अंको के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लामा (चाहे जिस किसी नाम से जाना जाता हो) जो राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता, मानदण्ड और क्रिया विधि) विनियम, 2002 के अनुसार हो, में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनतम 50 % अंको के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में स्नातक (बी.एल.एड.) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनतम 50 % अंको के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) तथा शिक्षा शास्त्र (विशेष शिक्षा) में द्विवर्षीय डिप्लोमा में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

स्नातक तथा प्रारंभिक शिक्षा में द्विवर्षीय डिप्लोमा (चाहे जिस किसी नाम से जाना जाता हो) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

(2) कक्षा छः से आठ तक की कक्षाओं में अध्यापन हेतु –

(क) स्नातक और प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा (चाहे जिस किसी नाम से जाना जाता हो) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनतम 50 % अंको के साथ स्नातक एवं शिक्षा शास्त्र में एकवर्षीय स्नातक (बी.एड.) अथवा द्विवर्षीय स्नातक (बी. एड.) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनतम 45 % अंको के साथ स्नातक एवं शिक्षा शास्त्र में एकवर्षीय बी.एड. उत्तीर्ण अथवा द्विवर्षीय स्नातक (बी.एड.) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण जो इस संबंध में समय–समय पर जारी किए गए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता, मानदंड तथा क्रियाविधि) विनियमों के अनुसार प्राप्त किया गया हो।

अथवा

न्यूनतम 50 % अंको के साथ उच्चतर माध्यमिक (अथवा इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में सनातक (बी.एल.एड.) में प्रवेशित एवं अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनतम 50 % अंको के साथ उच्चतर माध्यमिक (अथवा इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय बी.ए./बी.एस.सी.एड. या बी.ए. एड./बी.एस.सी.एड. के अंतिम वर्ष में प्रवेशित अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

अथवा

न्यूनतम 50 % अंको के साथ स्नातक तथा एकवर्षीय सनातक बी.एड. (विशेष शिक्षा) अथवा द्विवर्षीय बी.एड. (विशेष शिक्षा) में प्रवेशित अध्ययनरत् अथवा उत्तीर्ण।

नोटः–

(अ) अध्यापक शिक्षा शास्त्र में डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम : इस अधिसूचना के संदर्भ में केवल राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एनसीटीई) द्वारा मान्यता प्राप्त अध्यापक शिक्षा शास्त्र में डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम मान्य होगा। शिक्षाशास्त्र में डिप्लोमा (विशेष शिक्षा) और बीएड (विशेष शिक्षा) के लिए केवल भारतीय पुनर्वास परिषद् (रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया) द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम मान्य होगा।

(आ) विशेष अनिवार्य प्रशिक्षण प्राप्त करना : वह व्यक्ति जिसके पास डी.एड. (विशेष शिक्षा) या बी.एड. (विशेष शिक्षा) की योग्यता है, उसे नियुक्ति के बाद प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में एनसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त छः माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करना आवश्यक होगा।

(इ) एनसीटीई अधिसूचना दिनांक 29 जुलाई, 20111 में वर्णित किसी भी अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम (एनसीटीई अथवा आरसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त, जैसा भी मामला हो) को करने वाला व्यक्ति सीजीटीईटी में शामिल होने के लिए पात्र होगा।

आवेदन प्रक्रिया :–

अभ्यर्थी को आवेदन पत्र व्यापम के वेबसाईट www.cgvyapam.choice.in पर ऑनलाईन करना होता है। ऑफलाईन आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जाते है।

परीक्षा योजना :–

1. शिक्षक पात्रता परीक्षा में प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते हैं तथा इसमें गलत उत्तर देने पर नकारात्मक अंक नहीं दिये जाते हैं।

2. शिक्षक पात्रता परीक्षा में कुल दो प्रश्न पत्र होते हैं। प्रथम पेपर में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण घोषित किये गये अभ्यर्थी कक्षा पहली से कक्षा पांचवी तक के अध्यापन के लिये पात्र होते हैं, जबकि द्वितीय पेपर में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण घोषित किये गये अभ्यर्थी कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक के अध्यापन के लिये पात्र होते हैं।

टीप – निर्धारित योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी दोनों प्रश्न पत्र दिला सकते हैं।

प्रथम पेपर (कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक अध्यापन पात्रता हेतु) सभी भाग अनिवार्य –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	बाल विकास एवं पेडॉगॉजी	30	30	2.30 घंटा
2.	भाषा–1 (हिन्दी)	30	30	
3.	भाषा–2 (अंग्रेजी)	30	30	
4.	गणित	30	30	
5.	पर्यावरण अध्ययन	30	30	
	योग	**150**	**150**	

द्वितीय पेपर (कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक अध्यापन पात्रता हेतु) –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	बाल विकास एवं पेडॉगॉजी (अनिवार्य)	30	30	2.30 घंटा
2.	भाषा–1 (हिन्दी) (अनिवार्य)	30	30	
3.	भाषा–2 (अंग्रेजी) (अनिवार्य)	30	30	
4.	विषय आधारित परीक्षा (इनमें से कोई एक)	–	–	
	4.1 विज्ञान एवं गणित विषय शिक्षक	60	60	
	4.2 सामाजिक अध्ययन विषयक शिक्षक	60	60	
	4.3 अन्य कोई विषय शिक्षक	4.1 या 4.2 में से कोई भी		
	योग	**150**	**150**	

प्रश्नपत्र की पाठ्यक्रम –

प्रथम पेपर कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक अध्यापन हेतु –

1. बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र – इस विषय से संबंधित प्रश्न 6 वर्ष से 11 वर्ष तक के बच्चों की शैक्षिक मनोविज्ञान और उनके सिखने और सिखाने की प्रक्रिया आदि की जानकारी पर आधारित होता है।

2. भाषा–1 हिन्दी – इस प्रश्न के माध्यम से शिक्षकों की भाषायी क्षमता, समझ एवं संप्रेषण कौशल के साथ–साथ दैनिक जीवन में भाषा के उपयोग का परीक्षण किया जाता है।

3. भाषा–2 (अंग्रेजी) – अंग्रेजी भाषा के कक्षा बारहवीं तक के स्तर तक के प्रश्न होते हैं।

4. गणित – गणित के प्रश्न कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है।

5. पर्यावरण अध्ययन – इसके प्रश्न कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है, तथापि इससे जुड़े कक्षा बारहवीं तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

द्वितीय पेपर कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक अध्यापन हेतु –

1. बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र – इस विषय से संबंधित प्रश्न 11 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों तक की शैक्षिक मनोविज्ञान और उनके सिखने और सिखाने की प्रक्रिया आदि की जानकारी पर आधारित होता है।

2. भाषा–1 हिन्दी – इस प्रश्न के माध्यम से शिक्षकों की भाषायी क्षमता, समझ एवं संप्रेषण कौशल के साथ–साथ दैनिक जीवन में भाषा के उपयोग का परीक्षण किया जाता है।

3. भाषा–2 (अंग्रेजी) – अंग्रेजी भाषा के कक्षा बारहवीं तक के स्तर तक के प्रश्न होते हैं।

4. अन्य विषय– 4.1 विज्ञान एवं गणित – इसके प्रश्न कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है, तथापि इससे जुड़े स्नातक तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

4.2 सामाजिक अध्ययन – इसके प्रश्न कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है, तथापि इससे जुड़े स्नातक तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

विशेष टीप – 1. यह परीक्षा शिक्षकों के नियुक्ति के लिये केवल अर्हता होता है, इसे शिक्षकीय पद पर नियुक्ति हेतु आदेश नहीं माना जा सकता है।

2. इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को 60 प्रतिशत तथा अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांग अभ्यर्थियों को 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

3. एक बार परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी के लिये पात्रता की वैधता आजीवन होता है।

4. एक बार परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी अपने अंक सुधार के लिये आगामी परीक्षा में पुनः शामिल हो सकता है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या इसकी वेबसाईट www.cgvyapam.choice.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

53. जवाहर नवोदय विद्यालयों में शिक्षक भर्ती परीक्षा

जवाहर नवोदय विद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत सह–शैक्षिक, पूर्ण आवासीय, वरिष्ठ माध्यमिक स्तर (छठवी से बारहवीं तक) के विद्यालय है जो कि मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित है। वर्तमान में देशभर में लगभग 650 जवाहर नवोदय विद्यालय है। इन विद्यालयों में सहायक आयुक्त, प्राचार्य, स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT), TGT तृतीय भाषा एवं विविध श्रेणी के शिक्षकों की भर्ती नवोदय विद्यालय समिति द्वारा की जाती है। इन पदों पर नियुक्ति हेतु लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के 42 शहरों में आयोजित किया जाता है। प्राचार्य एवं सहायक आयुक्त पदों के लिए लिखित परीक्षा सिर्फ दिल्ली में आयोजित किया जाता है। चूंकि जवाहर नवोदय विद्यालय पूर्णतः आवासीय संस्थान है इसलिए शिक्षकों को भी विद्यालय परिसर में ही उपलब्ध आवासों में रहना होता है। उन्हें सामान्य शिक्षण कार्य के अतिरिक्त आवासीय स्कूल प्रणाली से संबंधित अन्य कार्य यथा हाउस मास्टर, पाठ्यतर गतिविधियों का संचालन, विद्यार्थियों के सामान्य कल्याण कार्य आदि भी करने होते है। जवाहर नवोदय विद्यालय में सामान्य पात्रता मापदण्ड पूरा करने वाली महिलाएं भी नियुक्ति के पात्र होती है, लेकिन इनके लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान नही होता है।

आवेदन प्रक्रियाः–

आवेदकों को नवोदय विद्यालय समिति के वेबसाईट www.nvshq.org या www.mecbse.gov.in के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन करना होता है। आवेदन करने का कोई अन्य तरीका या पद्धति स्वीकार नही की जाती है।

टीप :–

1. उम्मीदवारों के पास वैद्य ईमेल आईडी होना अनिवार्य है। लिखित परीक्षा, साक्षात्कार आदि की सूचना उनके दिये हुए ईमेल आईडी पर ही दी जाती है।

2. यद्यपि उम्मीदवार यदि पात्र हो तो वे एक से अधिक पदों के लिए आवेदन कर सकते है, तथापि PGT/TGT श्रेणी के अंतर्गत केवल एक विषय के लिए आवेदन कर सकते है। एक से अधिक पदों के लिए आवेदन करने की स्थिति में सभी पदों के लिए अलग–अलग आवेदन शुल्क जमा करना होता है।
3. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग/महिला उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के भुगतान में पूर्णतः छूट रहती है।

आवश्यक अर्हताः–

1. **सहायक आयुक्तः–**
   1 आयु सीमाः– 45 वर्ष तक
   2 किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से मानविकी/विज्ञान/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि **तथा** प्राचार्य के पद आसीन व्यक्ति **या** भारत सरकार के 5400/– ग्रेड पे (लेवल–12) वेतनमान पर न्यूनतम 5 वर्ष का कार्यानुभव।
2. **प्राचार्य :–**
   1 आयु सीमाः– 35 से 45 वर्ष तक

2 किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि **तथा** बी.एड **या** समकक्ष उपाधि **तथा** उप प्राचार्य के पद आसीन व्यक्ति **या** भारत सरकार के 4800/– ग्रेड पे वेतनमान पर न्यूनतम 12 वर्ष का कार्यानुभव।

3. स्नातकोत्तर षिक्षक (PGT):–

1 आयु सीमाः– 40 वर्ष तक

2 NCERT के क्षेत्रीय शिक्षा कॉलेज से संबंध विषय में कम से कम 50 प्रतिषत अंकों के साथ दो वर्ष का समेकित स्नातकोत्तर एम.एस.सी. पाठ्यक्रम **अथवा** बी.एड. के साथ निम्नलिखित विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से स्नातकोत्तर उपाधि।

स्नातकोत्तर उपाधि में स्नातकोत्तर विषय निम्नानुसार होने चाहिएः–

क्र.	विषय	विषय समूह
01	अंग्रेजी	अंग्रेजी साहित्य
02	हिन्दी	हिन्दी साहित्य
03	भौतिकी	भौतिकी/इलेक्ट्रानिक्स/एप्लायड भौतिकी/न्यूक्लियर भौतिकी
04	रसायन	रसायन/बॉयो केमेस्ट्री
05	गणित	गणित/एप्लायड गणित
06	अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र/एप्लाईड अर्थशास्त्र/बिजनेस अर्थषास्त्र
07	वाणिज्य	एकाउन्टेसी सहित वाणिज्य/कास्ट एकाउटिंग/फाइनेन्सियल एकाउन्टेंसी एक मुख्य विषय हो।
08	भूगोल	भूगोल
09	इतिहास	इतिहास/भारतीय प्राचीन इतिहास
10	जीव विज्ञान	वनस्पत्ति शास्त्र/प्राणीशास्त्र/लाईफ साइंस/माइक्रो बॉयोलॉजी/जेनेटिक्स/बॉयो टेक्नोलॉजी/ मालिकुलर बॉयोलॉजी/प्लांट फिजियोलॉजी में से किसी एक विषय में स्नातकोत्तर **तथा** स्नातक स्तर पर प्राणीशास्त्र एवं वनस्पतिशास्त्र विषय रहा हो।
11	आईटी	किसी मान्यता प्राप्त विष्वविद्यालय से कम्प्यूटर साइंस/आईटी में बी.ई/बी. टेक **अथवा** किसी भी ब्रांच में बी.ई/बी.टेक **तथा** कम्प्यूटर में स्नातकोत्तर डिप्लोमा **अथवा** एम.एस.सी (सी.एस.)/ एम.सी.ए. **अथवा** बी.एस.सी. (सी. एस.)/बी.सी.ए. और किसी भी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि **अथवा** DOEACC से A स्तर का प्रमाण पत्र और किसी भी विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि

टीपः– 1 आई.टी. विषय के आवेदकों के लिए बी.एड. की आवश्यकता नही होती है।

2 आवेदक की हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में षिक्षण में प्रवीणता होनी चाहिए।

4. प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) :–

1 आयु सीमाः– 35 वर्ष तक

2 NCERT के क्षेत्रीय शिक्षा कॉलेज से संबंध विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ चार वर्ष का समेकित स्नातक पाठ्यक्रम **अथवा** बी.एड. के साथ निम्नलिखित विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से स्नातक उपाधि।

स्नातक उपाधि में स्नातक विषय निम्नानुसार होने चाहिएः–

क्र0	विषय	विषय समूह
01	अंग्रेजी	अंग्रेजी साहित्य स्नातक स्तर पर एक विषय रहा हो।
02	हिन्दी	हिन्दी साहित्य स्नातक स्तर पर एक विषय रहा हो।
03	विज्ञान	प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और रसायन विज्ञान के साथ स्नातक उपाधि।
04	गणित	गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान के साथ स्नातक उपाधि।
05	सामाजिक विज्ञान	कोई दो विषय इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान। इनमें से स्नातक में एक विषय भूगोल या इतिहास होना अनिवार्य है।

टीपः–

1 **केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।**

2 **आवेदक की हिन्दी एवं अंग्रेजी तथा संबंधित क्षेत्रीय भाषा में षिक्षण में प्रवीणता होनी चाहिए।**

3 **आवेदक को स्नातक के प्रत्येक वर्ष अलग–अलग 50–50 प्रतिषत अंक तथा कुल मिलाकर भी 50 प्रतिषत अंक प्राप्त करना अनिवार्य रहता है।**

5. प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT (विविध शिक्षक एवं तृतीय भाषा)):–

इसके अंतर्गत संगीत, कला, पुस्तकालय अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा शिक्षक एवं तृतीय भाषा (असमिया, बंगाली, बोडो, गारो, गुजराती, कन्नड़, खासी, मलयालम, मराठी, मिजो, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलगु तथा उर्दु) के शिक्षकों की भर्ती की जाती है। इनके लिए आयु सीमा 35 वर्ष होती है तथा शैक्षणिक योग्यता NCERT के क्षेत्रीय शिक्षा कॉलेज से संबंध विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ चार वर्ष का समेकित स्नातक पाठ्यक्रम **अथवा** बी.एड. के साथ संबंधित विषय में 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विष्वविद्यालयों से स्नातक उपाधि। तृतीय भाषा शिक्षकों के लिए केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा पास होना अनिवार्य होता है।

आयु सीमा में छूट :– अधिकतम आयु सीमा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आवेदकों को 05 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को 03 वर्ष, महिला एवं दिव्यांग आवेदकों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जायेगी। ये सभी छूटें समवर्ती होती है अर्थात् यदि कोई आवेदक एक से अधिक छूट के लिए पात्र होता है तो उसे केवल एक उच्चतम स्वीकार्य आयुसीमा में छूट प्रदान की जाती है।

चयन प्रक्रिया :–

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों, विविध शिक्षक (पुस्तकालय अध्यक्ष) और टीजीटी (तृतीय भाषा) का चयन सिर्फ लिखित परीक्षा के आधार पर होता है। अन्य पदों पर चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार दोनों के अंको के आधार पर होता है।

परीक्षा योजनाः–

1. सहायक आयुक्त के पद हेतु :–

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रष्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	तर्कशक्ति	20	20	3 घंटा

भाग–II	सामान्य जागरूकता	40	40	
भाग–III	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 20 अंक)	40	40	
भाग–IV	संख्यात्मक अभिरूचि	20	20	
भाग–V	शैक्षक योजना एवं प्रषासन	60	60	
	कुल	180	180	

2. प्राचार्य के पद हेतु :–

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रष्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	तर्कशक्ति	20	20	3 घंटा
भाग–II	सामान्य जागरूकता	40	40	
भाग–III	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 20 अंक)	40	40	
भाग–IV	संख्यात्मक अभिरूचि	20	20	
भाग–V	प्रशासनिक और वित्तीय प्रक्रिया/भारत सरकार की नियमावली	60	60	
	कुल	180	180	

3. स्नातकोत्तर शिक्षकों (PGT) प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (TGT) विविध शिक्षकों और प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (तृतीय भाषा) के पदों हेतु :–

लिखित परीक्षा में स्नातकोत्तर शिक्षकों (PGT) प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (TGT) विविध शिक्षकों और प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (तृतीय भाषा) हेतु निम्नानुसार अलग–अलग प्रश्नपत्र होंगे :–

प्रश्नपत्र	विषय	अंक/अवधि
सामान्य प्रश्नपत्र	PGT, TGT, विविध शिक्षकों और TGT (तृतीय भाषा) के सभी पदो के लिए समान प्रश्नपत्रः– सामान्य अंग्रेजी/हिन्दी (40:20+20), सामान्य जागरूकता (30), सामान्य बुद्धि संख्यात्मक योग्यता, संख्यात्मक योग्यता एवं तर्कशक्ति (30), शिक्षण अभिरूचि (20) और संबंधित विषय की जानकारी (80) के बारे में वस्तुनिष्ठ बहुविकल्प प्रश्नपत्र प्रकार की परीक्षा होगी। PGT के लिए प्रश्नपत्रों की कठिनता का स्तर स्नातकोत्तर स्तर का, TGT एवं अन्य के लिए स्नातक स्तर का होगा।	200 अंक/ 2 घंटे 30 मिनट

विस्तृत जानकारीः–

नवोदय विद्यालय समिति के वेबसाईट www.nvshq.org या www.mecbse.gov.in के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है।

54. केन्द्रीय विद्यालयों में शिक्षक भर्ती परीक्षा

केन्द्रीय विद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत सह–शैक्षिक प्राथमिक से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर (पहली से बारहवीं तक) के विद्यालय है जो कि मुख्य रूप से स्थानांतरणीय केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चों को अबाधित शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित की गयी है। केन्द्रीय विद्यालय मुख्यतः शहरी क्षेत्रों में ही स्थित है। वर्तमान में देशभर में लगभग 1250 तथा विदेशों में 03 केन्द्रीय विद्यालय है। इन विद्यालयों में प्राचार्य, स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT), प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (संगीत) की भर्ती केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा की जाती है। इन पदों पर नियुक्ति हेतु लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के 34 शहरों में आयोजित किया जाता है। प्राचार्य के पद हेतु लिखित परीक्षा केवल दिल्ली में होता है। केन्द्रीय विद्यालय में सामान्य पात्रता मापदण्ड पूरा करने वाली महिलाएं भी नियुक्ति के पात्र होती है, लेकिन इनके लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान नही होता है।

आवेदन प्रक्रियाः–

आवेदकों को केन्द्रीय विद्यालय संगठन के वेबसाईट www.kvsangathan.nic.in या www.mecbsekvs.in के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन करना होता है। आवेदन करने का कोई अन्य तरीका या पद्धति स्वीकार नही की जाती है।

टीपः–

1. उम्मीदवारों के पास वैद्य ईमेल आईडी होना अनिवार्य है। लिखित परीक्षा, साक्षात्कार आदि की सूचना उनके दिये हुए ईमेल आईडी पर ही दी जाती है।
2. यद्यपि उम्मीदवार यदि पात्र हो तो वे एक से अधिक पदों के लिए आवेदन कर सकते है, तथापि PGT/TGT श्रेणी के अंतर्गत केवल एक विषय के लिए आवेदन कर सकते है। एक से अधिक पदों के लिए आवेदन करने की स्थिति में सभी पदों के लिए अलग–अलग आवेदन शुल्क जमा करना होता है।
3. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग/भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के भुगतान में पूर्णतः छूट रहती है।

आवश्यक अर्हताः–

1. प्राचार्य :–

1 आयु सीमाः– 35 से 50 वर्ष तक

2 किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से कम से कम 45 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि **तथा** बी.एड **या** समकक्ष उपाधि **तथा** उप प्राचार्य के पद आसीन व्यक्ति **या** भारत सरकार के 4800/– ग्रेड पे वेतनमान पर न्यूनतम 08 वर्ष का कार्यानुभव।

2. स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT):–

1 आयु सीमाः– 40 वर्ष तक

2 NCERT के क्षेत्रीय शिक्षा कॉलेज से संबंध विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ दो वर्ष का समेकित स्नातकोत्तर एम.एस.सी. पाठ्यक्रम **अथवा** बी.एड. के साथ निम्नलिखित विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से स्नातकोत्तर उपाधि।

स्नातकोत्तर उपाधि में स्नातकोत्तर विषय निम्नानुसार होने चाहिए :–

क्र.	विषय	विषय समूह
01	अंग्रेजी	अंग्रेजी साहित्य
02	हिन्दी	हिन्दी साहित्य
03	भौतिकी	भौतिकी/इलेक्ट्रानिक्स/एप्लायड भौतिकी/न्यूक्लियर भौतिकी
04	रसायन	रसायन/बॉयो केमेस्ट्री
05	गणित	गणित/एप्लायड गणित
06	अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र/एप्लाईड अर्थशास्त्र/बिजनेस अर्थशास्त्र
07	वाणिज्य	एकाउन्टेसी सहित वाणिज्य/कास्ट एकाउटिंग/फाइनेन्सियल एकाउन्टेंसी एक मुख्य विषय हो।
08	भूगोल	भूगोल
09	इतिहास	इतिहास/भारतीय प्राचीन इतिहास
10	जीव विज्ञान	वनस्पत्ति शास्त्र/प्राणीशास्त्र/लाईफ साइंस/माइक्रो बॉयोलॉजी/जेनेटिक्स/बॉयो टेक्नोलॉजी/ मालिकुलर बॉयोलॉजी/प्लांट फिजियोलॉजी में से किसी एक विषय में स्नातकोत्तर तथा स्नातक स्तर पर प्राणीशास्त्र एवं वनस्पतिशास्त्र विषय रहा हो।
11	कम्प्यूटर सांइस	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर साइंस/आईटी में बी.ई/बी.टेक **अथवा** किसी भी ब्रांच में बी.ई/बी.टेक **तथा** कम्प्यूटर में स्नातकोत्तर डिप्लोमा **अथवा** एम.एस.सी (सी.एस.)/ एम.सी.ए. **अथवा** बी.एस.सी. (सी.एस.)/बी.सी.ए. और किसी भी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि **अथवा** DOEACC से A स्तर का प्रमाण पत्र और किसी भी विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि

टीपः– 1 आई.टी. विषय के आवेदकों के लिए बी.एड. की आवश्यकता नही होती है।

2 आवेदक की हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में शिक्षण में प्रवीणता होनी चाहिए।

3. प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) :–

1 आयु सीमाः– 35 वर्ष तक

2 NCERT के क्षेत्रीय शिक्षा कॉलेज से संबंध विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ चार वर्ष का समेकित स्नातक पाठ्यक्रम **अथवा** बी.एड. के साथ निम्नलिखित विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से स्नातक उपाधि।

स्नातक उपाधि में स्नातक विषय निम्नानुसार होने चाहिएः–

क्र.	विषय	विषय समूह
01	अंग्रेजी	अंग्रेजी साहित्य स्नातक स्तर पर एक विषय रहा हो।
02	हिन्दी	हिन्दी साहित्य स्नातक स्तर पर एक विषय रहा हो।

03	संस्कृत	संस्कृत
04	विज्ञान	प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और रसायन विज्ञान के साथ स्नातक उपाधि।
05	गणित	गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान के साथ स्नातक उपाधि।
06	सामाजिक विज्ञान	कोई दो विषय इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान। इनमें से स्नातक में एक विषय भूगोल या इतिहास होना अनिवार्य है।

टीपः–

1 **केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।**

2 **आवेदक की हिन्दी एवं अंग्रेजी में शिक्षण की प्रवीणता होनी चाहिए।**

3 **आवेदक को स्नातक के प्रत्येक वर्ष अलग–अलग 50–50 प्रतिशत अंक तथा कुल मिलाकर भी 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य रहता है।**

4 **प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT (शारीरिक एवं स्वास्थय शिक्षा, कला शिक्षा, इलेक्ट्रानिक्स गजेट्स शिक्षक)):–**

1. आयु सीमा :– 35 वर्ष तक
2. आवश्यक शैक्षणिक अर्हताः–

क्र.	पद	अर्हता
01	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (शारीरिक एवं स्वास्थय शिक्षा)	शारीरिक शिक्षा में स्नातक उपाधि या समकक्ष।
02	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला शिक्षा)	ड्राईंग एवं पेंटिग/स्कलपचर/ग्राफिक आर्ट में पाँच वर्षीय डिप्लोमा **या** समकक्ष मान्यता प्राप्त डिग्री।
03	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (इलेक्ट्रानिक्स गजेट्स शिक्षक)	इलेक्ट्रिकल में तीन वर्षीय डिप्लोमा **या** इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रानिक्स में।

4. प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक संगीतः–

1. आयु सीमाः– 35 वर्ष तक
2. आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–

क्र0	पद	अर्हता
01	प्राथमिक शिक्षक	1. न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं या समकक्ष उत्तीर्ण। 2. केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण। 3. डी.एड. या बी.एल.एड. (बेचलर इन इलेमेन्ट्री एजुकेशन)
02	प्राथमिक शिक्षक (संगीत)	1. न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं या समकक्ष उत्तीर्ण। 2. संगीत में स्नातक उपाधि।

आयु सीमा में छूट :– अधिकतम आयु सीमा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आवेदकों को 05 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को 03 वर्ष, महिला एवं दिव्यांग आवेदकों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जायेगी। ये सभी छूटें समवर्ती होती है अर्थात् यदि कोई आवेदक एक से अधिक छूट के लिए पात्र होता है तो उसे केवल एक उच्चतम स्वीकार्य आयुसीमा में छूट प्रदान की जाती है।

चयन प्रक्रिया :– आवेदकों का चयन लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के अंकों के आधार पर होता है। इन दोनों चरणों में आवेदक को केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

प्राचार्य, पी.जी.टी., टी.जी.टी. एवं प्राथमिक शिक्षक के लिए लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार का वेटेज 85:15 होता है। प्राथमिक शिक्षक (संगीत) के लिए लिखित परीक्षा, निष्पादन परीक्षा एवं साक्षात्कार का वेटेज 60:25:15 होता है।

परीक्षा योजनाः–

1. प्राचार्य के पद हेतु :–

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 10 अंक)	20	20	3 घंटा
भाग–II	सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति, कम्प्यूटर ज्ञान, संख्यात्मक अभिक्षमता परीक्षा। (प्रत्येक विषय के 10–10 अंक)	40	40	
भाग–III	1. शैक्षिक पद्धति 2. प्रशासकीय एवं वित्तीय नियम	30 70	30 70	
	कुल	160	160	

2 स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT) पद हेतु :–

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 20 अंक)	40	40	3 घंटा
भाग–II	सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति एवं संख्यात्मक अभिक्षमता परीक्षा, शैक्षिक शिक्षण (प्रत्येक विषय के 20–20 अंक)	60	60	
भाग–III	संबंधित विषय	100	100	
	कुल	200	200	

3 स्नातक शिक्षक (TGT) एवं प्राथमिक शिक्षक पद हेतु :–

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 15–15 अंक)	30	30	02.30 घंटा
भाग–II	सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति एवं संख्यात्मक अभिक्षमता परीक्षा, शैक्षिक शिक्षण (प्रत्येक विषय के 40–40 अंक)	120	120	
	कुल	150	150	

4 प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT (शारीरिक एवं स्वास्थय शिक्षा, कला शिक्षा, इलेक्ट्रानिक्स गजेट्स शिक्षक)):–

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 20 अंक)	40	40	3 घंटा
भाग–II	सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति एवं संख्यात्मक	60	60	

	अभिक्षमता परीक्षा, (प्रत्येक विषय के 30–30 अंक)			
भाग–III	संबंधित विषय	100	100	
	कुल	**200**	**200**	

5 **प्राथमिक शिक्षक (संगीत):–**

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 15 अंक)	30	30	02.30 घंटा
भाग–II	सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति एवं संख्यात्मक अभिक्षमता परीक्षा, (प्रत्येक विषय के 30–30 अंक)	60	60	
भाग–III	संबंधित विषय (संगीत शास्त्र)	60	60	
	कुल	**150**	**150**	

विस्तृत जानकारी:–

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के वेबसाईट www.kvsangathan.nic.in या www.mecbsekvs.in के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है।

55. छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा ;ब्ळै म्ज्द्ध परीक्षा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भारतीय विश्वविद्यालयों और कालेजों में **कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप (जेआरएफ)** प्रदान करने तथा लेक्चररशिप की पात्रता निर्धारित करने के लिए प्रतिवर्ष दो बार नेट परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इसी के अनुरूप विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (नेट ब्यूरो) एवं छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के माध्यम से 19 विषय समूहों में छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा (CGSET) का आयोजन किया जाता है। यूजीसी के वर्तमान दिशा निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य के विश्वविद्यालयों/कालेजो/संस्थानों में सहायक प्राध्यापक/ग्रंथपाल/क्रीड़ा अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा या राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर या समकक्ष परीक्षा कम से कम 55% अंको से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। (अजजा/अजा/अपिव/दिव्यांग श्रेणी के आवेदकों के लिए कम से कम 50% अंक प्राप्त करना होता है)

टीप :– (1) जो आवेदक अपने स्नातकोत्तर परीक्षा (अंतिम वर्ष) में शामिल हो चुके है या शामिल होने वाले हैं, वे भी परीक्षा में शामिल होने के पात्र होते है तथापि ऐसे आवेदको को अस्थायी रूप से प्रवेश दिया जाता है, उन्हें उक्त स्नातकोत्तर या समकक्ष परीक्षा सेट के परिणाम के तिथि से 1 वर्ष के अंदर न्यूनतम निर्धारित अंकों के उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

(2) आवेदक उसी विषय में शामिल हो सकता है जिससे उसने स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

आवेदन प्रक्रिया :–

आवेदको को आवेदन ऑनलाईन ही करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के लिए आवेदक www.cgset.org.in पर आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा के विषय :– छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा निम्न 19 विषय/विषय समूह में छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा का आयोजन किया जाता है –

1. हिन्दी	2. अंग्रेजी	3. राजनीति विज्ञान	4. अर्थशास्त्र
5. समाजशास्त्र	6. इतिहास	7. भूगोल	8. शारीरिक शिक्षा
9. भौतिकी	10. गणित	11. रसायन	12. लाइफ साईंस
13. कम्प्यूटर	14. वाणिज्य	15. विधि	16. संस्कृत
17. मनोविज्ञान	18. लाइब्रेरी एवं सूचना विज्ञान	19. गृह विज्ञान	

परीक्षा योजना :–

परीक्षा में दो प्रश्न पत्र होते है। दोनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते है। इस परीक्षा में ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार होती है :–

क्र.	प्रश्न पत्र	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
A	प्रथम प्रश्न पत्र (शैक्षणिक अभिरूचि एवं अनुसंधान की प्रवृत्ति)	50	100	1 घंटा
B	द्वितीय प्रश्न पत्र (संबंधित विषय)	100	200	2 घंटा
	योग		300	

टीप – प्रश्न पत्र दो में गणित विषय के प्रश्न पत्र में 60 प्रश्न अनिवार्य होते है, जबकि 40 प्रश्न हेतु अभ्यर्थी को गणित अथवा सांख्यिकीय का चयन ऑनलाईन आवेदन फार्म भरते समय करना अनिवार्य होता है।

प्रश्न पत्र–1 – यह प्रश्न पत्र सभी विषय के अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य होता है। यह प्रश्न सामान्य प्रकृति का होता है जिसका मुख्य उद्देष्य अभ्यर्थी के शिक्षण/अनुसंधान अभिरूचि का मूल्यांकन करना होता है। यह प्रमुखतः अभ्यर्थी के तर्कशक्ति योग्यता एवं सामान्य ज्ञान के जांच के लिए लिया जाता है। इसमें कुल 50 बहुविकल्पी प्रश्न होते है जिनमें से सभी 50 प्रश्नों का उत्तर अभ्यर्थी को देना होता है।

प्रश्न पत्र 2 – इस प्रश्न पत्र में अभ्यर्थी द्वारा चयन किये गये विषय को स्नात्तकोत्तर स्तर बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न होगें।

<u>चयन प्रक्रिया</u> :–

चयन निम्न तीन चरणों में किया जाता है :–

चरण 1–

न्यूनतम अर्हक अंक – अभ्यर्थी को आयोग द्वारा निर्धारित निम्नानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्रत्येक पेपर में अलग–अलग प्राप्त करना अनिवार्य होता है :–

क्र.	वर्ग	न्यूनतम अर्हक अंक	
		प्रश्न पत्र 1	प्रश्न पत्र 2
1	सामान्य	40	80
2	अपिव अजा/अजजा/दिव्यांग	35	70

चरण 2 – जो आवेदक चरण–1 में सभी प्रश्न पत्रों में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उनकी वर्गवार एवं विषयवार दोनों प्रश्न पत्रों (कुल अंक 300) के प्राप्तांको के आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाती है।

चरण – 3 – चरण–2 के आधार पर तैयार की गई वरीयता सूची के प्रत्येक विषय एवं प्रत्येक वर्ग के मेरिट के 6% आवेदक छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) उत्तीर्ण घोषित किये जाते है।

पाठ्यक्रम :–

वैकल्पिक विषयों का पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर स्तर का होता है। यह पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाईट www.ugc.ac.in से डाऊनलोड किया जा सकता है। अनिवार्य प्रश्न पत्र का स्तर स्नातक के पाठ्यक्रम के अनुरूप होता है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, रायपुर या विश्व विद्यालय अनुदान आयोग की वेबसाईट www.ugc.ac.in या www.ugcnetonline.in या www.cgset.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सबसे अच्छा मनुष्य वह है, जो अपनी प्रगति के लिये सबसे अधिक श्रम करता है।

– सुकरात

56. यू.जी.सी. नेट (U.G.C. NET) परीक्षा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भारतीय विश्वविद्यालयों और कालेजों में **कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप (जेआरएफ)** प्रदान कने तथा लेक्चररशिप की पात्रता निर्धारित करने के लिए प्रतिवर्ष दो बार माह जून एवं माह दिसम्बर में रायपुर सहित देशभर के लगभग 360 परीक्षा केन्द्रों में 80 विषयों के लिए नेट परीक्षा का आयोजन किया जाता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार इस परीक्षा का आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेसी (NTA) द्वारा किया जाता है। इन परीक्षाओं के लिए विज्ञापन प्रतिवर्ष क्रमशः सामान्यतः अप्रैल एवं अक्टूबर माह में जारी किया जाता है। यूजीसी के वर्तमान दिशा निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालयों/कालेजो/संस्थानों में सहायक प्राध्यापकों के रूप में नियुक्ति के लिए **राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)** उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर या समकक्ष परीक्षा कम से कम 55% अंको से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। (अजजा/अजा/दिव्यांग श्रेणी के आवेदकों के लिए कम से कम 50% अंक प्राप्त करना होता है)

टीप :– (1) जो आवेदक अपने स्नातकोत्तर परीक्षा (अंतिम वर्ष) में शामिल हो चुके है या शामिल होने वाले हैं, वे भी परीक्षा में शामिल होने के पात्र होते है तथापि ऐसे आवेदको को अस्थायी रूप से प्रवेश दिया जाता है। जीआरएफ प्रदान करने/ लेक्चररशिप पात्रता के लिए उनके नामों पर तभी विचार किया जाता है जब वे नेट परीक्षा परिणाम घोषित होने के दो वर्ष के भीतर निर्धारित अंको सहित अपनी स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते है, इसमें विफल होने पर उन्हें अयोग्य माना जाता है।

(2) ऐसे पी.एच.डी. धारक आवेदक जिन्होने अपनी स्नातक की परीक्षा सितम्बर 1991 तक पूर्ण कर ली थी उन्हें नेट में शामिल होने के लिए स्नातकोत्तर के कुल अंक में 5% अंक की छूट दी जाती है।

(3) आवेदक उसी विषय में शामिल हो सकता है जिससे उसने स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

2. **आयु सीमा – (क) कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप –** 28 वर्ष से अधिक नहीं।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग/महिला आवेदकों को 5 वर्ष की छूट दी जाती है। एलएलएम डिग्रीधारी आवेदकों को तीन वर्ष की तथा अनुसंधान अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को 5 वर्ष की छूट दी जाती है लेकिन सभी छूटों के बावजूद अधिकतम आयु सीमा 33 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(ख) लेक्चररशिप – लेक्चररशिप पात्रता के लिए आवेदन करने हेतु कोई अधिकतम आयु सीमा नहीं है।

आवेदन प्रक्रिया :–

आवेदको को आवेदन ऑनलाईन ही करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के लिए आवेदक https://www.ugcnetonline.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को अपने आवेदन में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख करना होता है कि वे जेआरएफ और लेक्चररशिप पात्रता दोनो के लिए **या** केवल लेक्चररशिप पात्रता के

लिए आवेदन कर रहे है। जो आवेदक सिर्फ लेक्चररशिप पात्रता के लिए आवेदन करते है उन्हें कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप नहीं प्रदान की जाती है।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा में दो प्रश्न पत्र होते है। दोनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार होती है :–

क्र.	प्रश्न पत्र	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1	प्रथम प्रश्न पत्र	50	100	3 घंटा
2	द्वितीय प्रश्न पत्र	100	200	
	योग	150	300	

प्रश्न पत्र–1 – यह प्रश्न पत्र सभी विषय के अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य होता है। यह प्रश्न सामान्य प्रकृति का होता है जिसका मुख्य उद्देष्य अभ्यर्थी के शिक्षण/अनुसंधान अभिरूचि का मुल्यांकन करना होता है। यह प्रमुखतः अभ्यर्थी के तर्कशक्ति योग्यता एवं सामान्य ज्ञान के जांच के लिए लिया जाता है। इसमें कुल 50 बहुविकल्पी प्रश्न होते है।

प्रश्न पत्र 2 – ये प्रश्न पत्र अभ्यर्थी द्वारा चयनित विषय के होते है, यह प्रश्न पत्र बहुविकल्पी प्रकार का होता है।

विशेष टीप – दोनों प्रश्न पत्र लगातार होते है उनके मध्य कोई गैप नहीं होता है।

<u>चयन प्रक्रिया</u> :–

चयन निम्न चार चरणों में किया जाता है :–

चरण 1– न्यूनतम अर्हक अंक – अभ्यर्थी को आयोग द्वारा निर्धारित निम्नानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्रत्येक पेपर में अलग–अलग प्राप्त करना अनिवार्य होता है :–

क्र.	वर्ग	न्यूनतम अर्हक अंक	
		प्रश्न पत्र 1	प्रश्न पत्र 2
1	सामान्य	40%	40%
2	अपिव अजा/अजजा/दिव्यांग	35%	35%

चरण 2 – जो आवेदक चरण–1 में सभी प्रश्न पत्रों में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उनकी वर्गवार एवं विषयवार दोनों प्रश्न पत्रों (कुल अंक 300) के प्राप्तांको के आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाती है।

चरण – 3 – चरण–2 के आधार पर तैयार की गई वरीयता सूची के प्रत्येक विषय एवं प्रत्येक वर्ग के मेरिट के 6% आवेदक राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) उत्तीर्ण घोषित किये जाते है।

चरण – 4 – चरण–3 में नेट उत्तीर्ण घोषित किये गये आवेदकों में से ही उनके आवेदन में दिये गये विकल्प, आयु सीमा एवं वरीयता के आधार पर कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप (जेआरएफ) प्रदान करने के लिए पृथक से वरीयता सूची तैयार की जाती है।

पाठ्यक्रम :–

वैकल्पिक विषयों का पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर स्तर का होता है। यह पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाईट https://www.ugcnetonline.in/syllabus **से डाऊनलोड किया जा सकता है। अनिवार्य प्रश्न पत्र का स्तर स्नातक के पाठ्यक्रम के अनुरूप होता है।**

विशेष :–

1. विज्ञान विषयों (जीवविज्ञान, गणित, भौतिक, रसायन, इंजीनियरिंग आदि) में कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप/लेक्चररशिप प्रदान करने के लिए अभ्यर्थियों की पात्रता के निर्धारण के लिए राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है।
2. कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप प्रदान करने के लिए पात्र अभ्यर्थी लेक्चररशिप के लिए पात्र होने के साथ साथ विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की फेलोशिप प्राप्त करने के पात्र होते है बषर्ते कि वे विश्वविद्यालयों/आईआईटी/संस्थानों में नियोजन प्राप्त कर सके। विश्व विद्यालय/ संस्थान /आईआईटी अपने द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार इनका पूर्णकालिक अनुसंधान कार्य के लिए चयन करते है। जेआरएफ के प्रस्ताव की वैधता अवधि जेआरएफ एवार्ड पत्र जारी करने की तिथि से दो वर्ष तक होती है।
3. लेक्चररशिप के लिए पात्रता हेतु परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालयों/कॉलेजो/राज्य सरकारों (जो भी स्थिति हो) में सहायक प्राध्यापकों के भर्ती के लिए निर्धारित नियमों और विनियमों के अनुसार शासित किया जाता है। नेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी जहां देश के सभी विश्वविद्यालयों में सहायक प्रध्यापकों के रूप में नियुक्त होने के लिए पात्र होते है वहीं जून 2002 के बाद से सेट (SET) उत्तीर्ण अभ्यर्थी केवल उस राज्य के विश्वविद्यालयों में लेक्चरर के लिए पात्र होते है जिस राज्य से उन्होने सेट परीक्षा उत्तीर्ण किया है।
4. वर्ष 2024 से PhD में प्रवेश नेट परीक्षा के आधार पर ही हो रहा है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक विश्व विद्यालय अनुदान आयोग की वेबसाईट www.ugc.ac.in या www.ugcnetonline.in से प्राप्त कर सकते हैं।

57. ग्रेज्युएट एप्टेट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग–गेट (GATE)

भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग एवं शिक्षा मंत्रालय हेतु गेट परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर (Indian institute of science Bangalore) के अतिरिक्त सात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs) दिल्ली, बम्बई, मद्रास, खड्गपुर, कानपुर, गोवाहाटी एवं रुड़की द्वारा राष्ट्रीय समन्वय बोर्ड के माध्यम से माह फरवरी–मार्च में भिलाई, रायपुर एव बिलासपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में ऑनलाईन किया जाता है।

GATE परीक्षा के सफल परीक्षार्थी निम्न स्थानों में इसके स्कोर कार्ड का प्रयोग कर लाभ अर्जित कर सकते हैं :–

- भारत के समस्त प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों के एम.ई/एम.टेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश सहित भारत सरकार द्वारा निर्धारित वित्तीय सहायता की पात्रता।
- भारत सरकार के विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के अंतर्गत स्थापित विभिन्न विज्ञान प्रयोगशालाओं में अनुसंधान हेतु कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप (JRF) की पात्रता।
- भारत सरकार के विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र की इकाईयां (public sector units) में ग्रेज्युएट इंजीनियर के रुप में एन्ट्री लेवल अधिकारी हेतु पात्रता।
- कई प्रतिष्ठित विदेशी संस्थानों जैसे नेशनल यूनिवर्सटी सिंगापुर, नानयांग प्राद्योगिकी विश्वविद्यालय सिंगापुर के इंजीनियरिंग के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु गेट स्कोर की मान्यता है।

पात्रता :–

गेट की प्रवेश परीक्षा हेतु निम्न आवेदक पात्र होते है :–

- इंजीनियरिंग/प्राधौगिकी/वास्तुकला के 4 वर्षीय पाठ्यक्रम उत्तीर्ण अथवा अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी।
- विज्ञान/गणित /सांख्यिकी/कम्प्युटर एप्लीकेशन अथवा समकक्ष विषयों में मास्टर योग्यताधारी अथवा अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी।
- पांच वर्ष की दोहरी योग्यता कोर्स (integrated dual degree course) के चतुर्थ एवं अतिम वर्ष के अध्ययनरत् विद्यार्थी।
- भारत सरकार/ए.आई.सी.टी.ई/संघ लोकसेवा आयोग द्वारा बी.ई/बी.टेक के समकक्ष घोषित अन्य पाठ्यक्रमों जैसे ए.एम.आई.ई, ए.एम.आई.सी.ई आदि उपाधिधारी।
- एमबीबीएस/बी.डी.एस. डिग्री धारक और इन पाठ्यक्रमों में 5 वें एवं उच्च सेमेस्टर में अध्ययनरत छात्र।
- कला/विज्ञान/कामर्स/गणित/सांख्यिकी/कम्प्यूटर अनुप्रयोगो के किसी भी शाखा में स्नातक या अंतिम वर्ष में अध्ययनरत ।
- बी.एस.सी. कृषि/बागवानी/वानिकी/उत्तीर्ण या तीसरें वर्ष में अध्यनरत।

गेट हेतु आवेदन :–

इस परीक्षा का विज्ञापन सामान्यतः माह सितम्बर/अक्टूबर में प्रकाशित किया जाता है। जिसके लिए आवेदन भरने की प्रक्रिया ऑनलाइन एक माह के समयावधि में पूर्ण की जाती है। वर्ष 2025 के लिये आवेदन वेबसाइट gate 2025.iitr.ac.in में करना होगा। परीक्षा का आयोजन आगामी फरवरी–मार्च माह में संपादित होता है। जिसका अंतिम परिणाम माह मार्च के अंतिम सप्ताह में घोषित किया जाता है।

गेट के विषय एवं संरचना :–

वर्तमान में गेट निम्न 30 विषयों (जिन्हें टेस्ट पेपर कहा जाता है) में संचालित होता है–

GATE Paper	Code	GATE Paper	Code
Aerospace Engineering	AE	Geology and Geophysics	GG
Agricultural Engineering	AG	Instrumentation Engineering	IN
Architecture and Planning	AR	Mathematics	MA
Biotechnology	BT	Mechanical Engineering	ME
Civil Engineering	CE	Mining Engineering	MN
Chemical Engineering	CH	Metallurgical Engineering	MT
Computer Science and Information Technology	CS	Physics	PH
Chemistry	CY	Production and Industrial Engineering	PI
Electronics and Communication Engineering	EC	Textile Engineering and Fiber Science	TF
Electrical Engineering	EE	Engineering Sciences	XE*
Ecology and Evolution	EY	Life Sciences	XL**
Geomatics Engineering	GE	Petroleum Engineering	PE
Naval Architecture and Marine Engineering	NM	Humanitaies and Social Sicences	XH
Statistics	ST	Data Sicences and Artificial Intelligiens	DA

गेट परीक्षा की योजना एवं संरचना :–

- गेट परीक्षा वर्तमान में उपर्युक्त रुप से उल्लेखित 30 विषयों में आयोजित की जाती है। आवेदक अपनी योग्यता के अनरुप किसी एक या दो विषय में इस परीक्षा में सम्मिलित हो सकता है। दो विषय में शामिल होने के लिये इनके लिये पूर्व निर्धारित सूची में से विषयों को चुनना होता है।
- यह पूर्णरुपेण कम्प्युटर आधारित ऑनलाईन परीक्षा होता है। परीक्षा माह फरवरी/मार्च में आयोजित की जाती है।

- सामान्यतः सिविल, मेकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, कम्प्युटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेली कम्युनिकेशन विषयों जिनमें परीक्षार्थियों की संख्या अधिक होती है अतः इन विषयों में यह परीक्षा एक से अधिक सत्रों में तथा एक से अधिक दिन में आयोजित की जाती है। शेष विषयों में यह परीक्षा केवल एक से सेशन में एक ही दिन आयोजित होती हैं।
- यह परीक्षा 3 घंटे की समयावधि की एवं 100 अंकों की होती है जिसमें कुल 65 प्रश्न सम्मिलित होते है। 65 प्रश्नों में 10 प्रश्न सामान्य योग्यता के तथा 55 प्रश्न विषय पर आधारित होते है।
- प्रश्नों में एक सही उत्तर वाले बहुविकल्पीय प्रश्न, बहुविकल्पकीय उत्तरों वाले प्रश्न (multiple choice questions) एवं आंकिक उत्तरों वाले (numerical answer type) होते है। बहुविकल्पकीय उत्तरों वाले प्रश्नों हेतु चार दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प कम्प्युटर में दिये गये स्थान के समक्ष माउस द्वारा क्लिक करके देना होता है। आंकिक उत्तरों वाले प्रश्नों के कोई विकल्प उपलब्ध नहीं होता है, परीक्षार्थी दिये गये रफ पेपर में हल कर सही उत्तर आभासी की बोर्ड (virtual key board) के माध्यम से उचित संख्या माउस द्वारा क्लिक कर कम्प्युटर में अंकित करता है।
- एक सही उत्तर वाले बहुविकल्पीय प्रश्नों में गलत उत्तर पर एक तिहाई नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है। बहुविकल्पकीय उत्तरों वाले प्रश्न (multiple choice questions) एवं आंकिक उत्तरों वाले (numerical answer type) में गलत उत्तर पर नकारात्मक मूल्यांकन नहीं होता है।
- प्रत्येक प्रश्न पत्र में 15 अंकों के कुल 10 प्रश्न सामान्य योग्यता (General Aptitude) के होते है। जिससे आवेदक की तार्किक एवं भाषायी ज्ञान की परख की जाती है। इनमें 5 प्रश्न 1 अंकों के तथा 5 प्रश्न 2 अंकों के होते हैं। शेष 55 प्रश्नों में से 25 प्रश्न 1 अंकों के एवं 30 प्रश्न 2 अंकों के होते हैं जो विषय पर आधारित होते है जिनमें इंजीनियरिंग मैथ्स के प्रश्न भी सम्मिलित होते हैं।
- परीक्षा के प्रश्न छोटे होते है जो मुख्यतः परीक्षार्थी के याददाश्त (memory recall), समझ (Comprehension) प्रयोग एवं विश्लेषण (application and analysis) पर आधारित होते है। परीक्षार्थियों को समस्त प्रश्नों के उत्तर निर्धारित 3 घंटे की समयावधि में पूर्ण करना होता है, तत्पष्चात कम्प्युटर का विंडों स्वयमेव बंद हो जाता है।
- सभी प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होते है।
- गेट का स्कोर कार्ड 3 साल के लिये वैध होते है। इसका उपयोग एम.टेक/एम.ई/पीएचडी में प्रवेश के लिये तथा सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के कम्पनियों में भर्ती के लिये किया जाता है।
- गेट का परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद उन सभी विद्यार्थियों की गेट स्कोर कार्ड जारी किया जाता है जिन्होने अजा/अजजा/दिव्यांग आवेदकों के लिए उस प्रश्न पत्र में निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक से अधिक अंक प्राप्त किया हो।

गेट हेतु क्वालिफाईंग अंक :–

गेट हेतु क्वालिफाइंग अंक प्रतिवर्ष परिवर्तित हो सकते है, तथापि 100 अंकों के कुल में से सामान्यतः इसका निर्धारण निम्नानुसार किया जाता है :–

सामान्य वर्ग के आवेदकों के लिए :– सामान्यतः 25 अंक अथवा समस्त आवेदकों के समान्तर माध्य एवं मानक विचलनों का योग (जो भी अधिक हो) लिया जाता है जो सामान्यतः 25 से 50 अंकों के मध्य आता है।

- अन्य पिछडा वर्ग हेतु क्वालिफाईग अंक सामान्य वर्ग के क्वालिफाईग अंक का 90 प्रतिशत होता है।
- अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग हेतु यह अंक सामान्य जाति के क्वालिफाईग अंक का 2/3 अर्थात 66. 67 प्रतिशत होता है।

गेट के स्कोर के आधार पर प्रवेश, फेलोशिप एवं भर्ती के अवसर

- गेट के स्कोर के आधार पर आवेदक उच्च शिक्षण के भारतीय तथा कतिपय विदेशी संस्थानों में प्रवेश पा सकते हैं, जिनमें भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर (Indian institute of science Bangalore) के अतिरिक्त समस्त भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs), राष्ट्रीय प्राद्योगिकी संस्थानों (NITs) सहित समस्त राजकीय एवं निजी संस्थानों की एम.ई/एम.टेक/पी.एच.डी पाठ्यक्रम सम्मिलित है।
- प्रवेश हेतु आवेदकों को अपने एच्छिक संस्थान में पृथक – पृथक आवेदक करना होगा। प्रवेश की प्रक्रिया संस्थानों के नियमानुसार अलग–अलग हो सकती है जो पूर्णरुपेण गेट के अंको के आधार पर अथवा गेट के अंकों का 70 प्रतिशत एवं साक्षात्कार तथा बी.ई के अंकों का 30 प्रतिशत अधिभार के अनुसार हो सकती है। किसी भी स्थिति में गेट के अंको का अधिभार 70 प्रतिशत से कम नहीं होता है।
- गेट के अंकों के आधार पर विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के अंतर्गत स्थापित विभिन्न विज्ञान प्रयोगशालाओं में अनुसंधान हेतु कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप (JRF) की पात्रता प्राप्त होती है। आवेदक गेट के स्कोर के आधार पर 17000 रु. के मासिक छात्रवृति एवं 20000 रु. के मासिक अनुदान की पात्रता अपने रिसर्च के दौरान पाने की पात्रता रखता है।
- सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान अपने एन्ट्री लेवल ग्रेज्युएट इंजीनियरों की भर्ती गेट अंकों के आधार पर कर रही है। गेट के अंकों को स्क्रीनींग हेतु प्रयुक्त कर इन प्रतिष्ठानों द्वारा भर्ती संबंधी अग्रिम कार्यवाही की जाती है। वर्तमान में लगभग समस्त प्रतिष्ठित गेट स्कोर का उपयोग कर रहें है। जिनमें भारत पेट्रोलियम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, इडियन ऑइल कारपोरेशन, एन.टी.पी.सी, नवेली लिग्नाइट कारपोरेशन, सेल, भेल, भारतीय रेल्वे (तकनीकी शाखा) आदि शामिल है।

  विशेष टीपः– गेट परीक्षा अब केवल इंजीनियरिंग और गणित के छात्रों तक ही सीमित नहीं है, इसे कामर्स/कला/विज्ञान/कृषि आदि के छात्रों के लिये भी विस्तारित किया गया है। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य बहुविषयक पढ़ाई और अनुसंधान को बढ़ावा देना है। बी.एस.सी./बी.कॉम/बीए स्नातक छात्र भी गेट के माध्यम से विभिन्न मास्टर प्रोग्राम्स में प्रवेश प्राप्त कर सकते है।

संपर्क :– इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक वेबसाईट www.gate.iitg.ac.in से प्राप्त कर सकते है।

58. भारतीय प्रबंधन संस्थानों में प्रवेश हेतु कॉमन एडमिशन टेस्ट (CAT)

भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर सहित देश के 20 भारतीय प्रबंधन संस्थानों (IIM) के लगभग 6000 सीटों एवं गैर IIM सदस्य संस्थानों के लगभग 10000 सीटों में पोस्ट ग्रेच्युट स्तर के प्रबंधन पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कॉमन एडमिशन टेस्ट (CAT) का आयोजन भारतीय प्रबंधन संस्थानों द्वारा प्रतिवर्ष सामान्यतः अक्टूबर/नवंबर माह में किया जाता है। इस परीक्षा के लिए ऑनलाईन आवेदन सामान्यतः अगस्त एवं सितम्बर माह में आमंत्रित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :– किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से उम्मीदवार को स्नातक या समकक्ष परीक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंको से (अजजा/अजा/दिव्यांग आवेदकों के लिए 45 प्रतिशत अंक से) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। जो अभ्यर्थी स्नातक डिग्री/सकमक्ष योग्यता परीक्षा के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत है वे भी इस परीक्षा में भाग ले सकते है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थियों को IIM के वेबसाईट www.iimcat.ac.in में ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन कराना होता है।

परीक्षा योजना :– कॉमन एडिमिशन टेस्ट परीक्षा कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) होता है। जिसमें बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देना होता है। इस परीक्षा में एक ही प्रश्न पत्र होता है। प्रश्न पत्र के भाग एवं विवरण निम्नानुसार है :–

क्रमांक	विवरण	लगभग प्रश्न	कुल समय
1	भाग–I Quantitative Aptitude	22	40 मिनट
2	भाग–II Verbal Ability and Reading Comprehension	24	40 मिनट
3	भाग–III Data Interpretation and Logical Reasoning	20	**40** मिनट
	कुल	**66**	

टीप :–

1. प्रश्न बहुविकल्पीय एवं TITA (Type In The Answer) प्रकार के होते है।
2. बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्नों में प्रत्येक सही उत्तर के लिये 3 अंक दिया जाता है तथा गलत उत्तर के लिये एक तिहाई अंक काटा जाता है।
3. प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होता है।
4. Reading Comprehension में 4–5 पैसेज होते है, जिनमें से प्रत्येक पर आधारित 4–5 प्रश्न पूछे जाते है।
5. Verbal Ability में पैराग्राफ जंबल, पैराग्राफ समरी जैसे प्रश्न होते है।

परीक्षा परिणाम :– परीक्षा परिणाम सामान्यतः दिसम्बर माह में जारी किया जाता है। CAT स्कोर की वैधता उसके जारी होने के दिनांक से एक वर्ष के लिए होती है।

प्रवेश प्रक्रिया :– प्रत्येक IIM एवं गैर IIM सदस्य संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया के दूसरे चरण के लिए प्रक्रिया अलग अलग होती है। द्वितीय चरण की प्रक्रिया में सामान्यतः लिखित क्षमता टेस्ट (WAT) समूह चर्चा (GD) और व्यक्तिगत साक्षात्कार (PI) सम्मिलित होते है। प्रवेश प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में IIM उम्मीदवारों के पिछले शैक्षिक

प्रदर्शन, प्रासंगिक कार्य अनुभव तथा किसी अन्य प्रकार के जानकारी के आधार पर अभ्यर्थियों को शार्ट लिस्ट कर उनके रैंकिंग तय करते है।

प्रवेश प्रक्रिया के लिए विभिन्न संस्थानों के लिए निर्धारित मापदण्ड सामान्यतः निम्नानुसार होता है– 1 CAT के स्कोर का 25 से 50 प्रतिशत भारांश अंक,

2. व्यक्तित्व परीक्षण का 25 से 40 प्रतिशत भारांश अंक

3. ग्रुप डिस्कशन का 10 से 15 प्रतिशत भारांश अंक

4. एकाडमिक प्रोफाईल का 10 से 20 प्रतिशत भारांश अंक

5 कार्याअनुभव का 5 से 10 प्रतिशत अंक

IIM तथा उनके पोस्ट ग्रेच्युट प्रोग्राम में उपलब्ध अनुमानित सीटे वेबसाईट के पते :–

क्रमांक	IIM का नाम	उपलब्ध अनुमानित सीटे	वेबसाईट का पता
1	IIM अहमदाबाद	400–450	www.iimahd.ernet.in
2	IIM बैंगलोर	400–450	www.iimb.ernet.in
3	IIM कलकत्ता	450–480	www.iimcal.ac.in
4	IIM इन्दौर	450	www.iimdr.ac.in
5	IIM कांशीपुर	240	www.iimkashipur.ac.in
6	IIM कोझिकोड	400	www.iimk.ac.in
7	IIM लखनऊ	450	www.iiml.ac.in
8	IIM रायपुर	260	www.iimraipur.ac.in
9	IIM रांची	200–240	www.iimranchi.ac.in
10	IIM रोहतक	240	www.iimrohtak.ac.in
11	IIM शिलांग	180	www.iimshillong.ac.in
12	IIM तिरूचिपल्ली	240–260	www.iimtrichy.ac.in
13	IIM उदयपुर	250	www.iimu.ac.in
14	IIM नागपुर	240	www.iimnagpur.ac.in/
15	IIM सिरमौर	180	www.iimsirmaur.ac.in/
16	IIM अमृतसर	240	www.iimamritsar.ac.in
17	IIM बोधगया	120–180	www.iimbg.ac.in/
18	IIM सम्बलपुर	120–180	www.iimsambalpur.ac.in/
19	IIM अमृतसर	240	www.iimv.ac.in/
20	IIM जम्मू	240	www.iimj.ac.in/

CAT का पाठ्यक्रम :– Quantitative Ability and Data Interpretation के अन्तर्गत सामान्यतः अंकगणित, बीजगणित, सांख्यिकी, त्रिकोणमिति आदि से संबंधित स्नातक स्तर के प्रश्न होते हैं। Verbal Ability and Logical Reasoning में उच्च स्तरीय तर्कशक्ति एवं अंग्रेजी भाषा के ज्ञान से संबंधित प्रश्न होते है। अंग्रेजी के प्रश्नों में Comprehension Reading के प्रश्नों के बहुलता होती है।

विशेष टीपः– CAT के साथ–साथ मैनेजमेंट पाठ्यक्रमों प्रवेश के लिये CMAT (कॉमन मैनेजमेंट एडमिशन टेस्ट) MAT (मैनेजमेंट एपीट्यूड टेस्ट) XAT (जेवियर एपीट्यूड टेस्ट) आदि भी आयोजित किया जाता है।

संपर्क :– इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक वेबसाईट www. www.iimcat.ac.in से प्राप्त कर सकते है। विभिन्न IIM में उपलब्ध सीटों एवं उनके प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में जानकारी संबंधित IIM के वेबसाईट से प्राप्त कर सकते है।

एक विचार लो उस विचार को अपना जीवन बना लो। उसके बारे में सोचो, उसके सपने देखो, उस विचार को जीयो और बाकी सभी विचार को किनारे कर दो। यहीं सफल होने का तरीका है।

Take of one idea, make that idea your life - think of it, dream of it, leave on that idea and just leave every other idea alone. This is the way to success.

- स्वामी विवेकानंद

58 (अ.) छ.ग. में MBA पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये आयोजित होने वाली CMAT परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन, तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, मंत्रालय, रायपुर के अधिसूचना क्रमांक/एफ–9–32/2012/42 दिनांक 25.06.2012 के अनुसार राज्य में संचालित MBA/PGDM पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश CMAT परीक्षा के मेरिट सूची के आधार पर होगा। पूर्व में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (AICTE) द्वारा CMAT परीक्षा प्रतिवर्ष आयोजित की जाती थी, लेकिन वर्ष 2019 से यह परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा यह परीक्षा आयोजित किया जा रहा है। CMAT परीक्षा सामान्यतः जनवरी/फरवरी में आयोजित की जाती है। जिसके लिए आवेदन सामान्यतः अक्टूबर/नवम्बर में आमंत्रित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक परीक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांग श्रेणी के आवेदकों को न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

आवेदन प्रक्रिया :–

परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये आवेदकों को परीक्षा तिथि के लगभग दो माह पहले से NTA के वेबसाईट http://exams.nta.ac.in/CMAT में रजिस्ट्रेशन कराना होता है। अन्य किसी भी प्रकार से आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में सिर्फ **ऑनलाईन** (CBT) आयोजित की जाती है, परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	20	80	3 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान एवं व्याख्या	20	80	
3.	संख्यात्मक अभिरूचि तथा आंकड़ों का विश्लेषण	20	80	
4.	सामान्य जागरूकता	20	80	
5	इनोवेशन एंड इंटरप्रेन्यूरशिप	20	80	
	योग	**100**	**400**	

टीप :– 1.परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता ळें

2. CMAT के आधार पर ही भारत के लगभग 1500 कॉलेज एमबीए में प्रवेश देते है।

सीटों का आबंटन – दस्तावेजों परीक्षण केन्द्र से सभी अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के सत्यापन के पश्चात् एक निश्चित तिथि को सभी अभ्यर्थियों का संस्था आबंटन किया जाता है। अभ्यर्थियों को उनके द्वारा दिये विकल्प का आबंटन

दस्तावेज परीक्षण केन्द्र द्वारा दिये गये एप्लीकेशन कम ऑप्शन फार्म के प्रिन्ट आउट में दिये गये जानकारी के अनुसार उनके प्रवेश परीक्षा के मेरिट के आधार तथा उस वर्ग/प्रवर्ग में वह सीट उसकी बारी आने तक उपलब्ध रहने के आधार पर होता है।

आबंटन हेतु प्राथमिकता का क्रम निम्नानुसार रहता है –

1. सबसे पहले छ.ग. के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों का CMAT की मेरिट के आधार पर सीट आबंटन किया जाता है।

2. तत्पश्चात सीट रिक्त रहने पर छ.ग. के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों MAT/CAT/ XAT/JMET/ATMA के मेरिट के आधार पर सीट आबंटन किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के विभिन्न संस्थानों में MBA पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध सीटों का विवरण (01 जनवरी 2024 की स्थिति में) :–

S.No.	Name of MBA Institution	Intake
1.	Shahid Mahendra Karma Univercity Jagdalpur	60
2.	Bhilai Institute of Technology, Bhilai-House, Bhilai, Durg	180
3.	Taigour Collage Of Management Bilaspur	120
4.	Choukse Engineering College, Lal Khadan, Masturi Road, Bilaspur	60
5.	Columbia Institute of Engg. & Technology, Vill-Tekari, Raipur	60
6.	Disha Institute of Management and Technology, Nardaha, Raipur	240
7.	Dr. C.V. Raman Institute of Science & Technology, Kota, Bilaspur	60
8.	Rungta College of Engineering & Technology, Kurud, Bhilai	60
9.	Kruti Institute of Tech. & Engineering, Near Gyan Ganga School, Raipur	30
10	Raipur Institute of Technology, Chhatona, Mandir Hasaud, Raipur	120
11	RSR Rungta College of Engineering & Techology, Kohka Road, Kurud, Bhilai	180
12	Shri Sankaracharya Institute of Professional Mant. & Technology, Raipur	180
13	Shri Sankaracharya Institute of Tech. & Management, Junwani, Bhilai	180
14	Lamxichand Institute of Technology & Management, Bilaspur	60
15	Mats School of Mangt. Studies and Research, MATS University, Arang	120
Total		**1710**

पाठ्यक्रम :–

(क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।
(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।
(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।
(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक संचालक, तकनीकी शिक्षा, बैरन बाजार, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या तकनीकी शिक्षा के वेबसाईट www.cgdteraipur.ac.in या अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के वेबसाईट www.aicte-cmat.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इंतजार करना बंद करो, क्योंकि सही समय कभी नहीं आता।
Don"t wait. The time will never be just right.
- Napoleon Hill

59. कर्मचारी चयन आयोग
(मैट्रिक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा)

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारत सरकार के विभिन्न विभागों यथा केन्द्रीय मंत्रालय सेवा, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, निर्वाचन आयोग, आयकर विभाग, सी0बी0आई0, नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय आदि में डाटा एण्ट्री ऑपरेटर, सहायक ग्रेड–3 (LDC), पोस्टल अस्सिटेंट आदि के पदों के लिये संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः जून/जुलाई माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त मैट्रिक स्तरीय, TIER-1 की लिखित परीक्षा सामान्यतः अक्टूबर/नवम्बर माह में बिलासपुर, रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। डाटा एण्ट्री ऑपरेटर पद के लिये आवेदक को गणित विषय के साथ 12 वीं पास होना अनिवार्य है।
2. आयु सीमा – 18 वर्ष से 27 वर्ष तक

टीप :–

भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

कर्मचारी चयन आयोग के संबंधित क्षेत्रीय/उपक्षेत्रीय कार्यालय में अभ्यर्थी द्वारा केवल एक ही आवेदन पत्र ऑनलाईन माध्यम से जमा करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी http://ssconline.nic.in पर आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 चरणों में आयोजित की जाती है –

प्रथम चरण (TIER-1) – वस्तुनिष्ठ प्रश्न (ऑनलाईन)

द्वितीय चरण (TIER-2) – वस्तुनिष्ठ प्रश्न (ऑनलाईन)

प्रथम चरण (TIER-1) - प्रथम चरण की परीक्षा ऑनलाईन (CBT) में आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न पूछे जाते है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार हैः–

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	सामान्य बुद्धिमता	25	50	1 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	25	50	
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	25	50	

4.	सामान्य सचेतता	25	50	
	योग	**100**	**200**	

टीप :– 01. प्रथम चरण में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

02. प्रथम चरण में क्वालिफाई करने के लिये अनारक्षित वर्ग के आवेदकों को 30 प्रतिशत, अपिव एवं EWS को 25 प्रतिशत तथा अन्य वर्गों को 20 प्रतिशत अंक प्राप्त अनिवार्य होता है।

द्वितीय चरण (TIER-2)- प्रथम चरण में अर्ह घोषित किये गये आवेदकों को द्वितीय चरण की परीक्षा के लिये आमंत्रित किया जाता है। यह परीक्षा भी वस्तुनिष्ठ प्रकार का ऑनलाईन होता है।

परीक्षा की संरचना निम्नानुसार हैः–

सत्र	**विषय**	**प्रश्नों की संख्या**	**अधिकतम अंक**	**समय**
सत्र प्रथम (2 घंटा 15 मिनट)	भाग–ए 1. प्रारंभिक गणित 2. तर्कशक्ति एवं सामान्य बुद्धिमता	30 30	90 90	1 घंटा
	भाग–बी 1. अंग्रेजी भाषा एवं परिज्ञान 2. सामान्य योग्यता	40 20	120 60	1 घंटा
	भाग–सी 1. कम्प्यूटर ज्ञान	15	45	15 मिनट
सत्र द्वितीय (कौशल परीक्षण)	भाग–ए एवं भाग–बी	डाटा एण्ट्री ऑपरेटर के लिये कौशल परीक्षण	क्वालिफाई होना जरूरी	15 मिनट
	भाग–सी	सहायक ग्रेड–03 के लिये कौशल परीक्षण	क्वालिफाई होना जरूरी	10 मिनट

टीपः– :– 01. द्वितीय चरण के प्रथम सत्र के परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

02. . द्वितीय चरण के क्वालिफाई करने के लिये अनारक्षित वर्ग के आवेदकों को 30 प्रतिशत, अपिव एवं EWS को 25 प्रतिशत तथा अन्य वर्गों को 20 प्रतिशत अंक प्राप्त अनिवार्य होता है।

3. द्वितीय चरण के प्रथम सत्र के भाग–सी कम्प्यूटर ज्ञान के परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इसके अंक अंतिम चयन परिणाम में नहीं जुड़ते है।

द्वितीय सत्र (कौशल परीक्षण) – द्वितीय चरण (TIER-2) में ही कौशल परीक्षा का आयोजन किया जाता है। डाटा एण्ट्री ऑपरेटर पद के लिये कम्प्यूटर में 8,000 प्रति घंटा की–डिप्रेशन (भारत सरकार खाद्य एवं उपभोक्ता मामले के विभाग तथा संस्कृति विभाग में 15000 प्रति घंटा की–डिप्रेशन) की परीक्षा ली जाती है, इसके लिये आवेदक को अंग्रेजी में 2,000–2,200 की–डिप्रेशन को 15 मिनट में टाईप करना होता है। सहायक ग्रेड–3 पद के लिये आवेदक को अपनी इच्छानुसार हिन्दी या अंग्रेजी में कम्प्यूटर में टाईप करना होता है। अंग्रेजी में टाईप की गति 35 शब्द प्रति मिनट तथा हिन्दी में टाईप की गति 30 शब्द प्रति मिनट की होना चाहिये। आवेदक को इस परीक्षा में 10

मिनट में अंग्रेजी या हिन्दी के दिये हुये पैराग्राफ को टाईप करना होता है। कौशल परीक्षण में सिर्फ उत्तीर्ण होना होता है, इसके अंक वरीयता सूची में नहीं जोड़े जाते हैं।

पाठ्यक्रम :–

प्रथम स्तर – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

चयन सूची– अंतिम चयन सूची द्वितीय चरण के प्रथम सत्र के भाग ए एवं भाग बी के कुल प्राप्तांक (360 अंक) के आधार पर संवर्गवार तथा आवेदक द्वारा चयनित पद वरीयता के आधार पर तैयार किया जाता है।

टीप :– प्रश्नों का स्तर बारहवीं कक्षा के अनुरूप होता है।

टीप :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक/दिव्यांग आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. लिखित परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही कौशल परीक्षा के लिये पात्र होते हैं। आयोग इन परीक्षाओं के पूरे प्रश्न पत्र के लिये एवं प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है।

3. कम्प्यूटर कौशल परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है, इस परीक्षण के अंक वरीयता सूची बनाते समय नहीं जोड़े जाते हैं।

4. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय होते हैं, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

5. आवेदन के साथ आवेदक को पदों एवं विभागों की वरीयता उल्लेखित करनी होती है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक उपनिदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, एल–7 अनुपम नगर, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या कर्मचारी चयन आयोग के वेबसाईट http://ssc.nic.in या www.ssc.mpr.org से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सफलता का मतलब सिर्फ असफल होना नहीं है, बल्कि सफलता का सही अर्थ है अपने असली लक्ष्य को प्राप्त करना। इसका मतलब है पूरा युद्ध जीतना, न कि छोटी मोटी लड़ाईयाँ जीतना।

एडविन सी. ब्लिस्

60. कर्मचारी चयन आयोग
(स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा)

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारत सरकार के विभिन्न विभागों यथा केन्द्रीय मंत्रालय सेवा, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, विदेश मंत्रालय, आयकर विभाग, सी.बी.आई., नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय, डाक विभाग, रेल विभाग, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय आदि में सहायक (असिस्टेंट), निरीक्षक (इंस्पेक्टर), सांख्यिकी अन्वेषक, उच्च श्रेणी लिपिक, कर सहायक, लेखा परीक्षक (ऑडिटर), कनिष्ठ लेखाकार, सहायक अनुभाग अधिकारी आदि के ग्रुप बी एवं ग्रुप सी पदों के लिये प्रतिवर्ष संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः मई/जून माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त स्नातक स्तरीय, स्तर–1 की परीक्षा सामान्यतः अगस्त माह में तथा स्तर–2 की परीक्षा सामान्यतः नवम्बर, स्तर तीन की परीक्षा जनवरी तथा कौषल परीक्षा सामान्यतः फरवरी माह में बिलासपुर, रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। सहायक लेखाधिकारी, सहायक ऑडिट अधिकारी एवं कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी पदों के लिए संबंधित/समकक्ष विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदक ही आवेदन कर सकता है।
2. आयु सीमा –

क्र.	पदों की श्रेणी	आयु सीमा
1.	आयकर निरीक्षक, निरीक्षक (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क), डाक निरीक्षक, उच्च श्रेणी लिपिक, कनिष्ठ लेखाकार, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी आदि	18 वर्ष से 30 वर्ष तक
2.	केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई.) उपनिरीक्षक, सहायक अनुभाग अधिकारी	20 वर्ष से 30 वर्ष तक
3.	कनिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी, सांख्यिकीय अन्वेषण ग्रेड–2	18 वर्ष से 32 वर्ष तक
4	कर सहायक	18 वर्ष से 27 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

शारीरिक मापदंड :–

क्र.	पद का नाम	महिला	पुरूष
1.	निरीक्षक (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क / परीक्षक / निवारक अधिकारी)	**ऊंचाई** 152 सेमी. **भार** 48 किग्रा. **पैदल चलना** 20 मिनट में 1 किमी., **सायकल चलाना** 25 मिनट में 3 किमी.	**ऊंचाई** 157.5 सेमी. **सीना** 81 सेमी. **पैदल चलना** 15 मिनट में 1600 मी., **सायकल चलाना** 30 मिनट में 8 किमी.
2.	सी0बी0आई0 उपनिरीक्षक	**ऊंचाई** 150 सेमी., दृष्टिदोष नहीं होना चाहिये।	**ऊंचाई** 165 सेमी., **सीना** 76 सेमी., दृष्टिदोष नहीं होना चाहिये।

आवेदन प्रक्रिया :– कर्मचारी चयन आयोग के संबंधित क्षेत्रीय / उपक्षेत्रीय कार्यालय में अभ्यर्थी द्वारा केवल एक ही आवेदन पत्र ऑनलाईन माध्यम से जमा करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी http://ssconline.nic.in पर आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 चरणों में आयोजित की जाती है –

प्रथम चरण (TIER-1) – वस्तुनिष्ठ प्रश्न (ऑनलाईन)

द्वितीय चरण (TIER-2) – वस्तुनिष्ठ प्रश्न (ऑनलाईन)

प्रथम चरण (TIER-1) - प्रथम चरण की परीक्षा ऑनलाईन (CBT) में आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न पूछे जाते है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार हैः–

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति	25	50	1 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	25	50	
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	25	50	
4.	सामान्य सचेतता	25	50	
	योग	**100**	**200**	

टीप :– 01. प्रथम चरण में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

02. प्रथम चरण में क्वालिफाई करने के लिये अनारक्षित वर्ग के आवेदकों को 30 प्रतिशत, अपिव एवं EWS को 25 प्रतिशत तथा अन्य वर्गों को 20 प्रतिशत अंक प्राप्त अनिवार्य होता है।

द्वितीय चरण (TIER-2)- प्रथम चरण में अर्ह घोषित किये गये आवेदकों को द्वितीय चरण की परीक्षा के लिये आमंत्रित किया जाता है। यह परीक्षा भी वस्तुनिष्ठ प्रकार का ऑनलाईन होता है।

परीक्षा की संरचना निम्नानुसार हैः–

पेपर	सत्र	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	समय
पेपर प्रथम	प्रथम सत्र (2 घंटा 15 मिनट)	भाग–ए 1. प्रारंभिक गणित	30	90	1 घंटा

		2. तर्कशक्ति एवं सामान्य बुद्धिमता	30	90	
		भाग–बी 1. अंग्रेजी भाषा एवं परिज्ञान 2. सामान्य योग्यता	45 25	135 75	1 घंटा
		भाग–सी 1. कम्प्यूटर ज्ञान	20	60	15 मिनट
	द्वितीय सत्र (15 मिनट)	डाटा एण्ट्री स्पीड टेस्ट	क्वालिफाई होना जरूरी	–	15 मिनट
पेपर द्वितीय (सिर्फ कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी एवं सांख्यिकीय अन्वेषण ग्रेड–2)	सांख्यिकीय		100	200	2 घंटा

टीपः– :– 01. द्वितीय चरण के प्रथम पेपर के परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। द्वितीय पेपर में गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

02. . द्वितीय चरण के क्वालिफाई करने के लिये अनारक्षित वर्ग के आवेदकों को 30 प्रतिशत, अपिव एवं EWS को 25 प्रतिशत तथा अन्य वर्गों को 20 प्रतिशत अंक प्राप्त अनिवार्य होता है।

3. द्वितीय चरण के प्रथम सत्र के भाग–सी कम्प्यूटर ज्ञान के परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इसके अंक अंतिम चयन परिणाम में नहीं जुड़ते है।

द्वितीय सत्र (कौशल परीक्षण) – द्वितीय चरण (TIER-2) में ही कौशल परीक्षा का आयोजन किया जाता है। डाटा एण्ट्री स्पीड टेस्ट के लिये कम्प्यूटर में 8,000 प्रति घंटा की–डिप्रेशन की परीक्षा ली जाती है, इसके लिये आवेदक को अंग्रेजी में 2,000–2,200 की–डिप्रेशन को 15 मिनट में टाईप करना होता है। कौशल परीक्षण में सिर्फ उत्तीर्ण होना होता है, इसके अंक वरीयता सूची में नहीं जोड़े जाते हैं।

पाठ्यक्रम :–

परीक्षा का स्तर–1 (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

चयन सूची– अंतिम चयन सूची द्वितीय चरण के प्रथम पेपर के भाग ए एवं भाग बी के कुल प्राप्तांक (390 अंक, (सिर्फ कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी एवं सांख्यिकीय अन्वेषण ग्रेड–2 के लिये 590 अंक) के आधार पर संवर्गवार तथा आवेदक द्वारा चयनित पद वरीयता के आधार पर तैयार किया जाता है।

टीप :– प्रश्नों का स्तर स्नातक के डिग्री के अनुरूप होता है।

परीक्षा का स्तर–2 प्रश्न पत्र 1 अंकगणित क्षमता – इसके प्रश्नों को अभ्यर्थी द्वारा संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग तथा संख्या के बोध की क्षमता की जांच के लिये तैयार किया जाता है।

प्रश्न पत्र 2 अंग्रेजी भाषा एवं परिज्ञान – इस घटक में अभ्यर्थी के अंग्रेजी भाषा की समझ और जानकारी की जांच के लिये प्रश्न तैयार किये जाते हैं।

विशेषः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. स्तर–1 के परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही स्तर–2 के परीक्षा के लिये पात्र होते हैं। आयोग इन परीक्षाओं के पूरे प्रश्न पत्र के लिये एवं प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है।

3. कम्प्यूटर कौशल परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है, इस परीक्षण के अंक वरीयता सूची बनाते समय नहीं जोड़े जाते हैं।

4. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय होते हैं, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

5. आवेदन के साथ आवेदक को पदों की वरीयता उल्लेखित करनी होती है।

संपर्क :–उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक उपनिदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, जे–5 अनुपम नगर, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या कर्मचारी चयन आयोग के वेबसाईट http://ssc.nic.in या www.ssc.mpr.org से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

यूँ हीं नही मिलती राही को मंजिल,
एक जुनून सा दिल में जगाना होता है।
पूछा किसी ने चिड़िया से कैसे बना आशियाना,
चिड़िया बोली –
भरनी पड़ती उड़ान बार–बार,
तिनका–तिनका उठाना होता है।।

61. केन्द्रीय कार्यालयों में जूनियर इंजीनियर संयुक्त भर्ती परीक्षा

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रतिवर्ष केन्द्रीय कार्यालयों यथा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD), सीमा सड़क संगठन (BRO), सेना इंजीनियरिंग सेवा (MES), केन्द्रीय जल आयोग (CWC), नेशनल टेक्नीकल रिसर्च आर्गेनाइजेशन (NTRO) आदि में जूनियर इंजीनियर (सिविल, मेकेनिकल, इलेक्ट्रीकल, क्वांटिटी सर्वे) आदि के लिए संयुक्त परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः अक्टूबर/नवम्बर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः जनवरी/फरवरी माह में रायपुर, सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। ये पद भारत सरकार के सामान्य केन्द्रीय सेवा (तकनीकी) के अन्तर्गत ग्रुप–बी अराजपत्रित, गैर मंत्रालयीन संवर्ग के पद है।

आवश्यक अर्हता :–

क्रमांक	विभाग का नाम	पद का नाम	शैक्षणिक अर्हता	आयु सीमा
1	CPWD	**जूनियर इंजीनियर (सिविल एवं इलेक्ट्रीकल)**	**संबंधित शाखा में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा या समकक्ष**	**18 से 32 वर्ष**
2	MES	**जूनियर इंजीनियर (सिविल, मैकनिकल, इलेक्ट्रीकल)**	संबंधित **शाखा** में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिग्री **अथवा** संबंधित शाखा में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा एवं दो वर्ष का अनुभव	**18 से 30 वर्ष**
3	MES	**जूनियर इंजीनियर** (Quantity Surveying & Contract)	**संबंधित शाखा में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा या समकक्ष**	**18 से 27 वर्ष**
4	BRO	**जूनियर इंजीनियर (सिविल, मैकनिकल, इलेक्ट्रीकल)**	**संबंधित शाखा में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा या समकक्ष तथा दो वर्ष का संबंधित क्षेत्र में अनुभव (वांछनीय)**	**18 से 30 वर्ष**
5	CWC	**जूनियर इंजीनियर (सिविल एवं मैकनिक)**	**संबंधित शाखा में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा या समकक्ष**	**18 से 32 वर्ष**
6	NTRO	**जूनियर इंजीनियर (सिविल, मैकनिकल, इलेक्ट्रीकल)**	**संबंधित शाखा में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा या समकक्ष**	**18 से 30 वर्ष**

टीप :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

2. आवेदकों के आयु की गणना विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 अगस्त की स्थिति में किया जाता है तथा इस तिथि को उनके पास न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता का प्रमाण पत्र होना आवश्यक होता है।

आवेदन प्रक्रिया :–

कर्मचारी चयन आयोग के संबंधित क्षेत्रीय/उपक्षेत्रीय कार्यालय में अभ्यर्थी द्वारा केवल एक ही आवेदन पत्र ऑनलाईन माध्यम से जमा करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी http://ssconline.nic.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को आवेदन पत्र में परीक्षा केन्द्र भी दर्शाना होता है। आवेदन पत्र में आवेदक को विभिन्न विभागों एवं पदों के लिए अपना वरीयता उल्लेखित करना अनिवार्य होता है।

परीक्षा योजना :–

इस परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के 2 प्रश्न पत्र होते है। दोनों प्रश्न पत्र ऑनलाईन (CBT) आयोजित की जाती है –

प्रथम प्रश्न पत्र (बहुविकल्पीय प्रश्न, ऑनलाईन)

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति	50	50	2 घंटा
2.	सामान्य ज्ञान एवं सामान्य जानकारी	50	50	
3.	पार्ट–A सामान्य इंजीनियरिंग (Civil & Structural) **या** पार्ट–B सामान्य इंजीनियरिंग (Electrical) या पार्ट–C सामान्य इंजीनियरिंग (Mechnical)	100	100	
	योग	**200**	**200**	

द्वितीय प्रश्न पत्र (बहुविकल्पीय प्रश्न, ऑनलाईन)

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	पार्ट–A सामान्य इंजीनियरिंग (Civil & Structural) **या** पार्ट–B सामान्य इंजीनियरिंग (Electrical) **या** पार्ट–C सामान्य इंजीनियरिंग (Mechnical)	100	300	2 घंटा

टीप :– 1. प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

2. प्रथम प्रश्न पत्र की तृतीय भाग तथा द्वितीय प्रश्न पत्र में आवेदक को अपने योग्यता एवं आवेदित पद के अनुसार तीनों भागों में से किसी एक भाग के प्रश्न को हल करना होता है।

3. आवेदको को सिर्फ द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए अपना स्लाईड रूल, नॉन प्रोग्रामेबल केलकुलेटर, लॉगरेथियम टेबल, स्टीम टेबल आदि ले जाने की अनुमति होती है। यह अनुमति प्रारंभिक परीक्षा के लिए नहीं होती है।

न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :– आयोग, प्रथम प्रश्न पत्र एवं द्वितीय प्रश्न पत्र के प्रत्येक भाग एवं कुल भाग में वर्गवार अलग–अलग न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है। न्यूनतम अर्हक अंक सामान्य वर्ग के लिये 30 प्रतिशत, अपिव एवं EWS के लिये 25 प्रतिशत तथा अजा/अजजा के लिये 20 प्रतिशत होता है।

चयन का तरीका :– प्रथम प्रश्न पत्र एवं द्वितीय प्रश्न पत्र के कुल प्राप्तांक (500 अंक) के आधार पर आयोग आवेदकों द्वारा आवेदन पत्र में दर्शाये गये विभिन्न केन्द्रीय सेवाओं के लिए वरीयता के अनुसार अखिल भारतीय योग्यता सूची तैयार करके चयन की अनुसंशा करता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रश्न पत्र–1 (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) इंजीनियरिंग – इसके पाठ्यक्रम लगभग डिप्लोमा स्तर का होता है।

प्रश्न पत्र–2 भाग–A ((Civil & Structural Engineering)) :– इस प्रश्न पत्र में Building Materials, Estimating, Costing and Valuation, Surveying, Soil Mechanics, Hydraulics, Irrigation Enigineering, Transportaion Engineering, Environmental Engineering, Theory of Structures, Concrete Technology, RCC Design, Steel Design आदि से सबंधित प्रश्न होते है।

भाग–B (Electrical Engineering) – इस प्रश्न पत्र में Circuit Law, Magnetic Circuit, AC Fundamentals, Measurement and measuring instruments, Electrical Machines, Sunchoronous Machines, Generation, Transmission and Distribution, Estimation and Costing, Utillization of Electrical Energy, Basic Electronics आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

भाग–C (Mechnical Engineering) – इस प्रश्न पत्र में Theory of Machines and Machine Design, Engineering Mechanics and Strength of Materials, Properties of Pure Substances, 1st Law of Thermodynamics, 2nd Law of Thermodynamics, Air standard cycles for IC engines, Fluid Mechanics and Machinery, Production Engineering आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी विभागों में अजा/अजजा/अपिव/EWS /दिव्यांग आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय (All India Services Liability AISL) **के होते हैं, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।**

3. आवेदन के साथ आवेदक को विभागों एवं पदों की वरीयता उल्लेखित करना अनिवार्य होता है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक उपनिदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, जे–5 अनुपम नगर, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या कर्मचारी चयन आयोग के वेबसाईट http://ssc.nic.in या www.ssc.mpr.org से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

परिश्रम सौभाग्य की जननी है।
Diligence is the mother of good luck.
- Benjamin Franklin

62. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कॉंस्टेबिल संयुक्त भर्ती परीक्षा

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रतिवर्ष केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, असम रायफल्स, सेक्रेटिरियल सिक्योरिटी फोर्स, नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो तथा सशस्त्र सीमा बल) में कॉंस्टेबिल (आरक्षक) के पदों के लिये संयुक्त चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः सितम्बर/अक्टूबर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः दिसम्बर/जनवरी माह में बिलासपुर, रायपुर, अंबिकापुर तथा जगदलपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. आयु सीमा – 18 वर्ष से 23 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

टीप :– दिव्यांग आवेदक इन पदों के लिए पात्र नहीं होते है। 10% पद भूतपूर्व सैनिक के लिए आरक्षित होते है। महिला आवेदक सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, असम रायफल्स आदि में पात्र होते है तथा उनके लिये अलग से रिक्तियां विज्ञापित होती है।

शारीरिक मापदंड :– (सभी पदों के लिए)

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 157 सेमी. (अजजा के लिए 150 सेमी.) **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 170 सेमी. (अजजा के लिए 162 सेमी.) **सीना** 80 सेमी. (अजजा के लिए 76 सेमी.) फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :– ऊंचाई तथा सीना के संबंध में जम्मू कश्मीर एवं पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए नियमानुसार छूट दी जाती है।

शारीरिक दक्षता :–

क्र.	महिला	पुरूष
1	(क) 8 मिनट में 1600 मी. की दौड़ (ख) लद्दाख क्षेत्र के आवेदकों के लिये 5 मिनट में 800 मीटर की दौड़	(क) 24 मिनट में 5000 मी. की दौड़ (ख) लद्दाख क्षेत्र के आवेदकों के लिये 7 मिनट में 1600 मीटर की दौड़

टीप :– आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चष्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया :– कर्मचारी चयन आयोग के संबंधित क्षेत्रीय/उपक्षेत्रीय कार्यालय में अभ्यर्थी द्वारा केवल एक ही आवेदन पत्र ऑनलाईन माध्यम से जमा करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी http://ssconline.nic.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को आवेदन पत्र में परीक्षा केन्द्र भी दर्शाना होता है।

टीप :– सेक्रेटिरियल सिक्योरिटी फोर्स तथा नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के पद राष्ट्रीय स्तरीय होते है, जबकि अन्य सभी बलों में राज्यवार तथा वर्गवार आरक्षण होता है। राज्यवार आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक के पास उस राज्य विशेष का स्थानीय निवास प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। केन्द्रीय पुलिस संगठन के कर्मचारियों के बच्चे अपने मूल राज्य या अपने पालक के पदस्थापना वाले राज्य का स्थानीय निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उस राज्य के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए आवेदन कर सकते है। नक्सल प्रभावित जिलों तथा विदेशी राष्ट्रो के सीमा से लगे भारत के विभन्न राज्यों के जिलों के स्थानीय निवासियों के लिए भी पद आरक्षित होते है।

परीक्षा योजना :– यह परीक्षा निम्न 4 चरणों में होती है–

1. लिखित परीक्षा
2. शारीरिक मापदण्ड परीक्षण (PST)
3. शारीरिक दक्षता परीक्षण (PET)
4. मेडिकल टेस्ट

लिखित परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय (ऑनलाईन) प्रकार की होती है जिसकी संरचना निम्नानुसार है :–

लिखित परीक्षा

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
A	सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति	20	40	1 घंटा
B	सामान्य ज्ञान एवं सामान्य जानकारी	20	40	
C	मात्रात्मक अभिरूचि	20	40	
D	अंग्रेजी **या** हिन्दी भाषा	20	40	
	योग	80	160	

टीप :–1. लिखित परीक्षा के भाग A,B एवं C सभी आवेदकों के लिए अनिवार्य होता है। आवेदक भाग D में अपने इच्छानुसार अंग्रेजी या हिन्दी खण्ड का चयन करके उसके प्रश्नों को हल कर सकता है।

2. लिखित परीक्षा में गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

3. लिखित परीक्षा में सफल होने के लिए सामान्य वर्ग के आवेदकों को 30% अंक तथा अजा/अजजा के आवेदकों को 20% अंक तथा अपिव एवं EWS को 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

4. एनएनसी सर्टिफिकेट आवेदको को बोनस अंक प्रदान किया जाता है। इसमें सी सर्टिफिकेट वालों को लिखित परीक्षा का 5 प्रतिशत, बी सर्टिफिकेट वालों को लिखित परीक्षा का 3 प्रतिशत, ए सर्टिफिकेट वालों को लिखित परीक्षा का 2 प्रतिशत बोनस अंक दिया जाता है।

2. **शारीरिक मापदण्ड परीक्षण (PST) – लिखित परीक्षा में अर्ह घोषित आवेदकों को शारीरिक मापदण्ड परीक्षण के लिये बुलाया जाता है।**
3. शारीरिक दक्षता परीक्षण (PET) – **शारीरिक मापदण्ड परीक्षण (PST) में अर्ह घोषित आवेदकों को** शारीरिक दक्षता परीक्षण (PET) के लिये बुलाया जाता है। भूतपूर्व सैनिकों को इस परीक्षण से छूट है।
4. **मेडिकल टेस्ट– आयोग द्वारा बलों माण्दण्डों के अनुसार मेडिकल टेस्ट किया जाता है।**

चयन का तरीका :– लिखित परीक्षा के प्राप्तांक एवं एनएनसी के बोनस अंक (यदि हो तो) के आधार पर मेडिकल टेस्ट में पात्र पाये गये आवेदकों का राज्यवार एवं बलवार वरीयता सूची तैयार करके चयन किया जाता है।

पाठ्यक्रम :– लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी/हिन्दी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी/हिन्दी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

टीप :– प्रश्नों का स्तर 10वीं कक्षा के अनुरूप होता है।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी बलों में अजा/अजजा/ अपिव/EWS/भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. शारिरिक मापदण्ड परीक्षण एवं शारिरिक दक्षता परीक्षण में अर्ह घोषित किये गये आवेदक ही लिखित परीक्षा में शामिल हो सकते है।

3. इन सेवायें में महिलाओं के लिए विशेष रूप से चिन्हित पद आरक्षित होते है।

4. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय होते हैं, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

5. आवेदन के साथ आवेदक को बलों की वरीयता उल्लेखित करनी होती है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक उपनिदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, एल–7 अनुपम नगर, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या कर्मचारी चयन आयोग के वेबसाईट http://ssc.nic.in या www.ssc.mpr.org से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

तितली महीने नहीं क्षण गिनती है और उसके पास पर्याप्त समय होता है।
The butterfly counts not months but moments and has time enough.
- Ravindranath Tagore

63. केन्द्रीय कार्यालयों में मल्टी टॉस्किंग स्टाफ एवं हवलदार संयुक्त भर्ती परीक्षा

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारत सरकार के विभिन्न विभागों में मल्टी टॉस्किंग स्टाफ (MTS) तथा सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेस एंड कस्टम तथा सेन्ट्रल ब्यूरो ऑफ नार्कोटिक्स में हवलदार भर्ती के लिये संयुक्त चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है। मल्टी टॉस्किंग स्टाफ (MTS) भारत सरकार में ग्रुप सी का अराजपत्रित इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः जून/जुलाई माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः दिसम्बर/जनवरी माह में बिलासपुर, रायपुर, अंबिकापुर तथा जगदलपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. आयु सीमा – 1. मल्टी टॉस्किंग स्टाफ (MTS) के लिये **18** वर्ष से 25 वर्ष
   2 हवलदार के लिये 18 वर्ष से 27 वर्ष

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

टीप :– हवलदार पद के लिये दिव्यांग आवेदक पात्र नहीं होते है।

शारीरिक मापदंड :– (हवलदार पद के लिए)

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 152 सेमी. (अजजा के लिए 149.5 सेमी.) **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 157.5 सेमी. (अजजा के लिए 152.5 सेमी.) **सीना** 81 सेमी. फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :– ऊंचाई तथा सीना के संबंध में जम्मू कश्मीर एवं पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए नियमानुसार छूट दी जाती है।

शारीरिक दक्षता :– (सिर्फ हवलदार पद के लिए)

क्र.	महिला	पुरूष
1	(क) 20 मिनट में 1000 मी. का पैदल चाल	(क) 15 मिनट में 1600 मी का पैदल चाल

टीप :– हवलदार पद हेतु आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चष्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया :– कर्मचारी चयन आयोग के संबंधित क्षेत्रीय/उपक्षेत्रीय कार्यालय में अभ्यर्थी द्वारा केवल एक ही आवेदन पत्र ऑनलाईन माध्यम से जमा करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी http://ssconline.nic.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को आवेदन पत्र में परीक्षा केन्द्र भी दर्शाना होता है।

परीक्षा योजना :– मल्टी टॉस्किंग स्टाफ (MTS) एवं हवलदार दोनों पदो के लिये एक ही चरण में ऑनलाईन बहुविकल्पीय प्रकार का परीक्षा आयोजित होता है।

इस लिखित परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय (ऑनलाईन) प्रकार की होती है जिसकी संरचना निम्नानुसार है :–

लिखित परीक्षा

क्र.	सत्र	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
A	प्रथम सत्र	प्रारंभिक गणित एवं संख्यात्मक योग्यता	20	60	45 मिनट
B		तार्किक योग्यता एवं समस्या समाधान योग्यता	20	60	
C	द्वितीय सत्र	सामान्य जागरूकता	25	75	45 मिनट
D		अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	25	75	

टीप :–1. प्रथम सत्र के परीक्षा में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है, जबकि द्वितीय सत्र के परीक्षा में 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

2. प्रत्येक सत्र के परीक्षा में सफल होने के लिए सामान्य वर्ग के आवेदकों को 30% अंक तथा अजा/अजजा के आवेदकों को 20% अंक तथा अपिव एवं EWS को 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

3. जो आवेदक प्रथम सत्र के परीक्षा में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते है, उनका ही द्वितीय सत्र के परीक्षा का मूल्यांकन होता है।

2. शारीरिक मापदण्ड परीक्षण (PST) – हवलदार पद के लिये लिखित परीक्षा में अर्ह घोषित आवेदकों को विज्ञापित रिक्तियों की संख्या के 7 गुना के मान से शारीरिक मापदण्ड परीक्षण के लिये बुलाया जाता है।

3. शारीरिक दक्षता परीक्षण (PET) – **शारीरिक मापदण्ड परीक्षण (PST) में अर्ह घोषित आवेदकों को** शारीरिक दक्षता परीक्षण (PET) के लिये बुलाया जाता है।

4. मेडिकल टेस्ट– आयोग द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार मेडिकल टेस्ट किया जाता है।

चयन का तरीका :– लिखित परीक्षा के द्वितीय सत्र में आयोजित परीक्षा के प्राप्तांक (150 अंक) के आधार पर मेडिकल टेस्ट में पात्र पाये गये आवेदकों का राज्यवार एवं विभागवार वरीयता सूची तैयार करके चयन किया जाता है।

पाठ्यक्रम :– लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी/हिन्दी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी/हिन्दी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

टीप :– प्रश्नों का स्तर 10वीं कक्षा के अनुरूप होता है।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी बलों में अजा/अजजा/ अपिव/EWS/भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय होते हैं, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

3. आवेदन के साथ आवेदक को विभागों एवं राज्यों की वरीयता उल्लेखित करनी होती है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक उपनिदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, एल–7 अनुपम नगर, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या कर्मचारी चयन आयोग के वेबसाईट http://ssc.nic.in या www.ssc.mpr.org से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

तितली महीने नहीं क्षण गिनती है और उसके पास पर्याप्त समय होता है।
The butterfly counts not months but moments and has time enough.
- Ravindranath Tagore

64. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों एवं दिल्ली पुलिस सब–इंस्पेक्टर संयुक्त भर्ती परीक्षा

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रतिवर्ष केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, सशस्त्र सीमा बल तथा दिल्ली पुलिस) में उपनिरीक्षक तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में उप निरीक्षक एवं सहायक उपनिरीक्षक के पदों के लिये संयुक्त उपनिरीक्षक चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः जनवरी/फरवरी माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा प्रारंभिक सामान्यतः अप्रैल/मई तथा लिखित परीक्षा द्वितीय चरण नवम्बर/दिसम्बर माह में बिलासपुर, रायपुर, अंबिकापुर तथा जगदलपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। दिल्ली पुलिस में उपनिरीक्षक पद के लिये आवेदन करने वाले पुरूष आवेदकों के पास LMV का वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य है।

2. आयु सीमा – 20 वर्ष से 25 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

टीप :– दिव्यांग आवेदक इन पदों के लिए पात्र नहीं होते है। वर्तमान में सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल एवं दिल्ली पुलिस में महिला आवेदक पात्र है।

शारीरिक मापदंडः– (सभी पदों के लिए)

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 157 सेमी. (अजजा के लिए 154 सेमी.) **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 170 सेमी. (अजजा के लिए 162.5 सेमी.) **सीना** 80 सेमी.(अजजा के लिए 77 सेमी.) फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :– आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चश्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया :–

कर्मचारी चयन आयोग के संबंधित क्षेत्रीय/उपक्षेत्रीय कार्यालय में अभ्यर्थी द्वारा केवल एक ही आवेदन पत्र ऑनलाईन माध्यम से जमा करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी http://ssconline.nic.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को आवेदन पत्र में परीक्षा केन्द्र भी दर्शाना होता है।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 3 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – शारीरिक दक्षता परीक्षण, शारीरिक मापदण्ड परीक्षण एवं मेडिकल परीक्षण

तृतीय स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (ऑनलाईन)

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति	50	50	2 घंटा
2.	सामान्य ज्ञान एवं सामान्य जानकारी	50	50	
3.	मात्रात्मक अभिरूचि	50	50	
4.	अंग्रेजी परिज्ञान	50	50	
	योग	**200**	**200**	

द्वितीय स्तर – शारीरिक दक्षता परीक्षण, शारीरिक मापदण्ड परीक्षण एवं मेडिकल परीक्षण

शारीरिक दक्षता परीक्षण के लिए पुरूषों एवं महिलाओं हेतु निर्धारित मापदण्ड निम्नानुसार हैः–

पुरूषों हेतु		महिलाओं हेतु	
100 मी. दौड़	– 16 सेकण्ड	100 मी. दौड़	– 18 सेकण्ड
1600 मी. दौड़	– 6.5 मिनट	800 मी. दौड़	– 04 मिनट
लम्बी कूद	– 3.65 मीटर (3 मौका)	लम्बी कूद	– 2.7 मीटर (3 मौका)
ऊंची कूद	– 1.2 मीटर (3 मौका)	ऊंची कूद	– 0.9 मीटर (3 मौका)
गोला फेंक	– 4.5 मीटर (3 मौका)		–

तृतीय स्तर –लिखित परीक्षा (ऑनलाईन)

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	अंग्रेजी भाषा एवं परिज्ञान	200	200	2 घंटा

चतुर्थ स्तर– मेडिकल परीक्षण आयोग द्वारा बलों माण्दण्डों के अनुसार मेडिकल टेस्ट किया जाता है।

टीप :– 1. प्रथम स्तर एवं तृतीय स्तर में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

2. न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :– आयोग, प्रथम स्तर के प्रत्येक भाग एवं कुल भाग में वर्गवार अलग–अलग न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है तथा जो आवेदक आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक को प्राप्त करने में सफल हो जाते है उन्हीं का द्वितीय स्तर में शारीरिक क्षमता परीक्षण/चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। शारिरिक क्षमता परीक्षण एवं चिकित्सा परीक्षण में पात्र पाये गये आवेदकों का ही तृतीय स्तर में लिखित परीक्षा लिया जाता है। तृतीय स्तर के लिखित परीक्षा में भी न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

लिखित परीक्षा में सफल होने के लिए सामान्य वर्ग के आवेदकों को 30% अंक तथा अजा/अजजा के आवेदकों को 20% अंक तथा अपिव एवं EWS को 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

3. एनएनसी सर्टिफिकेट आवेदको को बोनस अंक प्रदान किया जाता है। इसमें सी सर्टिफिकेट वालों को लिखित परीक्षा का 5 प्रतिशत, बी सर्टिफिकेट वालों को लिखित परीक्षा का 3 प्रतिशत, ए सर्टिफिकेट वालों को लिखित परीक्षा का 2 प्रतिशत बोनस अंक दिया जाता है। यह बोनस अंक प्रथम स्तर एवं तृतीय स्तर दोनों पर अलग–अलग प्रदान किया जाता है।

चयन का तरीका :– लिखित परीक्षा के प्रथम एवं तृतीय स्तर (कुल अंक 400) एवं एनएनसी के बोनस अंक (यदि हो तो) के आधार पर मेडिकल टेस्ट में पात्र पाये गये के प्राप्तांक के आधार पर आयोग आवेदकों द्वारा आवेदन पत्र में दर्शाये गये विभिन्न केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए वरीयता के अनुसार अखिल भारतीय योग्यता सूची तैयार करके चयन करता है। उपनिरीक्षक और सहायक उपनिरीक्षक के पदों के लिए अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में निम्नलिखित सात बाधा स्पर्धायें पास करने पर ही बल में शामिल किया जाता है :– (1) लंबवत बोर्ड के ऊपर कूदना (2) बोर्ड से कूदने पर रस्सी पकड़ना (3) टार्जन स्विंग (4) क्षैतिज बोर्ड पर कूदना (5) समानांतर रस्सी कूदना (6) मंकी क्रॉल (7) लंबवत रस्सी कूदना।

पाठ्यक्रम :–

प्रश्न पत्र–1 (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

प्रश्न पत्र–2 अंग्रेजी भाषा एवं परिज्ञान :– इस प्रश्न पत्र में आवेदक के अंग्रेजी भाषा की समक्ष और जानकारी की जांच के लिए ऐसे प्रश्न होते है जो मुख्यतः गलती की पहचान, व्याकरण, वाक्य गठन, समानार्थक, विलोमार्थक, मुहावरा आदि पर आधारित होता हैं।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी बलों में अजा/अजजा/अपिव/ EWS/ भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. प्रथम स्तर के परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदकों का ही शारिरिक क्षमता परीक्षण एवं चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। आयोग प्रथम स्तर हेतु पूरे प्रश्न पत्र के लिये एवं प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है।

3. सीमा सुरक्षा बल तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में महिलाओं के लिए पद आरक्षित होते है।

4. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय होते हैं, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

5. आवेदन के साथ आवेदक को बलों की वरीयता उल्लेखित करनी होती है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक उपनिदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, जे–5 अनुपम नगर, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या कर्मचारी चयन आयोग के वेबसाईट http://ssc.nic.in या www.ssc.mpr.org से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सपना वह नहीं है जो नींद में आये बल्कि सपना तो वो है जिसे पूरा किये बिना नींद न आये। सफल भविष्य के लिए बंद आंखों से नहीं, खुले आंखों से सपने देखिए।

डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलॉम

65. छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ पुलिस के जिला पुलिस बल में आरक्षक संवर्ग (आरक्षक जीडी, आरक्षक चालक, आरक्षक ट्रैडमैन) के पदों पर भर्ती के लिये संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाती है।

1. आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को 10+2 प्रणाली के अंतर्गत दसवीं कक्षा की परीक्षा अथवा हायर सेकेण्डरी अथवा समकक्ष परीक्षा छ0ग0 या मध्य प्रदेश राज्य स्थित विद्यालय या महाविद्यालय से उत्तीर्ण होना चाहिये।

टीपः– 1. अनुसूचित अनजाति के आठवीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदक शैक्षणिक रूप से पात्र होते हैं।

2. प्रदेश में नक्सल पीड़ित परिवार या नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविरों में निवासरत परिवार या बस्तर संभाग के जिलों के स्थानीय निवासियों के लिये शैक्षणिक अर्हता पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण है।

3. आरक्षक चालक पद हेतु भारी वाहन चलाने का वैध लाइसेंस तथा आरक्षक ट्रैडमैन हेतु संबंधित ट्रैड में दक्षता होना आवश्यक है।

2. आयु सीमा – 18 वर्ष से 28 वर्ष तक (बस्तर संभाग के आवेदकों के लिये 18 वर्ष से 35 वर्ष तक)

टीप :– छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

टीप :– दिव्यांग आवेदक इन पदों के लिए पात्र नहीं होते है।

3 शारीरिक अर्हता–

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 158 सेमी. (बस्तर एवं सरगुजा संभाग के जिलों तथा जशपुर जिले के अजजा लिये **ऊंचाई** सामान्यतः 153 सेमी.) **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 168 सेमी. (अजजा के लिये 158 सेमी.) बस्तर एवं सरगुजा संभाग के जिलों तथा जशपुर जिले के अजजा लिये **ऊंचाई** सामान्यतः 153 सेमी.) **सीना** 81 सेमी. (अजजा के आवेदकों के लिये 76 सेमी.) फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :– आवेदक को निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चश्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया :–

आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ पुलिस की वेबसाइट में https://cgpolice.gov.in मे करना होता है।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 चरणों में आयोजित की जाती है –

प्रथम चरण – शारीरिक प्रवीणता टेस्ट – प्रथम चरण में संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप आवेदकों के प्रमाण पत्रों की जांच एवं शारीरिक माप का परीक्षण किया जाता है। शारीरिक नापजोख में योग्य पाये गये आवेदकों का विभाग द्वारा शारीरिक प्रवीणता परीक्षा लिया जाता है। यह प्रवीणता परीक्षा 100 अंक

का होता है। इसमें 20–20 अंक के निम्न 5 गतिविधि में टेस्ट लिया जाता है – 1. लम्बी कूद, 2. ऊंची कूद, 3. 100 मीटर दौड़, 4. 800 मीटर दौड़, 5. गोलाफेक। शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये आवेदकों को पुलिस विभाग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य है तथा सभी गतिविधि में भाग लेना भी अनिवार्य होता है। उपर्युक्त पांचों आइटमों हेतु उम्मीदवारों को केवल एक ही अवसर प्रदान किया जाता है, जो अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा में निर्धारित अंक प्राप्त करने में असफल होते हैं, वे चयन प्रक्रिया से बाहर हो जाते हैं।

आरक्षक चालक एवं आरक्षक ट्रैडमैन के लिये शारीरिक दक्षता परीक्षा में पुरूष अभ्यर्थियों के लिये 1500 मीटर की दौड़ तथा महिला अभ्यर्थियों के लिये 800 मीटर की दौड़ होती है।

द्वितीय चरण – लिखित परीक्षा – शारीरिक प्रवीणता टेस्ट के परिणाम के आधार वर्गवार एवं जिला वार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा रिक्त पदों की संख्या के 15 गुना आवेदकों को लिखित परीक्षा के लिये पात्र घोषित किया जाता है। लिखित परीक्षा कुल 100 अंकों की होती है, जिसमें आवेदक को 2 घंटे की अवधि में 100 बहुविकल्पीय प्रश्नों को हल करना होता है। लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, बुद्धि क्षमता, विश्लेषण क्षमता तथा अंक गणित के प्रश्न पूछे जाते हैं।

आरक्षक ट्रेडमेन के लिये संबंधित ट्रेड से संबंधित 25 अंक का ट्रैड टेस्ट लिया जाता है।

बोनस अंक–निम्न विशेष योग्यता रखने वाले अभ्यर्थियों को प्रत्येक मद के लिये 5 अंक बोनस अंक (अधिकतम 10 अंक) दी जाती है –

1. एनएसएस का प्रमाण पत्र
2. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद में प्रवीणता,
3. एन.सी.सी. 'सी' प्रमाण पत्रधारी

टीप – विशेष योग्यता के बोनस अंक कुल मिलाकर 10 से अधिक नहीं होंगे अर्थात् दो से अधिक विशेष योग्यता होने पर भी बोनस अंक 10 ही होंगे।

चयन का तरीका :– आवेदकों का चयन उनके शारीरिक प्रवीणता टेस्ट 100 अंक, लिखित परीक्षा अंक 100 अंक, (ट्रेडमेन हेतु ट्रेड टेस्ट सहित) बोनस अंक 10 के आधार पर वरीयता सूची जिलेवार एवं संवर्गवार तैयार की जाती है। नियुक्ति के पात्रता हेतु उम्मीदवार को मेडिकली फिट होना भी अनिवार्य होता है, इस हेतु मेडिकल परीक्षण भी कराया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या छ0ग0 पुलिस के वेबसाईट www.cg.police.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

Try Try Again

This a lesson you should heed, If at first you don"t succeed,
Try, Try again, Then your courage should appear,
For if you will persevere, You will conquer, never fear,
Try, Try again, Once or twice, though you should fail,
If you would at last prevail, Try, Try again,
If we strive, this no disgrace Though we do not win the race,
What should you do in the case ?
Try, Try again, If you find your task is hard,
Time will bring you your reward, Try, Try again,
All the other folks can do, Why, with patience, should not you ?
Only keep this rule in view, Try, Try again,

- T. H. Palmer

66. भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती

भारतीय सैन्य बलों में अग्निपथ योजना के नाम से वर्ष 2022 से थल सेना, नौ सेना एवं वायु सेना में अग्निवीरों की भर्ती हो रही है।

थल सेना अग्निवीर के संबंध में मुख्य बिन्दु निम्नानुसार है–

- ऑनलाईन पंजीयन एवं आवेदन–फरवरी/मार्च
- वेबसाइट– www.joinindianarmy.nic.in
- आयु– 17 1/2 वर्ष से 21 वर्ष तक

थलसेना अग्निवीर भर्ती संक्षिप्त परिचय

- अग्निपथ नामक सेना बल भर्ती हेतु भारत सरकार की योजना
- इस योजना के तहत भर्ती होने वाले युवा अग्निवीर कहलाते है।
- भर्ती प्रथमतः 04 वर्षो के लिए होती है।
- 4 वर्ष उपरांत 75 प्रतिशत अग्निवीर सेना से मुक्त परंतु अर्धसैनिक बलों, पुलिस बलों एवं राज्य बलों तथा निजी संस्थानों के नियोजन में आरक्षण का प्रावधान
- 25 प्रतिशत अग्निवीर को पुनः भारतीय सेना बल में आगे के लिए नियुक्ति
- केवल अविवाहित महिला और पुरूष ही पात्र होते है।
- भर्ती के चरण–1. ऑनलाईन आवेदन
  2. कम्प्यूटर आधारित लिखित परीक्षा
  3. शारीरिक परीक्षण एवं चिकित्सा परीक्षा

पदवार शैक्षणिक एवं शारीरिक योग्यता–

<table>
<tr><th>क्र.</th><th>पदनाम</th><th>शैक्षणिक योग्यता</th><th colspan="3">शारीरिक योग्यता</th></tr>
<tr><td rowspan="4">1</td><td rowspan="4">अग्निवीर सामान्य ड्यूटी (All Arms)</td><td rowspan="2">10 वीं कक्षा 45 प्रतिशत के साथ प्रत्येक विषय में 33 प्रतिशत अंक प्राप्त किया हो।</td><td>ऊंचाई (से.मी.)</td><td>वजन (कि.ग्रा.)</td><td>सीना (से.मी.)</td></tr>
<tr><td rowspan="3">168</td><td rowspan="3">50</td><td rowspan="3">77+(5 से.मी. सीना फुलाने पर)</td></tr>
<tr><td>ग्रेडिंग सिस्टम होने पर 10 वीं कक्षा में सी ग्रेड एवं प्रत्येक विषय में कम से कम</td></tr>
<tr><td>नोट– जिन आवेदकों के पास लाईट मोटर व्हीकल (LMV) का ड्राईविंग लाइसेंस होगा उन्हें ड्राइवरके पद पर प्राथमिकता दी जायेगी।</td></tr>
<tr><td>2</td><td>अग्निवीर टेक्निकल (All Arms)</td><td>12 वीं कक्षा भौतिकी, रसायन,गणित एवं अंग्रेजी के साथ 50 प्रतिशत अंकों में उत्तीर्ण एवं प्रत्येक विषय में 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य</td><td>167</td><td>50</td><td>77+(5 से.मी. सीना फुलाने पर)</td></tr>
</table>

		OR किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वी कक्षा भैतिकी, रसायन, गणित एवं अंग्रेजी विषयों के साथ उत्तीर्ण जिसमें NIOS एवं संबंधित फिल्ड में न्यूनतम एक वर्ष का ITI Course NSQF Lavel 4 या अधिक में होना अनिवार्य है। OR 10 वीं / मैट्रिक परीक्षा 50 प्रतिशत अंको के साथ तथा अंग्रेजी, गणित एवं विज्ञान में 40 प्रतिशत अंक के साथ 2 वर्षो के साथ मान्यता प्राप्त आई.टी.आई से तकनीकी प्रशिक्षण अथवा से 2 / 3 वर्ष का डिप्लोमा जिसमें पॉलीटेक्निक शामिल हो।			
3	अग्निवीर क्लर्क / अग्निवीर स्टोर कीपर तकनीकी (All Arms)	102 / इंटरमीडिएट परीक्षा किसी भी विषय (कला, वाणिज्य एवं विज्ञान) में 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण एवं न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्रत्येक विषय में इसके अतिरिक्त 50 प्रतिशत अंक अंग्रेजी एवं गणित / एकाउंट / बुक कीपिंग में प्राप्त करना 50 प्रतिशत अंकों के साथ 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण	162	50	77+(5 से.मी. सीना फुलाने पर)
4	अग्निवीर ट्रेडसमेन (All Arms) 10 वीं उत्तीर्ण	1. 10 वीं कक्षा उत्तीर्ण 2. प्रत्येक विषय में 33 प्रतिशत	168	50	77+(5 से.मी. सीना फुलाने पर)
5	अग्निवीर ट्रेडसमेन (All Arms) 8 वीं उत्तीर्ण	1. 8 वी कक्षा उत्तीर्ण 2. प्रत्येक विषय में 33 प्रतिशत	168	50	77+(5 से.मी. सीना फुलाने पर)
6	अग्निवीर सामान्य ड्यूट (महिला) मिलिट्री पुलिस में	10 वी / मैट्रिक परीक्षा 45 प्रतिशत अंको के साथ तथा प्रत्येक विषय में 33 प्रतिशत, ग्रेडिंग सिस्टम होने पर डी ग्रेड प्रत्येक विषय में एवं सी 2 ग्रेड के साथ 45 प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।	–	–	77+(5 से.मी. सीना फुलाने पर)

वेतन भत्ता एवं अन्य सुविधाएं

1. अग्निवीर पैकेज

प्रथम वर्ष, प्रतिमाह रूपये 30000 एवं भत्ता

द्वितीय वर्ष, प्रतिमाह रूपये 33000 एवं भत्ता

तृतीय वर्ष, प्रतिमाह रूपये 36500 एवं भत्ता

चतुर्थ वर्ष, प्रतिमाह रूपये 40000 एवं भत्ता

2. **सेवा निधि पैकेज–** 4 वर्ष की सेवा पश्चात अग्निवीर को रूपये 10.04 लाख ब्याज सहित सेवानिधि जो आयकर से छूट योग्य
3. **वेतन मोटिलिटि सेवा निधि पैकेज**–प्रत्येक अग्निवीर को सेवा निधि पैकेज के लिए 2 विकल्प
    1. स्वरोजगार एवं उद्मिता हेतु आर्थिक ऋण
    2. निकासी पर immediate/incidental खर्च
4. **भत्ता–** अग्निवीर का वेतन एक संयुक्त पैकेज है एवं उसे महंगाई भत्ता एवं सैनिक सेवा वेतन की कोई पात्रता नहीं होगी परन्तु समय–समय पर भारत सरकार द्वारा जारी आवेदित रिस्क एवं हार्डशीप, राशन, ड्रेस एवं यात्रा भत्ता की पात्रता होगी।
5. अग्निवीर को किसी भी प्रकार के प्रोविडेन्ट फंड में किसी प्रकार के सहयोग से छूट होगी।
6. अग्निवीर को इस योजना के तहत कोई भी ग्रेज्यिटी या पेंशन संबंधी लाभ प्राप्त नहीं होगा।
7. **जीवन बीमा कव्हरेज–** अग्निवीर को रूपये 48 लाख का जीवन बीमा कव्हरेज दिया जायेगा और सेवा ग्रुप इंश्योरेस फंड का लाभ नहीं होगा।
8. **चार साल की सेवा के पश्चात प्राप्त होने वाले लाभ–**
    सेवा निधि पैकेज

    अग्निवीर कौशल विकास प्रमाण पत्र

    कक्षा 12 वीं का प्रमाण पत्र

9. **अवकाश–** 1. प्रत्येक वर्ष 30 दिनों का वार्षिक अवकाश
    2 चिकित्सा सलाह के आधार पर बीमारी से संबंधित अवकाश

आवश्यक निर्देश

- भर्ती केवल ऑनलाईन पंजीकृत प्रवेश पत्र प्राप्त अभ्यर्थियों के लिए
- निवास प्रमाण पत्र–जिलाधीश/अनुविभागीय अधिकारी/तहसीलदार द्वारा जारी किया गया। चरित्र प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत/सरपंच/पार्षद/शाला प्रचार्य/थाना प्रभारी द्वारा 3 माह के अंदर जारी किया गया हो।
- आधार कार्ड मोबाईल नम्बर लिंक्ड आधार कार्ड
- फोटो नवीनतम पासपोर्ट साईज के रंगीन 20 फोटोग्राफ
- 21 वर्ष से अधिक आयु या शादीशुदा उम्मीदवार भर्ती के योग्य नहीं

शारीरिक मापदण्ड में छूट

क्रं.	श्रेणी	ऊंचाई (सें.मी.)	सीना (से.मी.)
1	सेवारत सैनिकों/भूतपूर्व सैनिक/सैनिक विधवा द्वारा पुत्र न होने के कारण गोद लिये हुये पुत्र/दामाद के पुत्र को छूट	2	1
2	राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर प्रथम/द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी (जिला, कॉलेज, स्कूल, राज्य, वि.वि. में प्रतिनिधित्व किया हो)	2	3

लिखित परीक्षा– चयन के प्रथम चरण के रूप में कम्प्यूटर आधारित ऑनलाईन लिखित परीक्षा आयोजित किया जाता है। यह परीक्षा में प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते है। परीक्षा की अवधि 1 घंटा होता है। सभी पदों के परीक्षा के लिये 50–50 प्रश्न होते है, प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होता है, इस प्रकार लिखित परीक्षा कुल 200 अंक का होता है। लिखित परीक्षा में गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक प्रदान किया जाता है। पदवार परीक्षा के विषय निम्नानुसार है–

क्र.	पद का नाम	पद के विषय
1	अग्निवीर जनरल ड्यूटी	सामान्य ज्ञान, सामान्य विज्ञान, गणित, तर्कशक्ति
2	अग्निवीर तकनीकी	सामान्य ज्ञान, गणित, भौतिकी, कम्प्यूटर विज्ञान
3	अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर	सामान्य ज्ञान, गणित, अंग्रेजी, कम्प्यूटर एवं तर्कशक्ति
4	अग्निवीर ट्रेडमैन	सामान्य ज्ञान, सामान्य विज्ञान, गणित एवं तर्कशक्ति

बोनस अंक– कुछ विशेष योग्यता के लिये बोनस अंक प्रदान किया जाता है। जो निम्नानुसार है–

क्र	श्रेणी	अग्निवीर सामान्य ड्यूटी (कुल अंक 200)	अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर/तकनीकी (कुल अंक 200)	अग्निवीर ट्रेडमेन
1	कार्यरत सैनिकों एवं भूतपूर्व सैनिकों के बेटे तथा शहीद हुये विधवा हुये महिलाओं के बेटे एवं दामाद	20	20	20
2	राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर प्रथम/द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी (जिला, कॉलेज, स्कूल, राज्य, वि.वि. में प्रतिनिधित्व	20/15	20/15	20/15

	किया हो)			
3	NCC A सर्टिफिकेट,	5	5	5
4	NCC B सर्टिफिकेट	10	10	10
5	NCC C सर्टिफिकेट	20	20	20
6	NCC C सर्टिफिकेट एवं गणतंत्र दिवस में भाग लेने वाले	25	25	25

टीपः– आईटीआई एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण आवेदकों को अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर/तकनीकी के पदों में उनके योग्यता के अनुसार 20 से 40 अंक तक बोनस अंक दिया जाता है।

शारीरिक दक्षता परीक्षण (PFT):– लिखित परीक्षा में अर्ह घोषित आवेदकों सामान्यतः नवम्बर/दिसम्बर माह में भर्ती रैली के माध्यम से शारीरिक दक्षता परीक्षण एवं मेडिकल परीक्षण किया जाता है।

शारीरिक दक्षता परीक्षण के तहत **निम्न गतिविधियों का परीक्षण किया जाता है–**

1. **1600 मीटर की दौड़–** यह सबसे महत्वपूर्ण और प्रारंभिक शारीरिक परीक्षण है। इसमें आवेदक को 1600 मीटर की दौड़ एक निश्चित समय सीमा में पूर्ण करना होता है। यदि आवेदक यह दौड़ 5 मिनट 30 सेकण्ड या उससे कम समय में पूर्ण कर लेता है तो उसे 60 अंक तथा 5 मिनट 31 सेकण्ड से 5 मिनट 45 सेकण्ड तक दौड़ पूर्ण करने पर 48 अंक प्रदान किया जाता है। यदि आवेदक 5 मिनट 46 सेकण्ड या उससे अधिक अवधि में दौड़ पूर्ण करता है तो वह अयोग्य घोषित कर दिया जाता है तथा उसे आगे की प्रक्रियाओं में शामिल नहीं किया जाता है।
2. **पुल–अप्स–** इसके माध्यम से आवेदक की ऊपरी शरीर के ताकत का परीक्षण किया जाता है। पुल–अप्स के आधार पर निम्नानुसार अंक प्रदान किया जाता है–

पुल–अप्स की संख्या	अंक
10	40
9	33
8	27
7	21
6	16
6 से कम	आवेदक अयोग्य घोषित

3. **बैलेसिंग बीम पर चलनाः–** इसके माध्यम से आवेदक की संतुलन क्षमता की जांच की जाती है। यह एक क्वालिफाईग टेस्ट होता है, इसमें पास होने के लिये कोई अंक नहीं दिया जाता है।
4. **09 फीट लंबी कूदः–** आवेदक को 9 फीट लंबी कूद करनी होती है। यह भी एक क्वालिफाईग टेस्ट होता है, इसमें पास होने के लिये कोई अंक नहीं दिया जाता है।
5. **चिकित्सा परीक्षणः–** शारीरिक दक्षता परीक्षण के सभी मानकों को पूर्ण करने वाले आवेदकों को चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। इसमें मुख्यतः यह जांच किया जाता है कि आवेदक शारीरिक और मानसिक रूप से सेना में सेवा देने के लिये पूरी तरह से स्वस्थ है कि नहीं। इसमें मुख्यतः ऑख, कान, हड्डियों की जोड़ो, शारीरिक संरचना, पैर की स्थिति आदि की जांच किया जाता है।

अंतिम चयन सूचीः– लिखित परीक्षा, बोनस अंक तथा शारीरिक दक्षता परीक्षण के प्राप्तांकों के आधार पर अंतिम चयन सूची तैयार किया जाता है।

सम्पर्कः– भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती के संबंध मे आवेदक अधिक जानकारी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र तथा थल सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in से प्राप्त कर सकते है।

किसी एक विचार को अपने जीवन का लक्ष्य बनाओं। कुविचारों का त्याग कर केवल उसी विचार के बारे में सोंचो। तुम पाओगे कि सफलता तुम्हारी कदम चुम रही है।

– स्वामी विवेकानंद

67. भारतीय नौ सेना में अग्निवीर भर्ती

भारतीय सैन्य बलों में अग्निपथ योजना के नाम से वर्ष 2022 से थल सेना, नौ सेना एवं वायु सेना में अग्निवीरों की भर्ती हो रही है।

नौ सेना अग्निवीर के संबंध में मुख्य बिन्दु निम्नानुसार है–

- ऑनलाईन पंजीयन एवं आवेदन–अप्रैल/मई
- वेबसाइट– www.joinindianarmy.nic.in एवं https://agniveernavy.cdac.in
- आयु– 17 1/2 वर्ष से 21 वर्ष तक

नौ सेना अग्निवीर भर्ती संक्षिप्त परिचय

- अग्निपथ नामक सेना बल भर्ती हेतु भारत सरकार की योजना
- इस योजना के तहत भर्ती होने वाले युवा अग्निवीर कहलाते है।
- भर्ती प्रथमतः 04 वर्षो के लिए होती है।
- 4 वर्ष उपरांत 75 प्रतिशत अग्निवीर सेना से मुक्त परंतु अर्धसैनिक बलों, पुलिस बलों एवं राज्य बलों तथा निजी संस्थानों के नियोजन में आरक्षण का प्रावधान
- 25 प्रतिशत अग्निवीर को पुनः भारतीय सेना बल में आगे के लिए नियुक्ति
- केवल अविवाहित महिला और पुरूष ही पात्र होते है।
- भर्ती के चरण–1. ऑनलाईन आवेदन
  2 कम्प्यूटर आधारित लिखित परीक्षा
  3. शारीरिक परीक्षण एवं चिकित्सा परीक्षा

शैक्षणिक एवं शारीरिक योग्यता– शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से 12 वी कक्षा गणित एवं भौतिकी विषय के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण

या

मान्यता प्राप्त पॉलिटेक्निक संस्थान से 3 साल का डिप्लोमा इंजीनियरिंग विषय (मैकैनिकल/इलेक्ट्रिकल/ऑटोमोबाईल/कम्प्यूटर साइंस/सूचना प्रोद्योगिकी/इन्टूमेंटेंशन टेक्नोलॉजी/आईटी) न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण।

या

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से 2 वर्षीय व्यवसायिक पाठ्यक्रम न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण

टीपः– 1. 12 वी कक्षा या 3 वर्षीय डिप्लोमा के अंतिम वर्ष में अध्यनरत विद्यार्थी भी आवेदन कर सकते है।

2 पुरूष एव महिला दोनों के लिये न्यूनतम मानक ऊंचाई 157 से.मी. है।

वेतन भत्ता एवं अन्य सुविधाएं

1. अग्निवीर पैकेज

प्रथम वर्ष, प्रतिमाह रूपये 30000 एवं भत्ता

द्वितीय वर्ष, प्रतिमाह रूपये 33000 एवं भत्ता

तृतीय वर्ष, प्रतिमाह रूपये 36500 एवं भत्ता

चतुर्थ वर्ष, प्रतिमाह रूपये 40000 एवं भत्ता

2. **सेवा निधि पैकेज–** 4 वर्ष की सेवा पश्चात अग्निवीर को रूपये 10.04 लाख ब्याज सहित सेवानिधि जो आयकर से छूट योग्य
3. **वेतन मोटिलिटि सेवा निधि पैकेज**–प्रत्येक अग्निवीर को सेवा निधि पैकेज के लिए 2 विकल्प

1. स्वरोजगार एवं उद्मिता हेतु आर्थिक ऋण
2. निकासी पर immediate/incidental खर्च

4. भत्ता– अग्निवीर का वेतन एक संयुक्त पैकेज है एवं उसे महंगाई भत्ता एवं सैनिक सेवा वेतन की कोई पात्रता नहीं होगी परन्तु समय–समय पर भारत सरकार द्वारा जारी आवेदित रिस्क एवं हार्डशीप, राशन, ड्रेस एवं यात्रा भत्ता की पात्रता होगी।

5. अग्निवीर को किसी भी प्रकार के प्रोविडेन्ट फंड में किसी प्रकार के सहयोग से छूट होगी।

6. अग्निवीर को इस योजना के तहत कोई भी ग्रेज्यिटी या पेंशन संबंधी लाभ प्राप्त नहीं होगा।
7. **जीवन बीमा कव्हरेज–** अग्निवीर को रूपये 48 लाख का जीवन बीमा कव्हरेज दिया जायेगा और सेवा ग्रुप इंश्योरेस फंड का लाभ नहीं होगा।
8. **चार साल की सेवा के पश्चात प्राप्त होने वाले लाभ–**

सेवा निधि पैकेज

अग्निवीर कौशल विकास प्रमाण पत्र

9. **अवकाश–** 1. प्रत्येक वर्ष 30 दिनों का वार्षिक अवकाश

2 चिकित्सा सलाह के आधार पर बीमारी से संबंधित अवकाश

लिखित परीक्षा– चयन के प्रथम चरण के रूप में कम्प्यूटर आधारित ऑनलाईन लिखित परीक्षा आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा को INET (Indian Navy Entrance Test) कहा जाता है। इस टेस्ट के प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते है। परीक्षा की अवधि 1 घंटा होता है। इस परीक्षा में 1–1 अंक के 100 प्रश्न होते है। इस प्रकार लिखित परीक्षा कुल 100 अंक का होता है। लिखित परीक्षा में गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक प्रदान किया जाता है। परीक्षा में अंग्रेजी, विज्ञान, गणित और सामान्य जागरूकता के 4 खंड होते है तथा प्रत्येक खंड से लगभग 25–25 प्रश्न पूछे जाते है।

शारीरिक दक्षता परीक्षण (PFT):– लिखित परीक्षा में अर्ह घोषित आवेदकों शारीरिक दक्षता परीक्षण एवं मेडिकल परीक्षण किया जाता है। शारीरिक दक्षता परीक्षण अर्हकारी होता है। इसमें अंक प्रदान नहीं किया जाता है।

शारीरिक दक्षता परीक्षण के तहत **निम्न गतिविधियों का परीक्षण किया जाता है–**

1. **1600 मीटर की दौड़–** यह सबसे महत्वपूर्ण और प्रारंभिक शारीरिक परीक्षण है। इसमें आवेदक को 1600 मीटर की दौड़ एक निश्चित समय सीमा में पूर्ण करना होता है। यह दौड़ पुरूषों को

6 मिनट 30 सेकण्ड तथा महिलाओं को 8 मिनट में पूर्ण करना होता है। यदि आवेदक उससे अधिक अवधि में दौड़ पूर्ण करता है तो वह अयोग्य घोषित कर दिया जाता है तथा उसे आगे की प्रक्रियाओं में शामिल नहीं किया जाता है।

2. **पुसअप–** पुरूषों को 15 तथा महिलाओं को 10 पुसअप करना अनिवार्य होता है।
3. **दण्ड बैठकः–** पुरूषों को 20 तथा महिलाओं को 15 दण्ड बैठक करना अनिवार्य होता है।
4. **घुटने को मोड़कर सीट्अपः–** पुरूषों को 15 तथा महिलाओं को 10 घुटने को मोड़कर सीट्अप करना अनिवार्य होता है।
5. **चिकित्सा परीक्षणः–** शारीरिक दक्षता परीक्षण के सभी मानकों को पूर्ण करने वाले आवेदकों को चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। इसमें मुख्यतः यह जांच किया जाता है कि आवेदक शारीरिक और मानसिक रूप से सेना में सेवा देने के लिये पूरी तरह से स्वस्थ है कि नहीं। इसमें मुख्यतः ऑख, कान, हड्डियों की जोड़ो, शारीरिक संरचना, पैर की स्थिति आदि की जांच किया जाता है।

अंतिम चयन सूचीः– लिखित परीक्षा (INET 100 अंक) के प्राप्तांकों के आधार पर अंतिम चयन सूची तैयार किया जाता है।

सम्पर्कः– भारतीय नौ सेना में अग्निवीर भर्ती के संबंध मे आवेदक अधिक जानकारी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र तथा थल सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in तथा https://agniveernavy.cdac.in से प्राप्त कर सकते है।

संघर्ष से प्राप्त सफलता ही स्थायी होता है

जीवविज्ञान के एक अध्यापक अपने छात्रों को पढ़ा रहे थे कि सूँड़ी (caterpillar) तितली में कैसे बदल जाती है। उन्होंने छात्रों को बताया कि कुछ ही घंटों में तितली अपनी खोल से बाहर निकलने की कोशिश करेगी। उन्होंने छात्रों को आगाह किया कि वे खोल से बाहर निकलने में तितली की मदद न करें। इतना कहकर वह कक्षा से बाहर चले गये।

छात्र इंतजार करते रहे। तितली खोल से बाहर निकलने के लिये संघर्ष करने लगी। एक छात्र को उस पर दया आ गई। अपने अध्यापक की सलाह न मानकर उसने खोल से बाहर निकलने में तितली की मदद करने का फैसला लिया। उसने खोल को तोड़ दिया, जिसकी वजह से तितली को बाहर निकलने के लिये और मेहनत नहीं करनी पड़ी, लेकिन बाहर निकलने के कुछ समय बाद ही तितली मर गई।

वापस लौटने पर अध्यापक को सारी घटना मालूम हुई। तब उन्होंने छात्रों को बताया कि खोल से बाहर आने के लिये तितली को जो संघर्ष करना पड़ता है, उसी की वजह से उसके पंखों को मजबूती और शक्ति मिलती है। यही प्रकृति का नियम है। तितली की मदद करके छात्र ने उसे संघर्ष करने का मौका नहीं दिया, नतिजा यह हुआ कि वह मर गई।

यही उसूल हमारी जिंदगी पर भी लागू होता है, बिना संघर्ष के प्राप्त की गई सफलता स्थायी नहीं होता है।

68. भारतीय वायु सेना में अग्निवीर भर्ती

भारतीय सैन्य बलों में अग्निपथ योजना के नाम से वर्ष 2022 से थल सेना, नौ सेना एवं वायु सेना में अग्निवीरों की भर्ती हो रही है।

वायु सेना अग्निवीर के संबंध में मुख्य बिन्दु निम्नानुसार है–

- ऑनलाईन पंजीयन एवं आवेदन–जनवरी/फरवरी
- वेबसाइट– www.joinindianarmy.nic.in एवं https://agnipathvayu.cdac.in
- आयु– 17 1/2 वर्ष से 21 वर्ष तक

वायु सेना अग्निवीर भर्ती संक्षिप्त परिचय

- अग्निपथ नामक सेना बल भर्ती हेतु भारत सरकार की योजना
- इस योजना के तहत भर्ती होने वाले युवा अग्निवीर कहलाते है।
- भर्ती प्रथमतः 04 वर्षो के लिए होती है।
- 4 वर्ष उपरांत 75 प्रतिशत अग्निवीर सेना से मुक्त परंतु अर्धसैनिक बलों, पुलिस बलों एवं राज्य बलों तथा निजी संस्थानों के नियोजन में आरक्षण का प्रावधान
- 25 प्रतिशत अग्निवीर को पुनः भारतीय सेना बल में आगे के लिए नियुक्ति
- केवल अविवाहित महिला और पुरूष ही पात्र होते है।
- भर्ती के चरण–1. ऑनलाईन आवेदन

  2 कम्प्यूटर आधारित लिखित परीक्षा

  4. शारीरिक परीक्षण एवं चिकित्सा परीक्षा

शैक्षणिक योग्यता– अ. गणित समूह– शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से 12 वी कक्षा गणित, भौतिकी एवं अंग्रेजी विषयों के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण तथा अंग्रेजी में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक

या

मान्यता प्राप्त पॉलिटेक्निक संस्थान से 3 साल का डिप्लोमा इंजीनियरिंग विषय (मैकैनिकल/इलेक्ट्रिकल/ऑटोमोबाईल/कम्प्यूटर साइंस/सूचना प्रोद्योगिकी/इन्टूमेंटेंशन टेक्नोलॉजी/आईटी) न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण तथा अंग्रेजी में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक

या

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से 2 वर्षीय व्यवसायिक पाठ्यक्रम न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण तथा अंग्रेजी में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक

ब. गणित विषय के अलावा अन्य विषय– शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से 12 वी कक्षा किन्ही भी विषयों के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण तथा अंग्रेजी में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक।

टीपः– 1. 12 वी कक्षा या 3 वर्षीय डिप्लोमा के अंतिम वर्ष में अध्यनरत विद्यार्थी भी आवेदन कर सकते है।

2. अनिवार्य शारीरिक मापदण्डः–

- **ऊंचाई– पुरूष (152.50 से.मी.), महिला (150 से.मी.)**
- **वजन– ऊंचाई एवं आयु के समानुपात में ।**
- **सीना– पुरूष आवेदकों के लिये 77 से.मी. एवं फुलाने पर 82 से.मी.**
- **श्रवण– 6 मीटर की दूरी की आवाज सुनने की क्षमता।**
- **दृष्टि– चश्मा न लगा हो।**

वेतन भत्ता एवं अन्य सुविधाएं

1. **अग्निवीर पैकेज**

   प्रथम वर्ष, प्रतिमाह रूपये 30000 एवं भत्ता

   द्वितीय वर्ष, प्रतिमाह रूपये 33000 एवं भत्ता

   तृतीय वर्ष, प्रतिमाह रूपये 36500 एवं भत्ता

   चतुर्थ वर्ष, प्रतिमाह रूपये 40000 एवं भत्ता

2. **सेवा निधि पैकेज–** 4 वर्ष की सेवा पश्चात अग्निवीर को रूपये 10.04 लाख ब्याज सहित सेवानिधि जो आयकर से छूट योग्य
3. **वेतन मोटिलिटि सेवा निधि पैकेज**–प्रत्येक अग्निवीर को सेवा निधि पैकेज के लिए 2 विकल्प

1. स्वरोजगार एवं उद्मिता हेतु आर्थिक ऋण
2. निकासी पर immediate/incidental खर्च
3. **भत्ता–** अग्निवीर का वेतन एक संयुक्त पैकेज है एवं उसे महंगाई भत्ता एवं सैनिक सेवा वेतन की कोई पात्रता नहीं होगी परन्तु समय–समय पर भारत सरकार द्वारा जारी आवेदित रिस्क एवं हार्डशीप, राशन, ड्रेस एवं यात्रा भत्ता की पात्रता होगी।
4. अग्निवीर को किसी भी प्रकार के प्रोविडेन्ट फंड में किसी प्रकार के सहयोग से छूट होगी।
5. अग्निवीर को इस योजना के तहत कोई भी ग्रेज्यिटी या पेंशन संबंधी लाभ प्राप्त नहीं होगा।
6. **जीवन बीमा कव्हरेज–** अग्निवीर को रूपये 48 लाख का जीवन बीमा कव्हरेज दिया जायेगा और सेवा ग्रुप इंश्योरेस फंड का लाभ नहीं होगा।
7. **चार साल की सेवा के पश्चात प्राप्त होने वाले लाभ–**

   सेवा निधि पैकेज

   अग्निवीर कौशल विकास प्रमाण पत्र

8. **अवकाश–** 1. प्रत्येक वर्ष 30 दिनों का वार्षिक अवकाश

   2 चिकित्सा सलाह के आधार पर बीमारी से संबंधित अवकाश

लिखित परीक्षा– चयन के प्रथम चरण के रूप में कम्प्यूटर आधारित ऑनलाईन लिखित परीक्षा आयोजित किया जाता है। यह परीक्षा शैक्षणिक योग्यता के आधार पर 3 अलग–अलग समूहों में होता है – 1. **गणित समूह**– भौतिकी, गणित एवं अंग्रेजी विषय मे CBSE के 12 वी कक्षा के सिलेबस पर आधारित 60 मिनट की ऑनलाईन परीक्षा

2. गणित समूह के अलावा अन्य समूह– तार्किक योग्यता एवं सामान्य ज्ञान तथा अंग्रेजी के CBSE के 12 वी कक्षा के सिलेबस पर आधारित 45 मिनट की ऑनलाईन परीक्षा

3. गणित एवं गणित समूह के अलावा अन्य विषय की सामूहिक परीक्षा– भौतिकी, गणित एवं अंग्रेजी विषय मे CBSE के 12 वी कक्षा के सिलेबस तथा तार्किक योग्यता एवं सामान्य ज्ञान पर आधारित 85 मिनट की ऑनलाईन परीक्षा।

आवेदक अपने शैक्षणिक योग्यता के आधार पर इन परीक्षाओं में शामिल हो सकता है।

टीपः– प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक प्रदान किया जाता है जबकि प्रत्येक गलत उत्तर 0.25 नकारात्मक अंक दिया जाता है।

शारीरिक दक्षता परीक्षण (PFT):– लिखित परीक्षा में अर्ह घोषित आवेदकों शारीरिक दक्षता परीक्षण एवं मेडिकल परीक्षण किया जाता है। शारीरिक दक्षता परीक्षण अर्हकारी होता है। इसमें अंक प्रदान नहीं किया जाता है।

शारीरिक दक्षता परीक्षण के तहत **निम्न गतिविधियों का परीक्षण किया जाता है–**

1. **PFT-1 1600 मीटर की दौड़–** यह सबसे महत्वपूर्ण और प्रारंभिक शारीरिक परीक्षण है। इसमें आवेदक को 1600 मीटर की दौड़ एक निश्चित समय सीमा में पूर्ण करना होता है। यह दौड़ पुरूषों को 7 मिनट तथा महिलाओं को 8 मिनट में पूर्ण करना होता है। यदि आवेदक उससे अधिक अवधि में दौड़ पूर्ण करता है तो वह अयोग्य घोषित कर दिया जाता है तथा उसे आगे की प्रक्रियाओं में शामिल नहीं किया जाता है।
2. **PFT-2 – 1–1 मिनट में** पुरूषों को 10 **पुसअप, 10 सीट्अप तथा 20 स्क्वाट** करना होता है। महिलाओं को 1 मिनट 30 सेकण्ड में 10 **सीट्अप तथा 1 मिनट में 15 स्क्वाट** करना होता है।
3. Adaptability Test- शारीरिक दक्षता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले आवेदकों को यह Adaptability Test उत्तीर्ण करना होता है। जिसके द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है कि आवेदक भारतीय वायु बल तथा सैन्य जीवन के लिए अनुकुलित है।

4. **चिकित्सा परीक्षणः–** Adaptability Test के सभी मानकों को पूर्ण करने वाले आवेदकों को चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। इसमें मुख्यतः यह जांच किया जाता है कि आवेदक शारीरिक और मानसिक रूप से सेना में सेवा देने के लिये पूरी तरह से स्वस्थ है कि नहीं। इसमें मुख्यतः ऑख, कान, हड्डियों की जोड़ो, शारीरिक संरचना, पैर की स्थिति आदि की जांच किया जाता है।

अंतिम चयन सूचीः– लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर अंतिम चयन सूची तैयार किया जाता है।

सम्पर्कः– भारतीय नौ सेना में अग्निवीर भर्ती के संबंध मे आवेदक अधिक जानकारी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र तथा थल सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in तथा https://agnipathvayu.cdac.in से प्राप्त कर सकते है।

सफलता पहले से की गई तैयारी पर निर्भर है और बिना ऐसी तैयारी के असफलता निश्चित है।

Success depends upon previous preparations, and without such preparations there is sure to be failure.

- Confucius

69. एल.आई.सी. प्रशिक्षु विकास अधिकारी भर्ती परीक्षा

भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा अपने विभिन्न जोनों के मण्डल कार्यालयों के अंतर्गत आने वाले शाखाओं के लिये प्रशिक्षु विकास अधिकारी पद पर नियुक्ति हेतु ऑनलाईन परीक्षा का आयोजन रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1.आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। या भारतीय बीमा संस्थान मुम्बई की फैलोशिप होनी चाहिए।

2. अनुभव – क. भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों को स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद का निगम में कम से कम 3 वर्ष का कार्यानुभव।

ख. भारतीय जीवन बीमा निगम के अभिकर्ताओं के लिये शहरी क्षेत्र में कम से कम 5 वर्ष का तथा ग्रामीण क्षेत्र में कम से कम 4 वर्ष का कार्यानुभव।

ग. **अन्य** – बीमा क्षेत्र में कम से कम 2 वर्ष कार्य करने वाले आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है।

विशेष टीप घ. एलआईसी के कर्मचारियों के लिये अधिकतम 15 प्रतिशत, एलआईसी के अभिकर्ताओं के लिये अधिकतम 25 प्रतिशत तथा अन्य प्रवर्ग (ओपन मार्केट) के लिये अधिकतम 60 प्रतिशत रिक्तियां आरक्षित रहती है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :– भारतीय जीवन बीमा के वेबसाईट http://www.licindia.in/careers.htm में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक के पास स्वयं का वैध ईमेल आईडी होना अनिवार्य है, क्योंकि निगम सभी पत्राचार इस ईमेल आईडी पर करता है। आवेदन पत्र में आवेदक को भारतीय जीवन बीमा निगम के जोन तथा संबंधित जोन के मण्डल के नाम का उल्लेख करना अनिवार्य होता है। रिक्तियॉ मण्डलवार जारी की जाती है तथा आवेदक सिर्फ 1 मण्डल के लिये ही आवेदन कर सकता है।

परीक्षा योजना :–एलआईसी के कर्मचारियों, एलआईसी के अभिकर्ताओं तथा अन्य प्रवर्ग (ओपन मार्केट) के लिये परीक्षा योजना अलग–अलग होती है। तीनों वर्ग के लिये परीक्षा योजना निम्नानुसार है–

1. **अन्य प्रवर्ग (ओपन मार्केट) –** इनके लिये 2 चरणों में ऑनलाईन परीक्षा, साक्षात्कार तथा भर्ती पूर्व चिकित्सा आयोजित किया जाता है।

   चरण–1 प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन बहुविकल्पीय प्रकार)

क्र.	अनुभाग	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय

1.	1	तार्किक योग्यता	35	35	20 मिनट
2.	2	संख्यात्मक योग्यता	35	35	20 मिनट
3.	3	अंग्रेजी ज्ञान, व्याकरण, शब्दावली एवं भाषा बोध पर विशेष बल	30	30 μ	20 मिनट
		योग	**100**	**70**	**60 मिनट**

टीप :– 1. अंग्रेजी भाषा संबंधी अनुभाग 3 की परीक्षा की प्रवृत्ति अर्हता मूलक होती है। इसके अंक, मेरिट सूची बनाने में नहीं जोड़ी जाती।

2. गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

3. प्रत्येक प्रवर्ग में रिक्तियों की संख्या के 20 गुना आवेदकों को मुख्य परीक्षा के लिये चयनित किया जाता है।

4. भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रत्येक अनुभाग एवं पूरे पेपर के लिये स्वविवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

चरण–2 मुख्य परीक्षा (ऑनलाईन बहुविकल्पीय प्रकार)–

क्र.	खंड	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	1	तर्क क्षमता और संख्यात्मक योग्यता	50	50	120 मिनट
2.	2	सामान्य ज्ञान एवं अंग्रेजी भाषा	50	50	
3.	3	जीवन बीमा तथा वित्तीय ज्ञान	60	60	
		योग	**160**	**160**	

टीपः– 1. गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

2 भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रत्येक अनुभाग एवं पूरे पेपर के लिये स्वविवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

2 **एलआईसी के अभिकर्ताओं के लिये–** इन्हें प्रारंभिक परीक्षा दिलाने की आवश्यकता नहीं होती है। इनके लिये ऑनलाईन बहुविकल्पीय प्रकार का मुख्य परीक्षा ही आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है–

क्र.	खंड	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	1	तर्क क्षमता और संख्यात्मक योग्यता	20	20	120 मिनट
2.	2	सामान्य ज्ञान एवं अंग्रेजी भाषा	20	20	
3.	3	बीमा के तत्व व बीमा विपणन	60	120	
		योग	**100**	**160**	

टीपः– 1. गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

2 भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रत्येक अनुभाग एवं पूरे पेपर के लिये स्वविवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

3 **एलआईसी कर्मचारियों के लिये–** इन्हें प्रारंभिक परीक्षा दिलाने की आवश्यकता नहीं होती है। इनके लिये ऑनलाईन बहुविकल्पीय प्रकार का मुख्य परीक्षा ही आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है–

क्र.	खंड	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	1	तर्क क्षमता और संख्यात्मक योग्यता	20	20	120 मिनट
2.	2	सामान्य ज्ञान एवं अंग्रेजी भाषा	20	20	
3.	3	बीमा विपणन का सिद्धांत एवं व्यवहार	60	120	
		योग	**100**	**160**	

टीपः– 1. गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

3 भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रत्येक अनुभाग एवं पूरे पेपर के लिये स्वविवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

साक्षात्कार (सभी के लिये समान) – ऑनलाईन मुख्य परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर चुने हुये उम्मीदवारों को व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है, इसमें बुलाये जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या संवर्गवार भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या की तीन गुनी होती है। साक्षात्कार 40 अंक का होता है। उम्मीदवारों को साक्षात्कार में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा स्वविवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

चयन विधि – ऑनलाईन लिखित परीक्षा (160 अंक) एवं साक्षात्कार (40 अंक) में प्राप्त अंकों के आधार पर आवेदकों का चयन किया जाता है। चयनित उम्मीदवारों को भर्ती पूर्व चिकित्सा परीक्षा से गुजरना होता है तथा चिकित्सीय रूप से फिट पाये जाने पर ही उन्हें नियुक्ति पत्र दिया जाता है।

परिलब्धियॉ एवं परिवीक्षा अवधि – वेतनमान रू. 35650–2200 (2)–40050–2595(2)–45240–2645(17)–90205 में प्रतिमाह 35650 रूपया तथा नियमानुसार अन्य स्वीकार्य भत्ते।

परिवीक्षा अवधि सामान्यतः 1 वर्ष के लिये होती है तथा जिसे अधिकतम 2 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

गारण्टी बॉन्ड– परिवीक्षार्थी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने से पहले आवेदक को भारतीय जीवन बीमा निगम में नियुक्ति की तिथि से कम से कम 4 वर्षों की अवधि के लिये (परिवीक्षा अवधि सहित) सेवा करने का वचन बन्ध देना होता है, जिसे पूर्ण करने पर उसे या उसके उत्तरअधिकारियों को निगम को रू. 3,00,000/– की परिनिर्धारित क्षति चुकानी होती है।

पाठ्यक्रम :– लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा अजा/अजजा के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण में भोजन एवं रहने का खर्च आवेदक को उठाना होता है।

संपर्क :– आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी भारतीय जीवन बीमा निगम के वेबसाईट www.licindia.in/careers से प्राप्त कर सकते हैं।

अधिकतर महान लोगों ने अपनी सबसे बड़ी सफलता, अपनी सबसे बड़ी विफलता के एक कदम आगे हासिल की है।

Most great people have attained their greatest success just one step beyond their greatest failure. - Napoleon Hill

70. एल.आई.सी. सहायक प्रशासनिक अधिकारी भर्ती परीक्षा

भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा अपने मण्डल कार्यालयों के लिये सहायक प्रशासनिक अधिकारी पद पर नियुक्ति हेतु ऑनलाईन परीक्षा का आयोजन रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. 2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

भारतीय जीवन बीमा के वेबसाईट http://www.licindia.in/careers.htm में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक के पास स्वयं का वैध ईमेल आईडी होना अनिवार्य है, क्योंकि निगम सभी पत्राचार इस ईमेल आईडी पर करता है।

परीक्षा योजना :– यह परीक्षा 3 चरणों प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार में होती है।

प्रारंभिक परीक्षा– वस्तुनिष्ठ ऑनलाईन

क्र.	अनुभाग	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय	न्यूनतम अर्हक अंक	
1.	1	तार्किक योग्यता	35	35	20 मिनट	18 (अन्य)	16 (अजा/अजजा/दिव्यांग)
2.	2	संख्यात्मक योग्यता	35	35	20 मिनट		
3.	3	अंग्रेजी ज्ञान, व्याकरण, शब्दावली एवं भाषा बोध पर विशेष बल	30	30 µ	20 मिनट	10 (अन्य)	9 (अजा/अजजा/दिव्यांग)
		योग	**100**	**70**	**60 मिनट**		

टीप :– 1. अंग्रेजी भाषा संबंधी अनुभाग 3 की परीक्षा की प्रवृत्ति अर्हता मूलक होती है। इसके अंक, मेरिट सूची बनाने में नहीं जोड़ी जाती।

2 गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

3 प्रत्येक प्रवर्ग में रिक्तियों की संख्या के 20 गुना आवेदकों को मुख्य परीक्षा के लिये चयनित किया जाता है।

मुख्य परीक्षा– ऑनलाईन बहुविकल्पीय एवं वर्णनात्मक दोनों प्रकार का होता है। इस परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है–

क्र.	अनुभाग	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय	न्यूनतम अर्हक अंक	
1.	1	तार्किक योग्यता	30	90	40 मिनट	45 (अन्य)	40 (अजा/अजजा/दिव्यांग)
2.	2	संख्यात्मक योग्यता (डाटा एनालिसिस एवं व्याख्या)	30	90	40 मिनट		
3.	3	सामान्य ज्ञान	30	60	20 मिनट	30 (अन्य)	27 (अजा/अजजा/दिव्यांग)
4	4	बीमा एवं वित्तीय जागरूकता	30	60	20 मिनट		
		कुल	120	300	2 घंटा		
5	5	अंग्रेजी में पत्र एवं निबंध लेखन (वर्णनात्मक)	2	25	30 मिनट	10 (अन्य)	9 (अजा/अजजा/दिव्यांग)

टीप :– 1. अंग्रेजी भाषा संबंधी अनुभाग 5 की परीक्षा की प्रवृत्ति अर्हता मूलक होती है। इसके अंक, मेरिट सूची बनाने में नहीं जोड़ी जाती।

2 बहुविकल्पीय प्रश्नों में गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

3 प्रत्येक प्रवर्ग में रिक्तियों की संख्या के 3 गुना आवेदकों को साक्षात्कार के लिये चयनित किया जाता है।

साक्षात्कार –

ऑनलाईन परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर चुने हुये आवेदकों को व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है, साक्षात्कार 60 अंक का होता है। इसमें बुलाये जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या संवर्गवार भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या की तीन गुनी होती है। आवेदकों को साक्षात्कार में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा स्वविवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। यह न्यूनतम अर्हक अंक अजा/अजजा/दिव्यांग आवेदकों के लिये 27 अंक तथा अन्य सभी के लिये 30 अंक है।

चयन विधि –

ऑनलाईन मुख्य लिखित परीक्षा (300 अंक) एवं साक्षात्कार (60 अंक) में प्राप्त अंकों के आधार पर आवेदकों का चयन किया जाता है। चयनित उम्मीदवारों को भर्ती पूर्व चिकित्सा परीक्षा से गुजरना होता है तथा चिकित्सीय रूप से फिट पाये जाने पर ही उन्हें नियुक्ति पत्र दिया जाता है।

परिलब्धियॉ, सेवा शर्तें एवं परिवीक्षा अवधि –

वेतनमान रू. 53600–2645 (14)–90630–2865 (4) – 102090 में मूलवेतन रू. 53600/– प्रतिमाह तथा नियमानुसार अन्य स्वीकार्य भत्ते।

भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रभावी शर्तें चयनित आवेदकों पर लागू होते हैं तथा चयन उपरांत वे भारत में कहीं भी नियुक्त किये जा सकते है।

परिवीक्षा अवधि सामान्यतः 1 वर्ष के लिये होती है तथा जिसे अधिकतम 2 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

गारण्टी बॉड–

परिवीक्षार्थी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने से पहले आवेदक को भारतीय जीवन बीमा निगम में नियुक्ति की तिथि से कम से कम 4 वर्षों की अवधि के लिये (परिवीक्षा अवधि सहित) सेवा करने का वचन बन्ध देना होता है, जिसे पूर्ण करने पर उसे या उसके उत्तरअधिकारियों को निगम को रू. 5 लाख की परिनिर्धारित क्षति चुकानी होती है।

पाठ्यक्रम :–

लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ड) कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान, ऑपरेटिंग सिस्टम, लैंग्वेज आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा अजा/अजजा के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण में भोजन एवं रहने का खर्च आवेदक को उठाना होता है।

संपर्क :– आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी भारतीय जीवन बीमा निगम के वेबसाईट www.licindia.in/careers से प्राप्त कर सकते हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा रोग "क्या कहेंगे लोग"

एक बार सोहन अपने पत्नी लता एवं बेटे मोहन तथा घोड़े के साथ कहीं जा रहे थे। वे घोड़े में सवार न होकर पैदल जा रहे थे। जब वे एक गांव में प्रवेश करते है तो उस गांव में क्रिकेट खेल रहे बच्चे उन्हे देखकर हंसते हुए कहते है कि ये कैसे नासमझ लोग है कि इतना तंदुरूस्त घोड़ा होने के बावजूद भी उसकी सवारी न करके पैदल चल रहे है। दंपत्ति को उनकी बात सही लगती है तथा वे तीनों घोड़े में बैठ जाते है। गांव में कुछ दूर आगे चलने पर चौपाल में बैठे बुजुर्ग लोग उन्हे देखकर उलाहना भरे स्वर में बोलते है कि ये कैसे निर्दयी लोग है जो एक ही घोड़े में बैठ गये है, ये तो घोड़े की जान ही ले लेगें। सोहन को उनकी बात सही लगती है तथा वह घोड़ा से उतर जाता है। कुछ दूर और आगे चलने पर गांव के पनघट में पानी भर रही महिलायें लता की तरफ देखकर बोलते है कि यह कैसी निर्लज्ज औरत है कि इसका पति पैदल चल रहा है और वो खुद आराम से घोड़े में बैठी है। लता को गांव के महिलाओं की बात सही लगती है और वह भी घोड़ा से उतर जाती है। गांव में कुछ दूर और आगे जाने पर दवाखाना में आये एक परिवार वाले उन्हे देखकर बोलते है कि ये कैसे माता पिता है जिन्होने अपने बेटे मोहन को अकेले घोड़े पर बैठा दिया है इसका तो गिरना निश्चित है तथा आज दवाखाना में एक मरीज और बढ़ने वाला है। दंपत्ति को उनकी बात भी सही लगती है और अपने बेटे को वे घोड़े से उतार लेते है। जब वो गांव से बाहर निकलते है तो वो तीनों अपने घोड़े के साथ पैदल चलते रहते है। अर्थात् जो स्थिति गांव में प्रवेश करने से पहले रहती है वहीं स्थिति गांव से बाहर निकलते समय भी होती है।

जिंदगी में आप जो करना चाहते है वो जरूर कीजिए, ये मत सोचिए कि लोग क्या कहेगे क्योंकि लोग तो तब भी कुछ कहते है जब आप कुछ नहीं करते है। यदि आप लोगो के बातों में आने लगे तो उस दंपत्ति की तरह आपको अपना हर फैसला गलत लगेगा और आप सफल नहीं हो पायेगें।

71. छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (सहायक/कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण/उत्पादन/पारेषण कंपनियों के अंतर्गत प्रशिक्षु सहायक अभियंता/कनिष्ठ अभियंता पदों पर नियुक्ति के लिये छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाती है।

शैक्षणिक अर्हता :–

1. आवेदक किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से प्राप्त निम्नानुसार योग्यता रखता हो –

क्र.	ब्रांच का नाम	सहायक अभियंता के आवश्यक अर्हता	कनिष्ठ अभियंता के आवश्यक अर्हता
1.	मेकेनिकल	मेकेनिकल या प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में बी0ई0 या बी0टेक0 की डिग्री	मेकेनिकल या प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा या समकक्ष
2.	इलेक्ट्रिकल	इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स या इलेक्ट्रिकल एवं इन्स्ट्रमेशन इंजीनियरिंग में बी0ई0 या बी0टेक0 की डिग्री	इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स या इलेक्ट्रिकल एवं इन्स्ट्रमेशन इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा या समकक्ष
3.	इलेक्ट्रानिक्स	इलेक्ट्रॉनिक्स या इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्यूनिकेशन या इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इन्स्ट्रमेशन इंजीनियरिंग में बी0ई0 या बी0टेक0 की डिग्री	इलेक्ट्रॉनिक्स या इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्यूनिकेशन या इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इन्स्ट्रमेशन इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा या समकक्ष
4	सिविल	सिविल इंजीनियरिंग में में बी0ई0 या बी0टेक0 की डिग्री	सिविल इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा

टीप :– 1. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. आवेदक अपने शैक्षणिक योग्यता के आधार पर किसी एक ही ब्रांच के आवेदन कर सकता है। यदि अपने योग्यता के आधार पर आवेदक सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता दोनों पदों के लिये आवेदन करना चाहता है, तो उसे 2 अलग–अलग आवेदन करना होता है।

3. कनिष्ठ अभियंता के लिये सिर्फ छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासी ही आवेदन कर सकते हैं। सहायक अभियंता एवं शिफ्ट केमिस्ट पद के लिये कोई भी भारतीय नागरिक आवेदन कर सकता है।

4. पत्राचार/दूरस्थ माध्यम से प्राप्त किया गया डिप्लोमा/डिग्री मान्य नहीं होता है।

5 उपअभियंता पद के लिये संबंधित ब्रांच में बीई या समकक्ष योग्यता धारी आवेदक भी पात्र होते है।

2. आयु सीमा – अ. सहायक अभियंता (प्रशिक्षु) पद के लिये 18 वर्ष से 40 वर्ष तक

ब. कनिष्ठ अभियंता (प्रशिक्षु) पद के लिये 18 वर्ष से 40 वर्ष तक

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार

उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की वेबसाईट www.cgvyapam.choiece.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

अ. सहायक अभियंता (प्रशिक्षु) पद के लिये –

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

ब. कनिष्ठ अभियंता (प्रशिक्षु) पद के लिये–

सिर्फ लिखित परीक्षा के माध्यम से चयन होता है।

लिखित परीक्षा (सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता दोनों पदो ंके लिये, बहुविकल्पीय प्रकार)

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता पद के लिये लिखित परीक्षा एक ही दिन में अलग–अलग पालियों में आयोजित किया जाता है। आवेदक अपनी योग्यता अनुसार दोनों पालियों के परीक्षाओं में शामिल हो सकता है।

लिखित परीक्षा में 100 अंकों का वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार का एक प्रश्न पत्र होता है। इस प्रश्न पत्र के 2 भाग होते है। **भाग–ए** में सामान्य ज्ञान एवं तर्कशक्ति से संबंधित 20 प्रश्न होते है, जो कि सभी ट्रेड के लिये अनिवार्य होता है। **भाग–बी** में संबंधित ट्रेड यथा इलेक्ट्रिकल/सिविल मैकनिकल/इलेक्ट्रानिक्स के 80 प्रश्न होते है। प्रत्येक प्रश्न में सही उत्तर पर 1 अंक प्रदान किया जाता है तथा गलत उत्तर पर एक चौथाई अंक काटा जाता है। प्रश्न पत्र की अवधि 2 घंटे की होती है तथा परीक्षा ऑफलाईन होती है।

लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को न्यूनतम 40 प्रतिशत तथा अजा/अजजा वर्ग के आवेदकों को न्यूनतम 30 प्रतिशत अर्हकारी अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार, सिर्फ सहायक अभियंता पद के लिये) –

प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा विज्ञापित रिक्तियों के विरूद्ध 3 गुना आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 10 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया –

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 100) तथा साक्षात्कार (**सिर्फ सहायक अभियंता पद के लिये**) (कुल अंक 10) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

स्टायपेण्ड– सहायक अभियंता एवं कनिष्क अभियंता के प्रशिक्षण अवधि 6 माह की होती है। इस अवधि में इन्हें क्रमशः 56100 रूपया एवं 35400 रूपया प्रतिमाह स्टायपेण्ड देय होता है। प्रशिक्षण अवधि के उपरांत वेतनमान मे प्रारंभिक मूलवेतन, महंगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते देय होते है।

पाठ्यक्रम :– परीक्षा का पाठ्यक्रम निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के स्तर का होता है। सामान्य सचेतना एवं तर्कशक्ति का प्रश्न एवं बारहवीं कक्षा स्तर का प्रश्न होता है।

अनुबंध – सहायक अभियंता (प्रशिक्षु) पद पर चयनित अभ्यर्थियों को कंपनियों में 4 वर्ष तक कार्य करने तथा रू. 3 लाख का अनुबंध पत्र भरना होता है। कनिष्ठ अभियंता (प्रशिक्षु) पद पर चयनित अभ्यर्थियों को कंपनियों में 4 वर्ष तक कार्य करने तथा रू. 2 लाख का अनुबंध पत्र भरना होता है। 4 वर्षीय अनुबंध अवधि में कार्य संतोषजनक रहने पर यह सुरक्षा निधि वापस कर दिया जाता है। यदि चयनित युवा परीक्षा अवधि में त्याग पत्र दे देता है या स्थायी करण हेतु अनुपयुक्त पाया जाता है तो इस स्थिति में सुरक्षानिधि राजसात कर लिया जाता है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की वेबसाईट www.cgvyapam.choiece.gov.in या छ.ग. स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड के वेबसाइट https://cspdcl.co.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

असफलता से सफलता का सृजन कीजिये। निराशा और असफलता, सफलता के दो निश्चित आधार स्तंभ है।

Develop success from failures. Discouragement and failure are two of the surest stepping stones to success.

- Dale Carnegie

72. रेल्वे भर्ती बोर्ड (सहायक लोको पायलट भर्ती परीक्षा)

भारत के सभी 21 रेल्वे भर्ती बोर्डों द्वारा सहायक लोको पायलट पद पर नियुक्ति के लिये एक साथ आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है तथा सभी रेल्वे भर्ती बोर्डों में लिखित परीक्षा एक ही तिथि को आयोजित की जाती है। छत्तीसगढ़ के आवेदकों के लिये दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, बिलासपुर द्वारा यह परीक्षा आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 प्रणाली के अंतर्गत हाईस्कूल या समकक्ष एवं SCVT/NCVT से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम पूरित अधिनियम प्रशिक्षु या निम्नलिखित 15 ट्रेडों में से किसी एक ट्रेड में आई0टी0आई0 उत्तीर्ण होना चाहिये –

फिटर	इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक	मेकेनिक डीजल
इलेक्ट्रीशियन	मैकेनिक मोटर व्हीकल	हीट ईंजन
इन्स्ट्रमेन्ट मैकेनिक	वायरमेन	टर्नर
मिलराईट/मेंटेनेंस मेकेनिक	ट्रेक्टर मेकेनिक	मशीनिष्ट
मेकेनिक रेडियो एवं टीव्ही	आर्मेचर एवं क्वॉइल वाईंडर	रेफ्रिजरेशन एवं एसी मेकेनिक

अथवा

आई0टी0आई0 के स्थान पर इलेक्ट्रिकल/मेकेनिकल/इलेक्ट्रानिक्स/आटोमोबाईल इंजीनियरिंग में AICTE से मान्यता प्राप्त डिप्लोमा

टीप :– 1. AICTE से मान्यता प्राप्त इलेक्ट्रिकल/मेकेनिकल/इलेक्ट्रानिक्स /आटोमोबाईल इंजीनियरिंग में उच्च शैक्षणिक अर्हता वाले अभ्यर्थी भी पात्र होते हैं।

2. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. आयु सीमा – 18 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

आवेदक को किसी एक रेल्वे रिक्रयुटमेंट बोर्ड (RRB) में ऑनलाईन आवेदन करना होता है। एक से अधिक रेल्वे भर्ती बोर्ड में आवेदन करने वाले आवेदको के आवेदन निरस्त हो जाते है।

टीप :– सभी रेल्वे भर्ती बोर्ड आवेदकों को प्रादेशिक भाषाओं के चयन का विकल्प देते हैं। अभ्यर्थी आवेदन करते समय इन प्रादेशिक भाषाओं में से किसी एक भाषा का चयन कर सकते हैं। प्रादेशिक भाषा का चयन करने की

स्थिति में उन्हें उसी प्रादेशिक भाषा में मुद्रित प्रश्न पत्र दिया जाता है। प्रादेशिक भाषा का चयन नहीं करने की स्थिति में हिन्दी/अंग्रेजी/उर्दू में मुद्रित प्रश्न पत्र दिया जाता है।

परीक्षा योजना :– परीक्षा 4 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – प्रारंभिक लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-1)

द्वितीय स्तर – मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2)

तृतीय स्तर – कम्प्यूटर बेस्ड एपीट्यूट टेस्ट ((CBET)

चतुर्थ स्तर – चिकित्सा परीक्षण एवं प्रमाण पत्र सत्यापन

इन स्तरों की जानकारी निम्नानुसार है–

प्रथम स्तर – प्रारंभिक लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-1)

यह एक स्क्रीनिंग परीक्षा है जिसके प्राप्तांकों के आधार पर मुख्य लिखित परीक्षा के लिये आवेदकों को अर्ह घोषित किया जाता है। इसके प्राप्तांक अंतिम चयन में नही जुड़ते है। इस परीक्षा की अवधि 60 मिनट होती है तथा इसमें 1–1 अंक के 75 प्रश्न होते है। गलत उत्तर देने पर 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। इस परीक्षा में सामान्य गणित, मानसिक योग्यता, सामान्य विज्ञान एवं सामान्य जागरूकता के बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाते है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य एवं EWS वर्ग के आवेदकों को 40 प्रतिशत, अपिव एवं अजा के लिये 30 प्रतिशत तथा अजजा के लिये 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

द्वितीय स्तर – मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2)

प्रारंभिक लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-1) में अर्ह घोषित किये गये आवेदकों को उनके प्राप्तांकों के आधार पर प्रत्येक रेल्वे भर्ती बोर्ड में विज्ञापित रिक्तियों के संख्या का 15 गुना के मान से मुख्य लिखित परीक्षा के लिये बुलाया जाता है।

मुख्य लिखित परीक्षा के 2 भाग होते है। **भाग–ए** में गणित, सामान्य ज्ञान, तर्कशक्ति, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के 100 प्रश्न पूछे जाते है। इस भाग के लिये 90 मिनट का समय होता है। गलत उत्तर देने पर 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। इस भाग में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य एवं EWS वर्ग के आवेदकों को 40 प्रतिशत, अपिव एवं अजा के लिये 30 प्रतिशत तथा अजजा के लिये 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

भाग–बी में संबंधित विषय के प्रश्न पूछे जाते है। इस भाग के प्रश्न महानिदेशक प्रशिक्षण (DGT) द्वारा निर्धारित आईटीआई के सिलेबस के अनुसार होता है। इस भाग में 60 मिनट में 75 बहुविकल्पीय प्रश्न ऑनलाईन हल करने होते है। इस भाग में भी गलत उत्तर देने पर 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। भाग बी में सभी श्रेणी के आवेदकों को उत्तीर्ण होने के लिये कम से कम 35 प्रतिशत अंक प्राप्त अनिवार्य होता है। इस भाग के अंक अंतिम चयन में नहीं जुड़ते है।

तृतीय स्तर – कम्प्यूटर बेस्ड एपीट्यूट टेस्ट (CBET)

मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2) में अर्ह घोषित किये गये आवेदकों को उनके भाग ए के प्राप्तांकों के आधार पर प्रत्येक रेल्वे भर्ती बोर्ड में विज्ञापित रिक्तियों के संख्या का 8 गुना के मान से कम्प्यूटर बेस्ड एपीट्यूट टेस्ट (CBET) के लिये बुलाया जाता है। आवेकदों को इस टेस्ट के पहले निर्धारित प्रारूप में मूल दृष्टि प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होता है, इस परीक्षा में मुख्यतः साइकोमैट्रिक टेस्ट लिया जाता है। आवेदकों को अर्हता प्राप्त करने के लिए प्रत्येक टेस्ट बैटरी में न्यूनतम 42 अंकों का टी–स्कोर प्राप्त करना अनिवार्य होता है। यह स्कोर सभी श्रेणी के आवेदकों के लिये अनिवार्य होता है। साइकोमैट्रिक टेस्ट में प्रत्येक खंड में आवेदक को कम से कम 42 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इस टेस्ट में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं होता है।

चतुर्थ स्तर – चिकित्सा परीक्षण एवं प्रस्ताव सत्यापन

प्रथम 3 चरण में अर्ह घोषित किये गये अभ्यर्थियों की नियुक्ति मेडिकल परीक्षण पास करने एवं अभ्यर्थी के शैक्षणिक एवं समुदाय संबंधी प्रमाण पत्र का अंतिम सत्यापन तथा उनके चरित्र/पूर्ववृत्त का सत्यापन आदि में सफल होने के अधीन होती है।

अंतिम चयन सूची

मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2) परीक्षा के भाग ए के प्राप्तांकों को 70 प्रतिशत भारांश अंक तथा कम्प्यूटर बेस्ड एपीट्यूट टेस्ट (CBET) के प्राप्तांकों को 30 प्रतिशत भारांश अंक देते हुये संवर्गवार अंतिम चयन सूची जारी किया जाता है।

टीपः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव/EWS/ भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. पुरूष उम्मीदवार जो अंतिम रूप से चयनित होते है, उनको रेल्वे इंजीनियरिंग यूनिक प्रादेशिक सेना की सक्रिय सेवा के लिये भेजा जाता है।

3. महिलायें भी इस पद के पात्र होती है तथापि उन्हें यह ध्यान रखना चाहिये कि इस पद के कार्य की प्रकृति परिश्रम मूलक है एवं उन्हें मुख्यालय से दूर रोड साईट स्टेशनों पर भी दिन अथवा रात में किसी भी समय शिफ्ट में कार्य करना पड़ सकता है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक संबंधित रेल्वे भर्ती बोर्डों के वेबसाईट से जानकारी प्राप्त सकते हैं। छत्तीसगढ़ के आवेदक सचिव, रेल्वे भर्ती बोर्ड, महाप्रबंधक कार्यालय काम्प्लेक्स के बाजू, दक्षिण मध्य पूर्व रेल्वे मुख्यालय, बिलासपुर या उनके वेबसाईट www.rrbbilaspur.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सफल आदमी बनने के बजाय एक महत्वपूर्ण आदमी बनने की सोचिये।
Try not to become a man of success, but rather try to become a man of value.
- Albert Einstein

73. रेल्वे भर्ती बोर्ड (ग्रुप–डी भर्ती परीक्षा)

भारत के सभी 16 रेल्वे जोनों द्वारा ग्रुप–डी के पदों (गैंगमेन/ट्रेकमेन/सहायक वर्कशॉप/सहायक डीजल/सहायक मैंटेनेंस/हॉस्पिटल सहायक/सहायक लोकोसेट आदि) पर नियुक्ति के लिये एक साथ आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है तथा सभी रेल्वे जोनो में लिखित परीक्षा एक ही तिथि को आयोजित की जाती है। छत्तीसगढ़ के आवेदकों के लिये दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, बिलासपुर द्वारा यह परीक्षा आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 प्रणाली के अंतर्गत हाईस्कूल या समकक्ष

या

SCVT/NCVT से किसी एक ट्रेड में ITI उत्तीर्ण होना चाहिये।

या

रेल्वे के संस्थानों से NCVT द्वारा प्रदान किया गया National Apprenticeship Certificate (NAC) होना चाहिए

टीप 1. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. आयु सीमा – 18 वर्ष से 33 वर्ष तक

टीप :–

भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सेवारत रेल्वे कर्मचारियें के लिए अधिकतम आयु सीमा अनारक्षित वर्ग हेतु 40 वर्ष है, आरक्षित वर्गों हेतु उच्चतम आयुसीमा में नियमानुसार छूट है।

आवेदन प्रक्रिया :–

आवेदक को किसी एक रेल्वे रिक्रयुटमेंट बोर्ड (RRB) में ऑनलाईन आवेदन करना होता है। एक से अधिक रेल्वे भर्ती बोर्ड में आवेदन करने वाले आवेदको के आवेदन निरस्त हो जाते है।

टीप :–

सभी रेल्वे भर्ती बोर्ड आवेदकों को प्रादेशिक भाषाओं के चयन का विकल्प देते हैं। अभ्यर्थी आवेदन करते समय इन प्रादेशिक भाषाओं में से किसी एक भाषा का चयन कर सकते हैं। प्रादेशिक भाषा का चयन करने की स्थिति में उन्हें उसी प्रादेशिक भाषा में मुद्रित प्रश्न पत्र दिया जाता है। प्रादेशिक भाषा का चयन नहीं करने की स्थिति में हिन्दी/अंग्रेजी/उर्दू में मुद्रित प्रश्न पत्र दिया जाता है।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT)

द्वितीय स्तर – शारीरिक दक्षता परीक्षा

तृतीय स्तर– मेडिकल परीक्षण एवं प्रमाण पत्र सत्यापित

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT)

प्रथम स्तर की परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT) होती है। इस परीक्षा में एक ही प्रश्न पत्र होता है। प्रश्न पत्र की संरचना निम्नानुसार होती है–

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	सामान्य विज्ञान	25	25	90 मिनट
2.	प्रारंभिक गणित	25	25	
3.	सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति	30	30	
4	सामान्य जागरूकता एवं समसमायिक घटनाएं	20	20	
	योग	**100**	**100**	**90 मिनट**

टीपः– प्रत्येक गलत उत्तर के लिये उस प्रश्न के लिये आबंटित अंक के एक तिहाई अंक काटे जाते हैं।

न्यूनतम अर्हक अंक –

अनारक्षित वर्ग एवं EWS के अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा में 40 प्रतिशत अंक एवं अजा/अजजा/अपिव वर्ग के अभ्यर्थियों को 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अंकों का निर्धारण सामान्यीकृत पद्धति से किया जाता है। दिव्यांग आवेदकों को न्यूनतम अर्हक अंक 2 प्रतिशत विशेष छूट देने का प्रावधान होता है।

द्वितीय स्तर– शारीरिक दक्षता परीक्षा :– लिखित परीक्षा में जो उम्मीदवार अर्ह घोषित किये जाते है उन्हें संवर्गवार वरीयता के अनुसार 1:3 (विज्ञापित रिक्तियों का 3 गुना) में शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए बुलाया जाता है। शारीरिक दक्षता परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षण किये जाते हैः–

पुरूष अभ्यर्थी – 1. एक अवसर में 4 मिनट 15 सेकण्ड में 1000 मी. की दूरी तक दौड़ना।

2 35 किलो का भार उठाकर 2 मिनट में 100 मीटर चलना।

महिला अभ्यर्थी – 1. एक अवसर में 5 मिनट 40 सेकण्ड में 1000 मी. की दूरी तक दौड़ना।

2 20 किलो का भार उठाकर 2 मिनट में 100 मीटर चलना।

टीपः– 1. दिव्यांग आवेदकों को शारीरिक दक्षता परीक्षा में भाग लेने से छूट है।

2. शारीरिक दक्षता परीक्षा सिर्फ अर्हकारी होती है। इसके अंको को वरीयता सूची तैयार करने में नहीं जोड़ा जाता है।

तृतीय स्तर– शारीरिक दक्षता परीक्षण में उत्तीर्ण आवेदकों को मेडिकल परीक्षण एवं प्रमाण पत्र सत्यापित के लिये बुलाया जाता है।

अंतिम चयन सूची– शारीरिक दक्षता परीक्षण एवं मेडिकल परीक्षण में पत्र पाये गये आवेदकों का लिखित परीक्षा के प्राप्तांको (100 अंक) के आधार पर संवर्गवार चयन किया जाता है।

टीप :–

1. भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांग/ EWS/भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. अभ्यर्थी जो अंतिम रूप से से चयनित होते है, उन्हें संबधित रेलवे जोन के अंतर्गत कहीं भी पदस्थ किया जा सकता है।

3. महिलायें भी इस पद के पात्र होती है तथापि उन्हें यह ध्यान रखना चाहिये कि इस पद के कार्य की प्रकृति परिश्रम मूलक है।

4. पुरूष उम्मीदवार जो अंतिम रूप से चयनित होते है, उनको रेल्वे इंजीनियरिंग यूनिक प्रादेशिक सेना की सक्रिय सेवा के लिये भेजा जाता है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक संबंधित रेल्वे भर्ती बोर्डों के वेबसाईट से जानकारी प्राप्त सकते हैं। छत्तीसगढ़ के आवेदक सहायक कार्मिक अधिकारी (भर्ती), रेल्वे भर्ती बोर्ड, महाप्रबंधक कार्यालय काम्प्लेक्स के बाजू, दक्षिण मध्य पूर्व रेल्वे मुख्यालय, बिलासपुर या उनके वेबसाईट www.rrcbilaspur.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

<u>सुनियोजित मेहनत : सफलता का आधार</u>

दो मित्र सुरेश और महेश रेगिस्तान में यात्रा कर रहे थे। कुछ दूर जाने के बाद उन्हे प्यास लगने लगी। वे परेशान होकर आगे बढ़ने लगे। वहां उन्हे एक साधु की कुटिया दिखाई दी। उन्होने बेसब्री से साधु से पूछा कि हमें बड़ी जोरो से प्यास लगी है, पानी कहां मिलेगा। साधु ने कहा कि यहां से एक किलोमीटर दूर एक पोखर है वहां तुम लोगो को शुद्ध पानी मिल जायेगा। साधु की बात सुनते ही दोनो तत्काल आगे बढ़ने लगे। कुछ दूर जाने के बाद जब पानी नहीं मिला तो सुरेश पुनः साधु के पास आकर पूछा कि किस दिशा में एक किलोमीटर जाने से मुझे पानी मिलेगा। साधु ने उसे बताया कि तुम पूर्व दिशा में चले जाओ तुम्हे पानी मिल जायेगा। जब सुरेश पूर्व दिशा में एक किलोमीटर गया तो उसे पानी मिल गया। महेश भटकता रहा तथा लगभग 8–10 किमी. चलने के बाद ही उसे पानी मिल पाया। स्पष्टतः महेश ने सुरेश से अधिक मेहनत किया था लेकिन पानी पहले सुरेश को मिला, क्योकि सुरेश ने निश्चित दिशा में मेहनत किया था।

सफलता के लिए मेहनत जितना जरूरी है उससे ज्यादा जरूरी यह है कि हमारा यह मेहनत निश्चित दिशा में हो, तथा लक्ष्य हमारे आंखो से कभी ओझल न हो।

74. रेल्वे भर्ती बोर्ड (गैर तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (NTPC) स्नातक के पदों लिये संयुक्त भर्ती परीक्षा)

भारत के सभी 21 रेल्वे भर्ती बोर्डों द्वारा (गैर तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (NTPC) स्नातक के पदों लिये संयुक्त भर्ती परीक्षा) एक साथ आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है तथा सभी रेल्वे भर्ती बोर्डों में लिखित परीक्षा एक ही तिथि को आयोजित की जाती है। छत्तीसगढ़ के आवेदकों के लिये दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, बिलासपुर द्वारा यह परीक्षा आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के द्वारा रेल्वे में मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक, स्टेशन मास्टर, मालगाड़ी प्रबंधक, कनिष्ठ लेखा सहायक सह टायपिस्ट एवं वरिष्ठ लिपिक सह टायपिस्ट पदो ं के लिये संयुक्त भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से स्नातक या उसका समकक्ष उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। कनिष्ठ लेखा सहायक सह टायपिस्ट एवं वरिष्ठ लिपिक सह टायपिस्ट पदो के लिये स्नातक के साथ–साथ आवेदक की कम्प्यूटर अंग्रेजी/हिन्दी में टायपिंग में दक्षता होना अनिवार्य है।

2. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. आयु सीमा – 18 वर्ष से 36 वर्ष तक (सामान्यतः आयु सीमा 18 वर्ष से 33 वर्ष होता है। 2025 की परीक्षा के लिये उच्चतम आयु सीमा में 3 वर्ष की विशेष छूट दिया गया है।)

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांग अभ्यर्थी को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

आवेदक को किसी एक रेल्वे रिक्रयुटमेंट बोर्ड (RRB) में ऑनलाईन आवेदन करना होता है। एक से अधिक रेल्वे भर्ती बोर्ड में आवेदन करने वाले आवेदको के आवेदन निरस्त हो जाते है।

टीप :– सभी रेल्वे भर्ती बोर्ड आवेदकों को प्रादेशिक भाषाओं के चयन का विकल्प देते हैं। अभ्यर्थी आवेदन करते समय इन प्रादेशिक भाषाओं में से किसी एक भाषा का चयन कर सकते हैं। प्रादेशिक भाषा का चयन करने की स्थिति में उन्हें उसी प्रादेशिक भाषा में मुद्रित प्रश्न पत्र दिया जाता है। प्रादेशिक भाषा का चयन नहीं करने की स्थिति में हिन्दी/अंग्रेजी/उर्दू में मुद्रित प्रश्न पत्र दिया जाता है।

परीक्षा योजना :– पद के अनुसार परीक्षा 3–4 स्तरों में आयोजित की जाती है – (प्रथम स्तर एवं द्वितीय स्तर की परीक्षा सभी पदो ंके लिये है। तृतीय स्तर की परीक्षा पद के अनुसार होता है। चतुर्थ स्तर पर चिकित्सा परीक्षण एवं प्रमाण पत्र सत्यापन सभी के लिये होता है।)

प्रथम स्तर – प्रारंभिक लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-1)

द्वितीय स्तर – मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2)

तृतीय स्तर – कम्प्यूटर बेस्ड एपीट्यूट टेस्ट ((CBET) (सिर्फ स्टेशन मास्टर के पद के लिये) तथा टायपिंग स्किल टेस्ट (कनिष्ठ लेखा सहायक सह टायपिस्ट एवं वरिष्ठ लिपिक सह टायपिस्ट पदो के लिये)

चतुर्थ स्तर – चिकित्सा परीक्षण एवं प्रमाण पत्र सत्यापन

इन स्तरों की जानकारी निम्नानुसार है–

प्रथम स्तर – प्रारंभिक लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-1)

यह एक स्क्रीनिंग परीक्षा है जिसके प्राप्तांकों के आधार पर मुख्य लिखित परीक्षा के लिये आवेदकों को अर्ह घोषित किया जाता है। इसके प्राप्तांक अंतिम चयन में नही जुड़ते है। इस परीक्षा की अवधि 90 मिनट होती है तथा इसमें 1–1 अंक के 100 प्रश्न होते है। गलत उत्तर देने पर 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। इस परीक्षा में सामान्य गणित (30 प्रश्न) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति (30 प्रश्न) एवं सामान्य जागरूकता (40 प्रश्न) के बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाते है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य एवं EWS वर्ग के आवेदकों को 40 प्रतिशत, अपिव एवं अजा के लिये 30 प्रतिशत तथा अजजा के लिये 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

द्वितीय स्तर – मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2)

प्रारंभिक लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-1) में सामान्यीकृत अंकों के आधार पर अर्ह घोषित किये गये आवेदकों को उनके प्राप्तांकों के आधार पर प्रत्येक रेल्वे भर्ती बोर्ड में विज्ञापित रिक्तियों के संख्या का 15 गुना के मान से मुख्य लिखित परीक्षा के लिये बुलाया जाता है।

मुख्य लिखित परीक्षा की अवधि 90 मिनट होती है तथा इसमें 1–1 अंक के 120 प्रश्न होते है। गलत उत्तर देने पर 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। इस परीक्षा में सामान्य गणित (35 प्रश्न) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति (35 प्रश्न) एवं सामान्य जागरूकता (50 प्रश्न) के बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाते है। गलत उत्तर देने पर 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। इस भाग में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य एवं EWS वर्ग के आवेदकों को 40 प्रतिशत, अपिव एवं अजा के लिये 30 प्रतिशत तथा अजजा के लिये 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

तृतीय स्तर – ए (कम्प्यूटर बेस्ड एपीट्यूट टेस्ट (CBET) (सिर्फ स्टेशन मास्टर पद के लिये)

मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2) में अर्ह घोषित किये गये आवेदकों को उनके प्राप्तांकों के आधार पर प्रत्येक रेल्वे भर्ती बोर्ड में विज्ञापित रिक्तियों के संख्या का 8 गुना के मान से कम्प्यूटर बेस्ड एपीट्यूट टेस्ट (CBET) के लिये बुलाया जाता है। आवेकदों को इस टेस्ट के पहले निर्धारित प्रारूप में मूल दृष्टि प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होता है, इस परीक्षा में मुख्यतः साइकोमैट्रिक टेस्ट लिया जाता है। आवेदकों को अर्हता प्राप्त करने के लिए प्रत्येक टेस्ट बैटरी में न्यूनतम 42 अंकों का टी–स्कोर प्राप्त करना अनिवार्य होता है। यह स्कोर सभी श्रेणी के आवेदकों के लिये अनिवार्य होता है। साइकोमैट्रिक टेस्ट में प्रत्येक खंड में आवेदक को कम से कम 42 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इस टेस्ट में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं होता है।

बी. टायपिंग स्किल टेस्ट (कनिष्ठ लेखा सहायक सह टायपिस्ट एवं वरिष्ठ लिपिक सह टायपिस्ट पदो के लिये)

मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2) में अर्ह घोषित किये गये आवेदकों को उनके प्राप्तांकों के आधार पर प्रत्येक रेल्वे भर्ती बोर्ड में विज्ञापित रिक्तियों के संख्या का 8 गुना के मान से टायपिंग स्किल टेस्ट के लिये बुलाया जाता है। आवेदकों की अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट या हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट टाईप करने का टेस्ट लिया जाता है। यह परीक्षा सिर्फ अर्हकारी होता है तथा इसके अंक अंतिम चयन में नहीं जुड़ते है। दृष्टिबाधित और सेरेब्रल पॉलसी वाले दिव्यांगजनों को इस टेस्ट से छूट रहता है।

चतुर्थ स्तर – चिकित्सा परीक्षण एवं प्रमाण पत्र सत्यापन

प्रथम 2 या 3 चरण में अर्ह घोषित किये गये अभ्यर्थियों की नियुक्ति मेडिकल परीक्षण पास करने एवं अभ्यर्थी के शैक्षणिक एवं समुदाय संबंधी प्रमाण पत्र का अंतिम सत्यापन तथा उनके चरित्र/पूर्ववृत्त का सत्यापन आदि में सफल होने के अधीन होती है।

अंतिम चयन सूची

मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2) परीक्षा के प्राप्तांकों को (120 अंक) के प्राप्तांकों के आधार पर अंतिम चयन सूची बनाया जाता है। सिर्फ स्टेशन मास्टर पद के लिये मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2) परीक्षा के प्राप्तांकों को (120 अंक) को 70 प्रतिशत भारांश अंक तथा कम्प्यूटर बेस्ड एपीट्यूट टेस्ट (CBET) के प्राप्तांकों को 30 प्रतिशत भारांश अंक देते हुये संवर्गवार अंतिम चयन सूची जारी किया जाता है।

टीपः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव/EWS/दिव्यांग/ भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक संबंधित रेल्वे भर्ती बोर्डों के वेबसाईट से जानकारी प्राप्त सकते हैं। छत्तीसगढ़ के आवेदक सचिव, रेल्वे भर्ती बोर्ड, महाप्रबंधक कार्यालय काम्प्लेक्स के बाजू, दक्षिण मध्य पूर्व रेल्वे मुख्यालय, बिलासपुर या उनके वेबसाईट www.rrbbilaspur.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सफल आदमी बनने के बजाय एक महत्वपूर्ण आदमी बनने की सोचिये।
Try not to become a man of success, but rather try to become a man of value.
- Albert Einstein

75. रेल्वे भर्ती बोर्ड (गैर तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (NTPC) पूर्व स्नातक के पदों लिये संयुक्त भर्ती परीक्षा)

भारत के सभी 21 रेल्वे भर्ती बोर्डों द्वारा (गैर तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (NTPC) पूर्व स्नातक के पदों लिये संयुक्त भर्ती परीक्षा) एक साथ आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है तथा सभी रेल्वे भर्ती बोर्डों में लिखित परीक्षा एक ही तिथि को आयोजित की जाती है। छत्तीसगढ़ के आवेदकों के लिये दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, बिलासपुर द्वारा यह परीक्षा आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के द्वारा रेल्वे में वाणिज्यिक सह टिकट लिपिक, लेखा लिपिक सह टायपिस्ट एवं कनिष्ठ लिपिक सह टायपिस्ट तथा ट्रैन लिपिक पदो के लिये संयुक्त भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से 12 वी परीक्षा या समकक्ष परीक्षा 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अजा/अजजा/दिव्यांग/भूतपूर्व सैनिक या सभी श्रेणी के न्यूनतम स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों के लिये 12 वी या समकक्ष परीक्षा में 50 प्रतिशत का सीमा बंधन नहीं होता है।

2. लेखा लिपिक सह टायपिस्ट एवं कनिष्ठ लिपिक सह टायपिस्ट पदो के लिये 12 वी के साथ–साथ आवेदक की कम्प्यूटर अंग्रेजी/हिन्दी में टायपिंग में दक्षता होना अनिवार्य है।

3 उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

आयु सीमा – 18 वर्ष से 33 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, दिव्यांग अभ्यर्थी को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

आवेदक को किसी एक रेल्वे रिक्रयुटमेंट बोर्ड (RRB) में ऑनलाईन आवेदन करना होता है। एक से अधिक रेल्वे भर्ती बोर्ड में आवेदन करने वाले आवेदको के आवेदन निरस्त हो जाते है।

टीप :– सभी रेल्वे भर्ती बोर्ड आवेदकों को प्रादेशिक भाषाओं के चयन का विकल्प देते हैं। अभ्यर्थी आवेदन करते समय इन प्रादेशिक भाषाओं में से किसी एक भाषा का चयन कर सकते हैं। प्रादेशिक भाषा का चयन करने की स्थिति में उन्हें उसी प्रादेशिक भाषा में मुद्रित प्रश्न पत्र दिया जाता है। प्रादेशिक भाषा का चयन नहीं करने की स्थिति में हिन्दी/अंग्रेजी/उर्दू में मुद्रित प्रश्न पत्र दिया जाता है।

परीक्षा योजना :– पद के अनुसार परीक्षा 3–4 स्तरों में आयोजित की जाती है – (प्रथम स्तर एवं द्वितीय स्तर की परीक्षा सभी पदो के लिये है। तृतीय स्तर की परीक्षा पद के अनुसार होता है। चतुर्थ स्तर पर चिकित्सा परीक्षण एवं प्रमाण पत्र सत्यापन सभी के लिये होता है।)

प्रथम स्तर – प्रारंभिक लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-1)

द्वितीय स्तर – मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2)

तृतीय स्तर – टायपिंग स्किल लेखा लिपिक सह टायपिस्ट एवं कनिष्ठ लिपिक सह टायपिस्ट पदो के लिय

चतुर्थ स्तर – चिकित्सा परीक्षण एवं प्रमाण पत्र सत्यापन

इन स्तरों की जानकारी निम्नानुसार है–

प्रथम स्तर – प्रारंभिक लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-1)

यह एक स्क्रीनिंग परीक्षा है जिसके प्राप्तांकों के आधार पर मुख्य लिखित परीक्षा के लिये आवेदकों को अर्ह घोषित किया जाता है। इसके प्राप्तांक अंतिम चयन में नही जुड़ते है। इस परीक्षा की अवधि 90 मिनट होती है तथा इसमें 1–1 अंक के 100 प्रश्न होते है। गलत उत्तर देने पर 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। इस परीक्षा में सामान्य गणित (30 प्रश्न) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति (30 प्रश्न) एवं सामान्य जागरूकता (40 प्रश्न) के बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाते है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य एवं EWS वर्ग के आवेदकों को 40 प्रतिशत, अपिव एवं अजा के लिये 30 प्रतिशत तथा अजजा के लिये 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

द्वितीय स्तर – मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2)

प्रारंभिक लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-1) में सामान्यीकृत अंकों के आधार पर अर्ह घोषित किये गये आवेदकों को उनके प्राप्तांकों के आधार पर प्रत्येक रेल्वे भर्ती बोर्ड में विज्ञापित रिक्तियों के संख्या का 15 गुना के मान से मुख्य लिखित परीक्षा के लिये बुलाया जाता है।

मुख्य लिखित परीक्षा की अवधि 90 मिनट होती है तथा इसमें 1–1 अंक के 120 प्रश्न होते है। गलत उत्तर देने पर 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। इस परीक्षा में सामान्य गणित (35 प्रश्न) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति (35 प्रश्न) एवं सामान्य जागरूकता (50 प्रश्न) के बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाते है। गलत उत्तर देने पर 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। इस भाग में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य एवं EWS वर्ग के आवेदकों को 40 प्रतिशत, अपिव एवं अजा के लिये 30 प्रतिशत तथा अजजा के लिये 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

तृतीय स्तर – टायपिंग स्किल टेस्ट (लेखा लिपिक सह टायपिस्ट एवं कनिष्ठ लिपिक सह टायपिस्ट पदो के लिये)

मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2) में अर्ह घोषित किये गये आवेदकों को उनके प्राप्तांकों के आधार पर प्रत्येक रेल्वे भर्ती बोर्ड में विज्ञापित रिक्तियों के संख्या का 8 गुना के मान से टायपिंग स्किल टेस्ट के लिये बुलाया जाता है। आवेदकों की अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट या हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट टाईप करने का टेस्ट लिया जाता है। यह परीक्षा सिर्फ अर्हकारी होता है तथा इसके अंक अंतिम चयन में नहीं जुड़ते है। दृष्टिबाधित और सेरेब्रल पॉलसी वाले दिव्यांगजनों को इस टेस्ट से छूट रहता है।

चतुर्थ स्तर – चिकित्सा परीक्षण एवं प्रमाण पत्र सत्यापन

प्रथम 2 या 3 चरण में अर्ह घोषित किये गये अभ्यर्थियों की नियुक्ति मेडिकल परीक्षण पास करने एवं अभ्यर्थी के शैक्षणिक एवं समुदाय संबंधी प्रमाण पत्र का अंतिम सत्यापन तथा उनके चरित्र/पूर्ववृत्त का सत्यापन आदि में सफल होने के अधीन होती है।

अंतिम चयन सूची

मुख्य लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार) (CBT-2) परीक्षा के प्राप्तांकों को (120 अंक) के प्राप्तांकों के आधार पर अंतिम चयन सूची बनाया जाता है।

टीपः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव/EWS/दिव्यांग/भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक संबंधित रेल्वे भर्ती बोर्डों के वेबसाईट से जानकारी प्राप्त सकते हैं। छत्तीसगढ़ के आवेदक सचिव, रेल्वे भर्ती बोर्ड, महाप्रबंधक कार्यालय काम्प्लेक्स के बाजू, दक्षिण मध्य पूर्व रेल्वे मुख्यालय, बिलासपुर या उनके वेबसाईट www.rrbbilaspur.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सफल आदमी बनने के बजाय एक महत्वपूर्ण आदमी बनने की सोचिये।
Try not to become a man of success, but rather try to become a man of value.
- Albert Einstein

76. छत्तीसगढ़ में पटवारी प्रशिक्षण हेतु चयन परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा आयुक्त भू–अभिलेख छत्तीसगढ़ के भर्ती नियम के अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा पटवारी प्रशिक्षण हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. पटवारी का पद जिला स्तर का है। आवेदक के पास सक्षम अधिकारी द्वारा जारी छत्तीसगढ़ के किसी भी जिले का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है।
2. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से हायर सेकेण्डरी परीक्षा (12वीं) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
3. आवेदक किसी शासकीय/अर्द्धशासकीय/भारत सरकार/राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त संस्था से एक वर्ष का कम्प्यूटर एप्लीकेशन अर्हता उत्तीर्ण हो।
4. किसी मान्यता प्राप्त संस्था से प्रोगामिंग में न्यूनतम 01 वर्षीय डिप्लोमा/प्रमाण पत्र तथा डाटा एण्ट्री की 5000 की डिप्रेशन प्रति घंटे की गति।

टीपः– 1. कम्प्यूटर एप्लीकेशन अर्हता हेतु छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मान्य किये गये निम्नांकित संस्थाओं के प्रमाण पत्रों को ही मान्य किया जाता हैः–

A. मान्यता प्राप्त आई.टी.आई से एकवर्षीय कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्राम असस्टेन्ट (COPA) में डिप्लोमा/सर्टिफिकेट।

B. मान्यता प्राप्त बोर्ड आफ टेक्नीकल एजुकेशन/राज्य तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया कम्प्यूटर साईंस/ इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी/मार्डन आफिस मैनेजमेन्ट का डिप्लोमा(दो वर्ष से अन्यून)

C. वैधानिक रूप से गठित किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/डीम्ड यूनिवर्सिटी/मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त कम्प्यूटर साईंस/इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी/कम्प्यूटर एप्लीकेशन में PGDCA अथवा स्नातक अथवा स्नातकोत्तर उपाधि

D. **DOEACE SOCIETY NEW DELHI** द्वारा प्रदत्त विभिन्न डिप्लोमा

टीप :–2. अधिसूचित क्षेत्र के आवेदकों के लिए कम्प्यूटर अर्हता संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य नहीं होता है। अधिसूचित जिलों के जो आवेदक पटवारी पद पर चयनित होंगे उन्हे अपने चयन से एक वर्ष के अन्दर उपरोक्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होता है।

5. आयु सीमा – 18 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को)।

अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं दिव्यगजनों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही करना होता है। आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी को व्यापम के वेबसाईट में अपना प्रोफाईल रजिस्ट्रेशन करना होता है।

परीक्षा योजना :– पटवारी प्रशिक्षण हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 150 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा की अवधि 3 घण्टा होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार होती है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान	15	15	3.00 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	10	10	
3.	गणित	30	30	
4.	सामान्य ज्ञान	35	35	
5.	कम्प्यूटर ज्ञान	20	20	
6.	हिन्दी	10	10	
7.	सामान्य मानसिक योग्यता	15	15	
8.	सम सामयिक घटनाक्रम, खेल–कुद	15	15	
	योग	**150**	**150**	

चयन प्रकिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर जिलेवार अलग–अलग मेरिट सूची तैयार की जाती है।

परीक्षा उपरान्त प्रशिक्षण :– जो आवेदक लिखित परीक्षा के माध्यम से पटवारी प्रशिक्षण हेतु चयनित होते है उन्हे एक वर्ष का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण अवधि में इन्हें किसी भी प्रकार का मानदेय या वेतन देय नहीं होता है। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण संपन्न करने वाले आवेदकों को जिला कलेक्टर द्वारा विभिन्न हल्कों में पटवारी के रूप में पदस्थापना प्रदान की जाती है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए आवेदक अपने जिले के अधीक्षक भू अभिलेख (कलेक्टर कार्यालय) या जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है तथा व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

77. छत्तीसगढ़ राजस्व निरीक्षक भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा आयुक्त भू–अभिलेख छत्तीसगढ़ के भर्ती नियमों के अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा राजस्व निरीक्षक हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक **या** 12वी कक्षा उर्त्तीण होने के साथ–साथ मान्यता प्राप्त तकनीकी विश्वविद्यालय से सिविल इजिनीयरिंग में डिप्लोमा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को)। अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं दिव्यागजनों (केवल एक बाजु से बाधित या श्रवण बाधित ही पात्र) को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही ऑनलाईन करना होता है। पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजे गये आवेदन पत्र मान्य नही होते है। आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी को व्यापम के वेबसाईट में अपना प्रोफाईल रजिस्ट्रेशन करना होता है।

परीक्षा योजना :– राजस्व निरीक्षक हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 150 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा की अवधि 3 घण्टा होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

इस लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान	15	15	3.00 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	10	10	
3.	गणित	30	30	
4.	सामान्य ज्ञान	35	35	
5.	कम्प्यूटर ज्ञान	20	20	
6.	हिन्दी	10	10	
7.	सामान्य मानसिक योग्यता	15	15	
8.	सम सामयिक घटनाक्रम, खेल–कुद	15	15	
	योग	**150**	**150**	

टीप :– लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाती है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए आवेदक अपने जिले के अधीक्षक भू अभिलेख (कलेक्टर कार्यालय) या जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है तथा व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जीवन में कठिनाइयाँ हमें बर्बाद करने नहीं आती है, बल्कि यह हमारी छुपी हुई सामर्थ्य और शक्तियों को बाहर निकलने में हमारी मदद करती है। कठिनाइयों को यह जान लेने दो की आप उससे भी ज्यादा शक्तिषाली हो।

– ए. पी. जे. अब्दूल कलाम

78. छत्तीसगढ़ खाद्य निरीक्षक भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन खाद्य नागरिक आपुर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग छत्तीसगढ़ के भर्ती नियमों के अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा खाद्य निरीक्षक हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को)। अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं दिव्यागजनों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही ऑनलाईन करना होता है। पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजे गये आवेदन पत्र मान्य नही होते है। आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी को व्यापम के वेबसाईट में अपना प्रोफाईल रजिस्ट्रेशन करना होता है।

परीक्षा योजना :– खाद्य निरीक्षक हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 200 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 200 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा की अवधि 3 घण्टा होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

पाठ्यक्रम भाग – 1 –सामान्य ज्ञान (150 प्रश्न, 150 अंक)

(अ) गणित, विज्ञान, भूगोल, भारतीय इतिहास, भारतीय अर्थव्यवस्था, भारतीय संविधान एवं छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित जानकारी

(ब) समसामायिक घटनाएं –

भाग –2 – (50 प्रश्न, 50 अंक)

आवश्यक वस्तु अधिनियम, उपभोक्ता संरक्षण से संबंधित जानकारी, कम्प्यूटर ज्ञान, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, छत्तीसगढ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम।

चयन प्रकिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाती है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए आवेदक अपने जिले के खाद्य अधिकारी (कलेक्टर कार्यालय) या जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है तथा व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

> जीवन की त्रासदी यह नही है कि आप अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाये। त्रासदी तो यह है कि आपके पास पहुंचने को कोई लक्ष्य ही नहीं था ।
>
> – बेजामिन मेस

79. छत्तीसगढ़ सहायक श्रम पदाधिकारी एवं श्रम निरीक्षक संयुक्त भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग के भर्ती नियमों के अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा सहायक श्रम पदाधिकारी एवं श्रम निरीक्षक पद हेतु संयुक्त चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विष्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
2. आवेदक को छ.ग. का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य है।
3. आवेदक का छ.ग. राज्य के किसी भी रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को)। अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं दिव्यागजनों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही ऑनलाईन करना होता है। पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजे गये आवेदन पत्र मान्य नही होते हैं। आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी को व्यापम के वेबसाईट में अपना प्रोफाईल रजिस्ट्रेशन करना होता है।

परीक्षा योजना :– सहायक श्रम पदाधिकारी एवं श्रम निरीक्षक हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 150 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा अवधि 3 घण्टे की होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

इस लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	भाग	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	भाग–एक	छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन	65	65	3.00 घंटा
2.	भाग–दो	कम्प्यूटर की सामान्य जानकारी	20	20	
3.	भाग–तीन	योग्यता परीक्षण	50	50	
4	भाग– चार	श्रम विभाग संबंधी जानकारी	15	15	
योगः–			**150**	**150**	

टीप :– लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाती है।

पाठ्यक्रम :–

भाग–1 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित भौगोलिक स्थिति, मानव संसाधन, प्राकृति संसाधन, ऊर्जा संसाधन, उद्योग, शिक्षा, यातायात एवं संचार, पर्यावरण संरक्षण, प्रशासनिक ढ़ांचा, खेलकूद, इतिहास एवं संस्कृति, राज्य की जनजातियॉ, त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

सामान्य अध्ययन – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भूगोल, संविधान, लोक प्रशासन एवं विधि, भारत के अर्थव्यवस्था, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन, समसामयिक घटनायें, भारतीय दर्शन, कला, साहित्य एवं संस्कृति एवं खेलकूद तथा सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर संबंधी प्रश्न पूछे जाते हैं।

भाग–दो :– इसमें कम्प्यूटर की सामान्य जानकारी से संबंधित प्रश्न होते है।

भाग–तीन (योग्यता परीक्षण):–

इस प्रश्न पत्र में निम्न 8 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल, 2. तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमता,

3, निर्णय निर्माण और समस्या निवारण 4. सामान्य मानसिक योग्यता, 5. सामान्य गणित (कक्षा दसवीं स्तर),

6. हिन्दी भाषा ज्ञान (कक्षा दसवीं स्तर), 7. छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान 8. अंग्रेजी भाषा का ज्ञान (कक्षा दसवीं स्तर)

भाग–चार :– श्रम विभाग संबंधी जानकारी

इस प्रश्न पत्र में निम्न 5 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. श्रम विधियों का इतिहास
2. भारतीय संविधान में श्रम संबंधी प्रावधान
3. महिला, बच्चों एवं बंधक श्रमिक हेतु श्रमिक कानून
4. श्रमिकों के मजदूरी संबंधी कानून
   (विशेषतः– वेतन भुगतान अधिनियम, न्यूनतम वेतन अधिनियम)
5. छत्तीसगढ़ राज्य में श्रमिक हित में संचालित योजनाएं

विस्तृत जानकारी :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

80. छत्तीसगढ़ ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन कृषि विभाग के भर्ती नियमों के अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पद हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.एस.सी. (कृषि)/बी.एस.सी. (उद्यानिकी)/ बी.टेक. (कृषि अभियांत्रिकी/जैव प्रौद्योगिकी) में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
2. आवेदक को छ.ग. का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को)। अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं दिव्यागजनों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही ऑनलाईन करना होता है। पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजे गये आवेदन पत्र मान्य नही होते हैं। आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी को व्यापम के वेबसाईट में अपना प्रोफाईल रजिस्ट्रेशन करना होता है।

परीक्षा योजना :– ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 100 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा अवधि 2 घण्टे की होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

चयन प्रकिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाती है।

पाठ्यक्रम :–

इसमें कृषि से संबंधित History of Agriculture, Agronomy, Water Management, Agricultural Meteorology & Crop Physiology, Entomology and Pathology and Soil Science से संबंधित स्नातक स्तर के प्रष्न होते है।

विस्तृत जानकारी :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

81. छत्तीसगढ़ स्थानीय निधि संपरीक्षक भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन वित्त विभाग के अंतर्गत संचालनालय स्थानीय निधि संपरीक्षा के भर्ती नियमों के अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा ज्येष्ठ संपरीक्षक एवं सहायक संपरीक्षक पद हेतु संयुक्त चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

अ. ज्येष्ठ संपरीक्षकः–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय कला/विज्ञान/वाणिज्य में द्वितीय श्रेणी से स्नातक **अथवा** उपरोक्त विषय में द्वितीय श्रेणी अधिस्नातक **या** विधि स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

ब. सहायक संपरीक्षकः–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विष्वविद्यालय कला/विज्ञान/वाणिज्य में द्वितीय श्रेणी से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

तथा उपरोक्त दोनों पदों हेतुः–

2. आवेदक को छ.ग. का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य है।
3. ज्येष्ठ संपरीक्षक को परिवीक्षा अवधि में विभागीय अधीनस्थ लेखा सेवा परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा।
4. **आयु सीमा –** 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को)। अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं दिव्यागजनों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही ऑनलाईन करना होता है। पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजे गये आवेदन पत्र मान्य नही होते हैं। आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी को व्यापम के वेबसाईट में अपना प्रोफाईल रजिस्ट्रेशन करना होता है।

परीक्षा योजना :– ज्येष्ठ संपरीक्षक एवं सहायक संपरीक्षक पद हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 200 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 200 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा अवधि 3 घण्टे की होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

इस लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	भाग	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	भाग–एक	सामान्य अध्ययन एवं गणित	100	100	3.00 घंटा
2.	भाग–दो	हिन्दी	100	100	

योगः–	**200**	**200**	

चयन प्रक्रिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाती है।

पाठ्यक्रम :– इसमें सामान्य ज्ञान, बुद्धि क्षमता, विश्लेषण क्षमता, अंक गणित एवं हिन्दी विषय के प्रश्न पूछे जाते है।

विस्तृत जानकारी :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

82 (A). छत्तीसगढ़ राज्य में शीघ्रलेखक, डाटा एण्ट्री ऑपरेटर, स्टेनो टायपिस्ट एवं सहायक ग्रेड–3 परीक्षा हेतु आवश्यक अर्हता

छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, नया रायपुर के ज्ञापन क्रमांक एफ 9–1/2008/1–3 रायपुर, दिनांक 01/02/13 तथा दिनांक 03/02/2022 द्वारा राज्य के विभिन्न शासकीय विभागों/कार्यालयों में शीघ्रलेखक/डाटा एण्ट्री ऑपरेटर/स्टेनो टायपिस्ट/सहायक ग्रेड–3 पद हेतु शैक्षणिक अर्हता निर्धारित किया गया है, जो कि विभिन्न पदों के लिये निम्नानुसार है –

शीघ्रलेखक पद हेतु आवश्यक अर्हता–

1. मान्यता प्राप्त शिक्षा मंडल से (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण,

अथवा

पुरानी हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय के स्नातक पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

2. मान्यता प्राप्त मंडल/संस्था/शीघ्रलेखन मुद्रलेखन परीक्षा परिषद से –

(क) शीघ्रलेखक (हिन्दी) के लिये – हिन्दी शीघ्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र एवं शीघ्रलेखन की 100 शब्द प्रतिमिनट की गति (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)

(ख) शीघ्रलेखक (अंग्रेजी) के लिये – अंग्रेजी शीघ्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र एवं शीघ्रलेखन की 100 शब्द प्रतिमिनट की गति (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)

(ग) द्विभाषी–शीघ्रलेखक के लिये – ऊपर खण्ड (क) तथा (ख) में विनिर्दिष्ट हिन्दी तथा अंग्रेजी शीघ्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र एवं शीघ्रलेखन की 100 शब्द प्रतिमिनट की गति (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)

2. मान्यता प्राप्त संस्था से डाटा एण्ट्री ऑपरेटर/प्रोग्रामिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा/प्रमाण पत्र तथा डाटा एण्ट्री की गति 10,000 की (Key) डिप्रेशन प्रतिघंटा (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)।

डाटा एण्ट्री ऑपरेटर पद हेतु आवश्यक अर्हता –

1. मान्यता प्राप्त शिक्षा मंडल से (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण,

अथवा

पुरानी हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय के स्नातक पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण। **अथवा**

कक्षा 10वीं परीक्षा उत्तीर्ण एवं मान्यता प्राप्त संस्था से किसी भी विषय में त्रिवर्षीय डिप्लोमा।

2. डाटा एण्ट्री ऑपरेटर/प्रोग्रामिंग में मान्यता प्राप्त संस्था से एक वर्षीय डिप्लोमा तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी में डाटा एण्ट्री की गति 8,000 की (Key) डिप्रेशन प्रतिघंटा (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)।

3. मान्यता प्राप्त मण्डल/संस्था अथवा छत्तीसगढ़ शीघ्रलेखन मुद्रलेखन परीक्षा परिषद से (कम्प्यूटर एवं सॉफ्टवेयर के माध्यम से) हिन्दी एवं अंग्रेजी मुद्रलेखन की गति 8,000 की (Key) डिप्रेशन प्रतिघंटा (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी) का प्रमाण पत्र।

स्टेनो टायपिंग पद हेतु आवश्यक अर्हता –

1. मान्यता प्राप्त शिक्षा मंडल से (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण,

अथवा

पुरानी हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय के स्नातक पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

2. हिन्दी शीघ्रलेखन में 60 शब्द प्रतिमिनट की गति (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)।

3. मान्यता प्राप्त संस्था से डाटा एण्ट्री ऑपरेटर/प्रोग्रामिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा/प्रमाण पत्र तथा डाटा एण्ट्री की गति 5,000 की (Key) डिप्रेशन प्रतिघंटा (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)।

4. मान्यता प्राप्त मण्डल/संस्था अथवा छत्तीसगढ़ शीघ्रलेखन मुद्रलेखन परीक्षा परिषद से (कम्प्यूटर एवं सॉफ्टवेयर के माध्यम से) हिन्दी अथवा अंग्रेजी मुद्रलेखन की गति 5,000 की (Key) डिप्रेशन प्रतिघंटा (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी) का प्रमाण पत्र।

सहायक ग्रेड–3 पद हेतु आवश्यक अर्हता –

1. मान्यता प्राप्त शिक्षा मंडल से (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण,

अथवा

पुरानी हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय के स्नातक पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

2. मान्यता प्राप्त संस्था से डाटा एण्ट्री ऑपरेटर/प्रोग्रामिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा/प्रमाण पत्र

3 कम्प्यूटर में हिन्दी टायपिंग का 5,000 की (Key) डिप्रेशन प्रतिघंटा की गति (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)।

4 मान्यता प्राप्त मण्डल/संस्था अथवा छत्तीसगढ़ शीघ्रलेखन मुद्रलेखन परीक्षा परिषद से (कम्प्यूटर एवं सॉफ्टवेयर के माध्यम से) हिन्दी अथवा अंग्रेजी मुद्रलेखन की गति 5,000 की (Key) डिप्रेशन प्रतिघंटा (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी) का प्रमाण पत्र।

छ0ग0 शासन द्वारा मान्यता प्राप्त कम्प्यूटर संस्था संबंधी जानकारी –

छ0ग0 शासन सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक एफ 9–4/2005/1/3 रायपुर, दिनांक 07.06.2007 द्वारा राज्य में शासकीय सेवाओं में नियुक्ति हेतु राज्य शासन ने निम्नलिखित संस्थाओं द्वारा जारी कम्प्यूटर विषय में परीक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र मान्य किया गया है –

1. मान्यता प्राप्त बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन/राज्य तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया कम्प्यूटर साइंस/इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी/मॉडर्न आफिस मैनेजमेंट का डिप्लोमा (2 वर्ष से अन्यून)।

2. वैधानिक रूप से गठित किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/डीम्ड युनिवर्सिटी/मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त कम्प्यूटर साइंस/इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी/कम्प्यूटर एप्लीकेशन में पी.जी. डिप्लोमा, स्नातक अथवा स्नातकोत्तर उपाधि।

3. DOEACC Society New Delhi द्वारा प्रदत्त विभिन्न डिप्लोमा,

4. मान्यता प्राप्त आई.टी.आई. द्वारा कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्राम असिस्टेंट व्यवसाय में प्रदत्त एक वर्षीय सर्टिफिकेट।

संपर्क :– आवेदक इस संबंध में अधिक जानकारी के लिये जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

हिम्मत न हारो

जब कोई काम बिगड़ जाये,
जैसा कि कभी–कभी होगा
जब रास्ता सिर्फ चढ़ाई का ही दिखता हो
जब पैसे कम और कर्ज ज्यादा हो
जब मुस्कराहट की इच्छा आह बने,
जब चिंतायें दबा रही हों
तो सुस्ता लो, लेकिन हिम्मन न हारो
भूल–भुलैया है ये जीवन
पगडंडियॉ जिसकी हमें पार करनी हैं
कई असफल तब लौट गये
पार होते गये जो आगे बढ़ते गये
धीमी रफ्तार तो क्या
मंजिल को इक दिन पाओगे
सफलता छिपी असफलता में ही
जैसे शंका के बादल में आषा की चमक
नाप सकोगे क्या इतनी दूरी
दूर दिखती है लेकिन मुमकिन है यह नजदीक हो
डटे रहो चाहे कितनी भी मुश्किल हो
चाहे हालात जितने भी बुरे हों, लेकिन हिम्मत न हारो, डटे रहो।

82. (B) छत्तीसगढ़ मे शीघ्रलेखक हिन्दी/अंग्रेजी, स्टेनो टाइपिस्ट, डाटा एंट्री आपरेटर एवं साहायक ग्रेड–3 संयक्त भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों में शीघ्रलेखक संयुक्त हिन्दी/अंग्रेजी, स्टेनो टाइपिस्ट, डाटा एंट्री आपरेटर एवं साहायक ग्रेड–3 पदो पर भार्ती हेतू छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा संयुक्त भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. इन पदो के लिये योग्यता चैप्टर 82 (A) में दी गई जानकारी के आधार पर होता है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को)। अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं दिव्यागजनों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही ऑनलाईन करना होता है। पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजे गये आवेदन पत्र मान्य नही होते है। आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी को व्यापम के वेबसाईट में अपना प्रोफाईल रजिस्ट्रेशन करना होता है।

परीक्षा योजना :– यह संयुक्त परीक्षा दो चरणों में आयोजित की जाती है।

चरण 1 – संयुक्त लिखित परीक्षा, चरण 2– कौशल परीक्षा,

चरण 1 – संयुक्त लिखित परीक्षा

यह लिखित परीक्षा अधिकतम 200 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 200 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा की अवधि 3 घण्टा होती है।

इस लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	20	20	3.00 घंटा
2.	गणित	30	30	
3.	सामान्य अध्ययन	50	50	
4.	कम्प्यूटर ज्ञान	30	30	
5.	हिन्दी	40	40	
6.	समान्य मानसिक योग्यता	30	30	
	योग	**200**	**200**	

टीप :– लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

चरण 2 – कौशल परीक्षा

(क) कौशल परीक्षा –

1. लिखित परीक्षा में प्राप्तांको के आधार पर मेरिट सूची से कौशल परीक्षा हेतु कुल रिक्तियों के विरूद्ध 1:10 (एक अनुपात दस में) शीघ्रलेखक अंग्रेजी, हिन्दी एवं स्टेनोटाइपिस्ट पदों हेतु अभ्यर्थियों को कौशल परीक्षा हेतु बुलाया जाता है।
2. लिखित परीक्षा में प्राप्तांको के आधार पर मेरिट सूची से कौशल परीक्षा हेतु 1:5 (एक अनुपात पाँच में) डेटा एंट्री आपरेटर एवं सहायक ग्रेड – 3 पदों हेतु अभ्यर्थिया को कौशल परीक्षा हेतु बुलाया जाता है।
3. शीघ्रलेखक (अंग्रेजी) पद के लिये आयोजित प्रायोगिक परीक्षा हेतु अंग्रेजी शीघ्रलेखक में 100 शब्द प्रतिमिनट की गति से डिटेक्शन दिया जाता है एवं शीघ्रलेखक (हिन्दी) पद के लिये आयोजित प्रायोगिक परीक्षा हेतु हिन्दी शीघ्रलेखक में 100 शब्द प्रति मिनट की गति से डिटेक्शन दिया जाता है। जिसे अनुवाद कर समय–सीमा में शुद्धता से टाईप करा होता है तथा कम्यूटर में 10,000 की 'डिप्रेशन की गति' होना अनिवार्य होता है।
4. स्टेनो टायपिस्ट पद के लिये आयोजित प्रायोगिक परीक्षा हेतु हिन्दी शीघ्रलेखक में 60 शब्द प्रतिमिनट की गति से डिटेक्शन दिया जाता है, जिसे अनुवाद कर समय–सीमा में शुद्धता से टाईप करना होता है तथा कम्यूटर में 5000 की 'डिप्रेशन की गति' होना अनिवार्य होता है।
5. डाटा एन्ट्री ऑपरेटर के पद हेतु 8000 की–डिप्रेशन की गति हिन्दी–अंग्रेजी दोनों के लिये कौशल परीक्षा ली जाती है जिसमें उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है। सहायक ग्रेड–3 के पद हेतु में कम्प्यूटर टायपिंग 5000 की–डिप्रेशन की गति हिन्दी के लिये कौशल परीक्षा ली जाती है, जिसमें उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है।
6. **(ब) कौशल परीक्षा –**

1. लिखित परीक्षा में प्राप्तांको के आधार पर मेरिट सूची से कौशल परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों की सूची व्यापम की वेबसाइट Cgvyapam.choice.gov.in पर जारी की जाती है।

2. अंतिम मेरिट सूची लिखित परीक्षा के प्राप्तांको के आधार पर तैयार की जाती है। इस सूची में कौशल परीक्षा Qualified में घोषित किये गए अभ्यर्थी ही होते है।

3. शीघ्रलेखक (अंग्रेजी), (हिन्दी), स्टेनो टायपिस्ट ऑपरेटर तथा सहायक ग्रेड–3 पद हेतु श्रेणीवार एवं र्वगवार पृथक–पृथक मेरिट सूची व्यापम द्वारा विभागों को सौपी जाती है।

4. कौशल परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों की सूची व्यापम की वेबसाइट पर ही जानकारी प्राप्त होती है। डाक के माध्यम से किसी भी अभ्यर्थी को सूचना नहीं दी जाती है।

5. व्यापम द्वारा जारी मेरिट सूची के आधार पर आवश्यक दस्तावेजों के पश्चात् चयन/नियुक्ति की कार्यवाही विभाग द्वारा की जाती है।

ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदक द्वारा दिये गये विभागों के प्राथमिकता क्रम एवं पद के चयन के आधार पर ही लिखित परीक्षा एवं कौशल परीक्षा उपरांत दस्तावेज सही पाये जाने पर विभाग आबंटित किये जाते है। अतः विभाग द्वारा जारी विज्ञापन में आरक्षणवार पदों की स्थिति का अवलोकन करके ही ऑनलाइन आवदेन भरें। बाद में कोई सुधार नहीं किया जाता है।

चयन प्रक्रिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाती है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है तथा व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सफलता का द्वार..... आत्मविश्वास

एक बार एक बिज़नेसमैन, जो कल तक एक सफल उद्योगपति था, अचानक किसी परेशानी से उसका बिज़नेस डूब गया और उस पर बैंक कर कर्जा भी हो गया और अब उसके पास कोई चारा नहीं बचा था। बैंक और सारे लेनदार उसे लगतार पैसे की भरपाई के लिए बोल रहे थें। अब तो उसे अपनी जिंदगी अंधेरे में नजर आ रही थी। एक बार सुबह पार्क में घूमते हुए उसे एक बूढ़ा व्यक्ति दिखाई दिया। वो बूढ़ा उसके पास आया और उसे परेशानी का कारण पूछा।

बिजनेसमैन ने सारी परेशानी वृद्ध को बताई, बूठे व्यक्ति ने अपनी जेब से अपनी चेक बुक निकाली और एक चेक साइन करके उसको दिया और कहा कि इससे तुम अपना बिजनेस फिर से शुरू कर सकते हो और एक साल बाद मुझे ठीक इसी जगह इसी समय मिलना और मुझे मेरे पैसे वापस कर देना। यह कहते हुए बूढ़ा वहाँ से दूर चला गया। बिजनेसमेन ने जब अपने हाथ मे रखे चेक पर नजर डाली, तो वह हैरान रह गया, क्योंकि वो बूढ़ा कोई मामूली व्यक्ति नहीं था। उस चेक पर बफेट (एक मशहूर अमेरिकन उद्योगपति) के साइन थे और चेक की रकम थी +5000000। उसको खुद पर यकीन नहीं हुआ कि खुद वारेन बफेट ने आकर मेरी परेशानी हल की है। फिर उसने सोचा कि ये रकम बैंक और लेनदारों को देने की बजाए वो पहले अपने बिजनेस को बचाने के लिए संघर्ष करेगा और इमरजेंसी में ही उस चेक का प्रयोग करेगा।

अब तो बिना किसी डर के वह फिर से अपना बिजनेस बचाने में जुट गया क्योंकि उसे पता था कि अगर कोई परेशानी होगी तो मैं चेक की मदद से बच सकता हूँ। बस फिर क्या था उसने जी तोड़ मेहनत की और एक बार फिर से अपने बिजनेस को वापस खड़ा कर दिया। आज उस बात को एक साल पूरा हो चुका था और वह चेक भी आज तक ऐसे ही सही सलामत था।

अपना वादा पूरा करने के लिए बिजनेसमेन जब पार्क में गया तो उसे वहाँ बूढ़ा व्यक्ति दिखाई दिया। जैसे ही वह उसके पास आया, अचानक एक नर्स पीछे से आई और वृद्ध को पकड़ के ले गयी और कहा कि वह एक पागल है, जो खुद को हमेशा वारेन बफेट बताता है। यह कहकर नर्स वृद्ध को ले गयी।

जिस प्रकार छाता, बारिष को रोक तो नहीं सकता है, लेकिन हमें बारिष में खड़े होने का साहस प्रदान करता है, उसी प्रकार आत्मविष्वास विपरीत परिस्थितियों को आने से रोक तो नही सकता लेकिन उन कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करने का हमें साहस प्रदान करता है।

83. उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण

देश के सभी राष्ट्रीयकृत बैंको द्वारा भारतीय छात्रों को देश के साथ–साथ विदेशों में भी उच्च शिक्षा के सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या डिग्री कोर्स के लिए शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है। शिक्षा ऋण उन्हीं संस्थानों में अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाता है जो शासन के मान्यता प्राप्त है तथा उस संस्थान में छात्र ने प्रवेश के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या उसे अर्हताकारी कक्षा के प्राप्तांको के आधार पर प्रवेश मिलना सुनिश्चित हो गया है। भारत में UGC/AICTE/IMC संस्थानों द्वारा मान्यता प्राप्त कालेजों में डिग्री/डिप्लोमा कोर्स करने, IIT, IIM में अध्ययन, केन्द्र या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थाओं में टीचर्स ट्रेनिंग/नर्सिंग कोर्सेस के साथ–साथ पायलट प्रशिक्षण आदि के लिए शिक्षा ऋण दिया जाता है। विदेशों के ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों में व्यवसायिक/तकनीकी कोर्स के Job Oriented स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए भी शिक्षा ऋण दिया जाता है। व्यवसायिक प्रशिक्षण एवं स्किल डेव्लपमेन्ट कोर्स शिक्षा ऋण के अन्तर्गत नहीं आते है। सभी बैंको के शिक्षा ऋण के नियम एवं शर्तें लगभग समान है तथापि उनके ब्याज दरों में कुछ अंतर है।

शिक्षा ऋण की सीमा, मार्जिन मनी एवं गारण्टी :– शिक्षा ऋण की सीमा सामान्यतः दो प्रकार की होती है। यदि विद्यार्थी भारत मे रहकर पढ़ाई जारी रखना चाहता है तो उसे अधिकतम 10 लाख रूपये तक जबकि विदेश में जाकर पढ़ाई करने के लिए अधिकतम 20 लाख रूपये तक शिक्षा ऋण स्वीकृत किया जाता है।

यदि किसी विद्यार्थी को चार लाख रूपये तक शिक्षा ऋण स्वीकृत किया जाता है तो उसके लिए किसी भी प्रकार की मार्जिन मनी की आवश्यकता नहीं होती है। चार लाख रूपये से अधिक की शिक्षा ऋण के लिए भारत में अध्ययन करने की स्थिति में 5% तथा विदेश में पढ़ाई करने की स्थिति में 15% मार्जिन मनी की आवश्यकता होती है। विद्यार्थी को मिलने वाली छात्रवृत्ति या अप्रेन्टिसशीप की राशि मार्जिन मनी में शामिल की जाती है।

यदि विद्यार्थी द्वारा चार लाख रूपये तक का शिक्षा ऋण लिया जाता है तो इसके लिए किसी प्रकार की गारण्टी की आवश्यकता नहीं होती है। लोन की राशि चार लाख से 7.50 लाख के बीच होने पर थर्ड पार्टी गारण्टर की आवश्यकता होती है। यदि लोन की राशि 7.50 लाख रूपये से भी अधिक है तो ऐसे में दो गारण्टर के साथ विद्यार्थी को कोई अचल संपत्ति या शेयर/डिवेन्चर/एफ.डी. आदि बतौर सिक्युरिटी रखनी पड़ती है। यदि लोन की राशि अधिक हो तो गारण्टर को अपना एड्रेस प्रूव तथा इनकम टेक्स रिटर्न की फोटो कापी देनी होती है।

शिक्षा ऋण में शामिल मद :– शिक्षा ऋण में पाठ्यक्रम के ट्यूशन फीस के साथ हॉस्टल और परीक्षा फीस भी शामिल की जाती है। इसमें प्रयोगशाला/लायब्रेरी की फीस, किताबे और कम्प्यूटर खरीदने की रकम, टू व्हीलर खरीदने की रकम (अधिकतम 50000 रूपये) भी शामिल किया जाता है। यदि विद्यार्थी किसी विदेशी विश्व विद्यालय में प्रवेश ले रहा है तो उसे आने जाने का खर्च भी लोन में दिया जाता है। शिक्षा ऋण में उस फीस को नहीं जोड़ा जाता है जो रिफण्डेबम होता है, इसका प्रबंध विद्यार्थी को खुद करना होता है।

शिक्षा ऋण की स्वीकृति एवं वितरण :– शिक्षा ऋण की स्वीकृति बैंक के सामान्यतः उस ब्राच से की जाती है जो विद्यार्थी या उसके पालकों के स्थायी/वर्तमान निवास के सबसे पास हो। शिक्षा ऋण की लोन की राशि का वितरण बैंक द्वारा सीधे संबंधित कॉलेज/संस्थान को किया जाता है। पुस्तकों/उपकरणों/वाहन से संबधित देयको का भुगतान बैंक द्वारा सीधे दुकानदार को किया जाता है। किसी भी स्थिति में विद्यार्थी या उसके पालके के नाम से चेक जारा नहीं किया जाता है।

शिक्षा ऋण की वापसी :– जब विद्यार्थी अपना कोर्स पूरा कर लेता है तो उसके एक वर्ष बाद या नौकरी लगने के 06 महिने बाद (जो भी पहले हो) उसे शिक्षा ऋण की वापसी करनी होती है। विद्यार्थी को अपना लोन पांच से सात वर्ष के अंदर चुकाना होता है। यदि विद्यार्थी के पालक चाहे तो वे ऋण वितरित होने के साथ ही रीपेमेन्ट प्रारंभ कर सकते है ऐसा करने पर बैंक उन्हे ब्याज दर में एक प्रतिशत की छूट देते है। लड़कियों के लिए ब्याज दर लड़को की तुलना में 0.50 प्रतिशत कम होती है।

बीमा की सुविधा :– होम लोन की तरह शिक्षा ऋण में भी बीमा की सुविधा उपलब्ध रहती है जिससे लोन से संबंधित कोई भी जिम्मेदारी विद्यार्थी के परिवार पर नहीं आती है।

शिक्षा ऋण के लिए आवश्यक दस्तावेजः–विद्यार्थी को शिक्षा ऋण के लिए निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना होता है

1. दसवीं एवं बारहवीं कक्षा की अंकसूची
2. विद्यार्थी एवं पालक का एड्रेस प्रूफ
3. पालक का आय से संबंधित प्रमाण पत्र
4. जिस विश्वविद्यालय या संस्थान में आगे की पढाई करनी हो वहां से विद्यार्थी को प्राप्त ऑफर लेटर
5. संबधित विश्वविद्यालय या संस्थान के फीस का डिटेल्स

6. संबंधित विश्वविद्यालय या संस्थान के संबंध में विवरणी
7. गारण्टर का एड्रेस प्रूव एवं इनकम टेक्स रिटर्न की फोटोकापी
8. अन्य दस्तावेज जो बैंक द्वारा चाहा गया हो।

संपर्क :–शिक्षा ऋण के लिए विद्यार्थी अपने निकटस्थ बैंक के शाखा प्रबंधक से संपर्क कर सकते है।

भारतीय स्टेट बैंक से शिक्षा ऋण चाहने वाले निम्न पते पर संपर्क कर सकते है :–

Deputy General Manager (Customer Service) Customer Service Dept. State Bank of India
State Bank Bhawan 4th floor Madame Cama Road Mumbai – 400021 Fax No. (022) 22742431
e-mail address – dgm.customer@sbi.co.in

समुद्र सभी के लिए एक जैसा ही होता है कुछ लोग मोती चुनते है तो कुछ लोग मछलियाँ और कुछ लोग पैर गिला कर बाहर आ जाते है। इसी प्रकार दुनिया भी सभी के लिए एक जैसी ही होती है हमें वहीं मिलता है जिसके लिए हम प्रयास करते है।

84. छ.ग. मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना

छत्तीसगढ़ राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी एवं व्यावसयिक पाठ्यक्रमों के लिए शैक्षणिक ऋण पर ब्याज अनुदान योजना हेतु **''छ.ग. मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना''** प्रारंभ किया गया है।

योजना का प्रारुप

1. परिचय – राज्य के मानव संसाधन के विकास के लिए शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा के क्षेत्र में व्यय में निरंतर वृद्धि हो रही है एवं उच्च शिक्षा, विशेषकर, तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठयक्रमों में छात्रों पर व्यय भार भी अत्याधिक है। केन्द्र सरकार द्वारा आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों (अधिकतम वार्षिक आय रु. 4.5 लाख तक) से आने वाले तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठयक्रमों के शिक्षार्थियों के लिए एक नई योजना संचालित की जा रही है । इस योजना के अंतर्गत इंडियन बैंकर्स एसोसियेशन द्वारा प्रायोजित शैक्षणिक ऋण योजना में मोरेटोरियम अवधि के दौरान केन्द्र सरकार द्वारा शतप्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है, परन्तु ऋण की मोरेटोरियम अवधि के पश्चात् किसी प्रकार का लाभ कमजोर वर्ग के छात्रों को नहीं मिल पा रहा है।

तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण करने वाले निर्धन परिवार के छात्रों पर बैंकों द्वारा ली जाने वाली ब्याज दर के भार को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा मोरेटोरियम अवधि के उपरांत ली जाने वाली ब्याज राशि में अनुदान की योजना वित्तीय वर्ष 2012–13 से प्रारंभ किया गया है।

2. योजना का उद्देश्य – शैक्षणिक ऋण में ब्याज अनुदान की योजना का उद्देश्य रुपये 2.00 लाख तक की वार्षिक आय के परिवार से आने वाले तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठयक्रमों के छात्रों को मोरेटोरियम अवधि (पाठ्यक्रम की पूर्णतः अवधि + 1 वर्ष अथवा नौकरी लगने के उपरांत + 6 माह जो भी पहले हो) के उपरांत नियमित भुगतान की स्थिति में ऋण राशि के ब्याज के भार में छूट प्रदान करना है। राज्य शासन की ब्याज अनुदान योजना का लाभ मोरेटोरियम अवधि के उपरांत भी छात्रों द्वारा लिये गये ऋण पर आने वाले ब्याज भार कम करने के लिए रहेगा। मोरेटोरियम अवधि के उपरांत सामान्य जिलों के छात्रों को केवल 1 प्रतिशत की दर से तथा LWE जिलों के छात्रों को शुन्य प्रतिशत की दर से ब्याज भार का वहन करना होगा, एवं बैंकों द्वारा लिये जाने वाले ब्याज दर के शेष का व्यय भार राज्य शासन द्वारा वहन किया जायेगा।

3. अर्हता –

3.1 छत्तीसगढ़ का स्थानीय निवासी होना चाहिये ।

3.2 परिवार की वार्षिक आय अधिकतम 2 लाख रुपये हो ।

3.3 छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापित एवं सक्षम प्राधिकारी (यथा एआईसीटीई, यूजीसी) से मान्यता प्राप्त तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठयक्रमों में उच्च शिक्षा हेतु प्रवेश लिया हो।

3.4 ब्याज अनुदान किसी भी शिक्षार्थी को केवल एक बार प्रथम स्नातक/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अथवा प्रथम स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए दिया जायेगा।

3.5 छत्तीसगढ़ के बाहर उच्च कोटि के राष्ट्रीय स्तर के ऐसे शैक्षणिक संस्थान जिन्हें राज्य शासन द्वारा इस योजना के लाभ हेतु अधिसूचित किया गया है, में किसी तकनीकी अथवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया हो।

4. आय का प्रमाण पत्र – योजना का लाभ अधिकतम (सभी स्त्रोतों से) रुपये 2 लाख तक की वार्षिक आय से आने वाले शिक्षार्थियों को मिलेगा। राज्य शासन द्वारा प्राधिकृत सक्षम अधिकारी द्वारा दिया गया आय प्रमाण पत्र ही मान्य होगा।

5. ऋण की अधिकतम सीमा – विभिन्न तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठयक्रमों के लिए निर्धारित फीस के अनुसार अधिकतम 4 लाख रुपये तक की ऋण राशि पर ही योजना का लाभ मिल सकेगा।

6. ब्याज अनुदान की अन्य शर्ते –

6.1 शिक्षार्थियों को ऋण राशि की अदायगी नियमित रुप से संबंधित बैंक द्वारा निर्धारित समान मासिक किस्तों में करना अनिवार्य है। नियमित रुप से समय पर निर्धारित मासिक किस्त नहीं चुकाने पर राज्य शासन की ब्याज अनुदान योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

6.2 योजना का लाभ उन शिक्षार्थियों को नहीं मिलेगा जो बीच में पाठ्यक्रम में शिक्षा लेना छोड़ देते हैं अथवा जिन्हें अनुशासनिक आधार पर संस्थान द्वारा संस्थान से निकाल दिया जाता है।

6.3 अपवाद की स्थिति में, केवल चिकित्सकीय आधार पर पाठ्यक्रम में निरंतरता बाधित होने पर (अधिकतम एक वर्ष तक के लिए) ब्याज अनुदान का लाभ मिल सकेगा तथा ऐसी स्थिति में सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिया गया चिकित्सकीय प्रमाण पत्र जो संबंधित संस्थान को जिसमें शिक्षार्थी अध्ययनरत है, मान्य हो।

7. योजना का क्रियान्वयन – राज्य शासन द्वारा वहन की जाने वाली ब्याज भार की राशि की प्रतिपूर्ति, बैंकों द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने पर, सीधे बैंको को की जायेगी।

8. संपर्क – इस योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिये संचालक, तकनीकी शिक्षा, इन्द्रावती भवन नया रायपुर से संपर्क कर सकते हैं तथा इनके वेबसाईट www.cgdteraipur.ac.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

असफलता अचानक होने वाली प्रलयंकारी घटना नहीं है। आप रातों रात असफल नहीं होते। दरअसल असफलता प्रतिदिन दोहरायें जाने वाली, कुछ गलतियों की परिणति है। असफलता एवं सफलता में अंतर मात्र उतना ही है जितना किसी काम को लगभग ठीक करने एवं पुरी तरह ठीक करने में है।

– एडवर्ड सिमन्स

85. छत्तीसगढ़ युवाओं के कौशल विकास का अधिकार अधिनियम, 2013

छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं के कौशल उन्नयन एवं उनके रोजगारपरकता में वृद्धि करके आत्मनिर्भर बनाने के लिए **''छत्तीसगढ़ युवाओं के कौशल विकास का अधिकार अधिनियम 2013'' दिनांक 17 सितम्बर 2013 से लागू हो गया है।** युवाओं को कौशल विकास का अधिकार प्रदान करने वाला छत्तीसगढ़ देश का प्रथम राज्य है।

इस अधिनियम के प्रमुख प्रावधान निम्नानुसार हैं :–

1. छत्तीसगढ़ राज्य में निवासरत् प्रत्येक युवा, जिसकी आयु आवेदन प्रस्तुति के तिथि को 14 वर्ष से 45 वर्ष के मध्य हो, उसे कौशल विकास का अधिकार प्राप्त है।

2. कौशल विकास के अधिकार के प्रयोग के लिए कोई भी युवा, जिला कौशल विकास प्राधिकरण को निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सकता है। आवेदक से आवेदन प्राप्ति की तारीख से अधिकतम् 90 दिनों के कालावधि में उसे प्रशिक्षण के संबंध में सूचित किया जावेगा।

3. आवेदक को प्रशिक्षण सामान्यतः उसके विकासखण्ड में ही उपलब्ध कराया जावेगा। यदि किन्ही कारणों से विकासखंड या जिले के बाहर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है तो प्रशिक्षण अवधि में उसे आवास की सुविधा प्रदाय की जावेगी।

4. यदि किसी व्यवसाय में प्रशिक्षण प्रारंभ करने के लिये निश्चित संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं, तो वहॉ जिला कौशल विकास प्राधिकरण आवेदक को अन्य व्यवसाय में आवेदन करने के लिए प्रेरित कर सकती है।

5. युवा, एक से अधिक व्यवसाय में कौशल विकास के लिये आवेदन कर सकता है। इन युवाओं को एक से अधिक व्यवसाय में प्रशिक्षण तभी उपलब्ध कराया जावेगा जब जिला कौशल विकास प्राधिकरण या राज्य कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा उस समय तक प्राप्त सभी आवेदनों का निराकरण कर लिया गया हो।

6. प्रत्येक युवा के कौशल प्रशिक्षण के संतोषजनक पूर्णतः के बाद, तृतीय पक्ष मूल्यांकनकर्ता द्वारा परीक्षा लिया जाता है तथा परीक्षा में सफल घोषित होने वाले युवाओं को राज्य कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना का प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है।

7. उन्हीं युवाओं को कौशल विकास अधिकार अधिनियम का लाभ प्राप्त होगा जो जिला कौशल विकास प्राधिकरण को निर्धारित प्रारूप में आवेदन करते हैं। जो आवेदक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाता (VTP) को सीधे आवेदन करता है वह राज्य कौशल विकास प्राधिकरण से प्रमाणीकरण का पात्र तो होगा लेकिन उसे अधिनियम के अधिकार प्राप्त नहीं होंगे।

8. कौशल विकास अधिनियम के गतिविधियों के पर्यवेक्षण तथा दिशा–निर्देश के लिये माननीय मुख्यमंत्री जी, छ0ग0 शासन की अध्यक्षता में एक गर्विनल काउंसिल है। गर्विनल काउंसिल द्वारा बनाई गई नीतियों के क्रियान्वयन हेतु राज्य स्तर पर मुख्य सचिव, छ0ग0 शासन की अध्यक्षता में कार्यकारिणी समिति तथा जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला कौशल विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है।

9. कौशल विकास हेतु आवेदन करने वाला आवेदक जिला कौशल विकास प्राधिकरण के किसी निर्णय, आदेश या कार्यवाही से व्यथित होने पर उसके विरूद्ध 30 दिनों के अंदर सक्षम अधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है।

10. राज्य कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा युवाओं के कौशल विकास के लिए 36 सेक्टर के 740 NSQF पाठ्यक्रम को अधिसूचित किया गया है। पाठ्यक्रम अनुसार न्यूनतम् शैक्षणिक योग्यता निर्धारित किया गया है। पाठ्यक्रम की अवधि 100 घंटे से लेकर 1800 घंटे तक है। NSQF के अंतर्गत एग्रीकल्चर, एपेरल, ब्यूटी एंड वेलनेस, आटोमेटीव, कैपिटल गुड्स, फुट प्रोसेसिंग, फर्नीचर एंड फीटिंग, जेम एंड ज्वेलरी, हेन्डीक्राफ्ट, लॉजिस्टिक, लाईफ साईंस, सूचना प्रौद्योगिकी, मीडिया, रिटेल, पलंबिंग, इलेक्ट्रीशियन,, रबर, आदि सेक्टर को शामिल किया गया है।

इस अधिनियम के संबंध में अधिक जानकारी सहायक संचालक CSSDA/जिला रोजगार अधिकारी तथा वेबसाईट www.cssda.in से प्राप्त कर सकते हैं।

आत्मविश्वास, आत्मज्ञान और आत्मसंयम, केवल यही तीन चीजें जीवन को परम शक्ति सम्पन्न बना देते हैं।

– टेनीसन

86. ''छत्तीसगढ़ रोजगार एप'' से अब घर बैठे करा सकते है रोजगार पंजीयन

रोजगार चाहने वाले शिक्षित युवा अब घर बैठे मोबाईल एप एवं वेबसाईट के माध्यम से रोजगार पंजीयन एवं नवीनीकरण का कार्य करा सकते है।

''छत्तीसगढ़ रोजगार एप'' गूगल प्लेस स्टोर एवं विभागीय वेबसाईट ऑनलाईन रोजगार पंजीयन के लिए आवेदक https://erojgar.cg.gov.in में उपलब्ध हैं। इस एप के माध्यम से ऑनलाईन पंजीयन कराने हेतु आवेदकों को अपना मोबाईल नंबर दर्ज करना होता है, जिसमें ओ.टी.पी. आता है। ओ.टी.पी. के प्रविष्टि के बाद रोजगार पंजीयन का विन्डो खुलता है। इस विन्डों में आवेदक को अपना नाम, पता, और आधार नंबर दर्ज करना होता है इसके बाद आधार से जुड़े हुये मोबाईल नंबर पर ओ.टी.पी. आता है। ओ.टी.पी. सत्यापन के बाद रोजगार पंजीयन का विन्डो खुलता है जिसमें ओवदक को अपने शैक्षणिक योग्यता, जाति, दिव्यांगता आदि की प्रविष्टि करनी होती हैं। सभी प्रविष्टि के बाद आवेदक का रोजगार पंजीयन पत्रक (एक्स–10) जनरेट होता है जिसे आवेदक डाउनलोड कर सकता है। रोजगार पंजीयन पत्रक इलेक्ट्रोनिकी हस्ताक्षरित होता है जिसके सत्यापन के लिये आवेदक को जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में आने की आवश्यकता नहीं होती है। छत्तीसगढ़ रोजगार एप के माध्यम से आवेदक अपना रोजगार पंजीयन के नवीनीकरण एवं शैक्षणिक योग्यता वृद्धि का कार्य कर सकता है।

छत्तीसगढ़ रोजगार एप से ऑनलाईन रोजगार सेवा युवाओं के लिए बहुत ही उपयोगी है क्योकि इसके माध्यम से वे कहीं से भी पंजीयन करा सकते है, उच्चतर शैक्षणिक योग्यता जुड़वाने तथा नवीनीकरण का कार्य स्वयं कर सकते है। एप एवं वेबसाईट के माध्यम से वो रोजगार मेला, कैरियर मार्गदर्शन संबंधी जानकारी भी प्राप्त कर सकता है।

मात्र प्रतिभा के बूते आप लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते है, बिना लगातार परिश्रम के प्रतिभा आपको अंधों में काना राजा तो बना सकती है लेकिन श्रेष्ठों में श्रेष्ठतर कभी नहीं।।

Talent alone is not suffice to achieve goal, Without "perseverance", your "talent" can keep you above the blind, But you will never be the best among the elite.

87. दिव्यांगजनों के लिए छत्तीसगढ़ शासन की योजनाएं एवं शासकीय नियुक्तियों में आरक्षण प्रावधान

1. क्षितिज– अपार संभावनाएँ (दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा में प्रोत्साहन राशि प्रदान योजना)

छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग द्वारा ज्ञापन क्रमांक एफ 3–15/2016, नया रायपुर दिनांक 03.11.2016 द्वारा माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले एवं उच्च शिक्षा में नियमित अध्ययनरत् दिव्यांग विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने हेतु **"क्षितिज– अपार संभावनाएँ"** योजना प्रारंभ की गई है। उच्च शिक्षा में प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के इस योजना के प्रमुख प्रावधान निम्नानुसार है :–

1. **हितग्राहियों की पात्रता :–**

1. छत्तीसगढ़ का निवासी हो।
2. 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता हो।
3. नियमित अध्ययनरत् छात्र हो।
3. जिला अंतर्गत माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में दिव्यांगजनों की श्रेणी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किया हो।

अथवा

4. आई.टी.आई./पालीटेक्निक/स्नातक एवं स्नातकोत्तर (कला, वाणिज्य एवं विज्ञान में) नियमित विद्यार्थी/

अथवा

5. चिकित्सा/तकनीकी/व्यवसायिक शिक्षा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययनरत् नियमित विद्यार्थी।

2. मिलने वाले लाभ :–

1. जिले में माध्यमिक परीक्षा (दसवीं) एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षा (बारहवीं) में सर्वाधिक अंक पाने वाले दिव्यांग छात्र तथा छात्रा को राशि क्रमशः रूपये 2000/– एवं रूपये 5000/– एकमुश्त।

2. आई.टी.आई./पालीटेक्निक/स्नातक एवं स्नातकोत्तर (कला, वाणिज्य एवं विज्ञान) पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को राशि 6000/– रूपये प्रतिवर्ष प्रोत्साहन राशि।

3. चिकित्सा/तकनीकी/व्यवसायिक शिक्षा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययनरत् विद्यार्थियों को राशि 12000/– रूपये प्रतिवर्ष प्रोत्साहन राशि।

3. आवेदन की प्रक्रिया :–

1. माध्यमिक परीक्षा एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले दिव्यांग छात्रों को पृथक से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी।

2. आई.टी.आई. पालीटेक्निक स्नातक एवं स्नातकोत्तर (कला, वाणिज्य एवं विज्ञान), चिकित्सा, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में नियमित अध्ययन कर रहें विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि हेतु ऑनलाइन आवेदन www.sw.cg.gov.in में करना होता है। ऑनलाईन आवेदन नहीं कर पाने की स्थिति में आफलाईन आवेदन समाज कल्याण विभाग के जिला कार्यालय में करना होता है।

3. दिव्यांगजनों को निवास प्रमाण पत्र एवं जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

4. **विस्तृत जानकारी :–**

योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग के वेबसाइट www.sw.cg.gov.in से या पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग के जिला कार्यालय या उपसंचालक रोजगार, विशेष रोजगार कार्यालय (दिव्यांगजनों के नियोजन हेतु) रायपुर से प्राप्त कर सकते हैं।

2. क्षितिज– अपार संभावनाएँ (दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन राशि योजना)

छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग द्वारा ज्ञापन क्रमांक एफ 3–15/2016, नया रायपुर दिनांक 03.11.2016 द्वारा दिव्यांग मेधावी व्यक्तियों को, सिविल सेवा के क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु **"सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना"** योजना प्रारंभ की गई है। प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के इस योजना के प्रमुख प्रावधान निम्नानुसार है :–

1. योजना हेतु पात्रता :–

1. 40 प्रतिशत या उससे अधिक के दिव्यांगजन विद्यार्थी।
2. आवेदक छत्तीसगढ़ का निवासी हो।
3. संघ/छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण अभ्यर्थी।

2. मिलने वाले लाभ :–

1. प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर राशि रूपये 20,000/– एकमुश्त।
2. मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर राशि रूपये 30,000/– एकमुश्त।
3. संघ/छत्तीसगढ़ लोक सेवा में चयन होने पर राशि रूपये 50,000/– एकमुश्त।

3. आवेदन की प्रक्रिया :–

1. संघ लोक सेवा आयोग/छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रारंभिक परिणाम घोषित होने के उपरांत आयोग द्वारा जारी परिणाम के आधार पर आवेदन करने पर सहायता राशि दी जावेगी।

5. ऑनलाइन आवेदन www.sw.cg.gov.in में करना होता है। ऑनलाईन आवेदन नहीं कर पाने की स्थिति में आफलाईन आवेदन समाज कल्याण विभाग के जिला कार्यालय में करना होता है।

2. आवेदक को निवास प्रमाण पत्र एवं जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

4. विस्तृत जानकारी :–

योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग के वेबसाइट www.sw.cg.gov.in से या पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग के जिला कार्यालय या उपसंचालक रोजगार, विशेष रोजगार कार्यालय (दिव्यांगजनों के नियोजन हेतु) रायपुर से प्राप्त कर सकते हैं।

3. क्षितिज– अपार संभावनाएँ (दिव्यांग व्यक्तियों के लिए छात्रगृह योजना)

दिव्यांग व्यक्तियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने हेतु 01 या 01 से अधिक (अधिकतम 05) दिव्यांग विद्यार्थियों के समूह को किराये के भवन में रेन्ट कन्ट्रोल अथॉरिटी द्वारा निर्धारित किराये की सीमा में रहने की निःशुल्क सुविधाएँ उपलब्ध कराना। छात्रगृह योजनान्तर्गत दिव्यांग विद्यार्थियों का समूह देश के अन्य राज्यों में भी अध्ययन हेतु छात्रगृह का लाभ ले सकते है।

1. योजना हेतु पात्रता –

1. 40 प्रतिशत या उससे अधिक के दिव्यांगजन।
2. आवेदन छत्तीसगढ़ का निवासी हो।
3. उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण।
4. शिक्षण संस्थान के आवेदक के मूल निवासी की दूरी 20 कि.मी. से अधिक हो।

2. मिलने वाले लाभ –

1. भवन की अधिकतम मासिक किराया राशि निम्नानुसार श्रेणी के शहरों के लिए निर्धारित की जाती है–

   1.A श्रेणी के शहर हेतु रू. 10000/–

   2.B श्रेणी के शहर हेतु रू. 7000/–

   3.C श्रेणी के शहर हेतु रू. 5000/–

3. आवेदन प्रकिया –महाविद्यालयीन/पॉलिटेक्निक/आई.टी.आई. के नियमित 01 या 01 से अधिक (अधिकतम 05) दिव्यांग विद्यार्थियों का समूह बनाकर पूर्ण बायोडाटा के साथ सादे कागज पर संयुक्त/उपसंचालक समाजकल्याण जिला कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करना होता है।

4. विस्तृत जानकारी :–

योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग के वेबसाइट www.sw.cg.gov.in से या पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग के जिला कार्यालय या उपसंचालक रोजगार, विशेष रोजगार कार्यालय (दिव्यांगजनों के नियोजन हेतु) रायपुर से प्राप्त कर सकते हैं।

4. दिव्यांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम 1995 तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अनुसार छत्तीसगढ़ में शासकीय सेवा में नियुक्ति हेतु दिव्यांगजनों के लिए प्रावधान

छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर के ज्ञापन क्रमांक एफ 20–4/2014/आ.प्र./1–3 नया रायपुर दिनांक 27.09.2014, 17.11.2014 तथा दिनांक 05.03.2019 द्वारा राज्य शासन के अधीन सीधी भर्ती के पदों में दिव्यांगजनों के नियोजन के लिए निम्न प्रावधान किये गये हैं–

1. आरक्षण का प्रतिशत

राज्य के अधीन समस्त कार्यालयों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी संवर्ग के सीधी भर्ती से भरे जाने वाले पदों का 7 प्रतिशत पद दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए आरक्षित होगी, जिसमें से 2–2 प्रतिशत रिक्तियां– (अ) दृष्टि बाधित अथवा कम दृष्टि (ब) अस्थि बाधित अथवा प्रगस्तिष्क अंगघात (स) श्रवण बाधित से

ग्रस्त व्यक्तियों के लिए, तथा (द) 1 प्रतिशत बहु दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों को उपयुक्त चिन्हाकिंत किए गये पदों में आरक्षित होगी।

यदि कोई प्रशासकीय विभाग, दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए आरक्षण के इस प्रावधान से अपने किसी प्रतिष्ठान को अंशतः अथवा पूर्णतया मुक्त रखना आवश्यक समझे तो उसे उसका औचित्य दर्शाते हुए प्रस्ताव समाज कल्याण विभाग को भिजवाना अनिवार्य होगा।

2. आरक्षण के लिए दिव्यांगता का प्रतिशत

केवल ऐसे व्यक्ति सेवाओं/पदों में आरक्षण के लिए पात्र होगें, जो कम–से–कम 40 प्रतिशत संगत दिव्यांगता से ग्रस्त हों। जो व्यक्ति आरक्षण का लाभ उठाना चाहता हो उसे निर्धारित प्रारूप में सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया दिव्यांगता प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

3. दिव्यांगता प्रमाण–पत्र जारी करने के लिए सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी

दिव्यांगता प्रमाण–पत्र जारी करने के लिए, राज्य सरकार द्वारा दिव्यांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) नियम, 1997 यथा संशोधित दिनांक 29.05.2012 के अनुरूप सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी होगा। नियम, 1997 के क्रियान्वयन हेतु राज्य सरकार मेडिकल बोर्ड का गठन कर सकती है जिसमें कम से कम तीन सदस्यों में कम से कम एक सदस्य, अस्थि बाधित दिव्यांगता /दृष्टि बाधित अथवा कम दृष्टि की दिव्यांगता/श्रवण बाधित दिव्यांगता, जैसा भी मामला हो, का मूल्यांकन करने के लिए क्षेत्र विशेष का विशेषज्ञ होना चाहिए। सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी/मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी उक्त प्रमाण–पत्र में स्थायी अथवा अस्थायी शब्द को पेन से चिकित्सक द्वारा स्वयं लिखा जाना अनिवार्य होगा।

4. अधिकतम आयु सीमा में छूट

(अ) दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए अधिकतम आयु–सीमा में वहीं छूट देय होगी जो राज्य शासन द्वारा सेवा के समस्त संवर्गो में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों के लागू हो। वर्तमान में यह छूट 10 वर्ष हैं।

(ब) आयु सीमा में उक्त छूट लागू रहेगी भले ही पद आरक्षित हो अथवा नहीं बशर्ते कि पद, दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए उपयुक्त माना गया हो।

5. उपयुक्तता के मानदंडों में छूट

यदि दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए आरक्षित सभी रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य मानदंडों के आधार पर इस श्रेणी के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं होते तो इनके लिए आरक्षित शेष रिक्तियों को भरने के लिए मानदंडों को शिथिल कर इस श्रेणी के उम्मीदवारों का चयन किया जा सकता है बशर्ते कि वे ऐसे पद अथवा पदों के लिए अनुपयुक्त न हों। सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक एफ–9/1/89/1, आ.प्र. दिनांक 9/7/1991 के अनुसार इन्हें परीक्षा या साक्षात्कार में न्यूनतम आर्हक अंकों में 10 प्रतिशत अंक छूट का प्रावधान है।

विशेष टीपः– दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधानों के अनुसार सह लेखक की सुविधा वाले दिव्यांगजनों को उनके लिये उपयुक्त चिन्हांकित पदो के प्रवेश/पात्रता/भर्ती परीक्षाओं में प्रत्येक 1 घंटा के लिये

20 मिनट का अतिरिक्त समय प्रदान किया जाता है यथा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा मुख्य परीक्षा का प्रत्येक प्रश्न पत्र सशक्त आवेदकों के लिये 3 घंटा का होता है लेकिन सह लेखक के सुविधा वाले दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिये यह 4 घंटा का होता है।

दिव्यांगजनों के नियोजन के संबंध में शासन के प्रावधान, रिक्तियों एवं अन्य जानकारी उपसंचालक रोजगार, विशेष रोजगार कार्यालय (दिव्यांगजनों के नियोजन हेतु) रायपुर से प्राप्त कर सकते हैं।

88.छत्तीसगढ़ में सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती तथा पदोन्नति नियम 2019 के प्रावधानों के अनुसार, राज्य में सहायक शिक्षक के ई–संवर्ग एवं टी–संवर्ग में भर्ती के लिये छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा सहायक शिक्षक हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

6. सहायक शिक्षक का पद जिला स्तर का है। पदों का विज्ञापन भी जिलावार जारी होता है। ई–संवर्ग के पदों में चयनित आवेदकों की नियुक्ति स्कूल शिक्षा विभाग के स्कूलों में तथा टी–संवर्ग के पदों में चयनित आवेदकों की नियुक्ति आदिम जाति कल्याण विभाग के स्कूलों में होती है।
7. आवेदक के पास सक्षम अधिकारी द्वारा जारी छत्तीसगढ़ के किसी भी जिले का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। आवेदक को आवेदन के साथ जिलों की प्राथमिकता दर्शना होता है।
8. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से हायर सेकेण्डरी परीक्षा (12वीं) 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होने के साथ–साथ डी.एड या डी.एल.एड परीक्षा एवं टीईटी परीक्षा (प्राथमिक स्तर) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

या

स्नातक तथा प्रारंभिक शिक्षाशास्त्र (चाहें वह किसी भी नाम से जाना जाता हो) में द्विवर्षीय डिप्लोमा एवं टीईटी परीक्षा (प्राथमिक स्तर) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

टीपः– छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विशेष पिछड़ी जनजातियों (पहाड़ी कोरवा, बैगा, कमार, अबुझमाड़िया, पण्डो, भूजिया एवं बिरहोर) के आवेदकों के लिये डीएड या डीएलएड परीक्षा एवं टीईटी परीक्षा (प्राथमिक स्तर) उत्तीर्ण करने में छूट है अर्थात इस वर्ग के 12 वी कक्षा उत्तीर्ण आवेदक ही पात्र होंगे।

9. सामान्यतः उपरोक्त योग्यताएं ऑनलाईन आवेदन करने अंतिम तिथि या उससे पूर्व का होना चाहिए लेकिन छत्तीसगढ़ शासन ने वर्ष 2023 के सहायक शिक्षक भर्ती में यह प्रावधान किया था कि व्यापम द्वारा परीक्षाफल जारी होने के तिथि तक जारी किये गये न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता एवं अन्य योग्यता के प्रमाण पत्र मान्य होंगे।
10. आयु सीमा – 18 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को)।

अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं दिव्यांगजनों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही करना होता है। आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी को व्यापम के वेबसाईट में अपना प्रोफाईल रजिस्ट्रेशन करना होता है।

परीक्षा योजना :– सहायक शिक्षक हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 150 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा की अवधि 3 घण्टा होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार होती है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र	30	30	3.00 घंटा
2.	सामान्य अंग्रेजी	25	25	
3.	गणित	30	30	
4.	सामान्य ज्ञान	10	10	
5.	कम्प्यूटर संबंधी सामान्य ज्ञान	10	10	
6.	सामान्य हिन्दी	25	25	
7.	पर्यावरण अध्ययन	20	20	
	योग	**150**	**150**	

मेरिट सूची – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर संवर्गवार मेरिट सूची तैयार की जाती है।

बोनस अंक एवं अंतिम मेरिट सूचीः– स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत अतिथि शिक्षकों को कार्य के प्रत्येक वर्ष के लिए 2 बोनस अंक (अधिकतम बोनस अंक 10) प्रदाय किये जाते है। ये बोनस अंक व्यापम द्वारा ली गई परीक्षा में प्राप्त कुल अंकों में जोड़कर तद्नुसार अंतिम मेरिट सूची तैयार किया जाता है। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय से कार्य अनुभव संबंधी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात ही बोनस अंक देय होता है।

विशेषः– जिलों के चयन का प्राथमिकता क्रम, परीक्षा फार्म भरते समय ही परीक्षार्थी को करना अनिवार्य होता है। भविष्य में किसी भी प्रकार का संशोधन मान्य नहीं किया जाता है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए आवेदक अपने जिले के जिला शिक्षा अधिकारी या जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है तथा व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

89.छत्तीसगढ़ में शिक्षक भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती तथा पदोन्नति नियम 2019 के प्रावधानों के अनुसार, राज्य में शिक्षक के ई–संवर्ग एवं टी–संवर्ग में भर्ती के लिये छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा शिक्षक हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. शिक्षक का पद संभाग स्तर का है। पदों का विज्ञापन भी संभागवार जारी होता है। ई–संवर्ग के पदों में चयनित आवेदकों की नियुक्ति स्कूल शिक्षा विभाग के स्कूलों में तथा टी–संवर्ग के पदों में चयनित आवेदकों की नियुक्ति आदिम जाति कल्याण विभाग के स्कूलों में होती है।
2. आवेदक के पास सक्षम अधिकारी द्वारा जारी छत्तीसगढ़ के किसी भी जिले का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। आवेदक को आवेदन के साथ संभागों की प्राथमिकता दर्शना होता है।
3. पहले शिक्षकों की भर्ती विषयवार (यथा अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान, हिन्दी, जीवविज्ञान, संस्कृत आदि) किया जाता था लेकिन वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ शासन ने विषयों को हटाकर एकजाई रूप से सभी विषयों के लिये एक साथ भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया था।
4. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक की परीक्षा 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होने के साथ–साथ डी.एड या बी.एड या बी.एल.एड परीक्षा एवं टीईटी परीक्षा (उच्च प्राथमिक स्तर) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
5. सामान्यतः उपरोक्त योग्यताएं ऑनलाईन आवेदन करने अंतिम तिथि या उससे पूर्व का होना चाहिए लेकिन छत्तीसगढ़ शासन ने वर्ष 2023 के शिक्षक भर्ती में यह प्रावधान किया था कि व्यापम द्वारा परीक्षाफल जारी होने के तिथि तक जारी किये गये न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता एवं अन्य योग्यता के प्रमाण पत्र मान्य होंगे।

आयु सीमा – 18 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को)।

अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं दिव्यांगजनों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही करना होता है। आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी को व्यापम के वेबसाईट में अपना प्रोफाईल रजिस्ट्रेशन करना होता है।

परीक्षा योजना :– शिक्षक हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 150 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं।

सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा की अवधि 3 घण्टा होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार होती है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र	30	30	3.00 घंटा
2.	सामान्य अंग्रेजी	25	25	
3.	गणित और विज्ञान	30	30	
4.	सामाजिक अध्ययन	20	20	
5.	कम्प्यूटर संबंधी सामान्य ज्ञान	10	10	
6.	सामान्य हिन्दी	25	25	
7.	सामान्य ज्ञान	10	10	
	योग	**150**	**150**	

मेरिट सूची – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर संवर्गवार मेरिट सूची तैयार की जाती है।

बोनस अंक एवं अंतिम मेरिट सूचीः– स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत अतिथि शिक्षकों को कार्य के प्रत्येक वर्ष के लिए 2 बोनस अंक (अधिकतम बोनस अंक 10) प्रदाय किये जाते है। ये बोनस अंक व्यापम द्वारा ली गई परीक्षा में प्राप्त कुल अंकों में जोड़कर तद्नुसार अंतिम मेरिट सूची तैयार किया जाता है। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय से कार्य अनुभव संबंधी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात ही बोनस अंक देय होता है।

विशेषः– संभागों के चयन का प्राथमिकता क्रम, परीक्षा फार्म भरते समय ही परीक्षार्थी को करना अनिवार्य होता है। भविष्य में किसी भी प्रकार का संशोधन मान्य नहीं किया जाता है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए आवेदक अपने जिले के जिला शिक्षा अधिकारी या जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है तथा व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

90.छत्तीसगढ़ में व्याख्याता भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती तथा पदोन्नति नियम 2019 के प्रावधानों के अनुसार, राज्य में व्याख्याता के ई–संवर्ग एवं टी–संवर्ग में भर्ती के लिये छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा व्याख्याता हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. व्याख्याता का पद राज्य स्तर का है। पदों का विज्ञापन भी पूरे राज्य का एक साथ जारी होता है। ई–संवर्ग के पदों में चयनित आवेदकों की नियुक्ति स्कूल शिक्षा विभाग के स्कूलों में तथा टी–संवर्ग के पदों में चयनित आवेदकों की नियुक्ति आदिम जाति कल्याण विभाग के स्कूलों में होती है।
2. आवेदक के पास सक्षम अधिकारी द्वारा जारी छत्तीसगढ़ के किसी भी जिले का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है।
3. व्याख्याता की भर्ती विषयवार (यथा अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान, हिन्दी, जीवविज्ञान, संस्कृत आदि) होता है।
4. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से द्वितीय श्रेणी में निम्नालिखित विषयों में से किसी भी विषय में स्नातकोत्तर एवं समकक्ष परीक्षा के साथ–साथ बी.एड या बी.एल.एड परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है–

स.क्रं	विषय	विषय समूह
1	हिन्दी	हिन्दी
2	अंग्रेजी	अंग्रेजी
3	संस्कृत	संस्कृत / क्लासिक्स / आचार्य
4	भौतिकी	भौतिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / एप्लाइड भौतिकी / न्यूक्लियर भौतिकी
5	रसायन	रसायन / बायोकेमेस्ट्री
6	अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र / एप्लाइड अर्थशास्त्र / बिजनेस अर्थशास्त्र
7	राजनीति विज्ञान	राजनीति विज्ञान / लोक प्रशासन
8	भूगोल	भूगोल
9	इतिहास	इतिहास / प्राचीन भारतीय इतिहास
10	जीव विज्ञान	वनस्पति शास्त्र / प्राणी शास्त्र / लाईफ साइंस / जैविकी / अनुवांशिकी / माइक्रो

		बायोलॉजी/बायोटेक्नोलॉजी/मालिकुलर बायोलॉजी
11	गृह विज्ञान	गृह विज्ञान
12	कृषि विज्ञान	कृषि विज्ञान
13	गणित	गणित/एप्लाईड गणित
14	वाणिज्य	एकाउन्टेसी सहित वाणिज्य/कास्ट एकाउंटिंग/फाइनेसिंयल एकाउन्टेसी
15	उर्दू	एम.ए उर्दू/जामिया उर्दू अलीगढ़ से अदीब–ए– फाजिल (दो वर्षीय पाठ्यक्रम)

5. सामान्यतः उपरोक्त योग्यताएं ऑनलाईन आवेदन करने अंतिम तिथि या उससे पूर्व का होना चाहिए लेकिन छत्तीसगढ़ शासन ने वर्ष 2023 के व्याख्याता भर्ती में यह प्रावधान किया था कि व्यापम द्वारा परीक्षाफल जारी होने के तिथि तक जारी किये गये न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता एवं अन्य योग्यता के प्रमाण पत्र मान्य होंगे।

आयु सीमा – 18 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को)।

अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं दिव्यांगजनों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही करना होता है। आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी को व्यापम के वेबसाईट में अपना प्रोफाईल रजिस्ट्रेशन करना होता है।

परीक्षा योजना :– व्याख्याता हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 150 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रश्न प्रत्र के 2 भाग होते है। प्रथम भाग में शैक्षिक मनोविज्ञान एवं सामान्य ज्ञान के 50 प्रश्न होते है। द्वितीय भाग में संबंधित विषय के 100 प्रश्न होते है। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा की अवधि 3 घण्टा होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार होती है –

क्र.	भाग	विषय का नाम	प्रश्नों की	अधिकतम	कुल समय

			संख्या	अंक	
1.	भाग एक	शैक्षिक मनोविज्ञान, शिक्षा में आकलन एवं मूल्यांकन, शिक्षण शास्त्र, शैक्षिक अभिवृत्ति	30	30	3 घंटा
2.		सामान्य अंग्रेजी	5	5	
3.		सामान्य हिन्दी	5	5	
4.		सामान्य ज्ञान	5	5	
5.		कम्प्यूटर संबंधी सामान्य ज्ञान	5	5	
6	भाग दो	आवेदक द्वारा चुना गया कोई एक विषय	100	100	
		योग	**150**	**150**	

मेरिट सूची – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर संवर्गवार मेरिट सूची तैयार की जाती है।

बोनस अंक एवं अंतिम मेरिट सूचीः– स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत अतिथि शिक्षकों को कार्य के प्रत्येक वर्ष के लिए 2 बोनस अंक (अधिकतम बोनस अंक 10) प्रदाय किये जाते है। ये बोनस अंक व्यापम द्वारा ली गई परीक्षा में प्राप्त कुल अंकों में जोड़कर तद्नुसार अंतिम मेरिट सूची तैयार किया जाता है। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय से कार्य अनुभव संबंधी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात ही बोनस अंक देय होता है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए आवेदक अपने जिले के जिला शिक्षा अधिकारी या जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है तथा व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

91.छत्तीसगढ़ के महिला एवं बाल विकास विभाग में पर्यवेक्षक (सुपरवाईजर) भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ के महिला एवं बाल विकास विभाग में तृतीय श्रेणी के कार्यपालिक पद पर्यवेक्षक (सुपरवाईजर) पद पर भर्ती हेतु छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा महिला पर्यवेक्षक (सुपरवाईजर) हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है। पर्यवेक्षक (सुपरवाईजर) का पद पर भर्ती 2 प्रकार से होती है। विभागीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिये परिसीमित सीधी भर्ती तथा अन्य महिला आवेदकों के लिये खुली सीधी भर्ती होती है। इन दोनों प्रकार की भर्ती के लिये अलग–अलग भर्ती परीक्षा का आयोजन व्यापम द्वारा एक ही दिन में अलग–अलग पालियों में किया जाता है। पर्यवेक्षक (सुपरवाईजर) का पद सिर्फ महिलाओं के लिये होता है।

आवश्यक अर्हता :– अ. खुली सीधी भर्ती के महिला आवेदकों के लिए–

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

ब. परीसीमित सीधी भर्ती के महिला आवेदकों के लिए–

1. किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण
2. छत्तीसगढ़ राज्य के किसी आंगनबाड़ी केन्द्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर न्यूनतम 10 वर्ष की सतत् सेवा पूर्ण कर ली हो तथा चयन उपरांत अभिलेखों के सत्यापन के समय भी कार्यरत हो। इस संबंध में अभिलेखों के सत्यापन के समय संबंधित बाल विकास परियोजना के परियोजना अधिकारी द्वारा जारी अनुभव प्रमाण पत्र एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर चयन हेतु जारी प्रथम नियुक्ति आदेश प्रस्तुत करना अनिवार्य होता है।

टीपः– जो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता खुली सीधी भर्ती के शैक्षणिक अर्हता एवं अन्य मापदण्डों को पूर्ण करते है वो दोनों प्रकार के भर्ती परीक्षा में भाग ले सकते है।

आयु सीमा – अ. खुली सीधी भर्ती के महिला आवेदकों के लिए– 18 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को)। अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा दिव्यांगजनों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

ब. परीसीमित सीधी भर्ती के महिला आवेदकों के लिए– इनके लिये अधिकतम आयु सीमा 62 वर्ष तक।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही करना होता है। आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी को व्यापम के वेबसाईट में अपना प्रोफाईल रजिस्ट्रेशन करना होता है।

परीक्षा योजना :– पर्यवेक्षक (सुपरवाईजर) हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। इन दोनों प्रकार की भर्ती के लिये अलग–अलग भर्ती परीक्षा का आयोजन व्यापम द्वारा एक ही दिन में अलग–अलग पालियों में किया जाता है। दोनो प्रकार के परीक्षाओं के लिये परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है–

अ. खुली सीधी भर्ती के महिला आवेदकों के लिए– लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार होती है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित योजनाएं एवं कार्यक्रम	20	40	3.00 घंटा
2.	सामान्य अंग्रेजी	10	20	
3.	सामान्य गणित	15	30	
4.	सामान्य मानसिक योग्यता एवं सामान्य ज्ञान	40	80	
5.	सामान्य हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा का सामान्य ज्ञान	15	30	
	योग	**100**	**200**	

ब. परीसीमित सीधी भर्ती के महिला आवेदकों के लिए– लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार होती है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित योजनाएं एवं कार्यक्रम	60	120	3.00 घंटा
2.	सामान्य अंग्रेजी	5	10	
3.	सामान्य गणित	10	20	
4.	सामान्य मानसिक योग्यता एवं सामान्य ज्ञान	15	30	
5.	सामान्य हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा का सामान्य ज्ञान	10	20	
	योग	**100**	**200**	

टीपः– प्रत्येक परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 2 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/2 अंक काटे जाते हैं। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

मेरिट सूची – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर दोनों प्रकार के परीक्षाओं के लिए अलग–अलग मेरिट सूची तैयार की जाती है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए आवेदक अपने जिले के जिला महिला बाल विकास अधिकारी या जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है तथा व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।